भारतीय राजव्यवस्था
एवं
अंतर्राष्ट्रीय संबंध

By : Khan Sir
(मानचित्र विशेषज्ञ)

KHAN GLOBAL STUDIES
Kisan Cold Storage, Campus, Mussallahpur,Patna - 06
Mob. : 8877918018, 8757354880

अनुक्रम

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
01.	भाग-1 संघ और राज्य (Union and Its Terriotry)	3-6
02.	भाग-2 नागरिकता (Citizenship)	7-10
03.	भाग-3 मूल अधिकार (Fundamental Rights)	11-17
04.	भाग-4 राज्य के नीति निर्देशक तत्त्व	18-22
	(Directive Principles of State Policy)	18-22
05.	मूल कर्त्तव्य (Fundamental Duties)	23-25
06.	भाग-5 संघ (Union)	26-38
07.	संसद (Parliament)	39-52
08.	सर्वोच्च/उच्चतम न्यायालय (Suprime Court S.C.)	53-57
09.	भाग-6 राज्य (State)	58-60
10.	विधानमंडल (Legislature)	61-63
11.	उच्च न्यायालय (High Court)	64-68
12.	भाग-7-10 (Part– 7-10)	69-74
13.	भाग-11-12 (Part– 11-12)	75-77
14.	भाग-13-14 (Part– 13-14)	78-80
15.	भाग-15 (Part– 15)	81-84
16.	भाग-16 (Part– 16)	85-87
17.	भाग-17 राजभाषा (National Language)	88-91
18.	भाग-18 आपातकालीन उपबंध (Emergency Provisionals)	92-96
19.	भाग-19 प्रमुख उपबंध (Key Provisions)	97-101
20.	भाग-21-22 (Part– 21-22)	102-103
21.	भारतीय संविधान एक परिचय तथा संविधान की प्रस्तावना (Indian Constitution: An introducton and preamble of the Constitution)	104-116
22.	भारतीय संविधान के भाग और अनुसूची (Parts of Indian Constitution and Its Schedules)	117-118
23.	भारतीय संविधान के भाग और अनुच्छेद (Parts of Indian Constitution and Articles)	119-131
24.	अंतर्राष्ट्रीय संबंध (International Relation)	132-136

01. भाग–1 संघ और राज्य (Union and Its Terriotry)

संविधान (Constitution)

- सभी के लिए बराबर कानून को संविधान कहते हैं। देश और राज्य का शासन कैसे चलेगा उसको चलाने के लिए जिस किताब को तैयार किया गया वह है भारतीय संविधान। इस किताब में 22 Lesson हैं। इसके lesson को हमलोग भाग कहते हैं। इसमें कुछ Topic लिखे गए हैं जिसे अनुच्छेद कहते हैं। कुल अनुच्छेद 395 हैं।

भाग 1 (अनुच्छेद 1-4)
संघ और राज्य क्षेत्र (Union and Its Terriotry)

- **अनुच्छेद 1** – भारत अर्थात् India राज्यों का संघ (India that is Bharat shall be a union of State) अर्थात् इसके राज्य कभी-भी टुटकर अलग नहीं हो सकते हैं।
- **Confederal (परिसंघ)–** परिसंघ उसे कहते हैं जिसमें छोटे-छोटे राज्य आपस में जुड़कर और अपनी थोड़ी-थोड़ी शक्तियाँ केन्द्र सरकार को देकर एक देश का निर्माण करती है। परिसंघ बहुत ही कमजोर होता है। इससे कोई भी देश आसानी से अलग हो जाते हैं।
- **Federation (संघ)–** राज्य मिलकर एक देश का निर्माण करते हैं और हर राज्य अपनी कुछ शक्तियाँ देश को दे देते हैं और देश को कहते हैं कि आप इन शक्तियों का प्रयोग करें। इससे भी कोई भी राज्य अलग हो सकता है।
- **Union (संघ)–** इसके राज्य कभी अलग नहीं हो सकते हैं।
- **अमेरिका एक Fedration है और भारत एक Union है।**
- **अनुच्छेद 2** – संसद को यह अधिकार है कि भारत के बाहर कोई देश है तो उसे भारत में मिला सकता है या किसी देश का कोई टुकड़ा है जो भारत में मिलना चाहता है उसे मिला सकते हैं। यानि अनुच्छेद 2 कहता है कि संसद राष्ट्रपति के पूर्व अनुमति (सूचना) पर किसी विदेशी राज्य को भारत में मिला सकती है। जैसे- सिक्किम।
- सिक्किम (इसके लिए 35वाँ संशोधन 1974 में करके सिक्किम को सह राज्य बनाया गया था। इसके लिए संविधान में एक special अनुच्छेद-2(क) जोड़ा गया था। लेकिन फिर सिक्किम को 36वाँ संविधान संशोधन 16 मई, 1975 के द्वारा भारत का 22वाँ राज्य बनाया गया।
- **अनुच्छेद 3** – संसद राष्ट्रपति के पूर्व अनुमति से भारत के किसी भी राज्य को (बिना उसके अनुमति) नाम, सीमा, क्षेत्र में परिवर्तन कर सकती है।

जैसे– MP – छत्तीसगढ़ (1 नवम्बर, 2000)
UP – उत्तराखंड (9 नवम्बर, 2000)
Bihar – झारखंड (15 नवम्बर, 2000)

- **अनुच्छेद-4** – जब संसद अनुच्छेद-2 का प्रयोग करेगी यानि किसी विदेशी राज्य को मिलाएगी या अनुच्छेद-3 का प्रयोग करेगी यानि किसी राज्य को तोड़ेगी तो उसके लिए राष्ट्रपति से किसी विशेष अनुमति की जरूरत नहीं है क्योंकि इसे अनुच्छेद-368 के बाहर रखा गया है। (जिसको अनुच्छेद-368 में रख दिया जाता है उसमें राष्ट्रपति का हस्ताक्षर जरूरी है।)

अखण्ड भारत

- हमारा भारत अखण्ड भारत था। सबसे पहले 1893 में डुरंड लाइन खिंच दी गई और अफगानिस्तान अलग हो गया यह अखण्ड भारत का पहला टुकड़ा था।
- अखण्ड भारत का दूसरा टुकड़ा – 1935 में म्यांमार (वर्मा) अलग हो गया।
- अखण्ड भारत का तीसरा टुकड़ा पाकिस्तान 1947 में अलग हो गया। पाकिस्तान का विभाजन मुस्लिम जनसंख्या पर हुआ था। एक ओर पूर्वी पाकिस्तान और एक ओर पश्चिमी पाकिस्तान हो गया। बाद में पूर्वी पाकिस्तान बांग्लादेश बन गया। रेडक्लिप रेखा जो भारत-पाकिस्तान को अलग करती है और भारत बांग्लादेश के बीच बॉर्डर को Zero line कहा जाता है।
- **अंग्रेजो ने देशी रियासत को 3 विकल्प दिया–**
  1. पाकिस्तान में मिल जायें,
  2. भारत में मिल जायें एवं
  3. स्वतंत्र देश बनावें।
- जब देश आजाद हुआ तो भारत में 552 से अधिक देशी रियासत (Princely State) थी। 552 देशी रियासतों को मिलाकर Federation बनाना संभव नहीं था। इसलिए सरदार पटेल को जिम्मेदारी दी गई थी कि इसे मिलाकर Union बनाइए।
- **इस काम में तीन लोगों की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी–**
  (i) सरदार पटेल,
  (ii) V. P. मेनन एवं
  (iii) लॉर्ड माउंट बेटेन।
- **इन लोगों ने सभी राज्यों को भारत में विलय करा दिया किन्तु तीन राज्य भारत में विलय के लिए तैयार नहीं थे–**

1. **हैदराबाद–** हैदराबाद के निजाम हैदराबाद को पाकिस्तान में मिलाना चाहते थे किन्तु सरदार पटेल ने पुलिस कि वर्दी में सेना भेजा जिसे ऑपरेशन पोलो कहा गया। इसी के तहत हैदराबाद को 17 सितम्बर 1948 में भारत में मिला लिया गया।

2. **जूनागढ़–** गुजरात का एक रियासत था जो पाकिस्तान में जाना चाहता था, किन्तु सरदार पटेल ने जनमत संग्रह कराकर (Referendom) उसे भारत में मिला दिया।
3. **जम्मू कश्मीर–** यहाँ की जनता मुस्लिम थी लेकिन राजा हिन्दु हरि सिंह (डोगरा शासक) थे। उन्होंने कहा कि हम न भारत में रहेंगे नहीं पाकिस्तान में रहेंगे। हम स्वतंत्र देश बनाएंगे तबतक पाकिस्तान आतंकवादियों का घुसपैठ करा दिया। जब हरि सिंह को लगा कि अब हम नहीं बचेंगे तब हरि सिंह नेहरू के पास आए और सरदार पटेल ने 26 अक्टूबर, 1947 को विलय पत्र पर हस्ताक्षर कराकर भारत का अंग बना लिया।

☞ इन सभी देशी रियासतों को मिलाकर एक भारत का निर्माण किया गया। इस भारत को चार राज्यों (A, B, C, D) में बाँटा गया।

1. A – (British Provience)– वह राज्य जहां अंग्रेजों का शासन था (9)।
2. B – (Princely State)– वह राज्य जहां देशी रियासतों का शासन था (9)।
3. C – (Commissionary)– वह बड़े शहर जहां अंग्रेज केवल उस शहर पर कब्जा किए थे (10)।
4. D – (Union Terriotry) केन्द्रशासित प्रदेश– (1)।

1. **S. K. धर कमिटी–** भाषाई आधार पर राज्यों के गठन के लिए सबसे पहला 1948 में S. K. धर आयोग का गठन किया गया किंतु इसने भाषा के आधार पर राज्यों के गठन का विरोध किया।
2. **J. V. P. समिति (जवाहर लाल नेहरू, पताभी सितारमैया, सरदार पटेल)–** इन्होंने भी भाषाई आधार पर राज्यों के गठन का विरोध किया।

☞ 1952 में तेलगू भाषा के लिए अलग राज्य के माँग करते हुए पेट्टू श्री रामलू भुख हड़ताल पर बैठ गया। और 56 दिन के भुख हरताल के बाद इसकी मृत्यु हो गई फल स्वरूप जनता का विरोध बढ़ गया। 01 Oct 1953 में मजबूर होकर तेलगू भाषा के लिए अलग राज्य आंध्रप्रदेश को परिणाम स्वरूप गठन किया गया अन्तत: यह भाषा के आधार पर गठित होने वाला पहला राज्य बना।

☞ **फजल अली आयोग–** भाषायी आधार पर राज्यों को गठन के लिए 1953 में फजल अली आयोग का गठन किया गया। इसने अपनी रिपोर्ट 1956 में दिया और भाषायी आधार पर राज्यों को कानूनी मान्यता दे दिया। इस आयोग के फल स्वरूप 7वाँ संविधान संशोधन 1956 में पारित हुआ इसके बाद A, B, C, D को रद्द करके भाषायी आधार पर 14 राज्य तथा 6 केन्द्रशासित प्रदेश बनाए गए।

☞ **PEPSU (Patiyala & East Punjab State Union)–** पंजाब राज्य का पुर्नगठन शाह आयोग के सिफारिश पर हुआ। PEPSU चार भाग में टुट गया।

1. हिमालय – हिमाचल प्रदेश
2. हिन्दी – हरियाणा
3. पंजाबी – पंजाब
4. U.T. – चंडीगढ़

☞ इस प्रकार भारत का एक विशाल साम्राज्य जो सीमट कर इतने में रह गया जिसमें 28 राज्य तथा 7 केन्द्रशासित प्रदेश बन गया। पहले केन्द्र में 29 राज्य तथा 7 केन्द्रशासित प्रदेश थे लेकिन जम्मू कश्मीर से राज्य का दर्जा छिन लिया गया और 28 राज्य बच गये। पहले 7 केन्द्रशासित प्रदेश थे लेकिन जम्मू और लद्दाख को दो केन्द्रशासित प्रदेश बना देने से इनकी संख्या 9 हो गई लेकिन एक decision लिया गया कि दादर नगर हवेली और दमन द्वीव दो अलग केन्द्रशासित प्रदेश हैं। इन्हें एक कर दादरा नागर हवेली कर दिया गया। अब वर्तमान में 28 राज्य और 8 केन्द्रशासित प्रदेश हैं।

स्मरणीय तथ्य

❖ भाषायी आधार पर सर्वप्रथम 1 अक्टूबर, 1953 को आंध्र प्रदेश का गठन हुआ।

❖ राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के द्वारा भारत को 14 राज्यों और 6 संघशासित प्रदेशों में बाँटा गया।

❖ भारत के 26वें राज्य के रूप में 1 नवंबर, 2000 को छत्तीसगढ़ का गठन हुआ।

❖ किसी नए राज्य के गठन पर संविधान की अनुसूची-1 में परिवर्तन होता है।

❖ 35वें संविधान संशोधन, 1974 द्वारा सिक्किम को सहराज्य का दर्जा दिया गया व 36वें संशोधन, 1975 के द्वारा उसे पूर्ण राज्य का दर्जा मिला।

❖ जूनागढ़, हैदराबाद और जम्मू-कश्मीर रियासतें भारत सरकार की कार्यवाहियों के फलस्वरूप भारत में शामिल हुई थीं।

❖ जूनागढ़ को जनमत संग्रह और हैदराबाद को सशस्त्र कार्यवाही (ऑपरेशन पोलो) के द्वारा भारत में मिलाया गया।

❖ जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरि सिंह (डोगरा शासक) ने पाकिस्तानी कबायली छापामारों के आक्रमण से भयभीत होकर भारत में अपना विलय स्वीकार किया।

❖ फ्राँसीसी उपनिवेश चंद्रनगर का विलय पश्चिम बंगाल में किया गया।

❖ मद्रास राज्य के तेलुगुभाषियों के लिये भाषा के आधार पर अंतर राज्य की मांग करते हुए पोट्टी श्री रामुलु की मृत्यु हो गई थी।

❖ श्री रामुलु की मृत्यु के बाद प्रधानमंत्री नेहरू ने तेलुगुभाषियों के लिए अलग राज्य आंध्र प्रदेश की घोषणा की।

❖ दिल्ली और जम्मू एवं कश्मीर ऐसे संघ राज्यक्षेत्र हैं जिनका अपना उच्च न्यायालय है।

❖ दिल्ली, पुदुचेरी और जम्मू एवं कश्मीर की विधानसभाएँ राज्य सूची और समवर्ती सूची के अधिकांश विषयों (सभी विषयों पर नहीं) पर कानून बना सकती हैं, परंतु उनकी यह शक्ति पूरी तरह से संसदीय नियंत्रण में है।

❖ NEFA का अर्थ है नॉर्थ-ईस्ट, फ्रंटियर एजेंसी।

❖ संघ राज्यक्षेत्र का प्रशासक राज्यपाल की तरह राज्य का प्रमुख नहीं होता अपितु राष्ट्रपति का एजेंट या अभिकर्त्ता होता है।

❖ संसद विधि द्वारा संघ राज्यक्षेत्र के लिये विधानमंडल या मंत्रिपरिषद् या दोनों का निर्माण कर सकती है।

❖ दिल्ली, पुदुच्चेरी व जम्मू और कश्मीर में उपराज्यपाल की सलाह व सहायता हेतु मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद् होती है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. सिक्किम भारत का एक राज्य बनाया गया था–
(A) 30वें संशोधन के अंतर्गत
(B) 32वें संशोधन के अंतर्गत
(C) 35वें संशोधन के अंतर्गत
(D) 42वें संशोधन के अंतर्गत
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
38th BPSC (Pre)

2. केंद्रशासित प्रदेश के मुख्यमंत्री, जहाँ पर इस तरह का प्रावधान है, किसके द्वारा नियुक्त किये जाते है?
(A) राष्ट्रपति (B) प्रधानमंत्री
(C) उपराष्ट्रपति
(D) उपराज्यपाल (लेफ्टिनेंट गवर्नर)
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
Bihar CDPO (Pre.), 2017

3. निम्नलिखित में से कौन भारतीय संघ का 28वाँ राज्य है?
(A) उत्तरांचल (B) झारखंड
(C) छत्तीसगढ़ (D) इनमें से कोई नहीं
Bihar CDPO (Pre.), 2005

4. हाल में आंध्र प्रदेश से अलग कर एक नए राज्य तेलंगाना का गठन हुआ है। इससे भारतीय संविधान की किस सूची में परिवर्तन होगा?
(A) अनुसूची-एक (B) अनुसूची-सात
(C) अनुसूची-नौ (D) अनुसूची-दस
BSSC-CGL(Pre.), 2014

5. किस वर्ष सिक्किम भारतीय संघ का 22वाँ राज्य बना?
(A) 1962 ई. (B) 1967 ई.
(C) 1971 ई. (D) 1975 ई.
BSSC-CGL (Pre.), 2016

6. भारत में संघ शासित प्रदेशों की संख्या है–
(A) 6 (B) 7
(C) 4 (D) 8
BSSC-CGL (Mains,) 2011

7. NEFA है–
(A) नॉर्दर्न-ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी
(B) नॉर्थ-ईस्टर्न फ्रंटियर एजेंसी
(C) नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी
(D) नॉर्थ-ईस्ट फ्रंट एजेंसी **Bihar SI (Mains), 2015**

8. निम्नलिखित में से कौन 1953 में गठित राज्य पुनर्गठन आयोग से संबंधित नहीं थे?
(A) फजली अली (B) के.एम. पणिक्कर
(C) पट्टाभि सीमारमैया (D) हृदयनाथ कुंजरू
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

9. स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् निम्न में से किस राज्य का गठन क्रमशः सबसे पहले और सबसे बाद में किया गया?
(A) मध्य प्रदेश और तेलंगाना
(B) आंध्र प्रदेश और तेलंगाना
(C) तमिलनाडु और छत्तीसगढ़
(D) उत्तर प्रदेश और तेलंगाना
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

10. फ्राँसीसी उपनिवेश चंद्रनगर का विलय किस राज्य में किया गया?
(A) केरल (B) तमिलनाडु
(C) आंध्र प्रदेश (D) पश्चिम बंगाल
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

11. 1953 में गठित राज्य पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष कौन थे?
(A) फज़ल अली (B) के.एम. पणिक्कर
(C) पट्टाभि सीतारमैया (D) हृदयनाथ कुंजरू
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

12. भारत के संविधान के अंतर्गत निम्नलिखित में से किसको राज्यों की सीमाओं को परिवर्तित करने की शक्ति प्राप्त है?
(A) संसद को (B) लोकसभा को
(C) राष्ट्रपति को (D) सर्वोच्च न्यायालय को

13. राज्य पुनर्गठन आयोग ने 1 नवम्बर, 1956 को कितने राज्य तथा कितने संघ राज्य बनाए?
(A) 14 राज्य एवं 6 संघ राज्य
(B) 17 रज्य एवं 6 संघ राज्य
(C) 14 राज्य एवं 8 संघ राज्य
(D) 17 राज्य एवं 8 संघ राज्य

14. संविधान के निम्नलिखित में से किस प्रावधान के अंतर्गत भारतीय संसद को नया राज्य बनाने का अधिकार है?
(A) अनुच्छेद 1 (B) अनुच्छेद 2
(C) अनुच्छेद 3 (D) अनुच्छेद 4

15. नए राज्ये के गठन (Carve out) की शक्ति निहित है–
(A) संसद में (B) राष्ट्रपति में
(C) मंत्रिपरिषद में (D) राज्य पुनर्गठन आयोग में

16. संविधान के प्रथम अनुच्छेद के अनुसार भारत है?
(A) राज्यों का समूह (B) राज्यों का फेडरेशन
(C) राज्यों का कन्फेडरेशन (D) राज्यों का यूनियन

17. भारतीय संघ के अंतर्गत किसी राज्य को मिलाने का अधिकार किसे है?
(A) भारत के राष्ट्रपति को (B) प्रधानमंत्री को
(C) संसद को (D) सर्वोच्च न्यायालय को

18. आंध्र प्रदेश एक भाषाई राज्य के रूप में गठित किया गया?
(A) 1950 में (B) 1953 में
(C) 1956 में (D) 1961 में

19. भाषायी आधार पर राज्यों का पुनर्गठन कब किया गया था?
(A) 1956 में (B) 1960 में
(C) 1962 में (D) 1978 में

20. 'जम्मू-कश्मीर' और 'लद्दाख' के दो अलग केन्द्र शासित प्रदेश घोषित करने बाद भारत में कुल राज्यों की संख्या कितनी है?
(A) 27 (B) 28
(C) 29 (D) 30

21. भाषायी आधार पर सर्वप्रथम किस राज्य का गठन हुआ है?
(A) राजस्थान (B) आंध्र प्रदेश
(C) मध्य प्रदेश (D) कर्नाटक

22. दिल्ली है–
(A) एक राज्य (B) एक केन्द्र शासित प्रदेश
(C) एक स्वायतशासी परिषद (D) इनमें से कोई नहीं

23. भारत में कितने संघ शासित प्रदेश हैं?
(A) 6 (B) 7
(C) 8 (D) 9

24. एक राज्य को संघ में सम्मिलित करने अथवा नए राज्यों की स्थापना करने की कार्यपालिकायी शक्ति निम्नलिखत में से किसे प्राप्त है ?
(A) संसद को (B) लोक सभा को
(C) राजनीतिक दलों को (D) केन्द्र सरकार को

25. निम्नलिखित में से कौन संघ राज्य क्षेत्र नहीं है ?
(A) अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
(B) दमन और द्वीप
(C) गोवा (D) पुडुचेरी

26. निम्न कथनों पर विचार कीजिए और दिए गए कूट की सहायता से बताइए कि इनमें से कौन सही है?
1. संविधान में "युनियन ऑफ स्टेट्स" शब्द प्रयुक्त हुआ है, क्योंकि भारती राज्यों को अलग होने का अधिकार नहीं है।
2. एस. के धर आयोग ने राज्यों के पुनर्गठन हेतु भाषा के आधार की अपेक्षा प्रशासनिक सुविधा को वरीयता दी थी।
3. पंडित नेहरू, सरदार पटेल और पट्टाभि सीतारमैया की अध्यक्षता में कांग्रेस कमेटी, राज्यों के पुनर्गठन में भाषाई के पक्ष में नहीं थी।

कूट:
(A) केवल 1 (B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3 (D) सभी तीनों

27. भारत में कितने राज्य एवं संघीय प्रदेश हैं ?
(A) 28 राज्य एवं 8 संघीय प्रदेश
(B) 25 राज्य एवं 8 संघीय प्रदेश (जिसमें राजधानी क्षेत्र भी सम्मिलित है)
(C) 26 राज्य एवं 6 संघीय प्रदेश
(D) 29 राज्य एवं 7 संघीय प्रदेश (जिसमें राजधानी क्षेत्र भी सम्मिलित है)

28. निम्नलिखित में से कौन एक नए राज्यों के निर्माण के लिए संवैधानिक उपबंध नहीं है ?
(A) किसी राज्य का क्षेत्र बढ़ाकर
(B) किसी राज्य का क्षेत्र घटाकर
(C) किसी राज्य का नाम परिवर्तन कर
(D) एक राज्य संघ राज्य क्षेत्र शामिल कर

29. S.K धर आयोग का गठन कब हुआ था?
(A) 1956 (B) 1948
(C) 1952 (D) 1945

30. भारत स्वंतत्रता के बाद कुल कितने देशी रियासत थी?
(A) 536 (B) 568
(C) 552 (D) 556

ANSWER KEY

01. (E)	02. (E)	03. (B)	04. (A)	05. (D)
06. (B)	07. (C)	08. (C)	09. (B)	10. (D)
11. (A)	12. (A)	13. (A)	14. (C)	15. (A)
16. (D)	17. (C)	18. (B)	19. (A)	20. (B)
21. (B)	22. (B)	23. (C)	24. (A)	25. (C)
26. (B)	27. (A)	28. (D)	29. (B)	30. (C)
24. (D)	25. (B)	26. (D)	27. (D)	28. (B)
29. (B)	30. (C)			

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

1. किसी नए राज्य के निर्माण की प्रक्रिया का उल्लेख कीजिये।

2. आपकी राय में किसी नए राज्य के निर्माण में सर्वोपरि शक्ति 'संसद' को ही क्यों दी गई है?

3. दिल्ली के वर्तमान प्रशासनिक ढाँचे पर प्रकाश डालिये।

4. संघ राज्यक्षेत्रों के संबंध में राष्ट्रपति की विनियमन बनाने की शक्ति को स्पष्ट करें।

5. संसद के पास संघ राज्यक्षेत्रों के संबंध में क्या-क्या शक्तियाँ है? विस्तान संहित वर्णन कीजिये।

Note:

02. भाग–2 नागरिकता (Citizenship)

- ☞ कोई भी देश अपने मूल निवासियों को कुछ विशेष अधिकार देता है इन अधिकारों को ही नागरिकता कहा जाता है। भारत में एकहरी नागरिकता है। अर्थात् हम केवल देश के नागरिक है। राज्यों का नागरिक नहीं बल्की निवासी है। भारत में नागरिकता ब्रिटेन से लिया गया है।
- ☞ नागरिकता पर पहला विवरण अरस्तु ने दिया था।
भारत कि नागरिक 1955 के अधिनियम पर आधारित है नागरिकता में पहली बार संशोधन 1986 में किया गया था।
- ☞ नागरिक होने के कारण PAN Card, Adhar Card दिया जाता है। गैर नागरिक को यह सुविधा उपलब्ध नहीं है।
- ☞ **अनुच्छेद 5 –** संविधान प्रारंभ में दी गई नागरिकता अर्थात् जब संविधान बना तो उन सभी लोगों को नागरिकता दी गई। जो उस समय भारत के अंदर थे।
- ☞ **अनुच्छेद 6 –** पाकिस्तान से भारत में आये लोगों का नागरिकता किन्तु यदि वह संविधान बनने के बाद आएंगे तो नागरिकता नहीं मिलेगी। (Permit Rule लागू 19 July, 1948)
- ☞ **अनुच्छेद 7 –** स्वतंत्रता के बाद भारत से पाकिस्तान चले गए ऐसे व्यक्ति जो संविधान बनने से पहले लौट आए तो उन्हें नागरिकता दे दी जाएगी।
- ☞ **अनुच्छेद 8 –** विदेश भ्रमण एवं नौकरी करने पर भारत की नागरिकता समाप्त नहीं होगी।
- ☞ **अनुच्छेद 9 –** विदेशी नागरिकता लेने पर भारत कि नागरिकता समाप्त कर दी जाएगी।
- ☞ **अनुच्छेद 10 –** भारतीयों की नागरिकता बनी रहेगी तब तक जब तक कि वह कोई देश विरोधी कार्य नहीं करते।
- ☞ **अनुच्छेद 11 –** नागरिकता संबंधी कानून संसद बनाती है यह जिम्मेदारी गृह मंत्रालय को दी गई है।

नागरिकता अधिनियम (Citizenship Act) – 1955

- ☞ इस अधिनियम में नागरिकता प्राप्त करने की पांच विधियाँ तथा नागरिकता समाप्त करने की तीन विधियाँ हैं।

➢ **नागरिकता प्राप्त करने की विधियाँ–**

- ☞ भारत में नागरिकता प्राप्त करने की पाँच विधियाँ है।

1. **जन्म के आधार पर (1986)–** संविधान लागू होने के बाद भारत में जन्म लेने वाले सभी बच्चों को नागरिकता दी जाएगी, यदि उनके माता-पिता भारत के नागरिक हो।
Ex.:– हम सभी को इसी विधि द्वारा नागरिकता प्राप्त हुई।
2. **वंश के आधार पर (1992)–** विदेश में जन्म लेने वाले बच्चों को भी नागरिकता दी जायेगी। यदि उसके माता-पिता या दोनों में से कोई एक भारत का नागरिक हो।
Ex.:– शिखर धवन का बच्चा, सानिया मिर्जा का बच्चा।
3. **पंजीकरण (Registration)–**इसी विधि द्वारा नागरिकता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को 7 साल लगातार भारत में रहना होगा। इस विधि द्वारा राष्ट्रमंडल देशों को नागरिकता दी जाती है।
4. **देशीकरण (Naturalization)–** वैसा व्यक्ति जो भारत के कम-से-कम एक भाषा को जानता हो। भारत के प्रति सकारात्मक सोंच रखता हो। वैज्ञानिक या कला में निपुण हो, साथ ही लगातार भारत में 12 साल तक रहा हो, तो उसे देशीकरण विधि द्वारा नागरिकता दी जाती है।
Ex.:– मदर टेरेसा को भारत की नागरिकता।
5. **अर्जित भूमि–** किसी विदेशी राज्य को भारत में मिला लेने पर वहाँ के लोगों को नागरिकता दे दी जायेगी। सिक्किम का भारत में विलय होने के बाद वहाँ के निवासी को दी गई नागरिकता। बांग्लादेश के परगना जिले को नागरिकता।
Remark :– नागरिकता में पहला 1986 ई० में, दूसरा 1992 ई० में, तीसरा 2005 ई० में, चौथा 2015 ई० में और पाँचवां 2019 ई० में संशोधन किया गया।

- ☞ **NRI (Non Resident India)–** वह नागरिक जो वर्तमान में भारत में नहीं रह रहा है। लेकिन वो भारत का नागरिक है। वह विदेश में 6 माह से ज्यादा (पढ़ाई या नौकरी करने) के लिए चला गया हो तो वो NRI कहलाएगा।
- ☞ **Overseas नागरिकता–** इसे 2005 में लक्ष्मीमल सिंधवी समिति द्वारा जोड़ा गया। ये बड़े-बड़े उद्योगपतियों को दिया जाता है। जो विदेशी नागरिकता ग्रहण कर लिए हैं। इस नागरिकता को प्राप्त करने वाला व्यक्ति बिना VISA के भारत आ सकता है। उसका VISA आजीवन मान्य रहता है।

➢ **नागरिकता समाप्त होने की तीन शर्तें–**

1. यदि कोई व्यक्ति विदेशी नागरिकता ग्रहण कर लें तो उसकी भारत की नागरिक समाप्त कर दी जाएगी।
2. यदि व्यक्ति भारत की नागरिकता अपने ईच्छानुसार छोड़ दे तो उसकी नागरिकता समाप्त हो जाएगी।
3. सरकार उस व्यक्ति की नागरिकता रद्द कर देगी जब कोई व्यक्ति संविधान में आस्था न रखें, देश विरोधी कार्य करें, पागल हो जाए, धोखे से नागरिकता ग्रहण कर लें या बिना बतायें लगातार 7 वर्ष तक विदेश में रह जाए।

- ☞ **VISA–** किसी दुसरे देश में जाने के लिए अनुमति की आवश्यकता होती है। इस अनुमति को ही VISA कहते हैं। बिना VISA किसी दुसरे देश में प्रवेश नहीं कर सकते।
- ☞ **PASSPORT–** अपने देश को छोड़कर दुसरे देश में जाने के लिए खुद अपने देश से अनुमती लेनी पड़ती है। जिसे Passport कहते हैं।

- **AMBASSADOR राजदूत–** प्रत्येक देश अपने देश के एक अधिकारी को दूसरे देश में राजनीतिक संबंध बनाने के लिए रखता है। कोई भी देश किसी दूसरे देश के राजदूत पर पुलिस कार्रवाई, गिरफ्तारी या मुकदमा नहीं चला सकता। यह व्यवस्था वियना समझौता के तहत किया गया। राष्ट्रमंडल देशों के राजदूतों को उच्चायुक्त (High Commissioner) कहा जाता है।
- **राष्ट्रमंडल देश–** वैसे देश जो कभी-न-कभी इंग्लैंड के गुलाम थे उन्हें राष्ट्रमंडल देश कहते हैं। इनकी संख्या 53 है।
- कॉमन वेल्थ का मुख्यालय लंदन में है। वर्तमान में कॉमन वेल्थ का अध्यक्ष महाराज चार्ल्स तृतीय है।
- महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने प्रिंस चार्ल्स को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया।

  Note :– अमेरिका, ब्रिटेन का गुलाम था। किन्तु इसने कॉमन वेल्थ की सदस्यता नहीं ली।
- **CAA (Citizenship Amendment Act-2019) (नागरिकता संशोधन अधिनियम)–** यह भारत की संसद द्वारा पारित एक अधिनियम है जिसके द्वारा सन् 1955 का नागरिकता कानुन को संशोधित करके यह व्यवस्था की गई की 31 दिसम्बर, 2014 के पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से धार्मिक प्रतारना वाले अल्पसंख्यक (हिन्दु, बौद्ध, सिख जैन, पारसी एवं इसाई को भारत की नागरिकता प्रदान की जायेगी। इस विधेयक में भारतीय नागरिकता को प्राप्त करने के लिए आवश्यक 11 वर्ष तक भारत में रहने की शर्त्त में भी छुट देते हुए इस अवधि को केवल 5 वर्ष तक भारत में रहने की शर्त्त के रूप में बदल दिया गया।
- 20 दिसम्बर 2019 को पाकिस्तान के 7 शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता देकर इस अधिनिमय को लागू कर दिया गया।
- **NRC (National Register of Citizens) राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर–** भारत के राष्ट्रीय नागरिक पंजी भारत सरकार द्वारा निर्मित एक पंजी है जिनमे उन भारतीय नागरिकों के नाम है जो असम के वास्तविक (वैध) नागरिक है। यह पंजी विशेष रूप से असम के लिए ही बनाई गयी थी।

  जब पाकिस्तान और बंगलादेश में लड़ाई चल रही थी तो बहुत से लोग वहाँ से भाग कर भारत चले आये। ये सभी लोग धार्मिक प्रताड़ित नहीं बल्कि अपने ही देश के लोगों द्वारा प्रताड़ित थे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने 2013 में कहा था कि आप NRC लाइये और जो व्यक्ति 24 मार्च 1971 से पहले भारत आये हैं। उन्हें NRC के तहत नागरिकता दे दी जाय।
- 2015 में NRC का रजिस्टर बनने लगा।
- NRC में रजिस्टर होने के लिए दो लिस्ट को मिलाकर कुल 30 Document में से कोई एक का होना आवश्यक है। यदि आपके पास कोई भी Document नहीं है तो आपको 4 माह का समय दिया जाएगा। आपको 4 माह के अंदर अपने आप को साबित करना पड़ेगा। यदि 4 माह के अंदर अपने आप को साबित नहीं कर पाये तो आपको District Court जाना पड़ेगा। यदि Disctrict Court आपको साबित नहीं करता है तो आपको High Court एवं Supreme Court जाना पड़ेगा। यदि High Court एवं Supreme Court भी आपको साबित नहीं करता है तो आपकी नागरिकता समाप्त कर दी जाएगी और आपको Detection Centre में भेज दिया जाएगा।
- **NPR (National Population Register) राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर–** NPR देश के निवासियों का एक रजिस्टर है। इसे नागरिकता अधिनियम 1955 और नागरिकता नियम 2003 के प्रावधानों के आधार पर स्थानीय, ग्राम पंचायत, तहसील, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर तैयार किया गया। आपके परिवार कितना है? और कौन व्यक्ति कहाँ रहते है? इस आधार पर NPR बनेगा। इससे जनसंख्या की गणना की जाएगी। NPR के बाद जनगणना का सही आंकड़ा मिलेगा।

स्मरणीय तथ्य

- भारतीय संविधान के भाग 2 में अनुच्छेद 5 से 11 तक नागरिकता से संबंधित प्रावधानों का उल्लेख है।
- भारत में संसद की नागरिकता संबंधी कानून बनाने का अधिकार है।
- लोकसभा एवं राज्य विधानसभा के निर्वाचन हेतु मत देने तथा संसद एवं राज्य विधानमंडल की सदस्यता का अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को प्राप्त है।
- नागरिकता अधिनियम, 1955 के अनुसार, जन्म से, वंशानुगत, पंजीकरण द्वारा, देशीयकरण द्वारा क्षेत्र सम्मिलित होने के आधार पर ही नागरिकता प्राप्त की जा सकती है।
- अनुच्छेद 11 संसद को नागरिकता के संबंध में विधि बनाने के लिए शक्ति प्रदान करता है।
- अनुच्छेद 15, 16, 19, 29 तथा 30 के अंतर्गत मूल अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को ही प्राप्त है।
- भारत में इकहरी या एकल नागरिकता का प्रावधान है।
- जो व्यक्ति जन्म के आधार पर भारत का नागरिक है, उसे किसी भी स्थिति में नागरिकता से वंचित नहीं किया जा सकता।
- नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2015 के द्वारा PIO कार्डो को OCI कार्ड का ही दर्जा प्राप्त होगा।
- भारत में ब्रिटेन के समान इकहरी या एकल नागरिकता का प्रावधान है। अमेरिका और स्विट्जरलैंड में दोहरी नागरिकता का प्रावधान है।
- नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 के तहत बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आने वाले हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, फारसी और ईसाई धर्म से संबंध रखने वालों को भारतीय नागरिकता देने का प्रावधान है।
- अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के लिये जन्म से अमेरिका का नागरिक होना चाहिये जबकि भारत का राष्ट्रपति बनने के लिये ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. नागरिकता (संशोधन) कानून कब पारित हुआ?
(A) 11 दिसंबर, 2018 (B) 11 दिसंबर, 2019
(C) 11 अक्टूबर, 2019 (D) 11 अक्टूबर, 2020
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
66th BPSC (Pre)

2. निम्नलिखित में से क्या भारत का नागरिक बनने के लिये आवश्यक नहीं है?
(A) वंशानुक्रम (B) जन्म
(C) अधिगृहित संपत्ति (D) देशीयकरण
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
Bihar SI (Mains), 2018

3. भारतीय नागरिकता नहीं प्राप्त की जा सकती है-
(A) जन्म द्वारा
(B) देशीयकरण
(C) किसी भूभाग के सम्मिलन द्वारा
(D) भारतीय बैंकों में धन जमा करके
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

4. भारत में कौन-से पद के लिये जन्म से भारत का नागरिक होना जरूरी है?
(A) राष्ट्रपति (B) प्रधानमंत्री
(C) मुख्य निर्वाचन आयुक्त (D) उपराष्ट्रपति
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

5. निम्नलिखित में से कौन-सा अनुच्छेद संसद को नागरिकता के संबंध में विधि बनाने के लिए शक्ति प्रदान करता है?
(A) अनुच्छेद- 8 (B) अनुच्छेद- 9
(C) अनुच्छेद- 10 (D) अनुच्छेद- 11
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

6. नागरिकता अधिनियम, 1955 के अनुसार भारत की नागरिकता कितने तरीके से प्राप्त की जा सकती है?
(A) 3 (B) 4
(C) 5 (D) 6
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

7. किसी भारतीय नागरिक को किसी भी दशा में भारत की नागरिकता से वंचित नहीं किया जा सकता, यदि वह-
(A) उद्भव (वंश) से नागरिक है।
(B) देशीयकरण से नागरिक है।
(C) जन्म से नागरिक है।
(D) वह भारतीय सशस्त्र सेना में कार्यरत है।
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

8. किस देश में दोहरी नागरिकता (Policy of Dual Citizenship) का सिद्धांत स्वीकार किया गया है?
(A) भारत (B) कनाडा
(C) ऑस्ट्रेलिया (D) संयुक्त राज्य अमेरिका

9. भारत में नागरिकता की निम्नलिखित विशेषताओं में से कौन-सी सही है?
(A) राज्य तथा राष्ट्र की दोहरी नागरिकता
(B) राज्य की एकल नागरिकता
(C) संपूर्ण भारत की एकल नागरिकता
(D) भारत और अन्य देश की दोहरी नागरिकता

10. नागरिकता पांच प्रकार से प्राप्त किया जा सकता है। इसको समाप्त कितने प्रकार से किया जा सकता है-
(A) 5 (B) 3
(C) 7 (D) 9

11. निम्न में से कौन नागरिकता के अर्जन हेतु शर्तों को नियत करने के लिए सक्षम है?
(A) चुनाव आयोग (B) राष्ट्रपति
(C) संसद एवं राज्यों की विधान सभाएं सम्मिलित रूप से
(D) संसद

12. संविधान द्वारा प्रदत्त नागरिकता के सम्बन्ध में संसद ने एक व्यापक नागरिकता अधिनियम कब बनाया?
(A) 1952 (B) 1960
(C) 1955 (D) 1959

13. भारतीय संविधान के अन्तर्गत भारत के नागरिकों को कौन-कौन से अधिकतर प्राप्त हैं, जो गैर नागरिकों को नहीं हैं?
(A) कुछ सार्वजनिक पदों की पत्रता
(B) संसद व विधानमंडल के सदस्य होने का अधिकार
(C) अनुच्छेद 15, 16 एव 19 द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार
(D) उपर्युक्त सभी

14. भारतीय संविधान में नागरिकता के प्रावधान कब लागू हुए?
(A) 1949 (B) 1950
(C) 1951 (D) 1952

15. निम्न में से किस स्थिति में किसी व्यक्ति को भारतीय नागरिकता से वंचित नहीं किया जा सकता है?
(A) निर्वाचन के दौरान (B) आपातकाल दौरान
(C) युद्ध के दौरान (D) उपर्युक्त सभी

16. भारत में एकल नागरिकता की अवधारणा अपनाई गई है?
(A) यू.एस.ए. (B) कनाडा
(C) इंग्लैंड (D) फ्रांस

17. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के तहत सांसद को भविष्य में नागरिकता के संबंध में कानून बनाने का अधिकार प्रदान किया गया है?
(A) अनुच्छेद- 9 (B) अनुच्छेद- 10
(C) अनुच्छेद- 11 (D) अनुच्छेद- 5

18. पाकिस्तान से आकर भारत में नागरिकता प्राप्त करने संबंध प्रावधान का वर्णन निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद में वर्णित है?
(A) अनुच्छेद- 6 (B) अनुच्छेद- 7
(C) अनुच्छेद- 9 (D) अनुच्छेद- 10

19. एक व्यक्ति नागरिकता के अधिकार कैसे खो सकता है? एक कारण हो सकता है-
(A) एक व्यक्ति दूसरे देश की नागरिकता ले लेता है
(B) एक व्यक्ति बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करता है
(C) एक व्यक्ति राज्य के लिए कर्त्तव्य का प्रदर्शन नहीं करता है
(D) एक व्यक्ति किसी दूसरे देश में 2 महीने के लिए चला जाता है।

20. नागरिकता प्राप्त करने के लिए शर्तें निर्धारित करने वाला सक्षम निकाय कौन-सा है?
(A) राष्ट्रपति (B) संसद और विधानसभाएं
(C) संसद (D) चुनाव आयोग

21. भारतीय संविधान निम्न में से कौन-सी नागरिकता प्रदान करता है?
(A) दोहरी नागरिकता (B) एकल नागरिकता
(C) राज्य की नागरिकता (D) A एवं B दोनों

22. संसद द्वारा पारित नागरिकता अधिनियम, 1955 के द्वारा नागरिकता प्राप्ति हेतु तरीके नहीं है?
(A) जन्म (B) वंशानुगत
(C) देशीय करण (D) इनमें से कोई नहीं

23. सत्य चुनिए-
(A) भारतीय संविधान में नागरिकता की परिभाषा दी गई है
(B) भारतीय संविधान में नागरिकता की परिभाषा नहीं दी गई है।
(C) भारतीय संविधान में नागरिकता की परिभाषा स्पष्ट नहीं दी गई है।
(D) राज्य सरकार भी नागरिकता प्रदान कर सकती है

24. भारतीय संविधान के अनुसार 'नागरिकता के अधिकारों का बना रहना' किस अनुच्छेद के अनुसार है?
(A) 9 (B) 10
(C) 11 (D) 8

25. भारतीय संविधान में नागरिकता की परिभाषा किस अनुच्छेद में दी गयी है?
(A) 5 (B) 7
(C) 9 (D) इनमें से कोई नहीं

26. किस समिति ने प्रवासी भारतीय दिवस 9 जनवरी को मनाने की सिफारिश की?
(A) लोढ़ा समिति (B) सिंघवी समिति
(C) नाथूराम मिर्धा समिति (D) M.D. समिति

27. नागरिकता का प्रावधान भारतीय संविधान के किस भाग में व किस अनुच्छेद में है?
(A) भाग 3, अनुच्छेद- 12-17
(B) भाग 2, अनुच्छेद- 5-11
(C) भाग 2, अनुच्छेद- 5-8
(D) इनमें से कोई नहीं

28. नागरिकता अधिनियम, 1955 के अंतर्गत पंजीकरण द्वारा भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के लिए भारतीय मूल के व्यक्ति को भारत में कितने वर्ष बिताने होंगे?
(A) 5 वर्ष (B) 3 वर्ष
(C) 7 वर्ष (D) 9 वर्ष

ANSWER KEY

01. (B)	02. (C)	03. (D)	04. (E)	05. (C)
06. (C)	07. (C)	08. (D)	09. (C)	10. (B)
11. (D)	12. (C)	13. (D)	14. (A)	15. (D)
16. (C)	17. (C)	18. (A)	19. (A)	20. (C)
21. (B)	22. (D)	23. (B)	24. (B)	25. (D)
26. (B)	27. (B)	28. (C)		

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

1. किस प्रकार कोई विदेशी व्यक्ति भारत की नागरिकता प्राप्त करता है? इस संबंध में संवैधानिक प्रावधानों का उल्लेख करते हुए दारहण सहित उत्तर दीजिये।

2. भारत के मूल नागरिक तथा अनिवासी भारतीयों के बीच अंतरों को बताइये, साथ ही नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 के प्रमुख संशोधनों पर प्रकाश डालें।

Note:

03. भाग–3 मूल अधिकार (Fundamental Rights)

☞ मूल अधिकार को नैसर्गिक अधिकार कहते हैं क्योंकि ये जन्म के बाद मिल जाता है। मूल अधिकार को 'मैग्नाकाटा' कहते हैं। इसे U.S.A के संविधान से लिया गया है।

➢ **भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मूल अधिकार (Fundamental Rights Conferred by Indian Constitution)–**

☞ **अनुच्छेद 12 –** इस अनुच्छेद के तहत मौलिक अधिकार के द्वारा राज्य को परिभाषित (Definition of State) किया गया है। मूल अधिकार जीवन जीने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इन्हें न्यायसर्गिक अधिकार भी कहते हैं।

☞ **अनुच्छेद 13 –** यदि हमारे मूल अधिकार को किसी दूसरे मूल अधिकार प्रभावित करे, तो हमारे मूल अधिकार पर रोक लगाया (अल्पीकरण) जा सकता है।

1. समता/समानता का अधिकार [अनु॰ 14-18] Right of Equility [Article - 14-18]

☞ **अनुच्छेद 14 –** विधि के समक्ष समानता (Equility before law) अर्थात् कानून के सामने सब समान है। यह व्यवस्था ब्रिटेन से ली गई है। जब कि कानून के समान संरक्षण (Equal protection of law) कि व्यवस्था अमेरिका से ली गई है।
अपवाद– राष्ट्रपति तथा राज्यपाल पर फौजदारी मुकदमा तथा गिरफ्तारी तब तक नहीं किया जा सकता जबतक कि वे अपने पद पर हो।

☞ **अनुच्छेद 15 –** जाति, धर्म, लिंग तथा जन्मस्थान के आधार पर सार्वजनिक स्थान (सरकारी स्थान) पर भेद-भाव (Discrimination) नहीं किया जायेगा।
Note :– अल्पसंख्यक की गणना धर्म के आधार पर होती है।
जैसे– मुस्लिम, जैन, बौद्ध, सिख, ईसाई आदि।
Remark :– आरक्षण की व्यवस्था जाति के आधार पर होती है।

☞ **अनुच्छेद 16 –** लोक नियोजन (Public employment) में अवसर की समानता (सरकारी नौकरी की समानता) इनमें पिछड़े वर्ग के लिए कुछ समय आरक्षण की चर्चा है।

☞ **अनुच्छेद 17 –** अस्पृश्यता (Untouchability) [छुआ-छूत का अन्त]

☞ **अनुच्छेद 18 –** उपाधियों के अंत (Abolition of titles) किन्तु शिक्षा, सुरक्षा तथा भारत रत्न, पदम विभूषण इत्यादि रख सकते हैं। विदेशी उपाधि रखने के पूर्व राष्ट्रपति से अनुमति लेनी पड़ती है।
जैसे– इंजीनियर, डॉक्टर, मेजर, कर्नल आदि।

2. स्वतंत्रता का अधिकार [अनु॰ 19 -22] Right of Freedom [Article - 19-21]

☞ **अनुच्छेद 19 –**
(i) अभिव्यक्ति कि स्वतंत्रता (Freedom of Expression), बोलने की स्वतंत्रता (Freedom of Speech), झण्डा लहराने (Freedom to wave the flag), पुतला जलाने (burning the effigy), RTI एवं प्रेस कि स्वतंत्रता (RTI and Freedom of press)
(ii) बिना हथियार सभा करने की स्वतंत्रता (Freedom to assemble without arms)
(iii) संगठन बनाने कि स्वतंत्रता (Freedom to form association)
(iv) बिना रोक टोक चारों ओर घुमने कि स्वतंत्रता (Freedom to move around without restriction)
(v) भारत में किसी क्षेत्र में बसने कि स्वतंत्रता (Freedom to settle in any area in India)
(vi) सम्पत्ति का अधिकार (Right of property) अब यह मूल अधिकार नहीं रहा। बल्कि कानूनी अधिकार (Legal Rights) हो गया।

☞ मूल संविधान में मूल अधिकारों की संख्या 7 थी किंतु सम्पत्ति के अधिकार (Rights of properties) को 44वें संविधान संशोधन द्वारा 1978 में मौलिक अधिकार से हटा दिया गया। अब इसे अनुच्छेद 300 (क) के तहत कानूनी अधिकार (Legal Rights) में रखा गया है।
(vii) व्यवसाय करने कि स्वतंत्रता (Freedom to do business)

☞ **अनुच्छेद 20 – इसमें तीन प्रकार कि स्वतंत्रता दी गई है–**
(i) एक गलती कि एक सजा
(ii) सजा उस समय के कानून के आधार पर दी जायेगी न कि पहले या बाद के कानून के आधार पर
(iii) सजा के बाद भी कैदी को संरक्षण दिया जाता है।
Note :– अनुच्छेद 20 के अनुसार जब तक किसी व्यक्ति को न्यायालय दोषी करार नहीं कर देती है तब तक उसे अपराधी नहीं माना जाता।

☞ **अनुच्छेद 21 –** इसमें प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता (Life and Personal liberty) है इसी के कारण अधिक धुँआ देने वाले वाहन या बिना हेलमेट वाले व्यक्ति को पुलिस चालान काटती है। अनुच्छेद-21 में ही निजता का अधिकार (Right to privacy) पर जोड़ दिया गया है। अब हमारी गोपनीय जानकारी को कोई उजागर नहीं कर सकता।
Note :– अनुच्छेद 20 तथा 21 को अपातकाल के दौरान नहीं रोका जा सकता। अत: इसे सबसे शक्तिशाली मूल अधिकार कहते हैं।

Lie Detection Test

- Narco Test (Sodium Penthol)
- Polygraph (Election Impulse)

☞ **अनुच्छेद 21 (क)–** इसे 6 से 14 वर्ष के बच्चों को नि:शुल्क प्राथमिक शिक्षा का अधिकार (Right to Primary education) है। इसे 86वाँ संशोधन द्वारा 2002 में जोड़ा गया। जो 1 अप्रैल, 2010 से लागू हुआ।

☞ **अनुच्छेद 22 –** इसमें तीन प्रकार की स्वतंत्रता दी गई है जो गिरफ्तारी (Arrest) से संरक्षण (रक्षा) (Safety) करती है।

(i) व्यक्ति को गिरफ्तार करने से पहले वारंट (कारण) बताना होता है।

(ii) 24 घंटे के अंदर उसे न्यायालय में सह-शरीर प्रस्तुत किया जाता है। इस 24 घंटे में यातायात तथा अवकाश का समय नहीं गिना जाता है।

(iii) गिरफ्तार व्यक्ति को अपने पसंद का वकील रखने का अधिकार है।

➢ **निवारक निरोध अधिनियम (Preventive Detention Act)–**

☞ इसकी चर्चा अनुच्छेद 22 के IV में है। इसका उद्देश्य किसी व्यक्ति को सजा देना नहीं बल्कि अपराध करने से रोकना है। इस कानून के तहत पुलिस शक के आधार पर किसी भी व्यक्ति को बिना कारण बताये अधिकतम तीन महीने तक गिरफ्तार या नजरबंद कर सकती है।

☞ **नजरबंद–** किसी व्यक्ति को जब समाज से मिलने नहीं दिया जाता है। तो उसे नजरबंद कहते हैं। नजरबंद होटल, आवास या जेल कहीं भी हो सकता है।

➢ **भारत में प्रमुख निवारक निरोध अधिनियम (Major Preventive Detention Acts in India)–**

(i) **निवारक निरोध अधिनियम 1950 –** यह भारत का पहला निवारक निरोध अधिनियम है। 31 Dec 1972 में इसे समाप्त कर दिया गया।

(ii) **आंतरिक सुरक्षा अधिनियम (MISA – Maintenance of Internal Security Act)–** इसे 1971 में लाया गया किन्तु इसका सर्वाधिक दुरूपयोग हुआ जिस कारण 1978 में इसे समाप्त कर दिया गया।

(iii) **राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) (National Security Act)–** इसे 1980 में लाया गया। यह अभी तक लागू है। यह वर्त्तमान में सबसे खतरनाक अधिनियम है। इसके तहत पुलिस इनकाउंटर कर देती है।

(iv) **आतंकवादी एवं विध्वंसक गतिविधियाँ – TADA (Terrorist and Disruptive Activities)–** इसे 1985 में आतंकवादी के विरूद्ध लाया गया था। दुरूपयोग होने के कारण 23 may 1995 में इसे समाप्त कर दिया गया।

(v) **आतंकवादी निवारक अधिनियम– POTA (Prevention of Terrorism Act)–** यह भी आतंकवादी पर लगाया जाता है। इसे 2001 में प्रारंभ तथा 2004 में समाप्त कर दिया गया।

(vi) **गैरकानूनी गतिविधियाँ अधिनियम– UAPA (Unlawful Activities Prevention Act)–** इस कानून का मुख्य उद्देश्य आतंकी गतिविधियों पर रोक लगाना है। पुलीस और जांच एजेंसियाँ इस कानून के तहत ऐसे आतंकियों, अपराधियों और संदिग्धों को चिन्हित करती है जो आतंकी गतिविधियों में शामिल होते हैं।

3. शोषण के विरूद्ध अधिकार [अनु॰ 23-24] Right Against Exploitation (Article - 23-24)

☞ **अनुच्छेद 23 –** बलात श्रम (जबरदस्ती श्रम) तथा बेगारी (बिना वेतन) (Forced labour) पर रोक लगाया गया। किन्तु राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर बलात श्रम या बेगारी (Forced labour) कराया जा सकता है।

☞ **अनुच्छेद 24 –** 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को खतरनाक काम (Dangerous Work) में नहीं लगाया जा सकता।

4. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार [अनु॰ 25–28] Right to freedom of Religion (Article - 25-28)

☞ **अनुच्छेद 25 –** अंत: करण (Conscious) की चर्चा अर्थात् व्यक्तिगत धार्मिक स्वतंत्रता कि चर्चा है। इसके तहत सिखों को कृपाण (तलवार) मुस्लिमों को दाढ़ी, हिन्दुओं को टिकी रखने की स्वतंत्रता है।

☞ **अनुच्छेद 26 –** इसमें सामुहिक धार्मिक स्वतंत्रता की चर्चा है। इसी के तहत यज्ञ, हवन करने, सड़क पर नमाज पढ़ने, धार्मिक संस्थान की स्थापना करना, धार्मिक क्रिया-कलाप में भाग लेने का अधिकार है।

☞ **अनुच्छेद 27 –** धार्मिक कार्य के लिए दिया गया धन पर टैक्स नहीं लगता है।

☞ **अनुच्छेद 28 –** सरकारी धन से चल रहे संस्थान में धार्मिक शिक्षा (Religious Education) नहीं दी जाएगी।

Remark :– संस्कृत एक भाषा है न कि हिन्दु धर्म कि धार्मिक शिक्षा इसी प्रकार उर्दू तथा अरबी एक भाषा है न कि इस्लाम धर्म कि शिक्षा। अत: सरकारी मदरसा अनुच्छेद- 28 का उल्लंघन नहीं है।

5. संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (अनु॰ 29-30) अल्पसंख्यक Cultural and Educational Rights (Article - 29-30)

☞ **अनुच्छेद 29 (अल्पसंख्यकों के हितों का संरक्षण)–**इसमें अल्पसंख्यकों की रक्षा है और कहा गया है कि किसी भी अल्पसंख्यक को इसकी भाषा या संस्कृति के आधार पर किसी संस्था में प्रवेश से नहीं रोक सकते।

☞ **अनुच्छेद 30 (अल्पसंख्यकों का शिक्षा संरक्षण) –** अल्पसंख्यक यदि बहुसंख्यकों के बीच में शिक्षा लेने से संकोच कर रहा है तो अल्पसंख्यक अपने पसंद कि संस्था खोल सकते हैं। सरकार उसे भी धन देगी।

☞ **अनुच्छेद 31 –** इसमें पैतृक सम्पत्ति कि चर्चा की गई है। जो मूल अधिकार था किन्तु 44वाँ संविधान संशोधन 1978 द्वारा इसे कानूनी अधिकार बना दिया गया और अनुच्छेद 300 (क) में जोड़ दिया गया।

Remark :–

(i) अनुच्छेद- 19(VI) में अर्जित सम्पत्ति की चर्चा है। जबकि 31 में पैतृक सम्पत्ति कि चर्चा है।

(ii) मूल अधिकार को हमसे सरकार या जनता कोई नहीं छीन सकता जबकि कानूनी अधिकार को जनता नहीं छीन सकती किन्तु सरकार छीन सकती है। इसके लिए सरकार ने भूमि अधिग्रहण विधेयक लाया।

6. संवैधानिक उपचारों का अधिकार [अनु॰ 32]
Right to constitutional remedies (Article- 3

☞ **अनुच्छेद 32 –** संवैधानिक उपचार का अधिकार अनुच्छेद 32 को मूल अधिकार को मूल अधिकार बनाने वाला मूल अधिकार कहा जाता है क्योंकि इसके द्वारा व्यक्ति मौलिक अधिकार हनन के मामले पर सीधे सुप्रीम कोर्ट जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट पाँच प्रकार के रिट/याचिका या समादेश जारी करती है।

बंदी	पति	परमेश्वर	उसका	अधिकार
↓	↓	↓	↓	↓
बंदी प्रत्यक्षीकरण	प्रतिषेध	परमादेश	उत्प्रेशन	अधिकार पृच्छा

☞ **बन्दी प्रत्यक्षीकरण (Habeas Corpus)–** यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सबसे बड़ा रिट है। यह बन्दी बनाने वाली अधिकारी को आदेश देती है कि उसे 24 घंटे के भीतर सह शरीर न्यायालय में प्रस्तुत करें।

☞ **परमादेश (Mandameous)–** इसका अर्थ होता है- 'हम आदेश देते हैं'। जब कोई सरकारी अधिकारी अच्छे से काम नहीं करता है। तो उसपर यह जारी किया जाता है।

☞ **अधिकार पृच्छा (Quo Warranto)–** जब कोई व्यक्ति ऐसे कार्य को करने लगे जिसके लिए वह अधिकृत नहीं है तो उसे रोकने के लिए अधिकार पृच्छा आता है। संवैधानिक उपचारों में अधिकार पृच्छा को पोस्टमार्टम भी कहा जाता है।

☞ **प्रतिषेध (Prohibition)–** यह उपरी न्यायालय अपने से निचली न्यायालय पर तब लाती है। जब निचली न्यायालय अपने अधिकारों का उलंघन करके फैसला सुना चुकी रहती है।

☞ **उत्प्रेषण (Certiorari)–** यह भी उपरी न्यायालय अपने से निचली न्यायालय पर तब लाती है। जब निचली न्यायालय अपने अधिकार का उलंघन करके फैसला सुना चुकी रही है।

Note:–

1. अम्बेदकर ने अनु॰ 32 को 'संविधान की आत्मा' कहा था।
2. किस भाग को संविधान की आत्मा कहते हैं। –प्रस्तावना
3. ये पाँच प्रकार के रिट को अनुच्छेद 226 के तहत हाईकोर्ट भी जारी कर सकता है।

☞ **अनुच्छेद 33 –** राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में संसद, सेना, मीडिया तथा गुप्तचर के मूल अधिकार को सीमित कर सकती है।

☞ **अनुच्छेद 34 –** भारत के किसी भी क्षेत्र में सेना का कानून (Marshal law) लागू किया जा सकता है। सेना के न्यायालय को Court Marshal कहते है। सबसे कठोर Marshal law-AFSPA है। [Axnel Forces Special Power Act]

☞ **अनुच्छेद 35 –** भाग 3 में दिए गए मूल अधिकार के लागू होने के विधि की चर्चा।

☞ **मूल अधिकार को 7 श्रेणियों में बाँटा गया था। किन्तु वर्त्तमान में 6 श्रेणीयाँ है–**

श्रेणी (Series)	अनुच्छेद (Articles)
1. समानता का अधिकार – Right to equality	[14 – 18]
2. स्वतंत्रता का अधिकार – Right to freedom	[19 – 22]
3. शोषण के विरूद्ध अधिकार – Right against exploitation	[23 – 24]
4. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार – Right to freedom of religion	[25 – 28]
5. शिक्षा एवं संस्कृति का अधिकार – Cultural and educational rights	[29 – 30]
6. सम्पत्ति का अधिकार – Property Rights	[31 ×]
7. संवैधानिक उपचार का अधिकार – Right to constitutional remedies	[32]

Note :– अनुच्छेद 14, [20, 21, 21A], [23, 24], [25-28]– भारतीय तथा विदेशियों दोनों के लिए।

☞ अनुच्छेद 15, 16, 19, 29 एवं 30 केवल भारतीयों को मिलता है।

☞ हड़ताल करना तथा चक्का जाम करना मूल अधिकार नहीं है क्योंकि इससे अन्य व्यक्तियों के मूल अधिकार का हनन हो जाता है।

☞ स्थायी आवास तथा अनिवार्य रोजगार मूल अधिकार नहीं है।

☞ वोट डालने का अधिकार राजनीतिक अधिकार है मूल अधिकार नहीं।

☞ मूल अधिकार को कुछ समय के लिए राष्ट्रपति निर्लंबित करते हैं।

☞ मूल अधिकार को स्थायी रूप से प्रतिबंधित संसद करती है।

मूल अधिकार का रक्षक $\frac{SC}{32}$ तथा $\frac{HC}{226}$ को कहते हैं।

स्मरणीय तथ्य

❖ मूल अधिकार संविधान के भाग 3 में वर्णित हैं।

❖ मूल अधिकार संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से लिये गए हैं।

❖ भारतीय नागरिकों के मूल अधिकारों का वर्णन संविधान के अनुच्छेद 12 से 35 तक किया गया है।

❖ वर्तमान में भारतीय संविधान में कुल 6 मूल अधिकार प्रदान किये गए हैं।

❖ मूल अधिकारों को लागू करने का दायित्व न्यायालय का है (सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय दोनों का)।

❖ मूल अधिकारों को राष्ट्रीय आपातकाल के समय राष्ट्रपति द्वारा निलंबित किया जा सकता है जबकि इन पर आवश्यक प्रतिबंध लगाने का अधिकार संसद को है।

❖ प्रेस की आजादी अनुच्छेद 19(1) (क) विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अंतर्गत निहित है।
❖ अनुच्छेद 21 कार्यपालिका और विधायिका दोनों के विरुद्ध संरक्षण प्रदान करता है।
❖ संवैधानिक उपचारों में अधिकार पृच्छा को 'पोस्टमॉर्टम' की भी संज्ञा दी जाती है।
❖ सशस्त्र विद्रोह को 44वें संविधान संशोधन द्वारा संविधान में जोड़ा गया।
❖ 44वें संविधान संशोधन, 1978 द्वारा संपत्ति के अधिकार को वैधानिक अधिकार बना दिया गया तथा अब यह संविधान के अनुच्छेद 300 A में है। यह प्रधानमंत्री मोरार जी देसाई के काल में हुआ था।
❖ राष्ट्रीय आपातकाल में अनुच्छेद 20 और 21 को छोड़कर बाकी सभी मूल अधिकार निर्लंबित हो जाते हैं।
❖ 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 द्वारा अनुच्छेद 21क के अंतर्गत शिक्षा के अधिकार को मूल अधिकार का दर्जा प्रदान किया गया है।
❖ अनुच्छेद 21क के अनुसार राज्य 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बालकों के लिये निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का उपबंध करेगा।
❖ सर्वोच्च न्यायालय ने निजता के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत मूलभूत अधिकार की श्रेणी में रखा है।
❖ पंथनिरपेक्षता का अर्थ है कि राज्य का अपना कोई धर्म नहीं होता तथा राज्य सभी धर्मों को समान सम्मान देगा।
❖ सिर्फ भारतीय नागरिकों को प्राप्त मूल अधिकारों का वर्णन भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15, 16, 19, 29, 30 में है। शेष अधिकार भारतीय नागरिकों के साथ-साथ भारत में निवास करने वाले व्यक्तियों के लिये भी हैं।
❖ परमादेश रिट के द्वारा किसी सक्षम न्यायालय द्वारा किसी प्राधिकार, निगम को कोई ऐसा कार्य करने के लिये आदेश दिया जाता है जो उसकी कर्त्तव्य सीमा में आता है और जिसको उन्हें पूरा करना चाहिये।
❖ नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 की धारा (12) के तहत न्यायालय उपधारित कर सकता है कि अपराध गठित करने वाला कोई कृत्य 'अस्पृश्यता' के आधार पर किया गया था, यदि ऐसा अपराध अनुसूचित जाति के सदस्य के संबंध में किया गया है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'विधि का नियम' या 'कानून का अधिनियम' का मतलब क्या है?
(A) सभी के लिये एक कानून और सभी के लिये एक न्यायतंत्र
(B) सभी के लिये एक कानून और सभी के लिये एक राज्य
(C) सभी के लिये एक राज्य और सभी के लिये एक न्यायतंत्र
(D) एक के लिये सभी कानून और सभी के लिये एक न्यायतंत्र
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th BPSC (Pre)

2. निम्नलिखित संवैधानिक उपचारों में से किसे 'पोस्टमॉर्टम' भी कहा जाता है?
(A) प्रतिषेध (B) परमादेश
(C) उत्प्रेषण (D) अधिकार पृच्छा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th BPSC (Pre)

3. उच्चतम न्यायालय की व्यवस्था के अनुसार निजी भवनों के ऊपर राष्ट्रीय झंडा को फहराना .... के तहत हर नागरिक का मौलिक अधिकार है।
(A) संविधान का अनुच्छेद 14
(B) संविधान का अनुच्छेद 19(1) (A)
(C) संविधान का अनुच्छेद 21
(D) संविधान का अनुच्छेद 25
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

60–62nd BPSC (Pre)

4. उन मौलिक अधिकारों का चयन करें जो भारतीय नागरिकों को प्राप्त हैं परंतु गैर-नागरिकों को नहीं:
(i) भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
(ii) कानून के समक्ष समता
(iii) अल्पसंख्यकों के अधिकार
(iv) जीवन और स्वतंत्रता का संरक्षण
(A) (i) और (iii) (B) (i) और (iv)
(C) (ii) और (iv) (D) (ii) और (iii)
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

60–62nd BPSC (Pre)

5. निम्न में से कौन-सा मानव अधिकार भारतीय संविधान के अंतर्गत मौलिक अधिकार भी है?
(A) सूचना का अधिकार (B) काम का अधिकार
(C) शिक्षा का अधिकार (D) मकान का अधिकार

53–55th BPSC (Pre)

6. भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त निम्न में से कौन-सा अधिकार गैर-नागरिकों को भी उपलब्ध है?
(A) संवैधानिक निराकरण का अधिकार
(B) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
(C) देश के किसी भी भाग में घूमने एवं बसने की स्वतंत्रता
(D) संपत्ति अर्जित करने की स्वतंत्रता

65th BPSC (Pre)

7. निम्नलिखित में से किसको संविधान द्वारा मौलिक अधिकारों को लागू करने की शक्ति दी गई है?
(A) भारत के सभी न्यायालयों को
(B) संसद को
(C) राष्ट्रपति को
(D) सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों को

47th BPSC (Pre)

8. भारत के संविधान का निम्नलिखित में से कौन-सा अनुच्छेद प्रेस की स्वतंत्रता से संबंधित है?
(A) अनुच्छेद- 19 (B) अनुच्छेद- 20
(C) अनुच्छेद- 21 (D) अनुच्छेद- 22
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th BPSC (Pre)

9. भारतीय संविधान में किस अनुच्छेद के अंतर्गत नागरिकों को मौलिक अधिकार प्रदान किये गए हैं?
(A) अनुच्छेद-112 से 135 (B) अनुच्छेद- 12 से 35
(C) अनुच्छेद- 222 से 235 (D) इनमें से कोई नहीं

44th BPSC (Pre)

10. निम्नलिखित में से कौन-सा मूलभूत अधिकार नहीं है?
(A) संवैधानिक प्रतिकार का अधिकार
(B) संपत्ति का अधिकार
(C) शांतिपूर्वक एकत्र होने का अधिकार
(D) देश भर में आजादी के साथ आने-जाने का अधिकार

42nd BPSC (Pre)

11. भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों का वर्णन है-
(A) संविधान के अनुच्छेद- 12 से 35 तक
(B) संविधान के अनुच्छेद- 13 से 36 तक
(C) संविधान के अनुच्छेद- 15 से 39 तक
(D) संविधान के अनुच्छेद- 16 से 40 तक
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

39th BPSC (Pre)

12. संवैधानिक उपचार का अधिकार किसके अंतर्गत आता है?
(A) मौलिक अधिकार (B) कानूनी अधिकार
(C) संवैधानिक अधिकार (D) प्राकृतिक अधिकार
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

Bihar CDPO (Pre.), 2017

13. किसी व्यक्ति की अवैध हिरासत के खिलाफ निम्न में से कौन-सी रिट लागू होती है?
(A) बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeas corpus)
(B) परमादेश (Mandamus)
(C) उत्प्रेषण-लेख (Certiorari)
(D) अधिकार पृच्छा (Quo warranto)
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

Bihar CDPO (Pre.), 2017

14. निम्नलिखित में से किसे भारतीय संविधान की 'आत्मा' (Soul) कहा जाता है?
(A) मौलिक अधिकार
(B) राज्य के नीति-निदेशक सिद्धांत
(C) संविधान की प्रस्तावना
(D) संवैधानिक उपचारों का अधिकार

Bihar CDPO (Pre.), 2005

15. मौलिक अधिकारों की सूची में से 'संपत्ति का अधिकार' (Right of Property) किसके शासनकाल में निकाल दिया गया था?
(A) इंदिरा गांधी (B) चरण सिंह
(C) राजीव गांधी (D) मोरारजी देसाई

Bihar CDPO (Pre.), 2005

16. मौलिक अधिकारों की मूल सूची में निम्नलिखित में से किसे जोड़ा गया?
(A) संपत्ति का अधिकार
(B) संवैधानिक उपचारों का अधिकार
(C) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
(D) नि:शुल्क एवं अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा का अधिकार

Bihar CDPO (Pre.), 2005

17. कौन-से मूल अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को उपलब्ध हैं?
(A) अनुच्छेद 15, 16, 19, 29
(B) अनुच्छेद 15, 16, 19, 24
(C) अनुच्छेद 14, 19, 29, 30
(D) अनुच्छेद 14, 16, 21, 25

Bihar SI (Mains) , 2018

18. संस्थाएँ और संघ बनाने का अधिकार किस प्रकार का अधिकार है?
(A) प्रत्येक व्यक्ति के लिये सुनिश्चित अधिकार
(B) केवल नागरिकों के लिये सुनिश्चित स्वतंत्रता का अधिकार
(C) कानून के समक्ष समानता का अधिकार
(D) जीवन और दैहिक स्वतंत्रता का अधिकार

Bihar SI (Pre.), 2018

19. सर्वोच्च न्यायालय ने निजता के अधिकार को संविधान के किस मूलभूत अधिकार के अधीन रखा है?
(A) अनुच्छेद- 19 (B) अनुच्छेद- 14
(C) अनुच्छेद- 20 (D) अनुच्छेद- 21

Bihar SI (Pre.), 2018

20. किसी संगठन के सदस्यों को किस आधार पर एकत्रित होने के अधिकार से वंचित किया जा सकता है?
(A) राष्ट्र की एकता एवं संप्रभुता
(B) आर्थिक आधार पर
(C) शिक्षा के आधार पर
(D) हड़ताल के आधार पर **Bihar ESI (Pre.), 2018**

21. सूची-I का सूची-II से मेल कीजिये और नीचे दिये गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिये:

सूची-I	सूची-II
A. उपाधियों का निषेध	(i) अनुच्छेद- 29
B. धार्मिक मामलों के प्रबंधन की स्वतंत्रता	(ii) अनुच्छेद- 21
C. अल्पसंख्यकों की भाषा का संरक्षण	(iii) अनुच्छेद- 18
D. शिक्षा का अधिकार	(iv) अनुच्छेद- 26

कूट:	A	B	C	D
(A)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(B)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

22. निम्नलिखित में से कौन-सा मूल अधिकार भारतीय संविधान में नागरिकों को नहीं दिया गया है?
(A) देश के किसी भी भाग में निवास का अधिकार
(B) लिंग समानता का अधिकार
(C) सूचना का अधिकार
(D) शोषण के विरूद्ध अधिकार

23. अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति को किस अनुच्छेद के अंतर्गत मूल सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक तथा सांस्कृतिक अधिकार दिये गए हैं?
(A) अनुच्छेद- 20 (B) अनुच्छेद- 19
(C) अनुच्छेद- 18 (D) अनुच्छेद- 17

24. भारतीय संविधान के अनुच्छेद- 17 का संबंध है-
(A) शिक्षा से (B) स्वास्थ्य से
(C) अस्पृश्यता उन्मूलन से (D) खाद्य सुरक्षा से

25. मूल अधिकार क्या हैं?
(A) वाद योग्य (B) वाद योग्य नहीं
(C) लचीले (D) कठोर

26. भारतीय संविधान निम्न में से कौन-सा अधिकार प्रदान नहीं करता है?
(A) समानता का अधिकार
(B) समान आवास का अधिकार
(C) धर्म के पालन करने का अधिकार
(D) स्वतंत्रता का अधिकार

27. निम्न में से किसने संवैधानिक उपचारों के अधिकार को 'संविधान का हृदय या आत्मा' कहा था?
(A) महात्मा गांधी (B) वल्लभभाई पटेल
(C) जवाहरलाल नेहरू (D) डॉ. भीमराव अंबेडकर

28. मूल अधिकारों से सम्बन्धित संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेदों में से कौन एक प्रत्यक्ष रूप से बालकों के शोषण से संबद्ध है?
(A) 17 (B) 19
(C) 24 (D) 25

29. भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान की मूल संरचना सिद्धांत (बुनियादी ढांचा सिद्धांत) का प्रतिपादन निम्नलिखित में से किस मुकदमें में किया है?
(A) गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य
(B) सज्जन सिंह बनाम राजस्थान राज्य
(C) केशवानद भारती बनाम केरल राज्य
(D) शंकरी प्रसाद बनाम भारत संघ

30. निम्नलिखित में से किस एक को नागरिकों के मौलिक अधिकारों का रक्षक तथा भारत के संविधान का अभिभावक माना जाता है?
(A) संसद (B) महान्यायवादी
(C) उच्चतम न्यायालय (D) राष्ट्रपति

31. संपत्ति के मौलिक अधिकार को कब समाप्त किया गया?
(A) 1978 में संविधान के 44वें संशोधन द्वारा
(B) 1982 में संविधान के 46वें संशोधन द्वारा
(C) 1973 में संविधान के 31वें संशोधन द्वारा
(D) इनमें से कोई नहीं

32. संविधान के किस प्रावधान द्वारा अस्पृश्यता का उन्मूलन किया गया है?
(A) अनुच्छेद- 14 (B) अनुच्छेद- 21
(C) अनुच्छेद- 17 (D) अनुच्छेद- 19

33. भारतीय संविधान के 44वें संशोधन से मौलिक अधिकारों की श्रेणी से निम्नलिखित में से किस अधिकार को हटा दिया गया है?
(A) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार
(B) संवैधानिक उपचारों का अधिकार
(C) संपत्ति का अधिकार
(D) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार

34. निम्नलिखित में से भारत के संविधान का कौन-सा अनुच्छेद कानून के समक्ष समानता से संबंधित है?
(A) अनुच्छेद 16 (B) अनुच्छेद 15
(C) अनुच्छेद 14 (D) अनुच्छेद 13

35. संविधान के अंतर्गत मूल अधिकारी का संरक्षक कौन है?
(A) संसद (B) राष्ट्रपति
(C) सर्वोच्च न्यायालय (D) मंत्रिमंडल

36. वर्तमान समय में भारतीय संविधान के अंतर्गत संपत्ति का अधिकार है एक:
(A) मौलिक अधिकार (B) वैधानिक अधिकार
(C) नैतिक अधिकार (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

37. 'समानता का अधिकार' संविधान के निम्न अनुच्छेदों में से किनके अंतर्गत दिया हुआ है?
1. अनुच्छेद 13 2. अनुच्छेद 14
3. अनुच्छेद 15 4. अनुच्छेद 16
नीचे दिए गये कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
कूट–
(A) 1 और 2 (B) 1 , 2 और 3
(C) 2, 3 और 4 (D) सभी चारों

38. निम्नलिखित में से कौन एक सुमेलित नहीं है?

	A		B
(A)	अनुच्छेद 23	–	मानव के दुर्व्यापार एवं बलात श्रम का प्रतिबंध
(B)	अनुच्छेद 24	–	कारखानों आदि में बालकों के नियोजन का प्रतिषेध
(C)	अनुच्छेद 26	–	धार्मिक कार्यों के प्रबन्ध की स्वतंत्रता
(D)	अनुच्छेद 29	–	शिक्षण संस्थानों की स्थापना और प्रशासन करने का अल्पसंख्यक वर्गों का अधिकार

39. भारत में रहने वाला ब्रिटिश नागरिक दावा नहीं कर सकता-
(A) व्यापार और व्यवसाय की स्वतंत्रता के अधिकार का
(B) विधि के समक्ष समता के अधिकार कर
(C) जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा के अधिकार का
(D) धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार का

40. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 का संबंध है-
(A) समानता के अधिकार से
(B) संपत्ति के अधिकार से
(C) धर्म की स्वतंत्रता से
(D) अल्पसंख्यकों की सुरक्षा से

41. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत सिक्खों द्वारा कृपाण धारण करना धार्मिक स्वतंत्रता का अंग माना गया है?
(A) अनुच्छेद 24 (B) अनुच्छेद 25
(C) अनुच्छेद 26 (D) अनुच्छेद 27

42. सूची-I को सूची-II से मेल कीजिए और नीचे दिए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची- I	सूची- II
A. उपाधियों का निषेध	1. अनुच्छेद 29
B. धार्मिक मामलों के प्रबंध की स्वतंत्रता	2. अनुच्छेद 21- क
C. अल्पसंख्यकों की भाषा का संरक्षण	3. अनुच्छेद 18
D. शिक्षा का अधिकार	4. अनुच्छेद 26

कूट:	A	B	C	D
(A)	3	2	1	4
(B)	4	3	2	1
(C)	2	3	4	1
(D)	3	4	1	2

43. भारतीय संविधान में संशोधन करके शिक्षा का अधिकार कब जोड़ा गया?
(A) 1 अप्रैल, 2010 (B) 1 अगस्त, 2010
(C) 1 अक्टूबर, 2010 (D) 1 दिसंबर, 2010

44. कौन मूल अधिकार के अंतर्गत नहीं आता है?
(A) स्वतंत्रता का अधिकार (B) समानता का अधिकार
(C) संपत्ति का अधिकार (D) शोषण के विरूद्ध अधिकार

45. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मूल अधिकार का प्रावधान है?
(A) अनुच्छेद 14 (B) अनुच्छेद 19
(C) अनुच्छेद 21 (D) अनुच्छेद 22

46. निम्नलिखित में से कौन-सा मूल अधिकार विदेशी नागरिकों को प्राप्त नहीं है?
(A) विधि के समक्ष समानता
(B) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार
(C) प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता का अधिकार
(D) शोषण के विरुद्ध अधिकार

47. निम्न में से कौन-सा एक अधिकार राष्ट्रीय आपातकाल तक में भी समाप्त या सीमित नहीं किया जा सकता है?
(A) देश के किसी भाग में निवास तथा बसने की स्वतंत्रता का अधिकार
(B) व्यक्तिगत स्वतंत्रता तथा जीवन का अधिकार
(C) भारत के संपूर्ण क्षेत्र में अबाध भ्रमण की स्वतंत्रता का अधिकार
(D) वृत्ति या उपजीविका की स्वतंत्रता का अधिकार

48. भारत के संविधान के अंतर्गत कौन-सा अनुच्छेद कारखानों में बालकों के नियोजन का प्रतिषेध करता है?
(A) अनुच्छेद 19 (B) अनुच्छेद 17
(C) अनुच्छेद 23 (D) अनुच्छेद 24

ANSWER KEY

01. (A)	02. (D)	03. (B)	04. (A)	05. (C)
06. (A)	07. (D)	08. (A)	09. (B)	10. (B)
11. (A)	12. (A)	13. (A)	14. (D)	15. (D)
16. (D)	17. (A)	18. (B)	19. (D)	20. (A)
21. (C)	22. (C)	23. (D)	24. (C)	25. (A)
26. (B)	27. (D)	28. (C)	29. (C)	30. (C)
31. (A)	32. (C)	33. (C)	34. (C)	35. (C)
36. (B)	37. (C)	38. (D)	39. (A)	40. (C)
41. (B)	42. (D)	43. (A)	44. (C)	45. (B)
46. (B)	47. (B)	48. (D)		

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

1. क्या आप इस वक्तव्य से सहमत हैं कि हमारे संविधान ने एक हाथ से मौलिक अधिकार दिये हैं, किन्तु दूसरे हाथ से उन्हें वापस ले लिया है? **65th BPSC (Mains)**

2. भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों का वर्णन कीजिये। किस प्रकार अनुच्छेद- 21 की न्यायिक धारणाओं ने जीवन के अधिकार के विषय-क्षेत्र का विस्तार किया है?
56–59th, BPSC (Mains)

3. संपत्ति के अधिकार के वर्तमान रूप का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।

4. हाल के दिनों में मूल अधिकारों, विशेषकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से संबंधित मुद्दे चर्चा में हैं। क्या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आत्यंतिक (Absolute) है? किन परिस्थितियों में सरकार इस पर प्रतिबंध लगा सकती है? उदाहरण सहित वर्णन करें।

04. भाग–4 राज्य के नीति निर्देशक तत्त्व (Directive Principles of State Policy)

- इसे भाग 4 में अनुच्छेद 36 – 51 के बीच रखा गया है। इसे आयरलैण्ड के संविधान से लाया गया है तथा आयरलैण्ड ने स्पेन के संविधान से लाया है ये ऐसे तत्त्व हैं जो देश के लिए आवश्यक है किन्तु संविधान बनते समय सरकार के पास इतने धन तथा संसाधन नहीं थे। जो उन्हें उपलब्ध करा सके–अत: यह सरकार कि इच्छा पर निर्भर है। जिस कारण K.T. साह ने कहा है कि नीति निर्देशक तत्त्व उस चेक के समान है। जिसका भुगतान बैंक अपनी इच्छानुसार करता है। नीति निर्देशक तत्त्व का उद्देश्य सामाजिक तथा आर्थिक लोकतंत्र कि स्थापना करना है। इसे संविधान का आदर्श कहा जाता है।
- इसके माध्यम से ज्ञात होता है कि भारत एक लोक कल्याणकारी राज्य है।
- **अनुच्छेद 36 –** नीति निर्देशक तत्वों के संदर्भ में राज्य की परिभाषा।
- **अनुच्छेद 37 –** इसे न्यायालय द्वारा लागू नहीं कराया जा सकता है अर्थात् यह न्यायालय द्वारा प्रर्वतनीय नहीं है या वाद योग्य नहीं है।
- **अनुच्छेद 38 –** लोक कल्याण कि अभिवृत्ति अर्थात् सरकार जनता का कल्याण करेगी। जैसे-राशन कार्ड (सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय)
- **अनुच्छेद 39 –** समान काम के लिए स्त्री पुरूष को समान वेतन तथा संसाधनों का उचित वितरण।
- राज्य बालकों का स्वस्थ्य एवं गरिमामय जीवन उपलबध कराये।
- **अनुच्छेद 39 (क) –** नि:शुल्क विधि (कानूनी) सहायता [42वां संशोधन 1976]
- **अनुच्छेद 40 –** ग्राम पंचायतों का संगठन
- **अनुच्छेद 41 –** कुछ दशाओं में सरकारी सहायता प्राप्त करना। **जैसे–** वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग को साईकिल।
- **अनुच्छेद 42 –** न्यायसंगत कार्य की मनोचित दशा तथा प्रसुति सहायता उपलब्ध करना। जैसे-गर्भवती महिला द्वारा कठोर शारीरिक श्रम न करना
- **अनुच्छेद 43 –** निर्वाह योग मजदूरी अर्थात् इतना वेतन दिया जाये की परिवार चला सके। [कुटीर उद्योग]

TRICK		
द	म	न
41	42	43

- **अनुच्छेद 43 (क) –** उद्योग प्रबंधन में कामगारों कि भागीदारी।
- **अनुच्छेद 43 (ख) –** सहकारिता
- **अनुच्छेद 44 –** समान सिविल संहिता अर्थात् सभी धर्मों के लिए विवाह एवं तलाक कि शर्तें समान रहेगी भले ही विवाह कि रितियाँ अलग हो।

> **Note :–**
> 1. भारत का एकमात्र राज्य गोवा है जहाँ समान सिविल संहिता लागू है।
> 2. अपराध के कानून को दंड संहिता तथा चुनाव के कानून को आचार संहिता कहते हैं।

- **अनुच्छेद 45 –** 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखना सरकार कि जिम्मेदारी है तथा 6 – 14 वर्ष के आयु के बच्चों का नि:शुल्क शिक्षा देना सरकारी कि जिम्मेदारी है। **Note :–** शिक्षा के अधिकार को मूल अधिकार बनाकर 21 क (86वां संशोधन 2002) में जोड़ दिया है।
- **अनुच्छेद 46 –** SC/ST/OBC के लिए विशेष आरक्षण
- **अनुच्छेद 47 –** सरकार पोशायुक्त आहार उपलब्ध कराऐगी तथा नशीली दवाई एवं शराब पर प्रतिबंध लगाएगी।
- **अनुच्छेद 48 –** कृषि एवं पशुपालन की वृद्धि तथा दुधारू पशुओं के हत्या पर प्रतिबंध।
- **अनुच्छेद 48 क –** पर्यावरण वन तथा वन्य जीव कि रक्षा करना सरकार का कर्त्तव्य होगा। [42वां संशोधन 1976]
- **अनुच्छेद 49 –** राष्ट्रीय स्मारकों की रक्षा करना सरकार का कर्त्तव्य होगा।
- **अनुच्छेद 50 –** कार्यपालिका से न्यायपालिका को अलग करना।
- **अनुच्छेद 51 –** अन्तराष्ट्रीय शान्ति को बढ़ावा देना। अन्तराष्ट्रीय विवादों को मध्यस्था द्वारा सुलझा देना इसी अनुच्छेद के तहत भारत UNO का सदस्य बना।

राज्य के नीति निर्देशक तत्त्वों का वर्गीकरण (Classification of Directive Principles of State Policy)

- **नीति निर्देशक तत्त्व के तीन भाग में बाँटते हैं–**
  - **(i) गाँधीवादी** - अनु॰ 40, 43 ख, 46, 47 तथा 48
  - **(ii) समाजवादी** - 38, 39, 39 (क) 41, 42, 43, 43 क, 47
  - **(iii) वैद्धिक या उदारवादी** - 44, 45, 48, 48 क, 49, 50, 51
- अनुच्छेद 43 और 47 गांधीवादी और समाजवादी दोनों के अंतर्गत आते हैं।
- अनुच्छेद 48 गांधीवादी और उदारवादी दोनों के अंतर्गत आते हैं।

Note :– मिनरमा मिल मुकदमे में न्यायालय ने कहा कि सरकार नीति-निर्देशक तत्त्व या मूल अधिकार दोनों पर ध्यान दें अर्थात् संतुलन बनाये रखे। न्यायालय ने कहा कि नीति निर्देशक तत्त्व एक लक्ष्य है और इस लक्ष्य पर पहुँचने का साधन मूल अधिकार है। सरकार मूल अधिकार पर नीति निर्देश तत्व को प्रधानता नहीं दे सकती है।

➢ **मूल अधिकार तथा निति निर्देशक तत्त्व में अंतर–**

मूल अधिकार	निति निर्देशक तत्त्व
इसे USA से लिया गया है।	इसे आयर लैण्ड से लिया गया है।
इसे भाग-3 में रखा गया है।	इसे भाग-4 में रखा गया है।
यह नैसगिक अधिकार होता है तथा जन्म से ही मिल जाता है।	यह नैसर्गिक नहीं हाता है। सरकार इसे लागू करने के लिए बाध्य नहीं है।
यह न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय तथा वाद् योग्य है।	यह न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय तथा वाद् योग नहीं है।
यह सरकार की शक्तियों को घटा देता है अर्थात् ऋणात्मक है।	यह सरकार की अधिकार को बढ़ा देता है अर्थात् धनात्मक है।
इसके पीछे कानूनी मान्यता है।	इसके पीछे राजनीतिक मान्यता है।
यह निलंबित हो सकता है।	यह निलंबित नहीं हो सकता है।
यह व्यक्ति के भलाई के लिए है।	यह समाज में भलाई के लिए है।

स्मरणीय तथ्य

❖ संविधान के भाग 4 में उल्लिखित नीति-निदेशक तत्वों को निम्नलिखित पाँच समूहों में बाँटा जा सकता है-
- आर्थिक न्याय संबंधी निदेशक तत्त्व
- सामाजिक न्याय संबंधी निदेशक तत्त्व
- राजनीतिक न्याय संबंधी निदेशक तत्त्व
- पर्यावरण संबंधी निदेशक तत्त्व
- अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा निदेशक तत्त्व।

❖ डॉ. भीमराव अंबेडकर ने राज्य के नीति-निदेशक तत्त्वों को भारतीय संविधान की अनोखी विशेषता कहा है।

❖ नीति-निदेशक तत्त्वों को आयरलैंड के संविधान से लिया गया है।

❖ अनुच्छेद- 40 के तहत ग्राम पंचायतों के गठन का प्रावधान है।

❖ अनुच्छेद- 39 (घ) में पुरुषों एवं स्त्रियों के लिये समान कार्य के लिये समान वेतन का प्रावधान है।

❖ अनुच्छेद- 44 में समान नागरिक संहिता का प्रावधान है।

❖ शराबबंदी संविधान की धारा- 47 में निर्देशित है।

❖ अनुच्छेद 46 में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य दुर्बल वर्गों के शिक्षा और अर्थ संबंधी हितों की अभिवृद्धि का उल्लेख है।

❖ अनुच्छेद- 48 (क) में पर्यावरण का संरक्षण तथा संवर्द्धन और वन एवं वन्य जीवों की रक्षा का वर्णन है।

❖ ''राज्य के नीति के निदेशक तत्व एक ऐसा चेक है जो बैंक की सुविधानुसार अदा किया जाएगा।'' यह कथन के.टी. शाह का है।

❖ 42वें संविधान संशोधन, 1976 द्वारा टकराव की दशा में नीति-निदेशक तत्त्वों को मूल अधिकारों पर वरीयता प्रदान की गई।

❖ अनुच्छेद- 43 में कर्मचारों के लिये निर्वाह मजदूरी का प्रावधान किया गया है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. भारतीय संविधान के भागIV में दिये गए निर्देशित सिद्धांत में निम्न में से कौन-सा/से सूचीबद्ध है/हैं?
1. समान कार्य के लिये समान वेतन
2. समान नागरिक संहिता
3. छोटे परिवार का मानदंड
4. प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा

(A) 1, 2 और 3 (B) 1 और 2
(C) 2 और 3 (D) 1, 2 और 4
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

60–62nd BPSC (Pre.)

2. राज्य के नीति-निदेशक सिद्धांत किस प्रकार मौलिक अधिकारों से भिन्न है?
(A) पूर्वोक्त केंद्रीय सरकार के लिये है और उपर्युक्त राज्यों के लिये
(B) पूर्वोक्त संविधान का अंग नहीं है जबकि उपर्युक्त है।
(C) राज्य के नीति-निदेशक प्रवर्तनीय नहीं है जबकि अधिकार प्रवर्तनीय है।
(D) उपर्युक्त में कोई नहीं **41st BPSC (Pre.)**

3. भारतीय संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेदों में से कौन-सा अनुच्छेद राज्य की सरकारों को ग्राम पंचायतों को संगठित करने का निर्देश देता है?
(A) अनुच्छेद- 32 (B) अनुच्छेद- 46
(C) अनुच्छेद- 40 (D) अनुच्छेद- 51

39th BPSC (Pre.)

4. एक कल्याणकारी राज्य के निदेशक आदर्श वर्णित है-
(A) राज्य के नीति निदेशक तत्वों में
(B) मौलिक अधिकारों के अध्याय में
(C) संविधान की सातवीं अनूसूची में
(D) किसी भी राज्य के कानून को अवैध घोषित कर सकता है।

39th BPSC (Pre.)

5. शराबबंदी संविधान की किस धारा में निर्देशित है?
(A) धारा 47 (B) धारा 37
(C) धारा 50 (D) धारा 48

BSSC – CGL (Mains), 2014

7. भारतीय संविधान का कौन-सा भाग राज्य के लिये नीति-निर्देशित करने वाले तत्त्वों का उल्लेख करता है?
(A) I (B) II
(C) III (D) IV

BSSC [Comp. Inter Level (Pre.)], 2014

8. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में राज्य के नीति के निदेशक तत्त्वों का उल्लेख है?
(A) अनुच्छेद- 34 से 46 (B) अनुच्छेद- 36 से 51
(C) अनुच्छेद- 34 से 52 (D) अनुच्छेद- 37 से 51
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

9. निम्नलिखित निदेशक सिद्धांतों में से वह सिद्धांत कौन-सा है जिसे गांधीवादी सिद्धांत कहा जाता है?
(A) श्रमिकों और बच्चों का संरक्षण।
(B) स्वशासन की प्रभावी इकाई के रूप में ग्राम पंचायत का संगठन।
(C) पुरुषों और महिलाओं के लिये समान कार्य।
(D) कार्यपालिका से न्यायपालिका को पृथक् करना।
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

10. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिये तथा सूचियों के नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये-

सूची- I (संविधान का अनुच्छेद)	**सूची–II (विषय)**
(A) अनुच्छेद- 40	(i) ग्राम पंचायतों का गठन
(B) अनुच्छेद- 41	(ii) काम पाने का अधिकार
(C) अनुच्छेद- 44	(iii) समान नागरिक संहिता
(D) अनुच्छेद- 48	(iv) कृषि एवं पशुपालन का संगठन

कूटः	A	B	C	D
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(C)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(D)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

11. इनमें से कौन-सा राज्य के नीति-निदेशक सिद्धांतों में सम्मिलित नहीं है?
(A) मद्य निषेध (B) काम का अधिकार
(C) समान कार्य हेतु समान वेतन
(D) सूचना का अधिकार
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

12. मौलिक अधिकार एवं राज्य के नीति-निदेशक तत्त्वों के विषय में कौन-सा कथन सही है?
(A) वे परस्पर विरोधी हैं
(B) वे एक-दूसरे के पूरक हैं
(C) दोनों में कोई अंतर नहीं है
(D) वे असमान्य है।
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

13. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य दुर्बल वर्गों के शिक्षा और अर्थ संबंधी हितों की अभिवृद्धि का उपबंध है?
(A) अनुच्छेद- 45 (B) अनुच्छेद- 46
(C) अनुच्छेद- 47 (D) अनुच्छेद- 48
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

14. भारतीय संविधान में सम्मिलित नीति-निर्देशक तत्वों की प्रेरणा हमें किस संविधान से प्राप्त हुई?
(A) ऑस्ट्रेलिया (B) अमेरिका
(C) फ्रांस (D) आयरलैंड

15. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद भारत की विदेश नीति से संबंधित है?
(A) अनुच्छेद 380 (B) अनुच्छेद 312
(C) अनुच्छेद 60 (D) अनुच्छेद 51

16. राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांतों के निम्नलिखित अनुच्छेदों में से कौन-सा अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के संवर्धन से संबंधित है?
(A) अनुच्छेद 51 (B) अनुच्छेद 48 (क)
(C) अनुच्छेद 43 (क) (D) अनुच्छेद 41

17. भारत में निम्नलिखित में से किसके अंतर्गत पंचायती राज प्रणाली की व्यवस्था की गई है?
(A) मौलिक अधिकार (B) मौलिक कर्त्तव्य
(C) राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत
(D) चुनाव आयोग अधिनियम

18. संविधान के किस अनुच्छेद के द्वारा उद्योग के प्रबंधन में कर्मकारों की भागीदारी का प्रावधान दिया गया है?
(A) अनुच्छेद 43 (B) अनुच्छेद 43 क
(C) अनुच्छेद 45 (D) अनुच्छेद 47

19. निम्नलिखित में से कौन-सा नीति निर्देशक तत्व है?
(A) समान नागरिक संहिता (B) प्रेस की स्वतंत्रता
(C) धर्म की स्वतंत्रता (D) विधि के समक्ष समानता

20. समान कार्य के लिए समान वेतन भारत के संविधान में सुनिश्चित किया गया एक-
(A) मौलिक अधिकार है
(B) राज्य के नीति-निदेशक सिद्धांतों का अंग है
(C) मौलिक कर्त्तव्य है
(D) आर्थिक अधिकार है

21. इनमें से कौन राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांतों में सम्मिलित नहीं है?
(A) मद्य निषेध (B) काम का अधिकार
(C) समान कार्य हेतु समान वेतन
(D) सूचना का अधिकार

22. 'राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धान्त एक ऐसा चेक है जो बैंक की सुविधानुसार अदा किया जाता है।' किसने कहा था?
(A) बी.आर. अम्बेडकर ने (B) के.एम.मुंशी ने
(C) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने (D) के.टी. शाह ने

23. भारत के संविधान के अंतर्गत ग्राम पंचायतों का गठन–
(A) एक मूलभूत अधिकार है।
(B) एक मूल कर्त्तव्य है।
(C) निदेशक सिद्धांत है।
(D) उक्त में कोई नहीं

24. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है–

कथन (A) : मनरेगा दर अर्ह परिवार के कम-से-कम एक सदस्य को वर्ष में 100 दिन का रोजगार दिलाने का प्रावधान करता है।

कारण (R) : रोजगार का अधिकार संविधान के भाग III में प्रविधित है।

नीचे दिए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए।

(A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R) सही स्पष्टीकरण है (A) का।
(B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है (A) का।
(C) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(D) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

25. संविधान के 42वें संशोधन द्वारा, निम्नलिखित में से कौन-सा सिद्धांत राज्य की नीति के निदेशक तत्वों में जोड़ा गया था?

(A) पुरुष और स्त्री दानों के लिए समान कार्य का समान वेतन
(B) उद्योगों के प्रबंधन में कामगारों की सहभागिता
(C) काम, शिक्षा और सार्वजनिक सहायता पाने का अधिकार
(D) श्रमिकों के लिए निर्वाह-योग्य वेतन एवं काम की मानवीय दशाएं सुरक्षित करना।

26. संविधान निम्न में से किसके शोषण के विरुद्ध अधिकार स्वीकृत करता है?

1. बच्चों के
2. स्त्रियों के
3. जनजातियों के
4. दलितों के

अपना सही उत्तर दिए गए कूट की सहायता से चुनिए–

कूट–

(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 1 और 3
(C) केवल 1, 3 और 3 (D) केवल 2, 3 और 4

27. निम्न में से कौन एक राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों में सम्मिलित है?

(A) राज्य देश के पर्यावरण के संरक्षण के संरक्षण तथा संवर्धन का प्रयास करेगा।
(B) राज्य किसी व्यक्ति को कानून के समक्ष समानता से मना नहीं करेगा।
(C) राज्य किसी व्यक्ति को उसके धर्म, कुल, जाति, लिंग अथवा जन्म स्थान के आधार पर प्रभेद नहीं करेगा।
(D) अस्पृश्यता का प्रवर्त्तन

28. निम्नलिखित में से भारत के संविधान के किसमें 'पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन तथा वन व वन्य जीवन की रक्षा' के प्रावधान पाए जाते हैं?

(A) केवल राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में
(B) केवल मूल कर्त्तव्यों में
(C) (A) और (B) दोनों
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

29. निम्लिखित में से कौन-सा एक राज्य का नीति निदेशक सिद्धांत संविधान में बाद में जोड़ा गया?

(A) ग्राम पंचायतों का संगठन (B) गोवध-निषेध
(C) मुफ्त कानूनी सलाह (D) समान नागरिका संहिता

30. भारतीय संविधान के भाग IV में दिए गए निर्देशित सिद्धांतों में निम्न में से कौन-सा/से सूचीबद्ध है?

I. समान कार्य के लिए समान वेतन
II. समान नागरिक संहिता
III. छोटे परिवार का मानदंड
IV. प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा

(A) I, II और III (B) I और II
(C) II और III (D) I, II और IV

31. राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों को भारतीय संविधान में शामिल किए जाने का उद्देश्य है–

(A) राजनैतिक प्रजातंत्र को स्थापित करना
(B) सामाजिक प्रजातंत्र को स्थापित करना
(C) गांधीवादी प्रजातंत्र को स्थापित करना।
(D) सामाजिक और आर्थिक प्रजातंत्र को स्थापित करना।

32. निम्नलिखित में से कौन एक राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों का उद्देश्य नहीं है?

(A) एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना।
(B) सामाजिक, आर्थिक न्याय को सुनिश्चित करना।
(C) एक धार्मिक राज्य की स्थापना करना।
(D) एक धर्मनिरपेक्ष राज्य की स्थापना करना।

33. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए––

भारत के संविधान के संदर्भ में राज्य की नीति के निदेशक तत्व

1. विधायिका के कृत्यों पर निर्बंधन करते हैं।
2. कार्यपालिका के कृत्यों पर निर्बंधन करते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) 1 तो 1, न ही 2

34. संविधान का कौन-सा भाग कल्याणकारी राज्य का आदर्श घोषित करता है?

(A) मौलिक अधिकार
(B) मौलिक कर्त्तव्य
(C) नागरिकता
(D) राज्य के नीति निदेशक तत्व

35. राज्य के नीति निदेशक तत्व सहज अध्ययन के लिए निम्न में से कौन-से भागों में विभाजित किए जा सकते हैं?

(A) समाजवादी (B) उदार बौद्धिकतावादी
(C) गाँधीवादी (D) उपरोक्त सभी

36. नीति निदेशक सिद्धांत हैं–

(A) वाद योग्य (B) वाद योग्य नहीं
(C) मौलिक अधिकार (D) कोई नहीं

37. भारत के संविधान के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-सा देश के शासन के लिए आधारभूत है?
(A) मूल अधिकार
(B) मूल कर्त्तव्य
(C) राज्य की नीति के निदेशक तत्व
(D) मूल अधिकार तथा मूल कर्त्तव्य

38. निम्नलिखित में कौन एक मौलिक अधिकार नहीं है?
(A) उत्पीड़न के खिलाफ अधिकार
(B) समान काम के लिए समान वेतन
(C) कानून के समक्ष बराबरी
(D) धर्मपाल की स्वतंत्रता का अधिकार

39. निम्नलिखित में से कौन-सा 'राज्य की नीति के निदेशक तत्वों' में निहित है?
(A) अपराधों के लिए दोषसिद्धि के संबंध में संरक्षण।
(B) प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण।
(C) अल्पसंख्यक वर्गों के हितों का संरक्षण।
(D) पुरुषों और स्त्रियों दोनों का समान कार्य के लिए समान वेतन हो।

ANSWER KEY

01. (B)	02. (C)	03. (C)	04. (A)	05. (A)
07. (D)	08. (B)	09. (B)	10. (A)	11. (D)
12. (B)	13. (B)	14. (D)	15. (D)	16. (A)
17. (C)	18. (B)	19. (A)	20. (B)	21. (D)
22. (D)	23. (C)	24. (C)	25. (B)	26. (C)
27. (A)	28. (C)	29. (C)	30. (B)	31. (D)
32. (C)	33. (D)	34. (D)	35. (D)	36. (B)
37. (C)	38. (B)	39. (D)		

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

1. ''राज्य की नीति के निदेशक तत्व पवित्र घोषण मात्र नहीं है बल्कि राज्य की नीति के मार्ग दर्शन के लिये सुस्पष्ट निर्देश है।'' व्याख्या कीजिये और बताइये कि वे व्यवहार में कहाँ तक लागू किये गए हैं? **60–62nd BPSC (Mains)**
2. विभिन्न 'नीति-निदेशक सिद्धांतों' का वर्णन कीजिये। 1950 के बाद बिहार में इन्हें किस तरह से क्रियान्वित किया गया है? **53–55th, BPSC (Mains)**
3. भारतवर्ष के संविधान में नीहित राज्य के नीति-निदेशक तत्त्वों के विवेचना कीजिये एवं उसका महत्त्व बताइये।
4. मौलिक अधिकार और नीति-निदेशक तत्त्व के बीच अंतर बताएँ।
5. नीति-निदेशक सिद्धांत में उपस्थित गांधीवाद के प्रभाव का उल्लेख कीजिये।

Note:

05. मूल कर्त्तव्य (Fundamental Duties)

- मूल कर्तव्य को 42वाँ संविधान संशोधन 1976 में सरदार स्वर्ण सिंह समिति के सिफारिश पर जोड़ा गया।
- इसे रूस के संविधान से लिया गया है।
- इसे न मानने पर कोई दण्ड का प्रावधान नहीं है।
- इसे भाग 4 (क) में अनुच्छेद 51 (क) के तहत जोड़ा गया
- मूल संविधान में मूल कर्त्तव्य नहीं थे।
- 42वाँ संशोधन (1976) द्वारा 10 कर्त्तव्य तथा 86वाँ संशोधन द्वारा 1 और मौलिक कर्त्तव्य जोड़ा गया वर्तमान में मौलिक कर्त्तव्य की संख्या 11 है।

मूल कर्तव्यों की सूची (List of fundamental duties)

1. संविधान का पालन करना तथा इसके आदर्श संस्था (संसद SC, HC) राष्ट्रीय ध्वज राष्ट्रीय प्रतिक तथा राष्ट्रीय गान का सम्मान करना।
2. राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले आदर्शों का पालन करना। (नारा)
3. देश की सम्प्रभुता (दबाव रहित शासन) एकता तथा अखंडता को बनाये रखना।
4. देश की रक्षा करना तथा राष्ट्र कि सेवा करना।
5. देश के लोगों में नम्रता (मेल-मिलाप) तथा भाई चारा बनाये रखना।
6. देश की समृद्ध तथा गौरवपूर्ण समृद्धि की रक्षा करना।
7. वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना।
8. पर्यावरण, वन्य तथा वन्यजीव की रक्षा करना।
9. सार्वजनिक (सरकारी) सम्पत्ति की रक्षा करना।
10. व्यक्तिगत तथा सामूहिक भलाई के लिए तैयार रहना।
11. 6 – 14 वर्ष के बच्चों के अभिभावक (Guardian) का यह कर्त्तव्य होगा कि वे अपने बच्चों को प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध करायें।

- **86वां संशोधन 2002–** मूल अधिकार 21 (क) – 6 –14 वर्षों को बच्चों को प्राथमिक शिक्षा का अधिकार
- **86वां संशोधन 2002** – मूल कर्त्तव्य 51 (क) 6 – 14 वर्षों के बच्चों के अभिभावकों उनकी प्राथमिक शिक्षा देना का कर्त्तव्य

86वां संशोधन 2002
- → मूल अधिकार 21(क) 6–14 वर्षो को बच्चों को प्राथमिक शिक्षा का अधिकार
- → मूल अधिकार 51(क)–6–14 वर्षो के बच्चों के अभिभावकों उनकी प्राथमिक शिक्षा देने का कर्तव्य

Note :– शोषण से कमजोर वर्ग की रक्षा करना हमारी मूल कर्त्तव्य नहीं है।

स्मरणीय तथ्य

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 क में मूल कर्त्तव्य शामिल हैं।
- भारतीय संविधान के भाग 4 क में मूल कर्त्तव्यों का वर्णन है।
- भारतीय संविधान में मूल कर्त्तव्यों को भूतपूर्व सोवियत संघ के संविधान से लिया गया है।
- संविधान में मूल कर्त्तव्यों से संबंधित प्रावधान स्वर्ण सिंह समिति की संस्तुतियों के आधार पर किया गया।
- मूल कर्त्तव्यों को 42वें संविधान संशोधन के द्वारा 1976 में शामिल किया गया।
- 42वें संविधान संशोधन, 1976 के आधार पर 10 मूल कर्त्तव्यों को शामिल किया गया था।
- 86वें संविधान संशोधन, 2002 के माध्यम से 11वें मूल कर्त्तव्य को जोड़ा गया।
- संविधान में उल्लिखित मूल कर्त्तव्य केवल भारत के नागरिकों के लिये हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित में से भारत में मौलिक कर्त्तव्य कौन-सा है?
   (A) न्यायपालिका से कार्यपालिका का पृथक्करण
   (B) हमारी मिली-जुली संस्कृति की समृद्ध विरासत को संरक्षित करना व महत्व प्रदान करना
   (C) बच्चों के लिये मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा
   (D) छूआछूत की परंपरा को समाप्त करना

45th BPSC (Pre.)

2. 42वें संशोधन अधिनियम (1976) से भारतीय संविधान में एक नया अध्याय जोड़ा गया है–
(A) संघीय क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित
(B) अंतर्राज्यीय परिषदों के निर्माण
(C) मौलिक कर्त्तव्य
(D) इनमें से कोई नहीं **44th BPSC (Pre.)**

3. मौलिक कर्त्तव्यों को निर्धारित किया गया-
(A) 40वें संशोधन द्वारा (B) 43वें संशोधन द्वारा
(C) 42वें संशोधन द्वारा (D) 39वें संशोधन द्वारा
41st BPSC (Pre.)

4. निम्नलिखित में से कौन-सी एक समिति ने नागरिकों के मूल कर्त्तव्यों को 1976 ई. में सम्मिलित करने की अनुशंसा की थी?
(A) कोठारी समिति (B) स्वर्ण सिंह समिति
(C) अशोक मेहता समिति (D) बलवंत राय मेहता समिति
BSSC-CGL (Mains), 2014

5. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 51A नागरिकों के मौलिक कर्त्तव्य से संबंधित है। किस संविधान से इसे लाया गया?
(A) 46वाँ संशोधन (B) 42वाँ संशोधन
(C) 71वाँ संशोधन (D) 73वाँ संशोधन
BSSC – CGL (Pre.), 2014

6. भारतीय संविधान में प्रारंभ में मौलिक कर्त्तव्यों का प्रावधान नहीं था। संविधान संशोधान द्वारा संविधान के किस भाग में इनका समावेश किया गया है?
(A) भाग III (B) भाग IIIA
(C) भाग IV (D) भाग IVA
Bihar SI (Mains), 2018

7. मौलिक कर्त्तव्य किस समिति की सिफारिश पर भारतीय संविधान में जोड़े गए थे?
(A) कालेकर समिति (B) हंसमुख अधिया समिति
(C) रेखा समिति (D) स्वर्ण सिंह समिति
Bihar ESI (Pre.), 2018

8. संविधान में मौलिक कर्त्तव्यों को कब सम्मिलित किया गया?
(A) 1975 में (B) 1976 में
(C) 1978 में (D) 1979 में

9. भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करने और उसे अक्षुण्ण रखने के मूल कर्त्तव्य को किस स्थान पर रख गया है?
(A) पहले (B) दूसरे
(C) तीसरे (D) चौथे

10. वर्तमान में संविधान में कुल कितने मूल कर्त्तव्यों का उल्लेख है?
(A) नौ (B) दस
(C) ग्यारह (D) बारह

11. ''भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य होगा प्राकृतिक पर्यावरण का संरक्षण एवं सुधार'' शामिल है-
(A) अनुच्छेद 21 (B) अनुच्छेद 48-A
(C) अनुच्छेद 51 (D) अनुच्छेद 56

12. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में 42वें संविधान विधेयक द्वारा 'मूल कर्त्तव्यों' को सम्मिलित किया गया है?
(A) अनुच्छेद 50 में (B) अनुच्छेद 51 A में
(C) अनुच्छेद 52 में (D) अनुच्छेद 53 में

13. निम्नलिखित युग्मों में से कौन एक सुमेलित नहीं है?

संविधान का भाग	**विषय**
(A) भाग II	नागरिकता
(B) भाग III	मूल अधिकार
(C) भाग IV	राज्य की नीति के निर्देशक तत्व
(D) भाग V	मूल कर्त्तव्य

14. निम्नलिखित में से कौन-सा एक मौलिक कर्त्तव्य नहीं है?
(A) राष्ट्रगान का सम्मान करना।
(B) राष्ट्रीय सम्पत्ति का बचाव करना।
(C) राष्ट्रीय महत्व के स्थानों और स्मारकों की रक्षा करना।
(D) प्राकृतिक वातावरण का संरक्षण और सुधार करना।

15. निम्नलिखित में से कौन-सा तत्व भारतीय संविधान के भाग IVA (मूल कर्त्तव्य) में वर्णित नहीं है?
(A) राष्ट्रीय ध्वज का आदर करना।
(B) भारत के सभी लोगों के मध्य भाईचारे का भाव विकसित करना।
(C) अपने माता-पिता और गुरुओं का आदर करना।
(D) हमारी समग्र संस्कृति की मूल्यवार धरोहर की रक्षा करना।

16. मूल कर्त्तव्य का उल्लेख संविधान में कब किया गया?
(A) संविधान निर्माण के समय
(B) 26 जनवरी, 1950 को
(C) 42वें संविधान संशोधन में
(D) 41वें संविधान संशोधन में

17. एक नागरिक के मूल कर्त्तव्यों में निम्न में कौन-सा सम्मिलित नहीं है?
(A) प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और उसका संवर्धन
(B) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को संजोए रखें और उनका पालन करें।
(C) अस्पृश्यता मिटाने की ओर प्रयास करें।
(D) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें।

18. निम्न में से कौन भारतीय संविधान के अंतर्गत मौलिक कर्त्तव्यों में सम्मिलित नहीं है?

(A) देश की रक्षा करना एवं राष्ट्र की सेवा करना।
(B) हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझना और उसका परिरक्षण करना।
(C) ग्राम पंचायतों के गठन में सहायता करना।
(D) सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखना एवं हिंसा से दूर रहना।

19. निम्न में से किस एक का संरक्षण भारतीय नागरिक का मूल कर्त्तव्य है?
(A) ग्राम पंचायत (B) राष्ट्रीय ध्वज
(C) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति
(D) वन्य प्राणी)

ANSWER KEY

01. (B)	02. (C)	03. (C)	04. (B)	05. (B)
06. (D)	07. (D)	08. (B)	09. (C)	10. (C)
11. (C)	12. (B)	13. (D)	14. (C)	15. (C)
16. (C)	17. (C)	18. (C)	19. (D)	

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

1. भारतीय संविधान में समावेशित मूल कर्त्तव्यों का उल्लेख कीजिये।

2. मूल कर्त्तव्य और मूल अधिकार एक-दूसरे के बिना अधूरे हैं, चर्चा कीजिये।

Note:

KHAN GLOBAL STUDIES
Kisan Cold Storage Campus, Musallahpur, Patna-6
KHAN SIR

06. भाग–5 संघ (Union)

राष्ट्रपति (President)

Trick :–

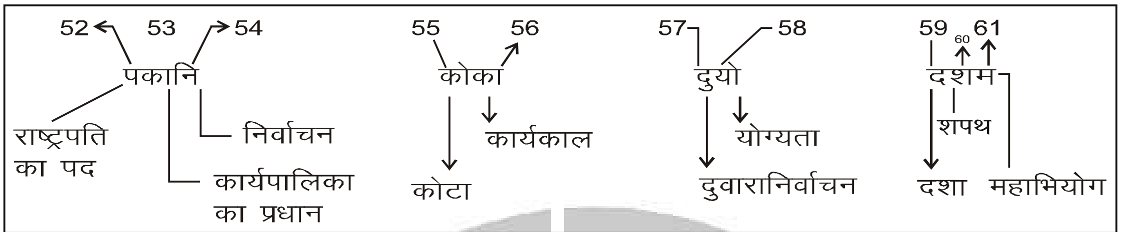

- **अनुच्छेद 52 – राष्ट्रपति का पद–** राष्ट्रपति देश का औपचारिक (नाम मात्र के लिए) प्रमुख होता है। औपचारिक प्रमुख के रूप में राष्ट्रपति का पद ब्रिटेन से लिया गया है।
- **अनुच्छेद 53** – कार्यपालिका का औपचारिक प्रधान राष्ट्रपति होता है। अर्थात् सभी कार्य राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद किए जायेंगे। कार्यपालिका का वास्तविक प्रधान PM होता है।
- **अनुच्छेद 54 – राष्ट्रपति का निर्वाचन (Election of the President)–** इसका निर्वाचन एकल संक्रमणिय अनुपातिक पद्धति द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से गुप्त मतदान द्वारा होता है।
- **एकल संक्रमणीय (Single transitive Method)–** इस पद्धति द्वारा चुनाव में खड़े सभी उम्मीदवारों को वारीयता क्रम में वोट देना होता है।
- **अनुपातिक पद्धति (Proportion Method)–** इसके तहत एक राज्य का सभी विधायको के मतो का योग को बराबर करना एवं सभी संसदो का मत मूल्य को बराबर करना होता है।
- **प्रथम चरण की मतगणना (First Phase counting)–** इसमें उम्मीदवार की पहली वारियता सूची गिनी जाती है।
- **द्वितीय चरण (Second Phase counting)–** इसमें द्वितीय वरियता सूची गिनी जाती है। यह प्रथम चरण में मत बराबर होने के बाद होता है।
- वी. वी. गिरी के निर्वाचन के समय द्वितीय चरण की मतगणना हुई थी।
- **अप्रत्यक्ष मतदान (Indirect Election)–** राष्ट्रपति के निर्वाचन में जनता भाग नहीं लेती बल्की जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि भाग लेते हैं।
- **राष्ट्रपति का निर्वाचक मण्डल (President Electoral college)–** राष्ट्रपति का निर्वाचक मण्डल में लोक सभा, राज्यसभा का सदस्य तथा सभी राज्य (28 + 3) [दिल्ली + पुडुचेरी + जम्मू–कश्मीर केन्द्र शासित प्रदेश] के निर्वाचित सदस्य भाग लेते हैं।
- विधान परिषद् राज्य सभा के 12 मनोनित सदस्य राष्ट्रपति के निर्वाचन में भाग नहीं लेते हैं।
- मुख्यमंत्री जब विधान परिषद् का सदस्य होगा तो वह राष्ट्रपति के निर्वाचन में भाग नहीं लेगा।
- 69वाँ संशोधन 1990 द्वारा Delhi तथा पाण्डीचेरी में विधान सभा का गठन किया गया।
- 70वाँ संशोधन 1990 द्वारा राष्ट्रपति के निर्वाचक मण्डल में दिल्ली तथा पाण्डीचेरी को राष्ट्रपति के निर्वाचक मण्डल में शामिल किया गया।

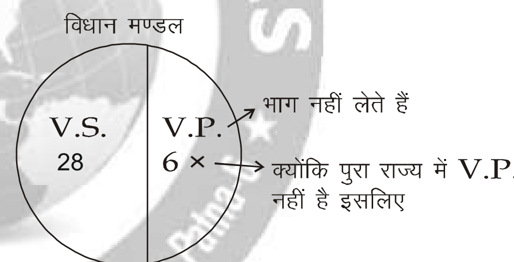

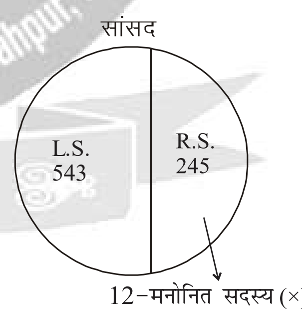

- दो या दो से अधिक राज्यों की विधान सभा भंग भी रहेगी तो राष्ट्रपति का निर्वाचन करा लिया जाएगा क्योंकि राष्ट्रपति का निर्वाचन हर हाल में 6 महीने के अंदर करा लिया जाता है।
- **1 MLA (विधायक) के वोट का Value –**

$$1\ \text{MLA} = \frac{\text{राज्य का जनसंख्या}}{\text{राज्य का कुल MLA} \times 1000}$$

- **1 MP (सांसद) के वोट का Value –**

$$1\ \text{MP (सांसद)} = \frac{\text{कुल MLA का वोट}}{\text{कुल निर्वाचित सांसद की संख्या } (543 + 233)}$$

Note :–

1. भारत में 28 राज्य के वोट को मिलाने पर M.L.A का कुल वोट 5,49,495 वोट आता है।
2. कुल M.P. के वोट को मिलाकर 5,49,498 के लगभग आता है।

- इस प्रकार राष्ट्रपति के चुनाव में कुल 11लाख वोट लगभग पड़ते हैं।

राष्ट्रपति की जमानत राशि (Presidential Bail amount)

- चुनाव लड़ने से पूर्व राष्ट्रपति को 15,000 रुपया जमानत के रूप में R.B.I के पास रखनी होती है।
- यदि राष्ट्रपति के 1/6 भाग से कम वोट मिलेगा तो राष्ट्रपति की जमानत राशि वापस नहीं की जाएगी।
- इसे जमानत जप्त होना कहते हैं। यह अपमान कि स्थिति है।
- **अनुच्छेद 55 –** इसमें राष्ट्रपति का कोटा है।
- जमानत जब्त होने के बाद भी प्रत्याशी जीत सकता है किन्तु कोटा से कम वोट पाने पर जीते हुए प्रत्याशी को भी हटा दिया जाता है और पुन: चुनाव कराया जाता है।

$$\text{कोटा} = \frac{\text{कुल वोट}}{\text{कुल प्रत्याशी} + 1} + 1$$

Ex. :– कुल वोट = 60

$$\text{जमानत} = \frac{1}{6} \times 60 = 10 \text{ वोट}$$

- **अनुच्छेद 56 –** इसमें राष्ट्रपति के कार्यकाल के बारे में बताया गया है। राष्ट्रपति का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है। यदि राष्ट्रपति का पद 5 वर्ष से पहले ही खाली हो जाती है तो नया राष्ट्रपति 5 वर्ष के लिए आता है न कि बचे हुए कार्यकाल के लिए।

  Note :– अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव 4 वर्षों के लिए होता है। यहाँ का संविधान सबसे छोटा है।
- **अनुच्छेद 57 –** एक ही राष्ट्रपति दुबारा निर्वाचित हो सकते हैं। अब तक डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ही दोबारा निर्वाचित हुए हैं।
- **अनुच्छेद 58 – योग्यता (अर्हताएँ)–**

  (1) वह भारत का नागरिक हो।

  (2) 35 वर्ष की आयु होनी चाहिए।

  (3) लोकसभा के सदस्य बनने की योग्यता हो।

  (4) 50 प्रस्तावक तथा 50 अनुमोदक हो।
- **अनुच्छेद 59 – दशाऐं/शर्तें–**

  (1) पागल या दिवालिया न हो।

  (2) किसी भी लाभ के पद पर न हो।

  (3) संसद या विधानमंडल में किसी का भी सदस्य न हो।
- यदि कोई सदस्य राष्ट्रपति निर्वाचित हो गया तो उसे शपथ लेने से पूर्व अपने सदन की सदस्यता त्यागनी पड़ती है।

  Note :– सरकारी नौकरी लाभ का पद कहलाता है सांसद, विधायक, मंत्री, राज्यपाल लाभ का पद नहीं है ये जनता के सेवक हैं।
- **अनुच्छेद 60 –** राष्ट्रपति को शपथ दिलाने का कार्य सर्वोच्च न्यायालय (Supreme Court) के मुख्य न्यायाधीश करते हैं। इनके अनुपस्थिति में Supreme Court के शेष 33 न्यायाधिशों में वरिष्ठ न्यायाधीश शपथ दिलाऐंगे।
- **अनुच्छेद 61 – महाभियोग (Impeachment)–**
- राष्ट्रपति को उसके पद से हटाना महाभियोग कहलाता है। महाभियोग शब्द केवल राष्ट्रपति के लिए प्रयोग होगा। हालांकि महाभियोग जैसी प्रक्रिया बहुत से अधिकारियों पर लगाया जाता है किन्तु उसे सांसद की कार्यवाही या महाभियोग जैसी प्रक्रिया शब्द का प्रयोग करते है।
- महाभियोग की प्रक्रिया USA के संविधान से लिया गया है।
- महाभियोग में विधान-मंडल का कोई भी सदस्य भाग नहीं लेता है।
- महाभियोग में सांसद के दोनों सदन के निर्वाचित तथा मनोनित सदस्य भाग लेते हैं।
- **राष्ट्रपति पर महाभियोग लगाने का तीन कारण हैं–**

  1. यदि वह संविधान का अतिक्रमण करें।
  2. मंत्रीमंडल के सलाह को न मानें।
  3. किसी विदेशी राष्ट्र के प्रभाव में आ जाए।
- राष्ट्रपति पर महाभियोग किसी भी सदन से प्रारंभ हो सकता है जो सदन महाभियोग प्रारंभ करना चाहता है उसे अनुमति लेने के लिए $\frac{1}{4}$ मत की आवश्यकता होती है। $\frac{1}{4}$ मत मिलने के बाद वह सदन महाभियोग को $\frac{2}{3}$ बहुमत से पारित करेगा। पारित करने के बाद दूसरे सदन में भेजने की 14 दिन पूर्व इसकी सूचना राष्ट्रपति को दे दिया जाता है। राष्ट्रपति दूसरे सदन में जाकर अपनी बात रखने में सफल रहे तो महाभियोग रद्द हो जाएगा किंतु यदि दूसरा सदन भी $\frac{2}{3}$ बहुमत से महाभियोग को पारित कर दे, तो राष्ट्रपति पर महाभियोग लग जाएगा और राष्ट्रपति को पद से हटा दिया जाएगा और 6 महिने के भीतर राष्ट्रपति का चुनाव होगा।
- अब तक किसी राष्ट्रपति पर महाभियोग नहीं लगा है।
- **अनुच्छेद 62 –** राष्ट्रपति के पद का रिक्त होना।
- **राष्ट्रपति का पद पाँच परिस्थितियों में रिक्त होता है–**

  1. कार्यकाल को समाप्ति,
  2. महाभियोग,
  3. त्यागपत्र,
  4. मृत्यु एवं
  5. निव ाचिन अवैध

- कार्यकाल समाप्त होने की स्थिति में वही राष्ट्रपति तब तक अपने पद पर रहता है जब तक कि उसके उत्तराधिकारी का निर्वाचन न हो जाए। शेष 4 परिस्थिति में कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में उप-राष्ट्रपति को लाया जाता है।
- अब तक दो राष्ट्रपति की मृत्यु उनके अपने कार्यकाल के दौरान हुई है जबकि तीन कार्यवाहक राष्ट्रपति बने हैं।
  1. **वी.वी.गिरी–** 3 मई 1969 से 20 जुलाई 1969 तक- जाकिर हुसैन के बाद आये।
  2. **मोहम्मद हिदायतुल्ला–** 20 जुलाई 1969 से 24 अगस्त 1969 तक- वी.वी. गिरी के त्याग-पत्र के कारण आये। मो० हिदायतुल्ला उस समय सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे।
  3. **बी.डी. जत्था–** 11 फरवरी 1977 से 25 जुलाई 1977 तक- फखरूद्दीन अली अहमद के मृत्यु के कारण आये।

Remark :– यदि राष्ट्रपति का निर्वाचन अवैध घोषित हो जाए तो राष्ट्रपति द्वारा किया गया कार्य अवैध नहीं होगा क्योंकि राष्ट्रपति कोई भी कार्य स्वयं नहीं करते है बल्कि मंत्रीमंडल के सिफारिश पर करते हैं।

- **राष्ट्रपति की विभिन्न शक्तियाँ (Powers of the President)–**
  1. कार्यकारी शक्तियाँ (Excutive Powers)
  2. विधायी शक्तियाँ (Legislative Powers)
  3. वित्तीय शक्तियाँ (Financial Powers)
  4. न्यायिक शक्तियाँ (Judicial Powers)
  5. सैन्य शक्तियाँ (Military Powers)
  6. राजनैतिक शक्तियाँ (Diplomatic Powers)
  7. आपातकालीन शक्तियाँ (Emergency Powers)
  8. विशेष शक्ति (Discretionary Powers)

1. कार्यकारी शक्तियाँ (Excutive Powers)– इसके तहत राष्ट्रपति कार्य संचालन हेतु विभिन्न पदाधिकारियों की नियुक्ति करते है।

जैसे– प्रधानमंत्री, UPSC, वित्त आयोग, महान्यायवादी, नियंत्रक महालेखा परीक्षक आदि।

- भारत में सभी कार्य राष्ट्रपति के नाम एवं हस्ताक्षर से ही किये जाते हैं।

2. विधायी शक्तियाँ (Legislative Powers)– इसके तहत राष्ट्रपति नियम कानून बनान से संबंधित शक्तियों का प्रयोग करते हैं। ये संसद के सत्रावसान तथा सत्राआहूत करते हैं। ये संयुक्त अधिवेशन को बुलाते हैं जब तक राष्ट्रपति हस्ताक्षर न कर दें तबतक विधेयक कानून नहीं बन सकता है।

- **अनुच्छेद 331 –** लोकसभा में दो Anglo Indian का मनोनयन राष्ट्रपति द्वारा होता है। (निरस्त)
- **अनुच्छेद 332 –** राज्य विधान सभा में SC/ST को आरक्षण राज्यपाल द्वारा दिया जाता है।

3. वित्तीय शक्ति (Financial Powers)– इसके तहत राष्ट्रपति आपात स्थितियों में 500 करोड़ रुपया तक की राशि आकस्मिक निधि से दे सकते हैं।

- संरक्षित निधि से धन निकालने से पहले राष्ट्रपति से अनुमति लेना होता है।
- केन्द्र तथा राज्य के बीच में Tax का बंटवारा के लिए वित्त आयोग का गठन राष्ट्रपति करते हैं।

4. न्यायिक शक्ति (Judicial Powers)– अनुच्छेद 72 के तहत राष्ट्रपति की क्षमादान शक्तियां है। राष्ट्रपति क्षमा करने से पूर्व गृह मंत्रालय की सलाह लेते हैं।

- राष्ट्रपति 5 प्रकार से किसी सजा को माफ कर सकता है।
  - **(i) क्षमा (Pardon)–** जब राष्ट्रपति किसी भी सजा को पूरी तरह माफ करता है तो उसे क्षमा कहते हैं।
  - **(ii) लघुकरण (Commute)–** इसमें राष्ट्रपति सजा के प्रकृति को बदल देते हैं। किन्तु समय नहीं घटाते हैं।

  Ex. :– फाँसी की सजा को आजीवन कारावास, दस साल कठोर कारावास को दस साल साधारण कारावास।
  - **(iii) परिहार (Remission)–** इसमें राष्ट्रपति समय घटाते हैं। किन्तु प्रकृति नहीं बदलते है।

  Ex. :– 10 साल कठोर कारावास को 5 साल का कठोर कारावास, इसका प्रयोग फाँसी की सजा पर नहीं हो सकता है।
  - **(iv) विराम (Respite)–** किसी बंदी (कैदी) का यदि स्वास्थ्य अच्छा नहीं है तो उसके सजा को कुछ समय के लिए राष्ट्रपति रोक लगा देते हैं, जिसे विराम कहते है।
  - **(v) प्रतिलंबन (Reprieve)–** राष्ट्रपति जब फाँसी की सजा को कुछ समय के लिए रोक लगा देते हैं तो उसे प्रतिलंबन कहते हैं। यह इसलिए लगाया जाता है कि कैदी दया/याचिका (मर्सी) अपील कर सके।

Note :– राष्ट्रपति Civil Court तथा सेना का कोर्ट (मार्शल कोर्ट) दोनों कि सजा माफ कर सकते हैं।

- राज्यपाल भी सजा माफ कर सकता है किन्तु फाँसी एवं सेना कि सजा को माफ नहीं कर सकता।
- अमेरिकी राष्ट्रपति भी सेना कि सजा को माफ नहीं कर सकता है।

5. शैन्य शक्ति (Military Powers)– यह तीनों सेना का प्रधान होता है। अत: यह किसी देश से युद्ध/विराम कि घोषणा करता है।

6. राजनैतिक शक्ति (Diploamtic Powers)– यह भारत के राजदूत को विदेश में भेजता है। तथा विदेशी राजदुत को भारत में आने की अनुमती देता है।

- विदेश जाने वाले मंत्री राष्ट्रपति से अनुमती लेकर जाते हैं।

7. अपातकालीन शक्तियाँ (Emergency Powers)–

A . राष्ट्रीय आपात (National Emergency)–

- अनुच्छेद 352 में कहा गया है कि जब कभी विदेशी आक्रमण हो जाए या सशस्त्र विद्रोह हो जाए तो मंत्रीमण्डल के सिफारिश पर राष्ट्रपति राष्ट्रीय आपात की घोषणा करते हैं।

- घोषणा के 30 दिन के अंदर संसद के दोनों सदनों द्वारा राष्ट्रीय आपात का अनुमोदन मिलना जरूरी है। यदि राज्यसभा अनुमोदन कर दिया हो और लोकसभा पहले से ही भंग हो तो लोकसभा का चुनाव होने के बाद 30 दिन के भीतर अनुमोदन करेगा।
- दोनों सदनों में अनुमोदन मिलने के बाद आपात छः माह तक लागू अनुमोदन अनंत काल तक बढ़ाया जा सकता है।
- यदि राष्ट्रपति बिना मंत्रीमण्डल सिफारिस किए आपात लागू कर देता है तो इसकी चुनौती सुप्रीम कोर्ट में दी जा सकती है।

➢ **राष्ट्रीय आपात का प्रभाव (Effect of National Emergency)–**

(A) इसमें मूल अधिकार स्थगित कर दिया जाता है और देश का संघीय ढ़ाचा प्रभावित हो जाता है।
(B) अनुच्छेद 352 जब लागू रहता है तो अनुच्छेद 358 स्वत: लागू हो जाता है परिणाम स्वरूप अनुच्छेद 19 में दी गई विभिन्न प्रकार की स्वतंत्रता को स्थगित कर देता है।
(C) अनुच्छेद 359 आपातकाल के दौरान राष्ट्रपति को यह अधिकार देता है कि वह अनुच्छेद 20 और 21 को छोड़कर किसी भी मूल अधिकार को स्थगित कर सकते है।
(D) राज्य सरकार शक्तिविहिन हो जाती है।
(E) संसद राज्य सूची के विषय में कानून बना सकता है किन्तु इसका प्रभाव केवल 1 साल तक प्रभावित रहता है।
(f) अनुच्छेद 352 में पहली बार मंत्रीमण्डल शब्द का प्रयोग हुआ।

Note :– अब तक तीन बार राष्ट्रीय आपात लगा है–

क्र.सं.	वर्ष	आपात
1.	1962	चीन युद्ध
2.	1971	बांग्लादेश संकट
3.	1975	आंतरिक अशांति

- इसमें लोकसभा का कार्यकाल 1 वर्ष के लिए बढ़ा दिया जाता है।

B. राजकीय आपात या राष्ट्रपति शासन (अनुच्छेद- 356) [State Emergency or President Rule (Article – 356)]–

- यह तब लाया जाता है जब राज्य का संवैधानिक ढ़ाचा विफल हो जाए।
- अनुच्छेद 355 में कहा गया है कि प्रत्येक राज्य संविधान के अनुरूप शासन करेगा अर्थात् बहुमत की सरकार द्वारा ही शासन होगा।
- अनुच्छेद 365 में कहा गया है कि राज्य केन्द्र सरकारों के दिशा निर्देशों पर कार्य करेगी।
- यदि अनुच्छेद 355 या 365 का कोई राज्य उल्लंघन करेगा, तो राज्यपाल की सूचना पर मंत्रीमण्डल के सिफारिश द्वारा, राष्ट्रपति के हस्ताक्षर द्वारा उस राज्य में राजकीय आपात लागू कर दिया जाएगा।
- राजकीय आपात का अनुमोदन संसद के दोनों सदनों द्वारा 60 दिनों के अंदर करना अनिवार्य है यदि राज्यसभा अनुमोदन कर दिया है और लोकसभा पहले से ही भंग हो, तो नई लोकसभा 30 दिनों के भीतर अनुमोदन करेगी।
- संसद के दोनों सदनों से अनुमोदन मिलने के बाद यह 6 महीने तक लागू रहेगा।
- 6 – 6 महीने तक अनुमोदन करके इसे अधिकतम तीन वर्षों तक बढ़ाया जा सकता है।

Note :– अपवाद के रूप में पंजाब में राजकीय आपात 3 वर्षों से अधिक लगा है।

- पहली बार राजकीय आपात पंजाब (PEPSU) 1951 ई॰ में लागू हुआ।

➢ **राजकीय आपात का प्रभाव (Effect of State emergency) –**

(A) राज्य की सारी कार्यपालिका शक्तियाँ राज्यपाल के हाथ में चली जाती है।
(B) मुख्यमंत्री शक्तिविहीन हो जाता है।
(C) राज्य की विधायी शक्तियाँ संसद के पास चली जाती है।
(D) राज्य का बजट संसद में प्रस्तुत लगता है।

Note :– राजकीय अपात के दौरान H.C. में कार्य प्रभावित नहीं होते हैं।

C. वित्तीय आपात अनुच्छेद-360 (Financial Emergency - Article - 360)–

- इसे USA के संविधान से लाया गया है।
- यह तब लागू होता है, जब देश कि वित्तीय स्थिति बहुत खराब हो।
- इसे मंत्रिमण्डल के सलाह पर राष्ट्रपति लाते हैं।
- संसद के दोनों सदनों द्वारा 60 दिन के अंदर अनुमोदन मिलना आवश्यक है यदि राज्यसभा अनुमोदन कर दिया हो और लोकसभा पहले से ही भंग हो तो नई लोकसभा 30 दिनों के भीतर अनुमोदित करेगी।
- एक बार अनुमोदन मिलने के बाद तब तक लागू रहेगा जबतक कि संसद इसे स्वयं न हटा दें।
- अब तक वित्तीय आपात लागू नहीं हुआ है।

➢ **वित्तीय आपात के प्रभाव (Impact of Financial Emergency)–**

(A) राष्ट्रपति के वेतन को छोड़कर शेष सभी सरकारी कर्मचारीयों का वेतन काट लिये जाते हैं।
(B) सरकारी खर्च में कटौती कर ली जाती है।
(C) Tax बढ़ा दिया जाता है।

आपात	संसद का अनुमोदन	नई लोकसभा
राष्ट्रीय आपात अनु॰-352	30 दिनों के अंदर	30 दिन
राजकीय आपात अनु॰-356	60 दिन	30 दिन
वित्तीय आपात अनु॰-360	60 दिन	30 दिन

8. विवेकाधिकार शक्ति (Discretionary Powers)–

- इस शक्ति का प्रयोग राष्ट्रपति अपनी इच्छानुसार करते हैं। इसका प्रयोग लोकसभा के त्रिशंकु होने पर अर्थात् किसी भी दल को बहुमत न मिलने पर करते हैं।

- ☞ जब लोकसभा में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिलता है तो राष्ट्रपति किसी भी दल के नेता को प्रधानमंत्री घोषित कर देते हैं और 30 दिनों के भीतर उन्हें बहुमत सिद्ध करने को कहा जाता है। यदि वे 30 दिनों के भीतर बहुमत सिद्ध कर दिये तो वह प्रधानमंत्री के पद पर बने रहेगे अन्यथा दुबारा चुनाव कराया जायेगा।

➢ **राष्ट्रपति की वीटो शक्ति (Veto Power of the President) –**

- ☞ विधेयक को रोकने की शक्ति को वीटो शक्ति कहते हैं। यह तीन प्रकार का होता है।
    1. **अत्यंत कारी वीटो (Absolute Veto)–** राष्ट्रपति जब विधेयक को पूरी तरह रद्द कर देते हैं, तो उसे अत्यंतकारी वीटो कहते हैं। अब इसे समाप्त कर दिया गया है।
    2. **निलंबकारी वीटो (Suspensive Veto)–** राष्ट्रपति जब पुनर्विचार के लिए जब विधेयक को लौटाते हैं, तो उसे निलंबकारी विटो कहते हैं।
    3. **जेबी वीटो (Pocket Veto)–** जब राष्ट्रपति किसी विधेयक पर न अपना हस्ताक्षर करे न ही उसे पुनर्विचार के लिए लौटाए, बल्कि उसे अपने ही पास रख ले, तो उसे जेबी वीटो (Pocket Veto) कहते हैं।
- ☞ डाक संशोधन विधेयक 1986 पर राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने जेब बीटो का उपयोग किया है।

विशेषाधिकार शक्ति (Privileged Power)

- ☞ राष्ट्रपति पर दीवानी मुकदमा चलाया जा सकता है किन्तु फौजदारी मुकदमा कार्यकाल के दौरान नहीं चलाया जा सकता है।
- ☞ फौजदारी मुकदमा कार्यकाल समाप्ति के बाद चलाया जाएगा। अर्थात् यह अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है।
- ☞ राष्ट्रपति किसी भी केंद्रीय विश्वविद्यालय के महाकुलाधिपति होते हैं।

भारत के राष्ट्रपतियों की सूची

क्र.	राष्ट्रपति	कार्यकाल	विशेष
1.	डॉ. राजेंद्र प्रसाद	26 जनवरी, 1950– 13 मई, 1962	एकमात्र राष्ट्रपति थे जो कि दो बार राष्ट्रपति बने। वे पूर्व में पटना नगर पालिका के चेयरमैन के पद पर भी आसीन थे।
2.	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन	13 मई, 1962–13 मई, 1967	राधाकृष्णन मुख्यत: दर्शनास्त्री और लेखक थे। आंध्र विश्वविद्यालय और काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति भी रह चुके थे।
3.	जाक़िर हुसैन	13 मई, 1967–3 मई, 1969	ज़ाकिर हुसैन अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कुलपति रहे और 'पद्मविभूषण' व 'भारतरत्न' के भी प्राप्तकर्त्ता थे। (1969 में पद पर रहते हुए मृत्यु।)
	वराहगिरि वेंट गिरि (कार्यवाहक)	3 मई, 1969–20 जुलाई, 1969	वी.वी. गिरि पदस्थ राष्ट्रपति ज़ाकिर हुसैन की मृत्यु के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति बने। वह दूसरी/द्वितीय वरीयता से जीतने वाले पहले राष्ट्रपति थे।
	मुहम्मद हिदायतुल्लाह (कार्यवाहक)	20 जुलाई, 1969–24 अगस्त, 1969	हिदायतुल्लाह भारत के सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तथा ऑर्डर ऑफ ब्रिटिश इंडिया के प्राप्तकर्ता थे।
4.	वराहगिरि वेंकट गिरि	24 अगस्त, 1969–24 अगस्त, 1974	गिरि एकमात्र व्यक्ति थे जो कार्यवाहक राष्ट्रपति व पूर्णकालिक राष्ट्रपति दोनों बने। वह दूसरी/द्वितीय वरीयता से जीतने वाले पहले राष्ट्रपति थे।
5.	फखरुद्दीन अली अहमद	24 अगस्त, 1974–11 फरवरी, 1977	फखरुद्दीन अली अहमद राष्ट्रपति बनने से पूर्व मंत्री थे। उनकी पदस्थ रहते हुए मृत्यु हो गई। वे दूसरे राष्ट्रपति थे जो अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके।
	बासप्पा दनप्पा जत्ती (कार्यवाहक)	11 फरवरी, 1977–25 जुलाई, 1977	बी.डी. जत्ती, फखरुद्दीन अलीअहमद की मृत्यु के बाद भारत के कार्यवाहक राष्ट्रपति बने। इससे पहले व मैसूर के मुख्यमंत्री थे।
6.	नीलम संजीव रेड्डी	25 जुलाई, 1977– 25 जुलाई, 1982	नीलम संजीव रेड्डी आंध्र प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री थे। रेड्डी आंध्र प्रदेश से चुने गए एकमात्र सांसद थे। वे 26 मार्च, 1977 को लोकसभा के अध्यक्ष चुने गए और 13 जुलाई, 1977 को यह पद छोड़ दिया और भारत के छठे राष्ट्रपति बने। वे सर्वसम्मति से निर्विरोध राष्ट्रपति चुने गए थे।
7.	ज्ञानी जैल सिंह	25 जुलाई, 1982–25जुलाई, 1987	जैल सिंह मार्च 1972 में पंजाब राज्य के मुख्यमंत्री बने और 1980 में गृह मंत्री बने।

क्र.	राष्ट्रपति	कार्यकाल	विशेष
8.	रामास्वामी वेंकटमरण	25 जुलाई, 1987- 25 जुलाई, 1992	1942 में वेंटकरमण भारतीय स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में जेल भी गए। जेल से छूटने के बाद वे कॉग्रेस पार्टी के सांसद रहे। इसके अलावा वे भारत के वित्त एवं औद्योगिक मंत्री और रक्षा मंत्री भी रहे।
9.	शंकरदयाल शर्मा	25 जुलाई, 1992-25 जुलाई, 1997	ये मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री और भारत के संचार मंत्री रह चुके थे। इसके अलावा ये आंध्र प्रदेश, पंजाब और महाराष्ट्र के राज्यपाल भी थे।
10.	के.आर. नारायण	25 जुलाई, 1997- 25 जुलाई, 2002	नारायणन चीन, तुर्की, थाईलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका में भारत के राजदूत रह चुके थे। उन्हें विज्ञान और कानून में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त थी। वे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के कुलपति भी रहे।
11.	ए.पी.जे.अब्दुल कलाम	25 जुलाई, 2005-25 जुलाई, 2007	कलाम मुख्यत: वैज्ञानिक थे जिन्होंने मिसाइल और परमाणु हथियार बनाने में मुख्य योगदान दिया, इस कारण उन्हें 'भारतरत्न' भी मिला। उन्हें भारत का 'मिसाइलमैन' भी कहा जाता है।
12.	प्रतिभा देवी सिंह पाटिल	25 जुलाई, 2007- 25 जुलाई, 2012	प्रतिभा पाटिल भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति बनीं। वह राजस्थान की प्रथम महिला राज्यपाल भी थीं।
13.	प्रणब मुखर्जी	25 जुलाई, 2012- 25 जुलाई, 2017	प्रणब मुखर्जी भारत सरकार में वित्त मंत्री, विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री और योजना आयोग के उपाध्यक्ष रह चुके थे।
14.	रामनाथ कोविंद	25 जुलाई, 2017 - 25 जुलाई 2022	राज्यसभा सदस्य तथा बिहार के राज्यपाल रह चुके हैं।
15.	द्रौपदी मुर्मू	25 जुलाई, 2022- पदस्थ	ओडिशा सरकार में मंत्री और झारखंड राज्य की पहली आदिवासी महिला राज्यपाल रह चुकीं है।

उपराष्ट्रपति (अनुच्छेद 63-70) [(Vice President) (Article 63–70)]

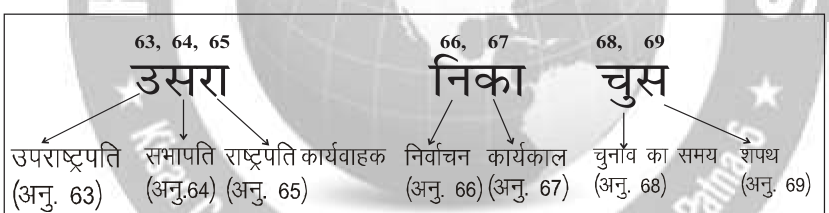

- उपराष्ट्रपति का पद देश का दूसरा सर्वोच्च पद होता है।
- **अनुच्छेद 63** – उपराष्ट्रपति की चर्चा है जो U.S.A के संविधान से लिया गया है।
- **अनुच्छेद 64** – उपराष्ट्रपति ही राज्यसभा का सभापति होता है, किन्तु वह राज्यसभा का सदस्य नहीं होता है।
- उपराष्ट्रपति को वेतन सभापति होने के नाते दिया जाता है।

  Note :– राज्यसभा एक ऐसा सदन है जिसका सभापतित्व उसके सदस्य नहीं करते हैं।
- **अनुच्छेद 65** – राष्ट्रपति के अनुपस्थिति में उपराष्ट्रपति ही कार्यवाहक राष्ट्रपति का कार्य करता है। इस दौरान वह राष्ट्रपति के सभी शक्तियों का प्रयोग करेगा किन्तु इस दौरान वह सभापति का कार्य नहीं करेगा।
- **अनुच्छेद 66** – इसमें उपराष्ट्रपति के निर्वाचन की चर्चा है। जो एकल संक्रमणीय अनुपातिक पद्धति द्वारा होता है।
- अनु० 66 में ही उपराष्ट्रपति के निर्वाचन में संसद के दोनों सदनों के सभी सदस्य भाग लेते हैं, चाहे वह मनोनित हो या निर्वाचित।
- राज्य की विधानमंडल उपराष्ट्रपति के निर्वाचन में भाग नहीं लेती है।
- **उपराष्ट्रपति के निर्वाचन में खड़े होने के लिए निम्न योग्यताएँ है (Eligibility of the Vice-President)–**
  1. वह भारत का नागरिक हो।
  2. पागल या दिवालिया न हो।
  3. 35 वर्ष आयु का हो।
  4. लाभ के पद (सरकारी नौकरी)पर न हो।
  5. 20 प्रस्तावक तथा 20 अनुमोदक हो।
  6. 15 हजार रुपया जमानत कि राशि जमा करनी होगी।
  7. राज्यसभा का सदस्य बनने कि योग्यता होनी चाहिए।
- **अनुच्छेद 67**– उपराष्ट्रपति का कार्यकाल सामान्यत: 5 वर्ष का होता है। किन्तु उसके उत्तराधिकारी का निर्वाचन नहीं हुआ है, तो वह अपने पद पर तब तक रहेगा जबतक कि उसका उत्तराधिकारी निर्वाचित नहीं हो जाता है। 5 वर्ष से पहले भी उपराष्ट्रपति को अविश्वास प्रस्ताव द्वारा हटाया जा सकता है।

उपराष्ट्रपति को पदमुक्त करना

- ☞ यह राज्य सभा का सभापति होता है। इसी कारण उपराष्ट्रपति पर महाभियोग राज्यसभा से प्रारंभ हो सकता है। महाभियोग i fØ; k 1/4 (25%) मत की आवश्यकता होती है।
- ☞ महाभियोग परित करने के लिए 2/3 (दो तिहाई)मत से पारित करना होता है। जब राज्यसभा इसे पारित कर देती है, तो लोकसभा में भेजने से 14 दिन पूर्व इसकी सूचना उपराष्ट्रपति को दी जाती है ताकि वह अपनी बात लोकसभा में रख सके। यदि लोकसभा में भी 2/3 (66%) बहुमत से महाभियोग पारित कर कर दिया तो उपराष्ट्रपति को पद से हटा दिया जाता है।
- ☞ अब तक किसी राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति पर महाभियोग नहीं लगा है।

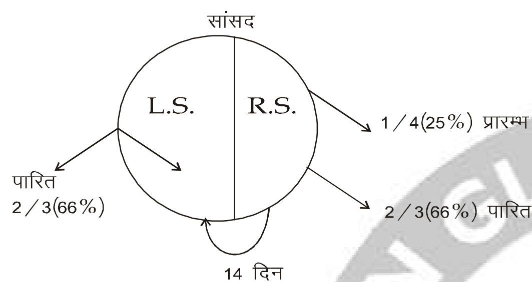

- ☞ **अनुच्छेद 68 –** उपराष्ट्रपति के चुनाव को यथाशीघ्र करा लेने की चर्चा है अर्थात् इसमें निश्चित समय सीमा नहीं दिया गया है।
- ☞ **अनुच्छेद 69 –** उपराष्ट्रपति को शपथ दिलाने का कार्य राष्ट्रपति करते हैं।
- ☞ **अनुच्छेद 70 –** वैसा आकस्मिक स्थिति जिसकी चर्चा संविधान में नहीं है और उसी कारण राष्ट्रपति का पद खाली हो गया हो गया है, तो उस स्थिति में भी उपराष्ट्रपति ही कार्यवाहक राष्ट्रपति का कार्य करेंगे।

  Ex. :– खराब स्वास्थ्य, अपहरण इत्यादि।

भारत के उपराष्ट्रपति एवं उनका कार्यकाल

क्र.सं.	नाम	कार्यकाल
1.	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन	1952–1957
2.	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन	1957–1962
3.	डॉ. ज़ाकिर हुसैन	1962–1967
4.	श्री वराहगिरि वेंकट गिरि	1967–1969
5.	श्री गोपाल स्वरूप पाठक	1969–1974
6.	श्री बी.डी.जत्ती	1974–1979
7.	न्यायमूर्ति मोहम्मद हिदायतुल्ला	1979–1984
8.	श्री आर. वेंकटरमन	1984–1987
9.	डॉ. शंकरदयाल शर्मा	1987–1992
10.	श्री के. आर. नारायणन	1992–1997
11.	श्री कृष्णकांत	1997–2002
12.	श्री भैरोंसिंह शेखावत	2002–2007
13.	मोहम्मद हामिद अंसारी	2007–2012
14.	मोहम्मद हामिद अंसारी	2012–2017
15.	श्री वेंकैया नायडू	2017–2022
16.	जगदीप धनकड़	2022 से वर्तमान में पदस्थ

Note :– दो उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और मो॰ हामिद अंसारी ने लगातार दो कार्यकाल पूरा किए।

- ☞ **अनुच्छेद 71 –** राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति के चुनाव विवादों (Election Disputes) को सुप्रीम कोर्ट में सुलझाया जा सकता है।
- ☞ **अनुच्छेद 72 –** इसमें राष्ट्रपति के विभिन्न प्रकार की क्षमादान शक्तियाँ है।
- ☞ **अनुच्छेद 73 –** संघ की कार्यपालिका (कार्यप्रणाली) को आसान बनाने के लिए राष्ट्रपति कानून बनाते है।
- ☞ **अनुच्छेद 74 –** राष्ट्रपति को सलाह देने के लिए एक मंत्रीपरिषद होगा। जिसका अध्यक्ष प्रधानमंत्री होगा अर्थात् मंत्रीपरिषद् प्रधानमंत्री के अधीन होता है।
- ☞ **अनुच्छेद 75 –** मंत्रियों के बारे में अन्य उपबंध (व्यवस्था) अर्थात् मंत्रियों की नियुक्ति प्रधानमंत्री के सलाह पर राष्ट्रपति करते हैं।
- ☞ 1861 ई॰ से भारत में लार्ड कैनिन ने विभागीय प्रणाली (पोर्ट फोलियो) लागू कर दिया। इसके तहत भारत के विभिन्न कार्यो को अलग-अलग विभाग में बाँट दिया और उसे मंत्रियों को सौंप दिया गया।

मंत्रीपरिषद् (Council of Minister)

☞ **इसमें 4 प्रकार के मंत्री रहते हैं–**

1. **कैबिनेट मंत्री (Cabinet Minister)–** यह किसी भी विभाग का सबसे बड़ा मंत्री होता है। यह अपने विभाग के सभी फैसले लेने के लिए स्वतंत्र हैं।
2. **राज्यमंत्री–** प्रत्येक विभाग में एक राज्य मंत्री होता है। यह कैबिनेट मंत्री की सहायता करता है। यह हर एक राज्य में नहीं होता है। जितने विभाग होंगे उतने ही राज्य मंत्री होंगे।
3. **राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)–** जिस विभाग का कैबिनेट मंत्री किसी कारण से अनुपस्थित रहता है तो उस विभाग के राज्यमंत्री का स्वतंत्र प्रभार बनाया जाता है। यह कैबिनेट मंत्री के बराबर शक्ति रखता है। जब कैबिनेट मंत्री वापस आता है तो यह पुन: राज्य मंत्री का रूप लेता है।
4. **उपमंत्री–** यह सबसे छोटे स्त्तर का मंत्री है। यह राज्यमंत्री कि सहायता करता है।

Remark :– जब किसी विभाग को दुसरे विभाग के कैबिनेट मंत्री को सौंप दिया जाता है तो उसे अतिरिक्त प्रभार कहते हैं।

- ☞ **मंत्रीमण्डल (Group of Minister)–** इसमें केवल उच्च श्रेणी के मंत्री ही भाग लेते हैं। इसमें कैबिनेट मंत्री तथा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार आते हैं।
- ☞ मंत्रीमण्डल शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग अनुच्छेद 352 में है।

  Note:– Prime Minister मंत्रीमण्डल तथा मंत्रीपरिषद् दोनों का अध्यक्ष होता है।
- ☞ **सुपर कैबिनेट–** अर्थशास्त्री "K संथानन" ने योजना आयोग को सुपर कैबिनेट कहा है।
- ☞ **किचेन कैबिनेट–** प्रधानमंत्री के सगे संबंधियों को किचेन कैबिनेट कहा जाता है।

मंत्री-परिषद्

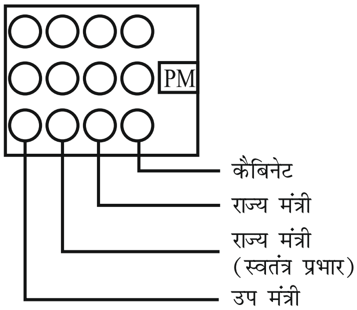

मंत्रीमंडल

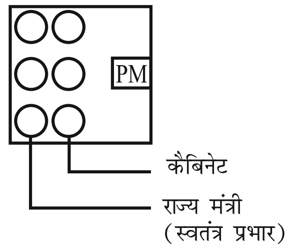

- ☞ मंत्री परिषद् में विभाग वितरण P.M के इच्छानुसार होती है।
- ☞ मंत्री परिषद् लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होता है जिस कारण मंत्री किसी भी सदन का हो सकता है। वह लोक सभा में बैठ सकता है। किन्तु मतदान के समय वह अपने सदन में चला जाता है।
- ☞ मंत्री व्यक्तिगत रूप से राष्ट्रपति के प्रति उत्तरदायी होता है।
- ☞ मंत्री परिषद का अध्यक्ष PM होता है। अत: PM के मृत्यु त्याग पत्र से मंत्री परिषद भंग होता है और जब नया PM पुन: मंत्री परिषद् का गठन करता है।

  इस स्थिति में लोकसभा भंग नहीं होती है। अर्थात् दुवारा चुनाव नहीं होगा।
- ☞ दुबारा चुनाव तभी होगा जब बहुमत (273) शीट कम पर जाऐगी।
- ☞ बहुमत सिद्ध करने के लिए गठबंधन भी किया जाता है।

➤ **संयुक्त प्रगतिशिल गठबंधन संप्रग (United Progressive Allion)–**

- ☞ कांग्रेस के नेतृत्व में बनाया गया गठबंधन U.P.A. कहलाता है।

सहायक दल–
- → Congress
- → B.SP. (U.P.)
- → S.P. (U.P.)
- → R.J.D. (BIHAR)

UPA 1 — 2004 - 2009

UPA 2 — 2009 - 2014

➤ **राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) [National Democrative Allian (NDA)]–**

- ☞ BJP के नेतृत्व में बनाया गया गठबंधन राजग (NDA) कहलाता है।

सहायक दल–
- → शिवसेना (महाराष्ट्र)
- → अकाली दल (पंजाब)
- → JDU (बिहार)
- → लोजपा (बिहार)

NDA 1 — 2014 — 2019

NDA 2 — 2019 — 2024

➤ **तीसरा मोर्चा (Third Party)–**

- ☞ NDA या U.P.A. के आलावा बनाया गया गठबंधन तीसरा मोर्चा है।

➤ **प्रधानमंत्री की शक्तियाँ (Power of Prime Minister)–**

- ☞ यह (PM) योजना आयोग, राष्ट्रीय विकास परिषद्, राष्ट्रीय एकता परिषद्, मंत्रीमंडल, मंत्रीपरिषद के अध्यक्ष होते हैं।
- ☞ PM, CAG, महान्यायवादी, मंत्री आदि के नियुक्ति सम्बंधी सिफारिस राष्ट्रपति को करते हैं।
- ☞ मोर्ले नामक विद्वान ने PM के समकक्षों में सबसे प्रथम कहा है।
- ☞ म्यूर नामक विद्वान ने राज्य रूपी जहाज का "स्टेरिंग व्हील" मंत्री मण्डल को कहा है।

  Note :– बिना संसद के सदस्य बने ही कोई व्यक्ति छ: माह तक PM या मंत्री रह सकता है, किन्तु छ: माह के भीतर उसे संसद की सदस्यता लेनी होगी।

भारत के प्रधानमंत्री और उनका कार्यकाल

क्र.	प्रधानमंत्री	दल	कार्यकाल
1.	श्री जवाहरलाल नेहरू	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC)	15.8.1947-27.5.1964
2.	श्री गुलजारी लाल नंदा (कार्यकाल)	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC)	27.5.1964-9.6.1964
3.	श्री लाल बहादुर शास्त्री	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC)	9.6.1964-11.1.1966
4.	श्री गुलजारी लाल नंदा	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC)	11.1.1966-24.1.1966
5.	श्रीमती इंदिरा गांधी	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC)	24.1.1966-24.3.1977
6.	श्री मोरारजी देसाई	जनता दल	24.3.1977-28.7.1979
7.	श्री चरण सिंह	जनता दल	28.7.1979-14.1.1980
8.	श्रीमती इंदिरा गांधी	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC)	14.1.1980-31.10.1984
9.	श्री राजीव गांधी	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC)	31.10.1984-02.12.1984
10.	श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह	जनता दल	02.12.1989-02.12.1989
11.	श्री चंद्रशेखर	समाजवादी जनता पार्टी	10.11.1990-21.06.1991
12.	श्री पी.वी. नरसिंह राव	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC)	21.06.1991-16.05.1991
13.	श्री अटल बिहारी वाजपेयी	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC)	16.5.1996-01.06.1996
14.	श्री एच.डी. देवगौड़ा	जनता दल (सैकुलर) (संयुक्त मोर्चा/UF)	01.06.1996-21.04.1997
15.	श्री इंद्रकुमार गुजराल	जनता दल (सैकुलर) (संयुक्त मोर्चा/UF)	21.04.1997-19.03.1998
16.	श्री अटल बिहारी वाजपेयी	भारतीय जनता पार्टी (राजग/ NDA)	19.03.1998-13.10.1999
17.	श्री अटल बिहारी वाजपेयी	भारतीय जनता पार्टी (राजग/ NDA)	13.10.1999-22.05.2004
18.	डॉ. मनमोहन सिंह	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (संप्रग/UPA)	22.05.2004-21.05.2009
19.	डॉ. मनमोहन सिंह	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (संप्रग/UPA)	22.05.2009-26.05.2014
20.	श्री नरेंद्र मोदी	भारतीय जनता पार्टी (राजग/ NDA)	26.05.2014-30.05.2019
21.	श्री नरेंद्र मोदी	भारतीय जनता पार्टी (राजग/ NDA)	30.05.2019-वर्तमान में पदस्थ

उप प्रधानमंत्री (Vice Prime Minister)

- ☞ इसके बारे में संविधान में कोई स्पष्ट चर्चा नहीं है। यह राजनैतिक उद्देश्य के लिए बनाया गया पद है।

- जब प्रधानमंत्री भारत से बाहर होते है, तो उप प्रधानमंत्री देश पर नियंत्रण रखते हैं।
- जब उप प्रधानमंत्री नहीं रहता है तो गृहमंत्री देश को नियंत्रण करता है।
- **अब तक सात उप प्रधानमंत्री बने हैं–**
  1. सरदार पटेल (1947-1950)
  2. मोरारजी देसाई (1967-1969)
  3. चौधरी चरण सिंह (1977-1978)
  4. जगजीवन राम (1978-1979)
  5. यशवंत राव चौहान (1979-1980)
  6. चौधरी देवी लाल (1989-1991)
  7. लाल कृष्ण आडवानी (2002-2004)

महान्यायवादी (Attorney General)

- इसकी चर्चा अनुच्छेद 76 में है। यह केन्द्र सरकार का प्रथम विधी (अधिकारी कानूनी सलाहकार) होता है।
- यह संसद का सदस्य नहीं होता है, किन्तु कार्यवाही में भाग लेता है। यह मतदान नहीं कर सकता है।
- यह पूर्ण कालिका (5 वर्ष का) नहीं होता है अपितु (अर्थात्) यह राष्ट्रपति का प्रसाद पर्यन्त (इच्छानुसार) होता है। जिस कारण यह निजी व्यक्ति का भी मुकदमा लड़ सकता है।
- इन्हें वेतन संचित निधि से नहीं दिया जाता है बल्कि प्रधानमंत्री के कोष से दिया जाता है।
- केन्द्र सरकार पर किसी भी प्रकार के मुकदमा को महान्यायवादी लड़ता है।
- यह मुकदमे को भारत के किसी भी न्यायालय में लड़ सकता है क्योंकि इसकी योग्यता सर्वोच्च न्यायालय के जज के बराबर होता है।
- इसे Solicity General सहायक देता है। S.G. को Aditional Solicity General सहायता देता है।
- वर्त्तमान में महान्यायवादी **आर. वेंकटरमणी** है।

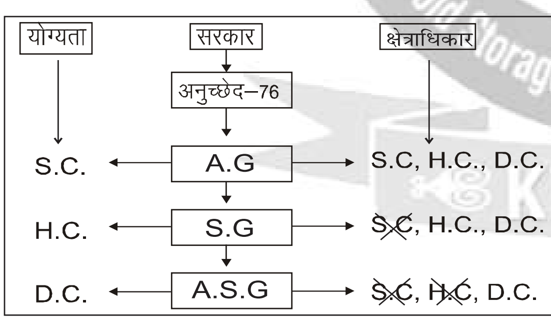

- **अनुच्छेद 77** – केन्द्र सरकार के कार्यों की संचालन की चर्चा है, जो विभिन्न मंत्रालय द्वारा सम्पन्न होता है। राष्ट्रपति इनके कार्यों को आसान बनाने के लिए कानून बना सकते हैं।
- **अनुच्छेद 78** – PM का यह कर्त्तव्य होगा कि मंत्रिपरिषद के कार्यवाई की जानकारी राष्ट्रपति को दें।

स्मरणीय तथ्य

- संघीय कार्यपालिका का मुखिया भारत का राष्ट्रपति होता है।
- भारत के राष्ट्रपति का निर्वाचन राज्यसभा, लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्यों द्वारा किया जाता है।
- भारत के राष्ट्रपति को संसद द्वारा महाभियोग प्रक्रिया से हटाया जा सकता है।
- राष्ट्रपति पर महाभियोग लगाने के लिये कम-से-कम 14 दिन पूर्व सूचना देना आवश्यक है।
- राष्ट्रपति का पद खाली होने पर उसके कर्त्तव्यों का निर्वहन उपराष्ट्रपति करेगा तथा अगर उपराष्ट्रपति का पद भी खाली हो तब राष्ट्रपति के दायित्वों का निर्वहन सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश करेगा।
- किसी विधेयक पर स्वीकृति देने के लिये राष्ट्रपति को मंत्रिपरिषद् से सलाह लेना आवश्यक नहीं है।
- राष्ट्रपति द्वारा जारी अध्यादेश संसद सत्र शुरू होने के 6 सप्ताह के अंदर पास होना आवश्यक है।
- भारत का राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति की नियुक्ति नहीं करता, उपराष्ट्रपति का निर्वाचन होता है।
- भारत के उपराष्ट्रपति का निर्वाचन एक निर्वाचक गण द्वारा किया जाता है, जिसमें संसद के दोनों सदनों के सभी सदस्य शामिल होते हैं।
- वर्तमान में राष्ट्रपति का वेतन पाँच लाख रुपए प्रतिमाह जबकि उपराष्ट्रपति का वेतन चार लाख रुपए प्रतिमाह हो गया है।
- उपराष्ट्रपति को उसके पद से राज्यसभा के प्रस्ताव के द्वारा हटाया जा सकता है।
- उपराष्ट्रपति राज्यसभा की अध्यक्षता करता है उसका सदस्य न रहते हुए भी।
- भारत का प्रधानमंत्री मंत्रिपरिषद का वास्तविक नेता होता है।
- भारत का प्रधानमंत्री केंद्रीय सरकार का प्रमुख होता है।
- प्रधानमंत्री वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद का अध्यक्ष होता है।
- राष्ट्रीय सुरक्षा समिति का प्रधान प्रधानमंत्री होता है।
- जो व्यक्ति संसद का सदस्य नहीं है, वह मात्र 6 माह तक मंत्री पद पर रह सकता है।
- मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है।
- लोकसभा में विश्वास प्रस्ताव सरकार द्वारा लाया जाता है तथा अविश्वास प्रस्ताव विपक्ष द्वारा लाया जाता है।
- भारत के स्वतंत्रता पश्चात् मंत्रिमंडल में प्रथम कानून मंत्री डॉ. भीम राव अंबेडकर थे।
- भारत सरकार को कानूनी विषयों पर महान्यायवादी परामर्श देता है।
- भारत के एकमात्र प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री हैं जिनकी मृत्यु देश से बाहर ताशकंद (उज्बेकिस्तान) में सन् 1966 में हुई थी।
- भारत का महान्यायवादी राष्ट्रपति के पसादपर्यंत अपना पद धारण करता है।
- भारत का महान्यायवादी राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त होता है तथा वह भारत सरकार का प्रथम विधि अधिकारी होता है।
- सबसे अधिक केंद्रीय रेल मंत्री बिहार राज्य से बने हैं। बाबू जगजीवन राम से लेकर लालू प्रसाद यादव सहित कुल 8 लोग इस पद को सुशोभित कर चुके हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. भारत का राष्ट्रपति कितनी बार पुन: चुनाव के लिए पात्र होता है?
(A) एक बार (B) दो बार
(C) तीन बार (D) कितनी भी बार
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre.) Re-Exam, 2022

2. 2022 के भारत के 16वें उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में कितने सदस्य हैं?
(A) 798 (B) 788
(C) 545 (D) 250
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre.) Re-Exam, 2022

3. भारत का महान्यायवादी किसके द्वारा नियुक्त किया जाता है?
(A) विधि मंत्री (B) भारत के राष्ट्रपति
(C) लोकसभा के अध्यक्ष (D) प्रधानमंत्री
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
64th BPSC (Pre)

4. राष्ट्रपति–
(A) संसद का हिस्सा नहीं होता है।
(B) संसद का हिस्सा होता है।
(C) संसद का हिस्सा होता है और संसद में बैठता है।
(D) संसद में वोट दे सकता है।
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
64th BPSC (Pre.)

5. भारत का प्रधानमंत्री किसके प्रति जवाबदेह है?
(A) मंत्रिमंडल (B) राष्ट्रपति
(C) लोकसभा (D) राज्यसभा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
63rd BPSC (Pre.)

6. भारत सरकार का कौन-सा अधिकारी सदस्य न होते हुए भी भारतीय संसद की कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार रखता है?
(A) उप-राष्ट्रपति (B) अटार्नी-जनरल
(C) नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग)
(D) चुनाव आयुक्त
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
60-62nd BPSC (Pre.)

7. भारत के राष्ट्रपति अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हैं–
(A) सीधे अथवा अपने अधीनस्थ अधिकारियों द्वारा
(B) मंत्रियों के द्वारा
(C) प्रधानमंत्री के द्वारा
(D) मंत्रिमंडल के द्वारा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
60-62nd BPSC (Pre.)

8. आम तौर पर भारत के प्रधानमंत्री होते हैं–
(A) संसद का सदस्य नहीं (B) लोकसभा का सदस्य
(C) राज्य का सदस्य (D) दोनों सदनों का सदस्य
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
60-62nd BPSC (Pre.)

9. यदि राष्ट्रपति एवं उप-राष्ट्रपति का पद खाली हो तो भारत के राष्ट्रपति–
(A) प्रधानमंत्री (B) भारत का मुख्य न्यायाधीश
(C) लोकसभा अध्यक्ष (D) इनमें से कोई नहीं
48-52nd BPSC (Pre.)

10. श्रीमति प्रतिभा पाटिल का भारतीय गणतंत्र के राष्ट्रीय के रूप में क्रम क्या है?
(A) 10वाँ (B) 11वाँ
(C) 12वाँ (D) 13वाँ
48-52nd BPSC (Pre.)

11. श्री मोहम्मद अंसारी का भारत के उपराष्ट्रपति के रूप में क्रमांक है–
(A) 10वाँ (B) 11वाँ
(C) 12वाँ (D) 13वाँ
48-52nd BPSC (Pre.)

12. भारत के प्रधानमंत्री प्रमुख हैं–
(A) राज्य सरकार के
(B) केंद्रीय सरकार के
(C) राज्य तथा केंद्रीय सरकार दोनों के
(D) इनमें से कोई नहीं
47th BPSC (Pre.)

13. भारत का राष्ट्रपति किसके द्वारा हटाया जा सकता है?
(A) लोकसभा द्वारा (B) संसद द्वारा
(C) मुख्य न्यायाधीश द्वारा (D) प्रधानमंत्री द्वारा
47th, 39th BPSC (Pre.)

14. भारत के राष्ट्रपति को विशिष्ट केन्द्र-राज्य राजकोषीय संबंधों के बारे में सुझाव किसके द्वारा दिया जाता है?
(A) वित्त मंत्री (B) भारतीय रिजर्व बैंक
(C) योजना आयोग (D) वित्त आयोग
46th BPSC (Pre.)

15. निम्नलिखित में से कौन लगातार दो बार राष्ट्रपति रहे थे?
(A) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (B) डॉ. एम. राधाकृष्णन
(C) डॉ. जाकिर हुसैन (D) (A) और (B) दोनों
46th BPSC (Pre.)

16. भारत का कार्यपालिका अध्यक्ष कौन है?
(A) राष्ट्रपति
(B) प्रधानमंत्री
(C) विरोधी दल का नेता
(D) भारत सरकार के मुख्य सचिव
44th BPSC (Pre.)

17. भारत में राष्ट्रपति का चुनाव किया जाता है–
(A) प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा
(B) एकल हस्तांतरणीय द्वारा
(C) आनुपातिक मत प्रणाली द्वारा
(D) खुला बैलेट प्रणाली द्वारा
44th BPSC (Pre.)

18. भारत सरकार को कानूनी विषयों पर कौन परामर्श देता है?
(A) अटार्नी जनरल
(B) उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(C) विधि आयोग के अध्यक्ष
(D) इनमें से कोई नहीं **44th BPSC (Pre.)**

19. भारतीय संविधान ने केंद्रीय सरकार की अधिशासी शक्तियों को किसमें निहित किया है?
(A) भारत के राष्ट्रपति (B) भारत के प्रधानमंत्री
(C) केंद्रीय विधानमंडल (D) उपर्युक्त सभी
42nd BPSC (Pre.)

20. संविधान में 'मंत्रिमंडल' शब्द का एक ही बार प्रयोग हुआ है, और वह-
(A) अनुच्छेद 352 में है (B) अनुच्छेद 74 में है
(C) अनुच्छेद 356 में है (D) अनुच्छेद 76 में है
41st BPSC (Pre.)

21. भारत के राष्ट्रपति को यह अधिकार नहीं प्राप्त है कि वह-
(A) क्षमा प्रदान करें
(B) सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाएं
(C) आपातकाल की घोषणा करें
(D) अध्यादेश जारी करें
41st BPSC (Pre.)

22. मंत्रिपरिषद् उत्तरदायी होती है-
(A) राष्ट्रपति के प्रति (B) प्रधानमंत्री के प्रति
(C) अध्यक्ष के प्रति (D) संसद के प्रति
40th BPSC (Pre.)

23. भारत के उप-राष्ट्रपति के संबंध में कौन-सा कथन असत्य है?
(A) इसकी योग्यता प्राप्त करने के लिये प्रत्याशी की आयु कम से कम 35 वर्ष होनी चाहिये
(B) उप-राष्ट्रपति राज्यसभा का सभापति होता है।
(C) उप-राष्ट्रपति का चुनाव भारत का राष्ट्रपति करता है।
(D) भारत के प्रथम उप-राष्ट्रपति एस राधाकृष्णन थे।
38th BPSC (Pre.)

24. भारतीय संविधान भारत के राष्ट्रपति को अधिकार नहीं देता है-
(A) प्रधानमंत्री की नियुक्ति का
(B) राज्यों के मुख्यमंत्री की नियुक्ति का
(C) रक्षा बलों का सर्वोच्च कमांडर होने का
(D) देश के किसी भाग में आपातकालीन स्थिति लागू करने का
38th BPSC (Pre.)

25. अगर भारत के राष्ट्रपति के चुनाव में कोई विवाद है तो उस विवाद को सौंपा जा सकता है-
(A) भारत के महाधिवक्ता को
(B) संसद को
(C) भारत के सर्वोच्च न्यायालय को
(D) इसमें से कोई नहीं
35th BPSC (Pre.)

26. भारतवर्ष के रक्षा बल के सुप्रीम कमांडर होते हैं-
(A) भारतीय सेना के सेनाध्यक्ष (B) भारत के राष्ट्रपति
(C) भारत के प्रधानमंत्री (D) भारत के रक्षा मंत्री
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
Bihar CDPO (Pre.), 2017

27. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, जो भारत के पहले राष्ट्रपति थे, पूर्व में किस पद पर आसीन हुए थे?
(A) बिहार के मुख्यमंत्री
(B) पटना नगरपालिका के चेयरमैन
(C) पटना के मेयर
(D) छपरा के प्रधान पोस्टमास्टर
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
Bihar CDPO (Pre.) 2017

28. डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का भारत के राष्ट्रपति के रूप में काल-क्रमानुसार क्रम क्या है?
(A) 13वाँ (B) 11वाँ
(C) 12वाँ (D) 15वाँ
Bihar CDPO (Pre.), 2005

29. यदि भारत के राष्ट्रपति का पद खाली है और उपराष्ट्रपति तथा भारत के मुख्य न्यायाधीश उपलब्ध नहीं हैं, तो भारत का राष्ट्रपति किसे नियुक्त किया जाएगा?
(A) भारत के महान्यायवादी (Attorney General)
(B) लोकसभा के अध्यक्ष (Speaker)
(C) सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश
(D) इनमें से कोई नहीं
Bihar CDPO (Pre.) 2005

30. यदि राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति अक्षम हैं अथवा उनकी मृत्यु कार्यालय में हो जाती है, तो 'कार्यकारी राष्ट्रपति' कौन होंगे?
(A) प्रधानमंत्री
(B) सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(C) कानून मंत्री
(D) गृह मंत्री
BSSC-CGL (Mains), 2014

31. पं. नेहरू इस समय तक प्रधानमंत्री थे-
(A) 1984 ई. (B) 1964 ई.
(C) 1974 ई. (D) 1954 ई.
BSSC-CGL (Mains), 2011

32. उस राज्य का नाम बताएँ जहाँ से भारत के प्रथम राष्ट्रपति चुने गए-
(A) उत्तर प्रदेश (B) मध्य प्रदेश
(C) पश्चिम बंगाल (D) बिहार
BSSC-CGL (Pre.) 2011

33. वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद का अध्यक्ष कौन होता है?
(A) भारत का राष्ट्रपति
(B) भारत का उपराष्ट्रपति
(C) भारत का प्रधानमंत्री
(D) केंद्रीय मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
BSSC-CGL (Pre.), 2011

34. उस राज्य का नाम बताएँ जहाँ से अधिकतम संख्या में केंद्रीय रेलवे मंत्री बने हैं।

(A) उत्तर प्रदेश (B) बिहार
(C) महाराष्ट्र (D) आंध्र प्रदेश

BSSC-CGL (Pre.), 2011

35. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कितने वर्ष तक भारत के राष्ट्रपति रहे?

(A) 6 (B) 8
(C) 12 (D) 5

BSSC[Comb. Inter Level (Pre.)], 2014

36. रामनाथ कोविंद भारत के .... राष्ट्रपति बने हैं-

(A) 13वें (B) 14वें
(C) 15वें (D) 16वें

Bihar SI (Pre.), 2018

37. राष्ट्रपति अपना त्यागपत्र सौंपता है-

(A) मुख्य चुनाव आयुक्त को
(B) प्रधानमंत्री को
(C) उप-राष्ट्रपति को
(D) लोकसभा के स्पीकर को

Bihar ESI (Pre.), 2012

38. भारत के राष्ट्रपति के चुनाव के लिये कौन-सी योग्यता आवश्यक नहीं है?

(A) भारत का नागरिक
(B) 35 वर्ष से अधिक आयु
(C) लोकसभा का सदस्य
(D) कोई लाभकारी पद का अधिकारी न हो

Bihar ESI (Pre.), 2012

39. राष्ट्रपति चुनाव 2012 में पराजित उम्मीदवार थे-

(A) डॉ. प्रतिभा पाटिल
(B) श्री जसवंत सिंह
(C) श्री पी.ए. संगमा
(D) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

Bihar ESI (Pre.), 2012

40. भारत के राष्ट्रपति के महाभियोग की प्रक्रिया है-

(A) न्यायिक प्रक्रिया
(B) अर्ध-न्यायिक प्रक्रिया
(C) विधायी प्रक्रिया
(D) कार्यपालिका प्रक्रिया
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

41. संविधान के अनुसार निम्नांकित में से क्या शब्दश: भारत के राष्ट्रपति की शक्ति नहीं है?

(A) अध्यादेश का प्रख्यान
(B) उच्चतम न्यायालय से परामर्श करना
(C) संसद के सदनों को संदेश भेजना
(D) क्षमादान करना
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

42. निम्नलिखित सूचियों को सुमेलित कीजिये-

सूची-x (भारत के राष्ट्रपति)	**सूची-y (चुनाव विवरण)**
(A) राजेंद्र प्रसाद	(i) निर्विरोध निर्वाचित
(B) जाकिर हुसैन	(ii) द्वितीय वरीयता की मतगणना
(C) वी.वी. गिरि	(iii) दो कार्यकालों के लिये निर्वाचित
(D) नीलम संजीव रेड्डी	(iv) पद धारण के दौरान मृत्यु

कूट:	**A**	**B**	**C**	**D**
(A)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(B)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

43. भारत सरकार की पदानुक्रम सारणी में भारत के मुख्य न्यायाधीश के ऊपर कौन आता/आते है/हैं?

(A) भारत का महान्यायवादी
(B) भूतपूर्व राष्ट्रपति
(C) चीफ ऑफ स्टाफ्स
(D) लोकसभा का अध्यक्ष
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

44. भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव किस तरह होता है?

(A) राष्ट्रीय स्तर पर सीधे चुनाव से।
(B) राष्ट्रपति द्वारा मनोनयन से।
(C) लोकसभा के सांसदों और विधानसभा के विधायकों द्वारा सीधे चुनाव द्वारा।
(D) लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों द्वारा सीधे चुनाव से।
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

45. राज्यसभा का सभापति कौन है?

(A) राष्ट्रपति (B) उपराष्ट्रपति
(C) प्रधानमंत्री (D) लोकसभा का अध्यक्ष
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

46. उपराष्ट्रपति को पद से हटाने संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत किया जा सकता है-

(A) संसद के किसी भी सदन में
(B) लोकसभा में
(C) राज्यसभा में
(D) उपर्युक्त में से किसी में नहीं

47. भारत में राष्ट्रपति का निर्वाचन किस प्रकार होता है?

(A) प्रत्यक्ष रूप से (B) राज्यसभा के सदस्यों द्वारा
(C) लोकसभा के सदस्यों द्वारा
(D) अप्रत्यक्ष मतदान से
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

48. निम्न में से किसे संसद के दोनों सदनों में बोलने, अन्य कार्यवाहियों में सम्मिलित होने एवं किसी भी संसदीय कमेटी का सदस्य होने का अधिकार तो है, परंतु उसे वोट देने का अधिकार नहीं है?
(A) भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक
(B) भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त
(C) भारत के वित्त आयोग के अध्यक्ष
(D) भारत के अटॉर्नी जनरल
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

49. लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक किसके द्वारा आहुत की जाती है?
(A) राष्ट्रपति द्वारा
(B) लोकसभा के अध्यक्ष द्वारा
(C) संसद द्वारा
(D) राज्यसभा के सभापति द्वारा

50. निम्नलिखित में से राष्ट्रपति किसकी/किनकी नियुक्ति करता है?
(A) भारत के महान्यायवादी
(B) नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक
(C) किसी राज्य के राज्यपाल
(D) प्रधानमंत्री
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

ANSWER KEY

01. (D)	02. (B)	03. (B)	04. (B)	05. (C)
06. (B)	07. (A)	08. (B)	09. (B)	10. (C)
11. (D)	12. (B)	13. (B)	14. (D)	15. (A)
16. (A)	17. (B)	18. (A)	19. (A)	20. (A)
21. (B)	22. (D)	23. (C)	24. (B)	25. (C)
26. (B)	27. (B)	28. (B)	29. (C)	30. (B)
31. (B)	32. (D)	33. (C)	34. (B)	35. (C)
36. (B)	37. (C)	38. (C)	39. (C)	40. (B)
41. (E)	42. (A)	43. (B)	44. (D)	45. (B)
46. (C)	47. (D)	48. (D)	49. (A)	50. (E)

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

1. भारतीय राष्ट्रपति के निर्वाचन की पद्धति का परीक्षण कीजिये।
2. भारत के राष्ट्रपति की वीटो शक्ति का वर्णन कीजिये तथा इसका प्रयोग कैसे होता है?
3. गठबंधन राजनीति के इस दौर में प्रधानमंत्री के कार्यों व अधिकारों की समीक्षा कीजिये।

Note:

KHAN GLOBAL STUDIES
Kisan Cold Storage Campus, Musallahpur, Patna-6
KHAN SIR

07. संसद (Parliament)

- **अनुच्छेद 79 – संसद–** संसद भवन का निर्माण "एडविन लुटियन तथा बेकर्ड" ने किया। Parliament शब्द फ्रांस से लिया गया है। जबकि संसद की जननी (ब्रिटेन) U.K. को कहते हैं।
- **संसद के 3 अंग है–**
  1. लोकसभा (House of the People)
  2. राज्यसभा (Council of States) तथा
  3. राष्ट्रपति (President)।
- **संसद के दो सदन है–**
  1. लोकसभा और
  2. राज्यसभा।
- संसद किसी अन्तर्राष्ट्रीय संधि या समझौता को किसी भी राज्य में लागू कर सकती है, बिना उस राज्य के अनुमति के।
- संसद भवन के बीच का भाग Central hall कहलाता है।
- विदेशी अतिथि Central hall में ही भाषण देते है।
- संविधान का निर्माण Central hall में ही बैठ कर हुआ है।
- इसमें 1000 तक आदमी बैठ सकता है।

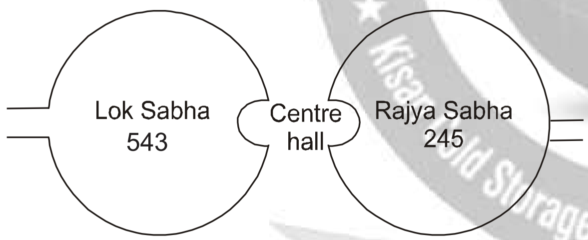

- यह 1927 ई० में बनना शुरू हुआ।

राज्यसभा (अनुच्छेद-80) [Council of States]

- इसका विघटन नहीं हो सकता है। जिस कारण इसे स्थायी/उच्च सदन कहते हैं।
- इसके निर्वाचन में जनता भाग नहीं लेती है। अत: इसे अप्रत्यक्ष सदन कहते है।
- इसमें मंत्रीमडल नहीं बैठते है और न ही इसके बहुमत के आधार पर PM बनते है। अत: इसे द्वितीय सदन भी कहते है।
- किसी भी राज्य का व्यक्ति किसी भी राज्य से राज्यसभा का चुनाव लड़ सकता है।

  Ex.:– मनमोहन सिंह पंजाब के हैं। जब कि वह असम से चुनाव लड़े थे।

  Ex.:– नरेन्द्र मोदी गुजरात के है जबकि वे वाराणसी से चुनाव लड़े थे।
- राज्यसभा की चर्चा अनुच्छेद-80 में है, जब कि अनुच्छेद 80 (क) के तहत राष्ट्रपति इसके 12 सदस्यों को मनोनित कर सकते है। जो विज्ञान, कला, साहित्य के क्षेत्र में अच्छे होते हैं।
- राज्यसभा के सदस्यों का कार्यकाल छ: वर्षों का होता है। किन्तु इसके सभी सदस्यों का निर्वाचन एक ही बार में नहीं होता है बल्कि प्रत्येक 2 वर्ष बाद एक तिहाई 1/3 सदस्यों का निर्वाचन होता है।

  राज्यसभा = 6 वर्ष (2 वर्ष पर चुनाव)

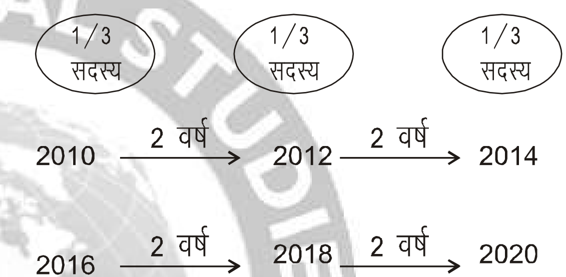

- राज्य में अधिकतम 250 सदस्य होते हैं किन्तु P.O.K पर पाकिस्तान के कब्जा के कारण वर्त्तमान संख्या 245 है।
- राज्य में निर्वाचित सदस्यों की संख्या (245 – 12) = 233 है।

राज्यसभा के सदस्य बनने की शर्त्तें (Condition for Membership of Rajya Sabha)

1. भारत का नागरिक हो।
2. पागल दिवालिया न हो।
3. किसी लाभ के पद पर न हो।
4. कम-से-कम 30 वर्ष आयु हो।

- राज्यसभा को शिक्षित तथा बूढ़ों का सदन कहा जाता है।
- राज्यसभा का गठन 3 April 1952 को हुई। उस समय इसका नाम Council of State था।
- राज्यसभा की पहली बैठक 13 मई, 1952 को हुई।
- 23 Aug 1954 को इसका नाम राज्यसभा कर दिया गया।

राज्यसभा की विशिष्ट शक्तियाँ (Special Power of Rajya Sabha)

1. उपराष्ट्रपति को पदमुक्त करने की प्रक्रिया राज्यसभा से ही प्रारंभ हो सकता है।
2. जब लोकसभा विघटित रहती है, तो आपात का अनुमोदन राज्यसभा करती है।
3. अनुच्छेद 249 के तहत राज्यसूची के विषय में कानून बनाने का अधिकार राज्यसभा या लोकसभा को देती है और दोनों मिलकर 1 वर्ष के लिए कानून बना देते हैं।

4. अनुच्छेद 312 के तहत नई अखिल भारतीय सेवा के सृजन (निर्माण) का अधिकार राज्यसभा, लोकसभा को दे देती है और दोनों मिलकर इस सेवा का सृजन करते हैं।

Ex.:– भारतीय वन्य सेवा।

राज्यसभा की कमजोरी (Weekness of Rajya Sabha)

1. बजट लोकसभा में प्रस्तुत होता है। राज्यसभा इसे 14 दिन से अधिक नही रोक सकती है।
2. मंत्रीपरिषद् राज्यसभा के प्रति उत्तरदायी नहीं होता है।
3. यदि विधेयक पर विवाद हो जाए तो संयुक्त अधिवेशन होता है और संयुक्त अधिवेशन में लोकसभा की संख्या बल अधिक होती है, जिस कारण विधेयक लोकसभा की इच्छानुसार पारित हो जाता है।

राज्यसभा में राज्यों को आबंटित सीटें

क्र.	राज्य	सीटें
1.	आंध्र प्रदेश	11
2.	अरुणाचल प्रदेश	01
3.	असम	07
4.	बिहार	16
5.	छत्तीसगढ़	05
6.	गोवा	01
7.	गुजरात	11
8.	हरियाणा	05
9.	हिमाचल प्रदेश	03
10.	झारखंड	06
11.	कर्नाटक	12
12.	केरल	09
13.	मध्य प्रदेश	11
14.	महाराष्ट्र	19
15.	मणिपुर	01
16.	मेघालय	01
17.	मिज़ोरम	01
18.	नागालैंड	01
19.	ओडिशा	10
20.	पंजाब	07
21.	राजस्थान	10
22.	सिक्किम	01
23.	तमिलनाडु	18
24.	तेलंगाना	07
25.	त्रिपुरा	01
26.	उत्तराखंड	03
27.	उत्तर प्रदेश	31
28.	पश्चिम बंगाल	16

राज्यसभा में संघ राज्यक्षेत्रों को आबंटित सीटें

क्र.	संघ राज्य क्षेत्र	स्थान
1.	दिल्ली	03
2.	पुदुच्चेरी	01
3.	जम्मू-कश्मीर	04

Note :– 31 अक्टूबर, 2019 से जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख नामक दो संघ राज्य क्षेत्र बन गए हैं।

लोकसभा (अनुच्छेद-81) [House of the People]

☞ लोकसभा की चर्चा अनुच्छेद 81 में है।

☞ इसका 5 वर्ष से पहले भी विघटन हो सकता है, जिस कारण इसे अस्थायी या निम्न सदन कहते है।

☞ इसके बहुमत के आधार पर PM बनते है तथा मंत्रीपरिषद् लोकसभा में बैठते हैं। अत: इसे प्रथम सदन कहते हैं।

☞ इसका चुनाव जनता सीधे करती है, अत: इसे प्रत्यक्ष सदन भी कहते है। इसे जनता का सदन भी कहते है।

☞ भारत का नागरिक किसी भी राज्य से लोकसभा का चुनाव लड़ सकता है।

☞ एक ही व्यक्ति दो लोकसभा सीटों से चुनाव लड़ सकता है। किन्तु यदि दोनों से जीत गया तो एक सीट से त्यागपत्र देना होता है।

Ex.:– नरेन्द्र मोदी = बरोदरा और बनारस
राहुल गांधी = अमेठी और वायनॉर्ड

Note :– जब वह एक सीट से त्यागपत्र देगा तो खाली सीट पर कराया गया चुनाव उपचुनाव कहलाता है, जो बचे हुए कार्यकाल के लिए होता है तथा 6 महिने के भीतर कराना होता है।

लोकसभा के सदस्य बनने की शर्त्तें (Condition for Membership of Lok Sabha)

1. भारत का नागरिक हो।
2. पागल, दिवालीया तथा लाभ के पद पर न हो।
3. आयु कम-से-कम 25 वर्ष हो। अत: लोकसभा को युवाओं का सदन कहते हैं।

☞ लोकसभा की पहली बैठक 13 मई, 1952 ई० में हुई उस समय इसका नाम House of People था।

☞ 1954 में इसका नाम बदलकर लोकसभा कर दिया गया।

Note :– संविधान संशोधन के मुद्दे पर लोकसभा तथा राज्यसभा दोनों की शक्तियाँ समान है।

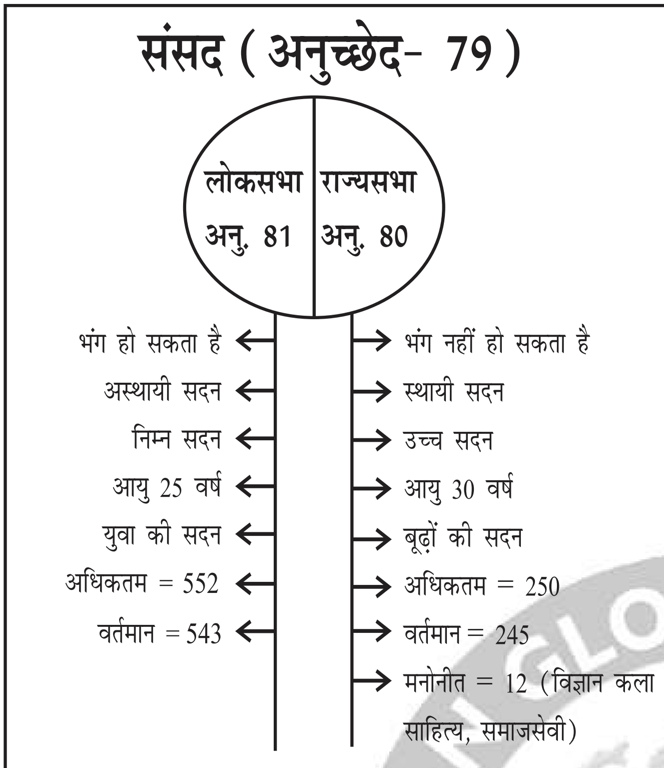

Note :– संसद ने 104वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 द्वारा 25 जनवरी, 2020 से लोकसभा में एंग्लो-इंडियंस के मनोनयन को रद्द कर दिया गया है, जबकि लोकसभा में अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के लिये आरक्षण को अगले 10 वर्षों के लिये बढ़ा दिया गया है।

➢ **अनुच्छेद 82 –** प्रत्येक जनगणना के बाद सीटों का पुन: समायोजन 10 लाख जनसंख्या पर एक सांसद की व्यवस्था है।

☞ वर्तमान सीटों कि संख्या 1971 कि जनगणना पर आधारित है। 2002 में 84वें संशोधन में यह व्यवस्था किया गया है कि लोकसभा तथा राज्यसभा की सीटें 2026 तक नहीं बदली जाऐगी। जब यह बदली जाऐगी तो 2001 कि जनगणना पर आधारित होगा। यह व्यवस्था कुलदीप सिंह समीति द्वारा की गई थी।

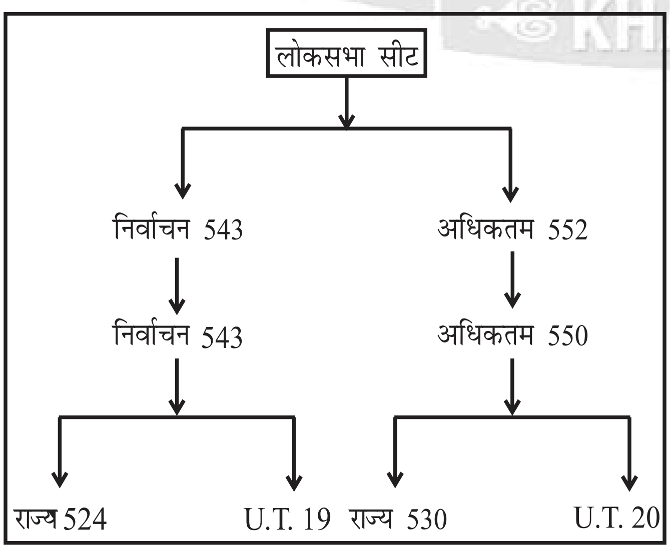

लोकसभा में संघ- राज्यों को आबंटित स्थान

क्र.	संघ-राज्यक्षेत्र	स्थान	क्र.	संघ राज्य	स्थान
1.	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	01	5.	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	07
2.	चंडीगढ़	01	6.	पुदुच्चेरी	01
3.	दादर-नगर हवेली एवं दमन-दीव	02	7.	जम्मू और कश्मीर	05
4.	लक्षद्वीप	01	8.	लद्दाख	01

लोकसभा में राज्यों को आबंटित स्थान

क्र.	राज्य	स्थान	क्र.	राज्य	स्थान
1.	आंध्र प्रदेश	25	15.	मणिपुर	02
2.	अरुणाचल प्रदेश	02	16.	मेघालय	02
3.	असम	14	17.	मिज़ोरम	01
4.	बिहार	40	18.	नागालैंड	01
5.	छत्तीसगढ़	11	19.	ओडिशा	21
6.	गोवा	02	20.	पंजाब	13
7.	गुजरात	26	21.	राजस्थान	25
8.	हरियाणा	10	22.	सिक्किम	01
9.	हिमाचल प्रदेश	04	23.	तमिलनाडु	39
10.	झारखंड	14	24.	तेलंगाना	17
11.	कर्नाटक	28	25.	त्रिपुरा	02
12.	केरल	20	26.	उत्तराखंड	05
13.	मध्य प्रदेश	29	27.	उत्तर प्रदेश	80
14.	महाराष्ट्र	48	28.	पश्चिम बंगाल	42

➢ **अनुच्छेद 83 –** इसमें सदन कि अवधि की चर्चा है। राज्यसभा स्थायी सदन है जबकि लोकसभा कि अवधि 5 वर्ष की होती है।

➢ **अनुच्छेद 84 –** संसद की योग्यता की चर्चा है।

1. भारत के नागरिक हो।
2. पागल दिवालीया तथा लाभ के पद पर न हो।
3. लोकसभा के लिए 25 वर्ष तथा राज्यसभा के लिए 30 वर्ष आयु हो।

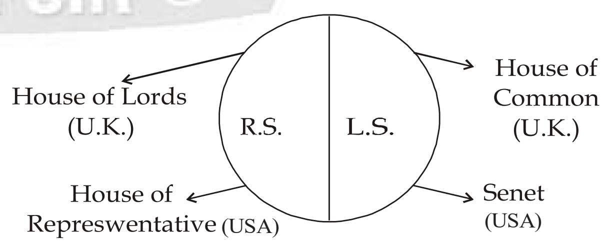

➢ **अनुच्छेद 85 –** इसमें सत्र के आहुत तथा सत्रावसान की चर्चा है।

☞ **सत्र का आहुत (Summoning)–** राष्ट्रपति जब विधेयक बनाने के लिए लोकसभा तथा राज्यसभा के सदस्यों को बुलाते हैं तो उसे आहुत कहते है।

☞ **सत्रावसान (Progation)–** जब दोनों सदन मिलकर कानून बना लेते है, तो राष्ट्रपति सत्र को समाप्त करके उन्हें वापस अपने क्षेत्र में भेज देता है, जिसे सत्रावसान कहते है।

☞ **कार्यवाही स्थगित (Adjournment)**– अनुशासनहीनता तथा शोर-शराबा के कारण सदन की कार्यवाही कुछ घंटा तथा कुछ दिन के लिए लोकसभा में अध्यक्ष तथा राज्यसभा में सभापति स्थगित कर देती है।

☞ **विघटन (Dissolution)**– राज्यसभा का विघटन नहीं हो सकता केवल लोकसभा का होता है। लोकसभा का समय से पूर्व (5 वर्ष) समाप्त हो जाना विघटन कहलाता है।

☞ यदि बहुमत (273 सीट) न हो या बहुमत के प्रधानमंत्री मंत्रिमंडल से प्रस्ताव पारित कराके लोकसभा को भंग/विघटित करा सकते हैं।

☞ **संसद के सत्र**– भारतीय संसद के तीन सत्र है।

संसद के सत्र	आहुत	सत्रावसान
1. बजट सत्र-	(Feb — May)	बड़ा सत्र
2. मानसुन सत्र-	(July — Aug)	
3. शीतकालीन सत्र-	(Nov — Dec)	छोटा सत्र

Remark :– संसद के किन्हीं दो सत्रों के बीच अधिकतम 6 माह का अंतराल हो सकता है।

☞ जब संसद का सत्र नहीं रहता है।

☞ जब अस्थाई कानून राष्ट्रपति बनाते है।

➢ **अनुच्छेद 86 – राष्ट्रपति का अभिभाषण–** बजट सत्र की पहली बैठक अर्थात् बजट सत्र की पहली बैठक में दोनों सदनों को संयुक्त रूप से सम्बोधित करते हैं। राष्ट्रपति का अभिभाषण मंत्रीमंडल द्वारा लिखा होता है।

➢ **अनुच्छेद 87 – राष्ट्रपति का विशेष अभिभाषण–** 5 वर्ष के बाद नवनिर्वाचित लोकसभा कि पहली बैठक को संयुक्त रूप से राष्ट्रपति सम्बोधित करते है। यह किसी भी सत्र में हो सकता है।

➢ **अनुच्छेद 88** – सदन में मंत्री तथा महान्यायवादी का विशेष प्रावधान है। जिसके तहत मंत्री तथा महान्यायवादी किसी भी सदन में बोल सकते है किन्तु महान्यायवादी मतदान नहीं कर सकता और मंत्री अपने सदन में जाकर मतदान करता है, जिस सदन का वह सदस्य होता है।

➢ **अनुच्छेद 89** – इसमें राज्यसभा के सभापति तथा उपसभापति कि चर्चा है।

☞ राज्यसभा का सभापति किसी भी सदन का सदस्य नहीं होता है। क्योंकि वह भारत का उपराष्ट्रपति होता है।

☞ सभापति राज्यसभा का पदेन (सर्वेसर्वा) सभापति होता है अर्थात् राज्यसभा में वह सर्वोपरी होते है।

☞ सभापति अपने मत का प्रयोग नहीं करते है, किन्तु जब पक्ष तथा विपक्ष में जब मत बराबर हो जाए, तब वे अपना मत (वोट) देते हैं। उनका अकेला मत इस स्थिति में निर्णय ला देता है, जिसे निर्णायक मत कहते है।

☞ सभापति के अनुपस्थिति में उपसभापति राज्यसभा की कार्यवाही देखता है, किन्तु वह उपराष्ट्रपति नहीं कहलाता है।

☞ राज्यसभा अपने सदस्यों में से ही एक को उपसभापति चुनी रहती है। अत: उपसभापति राज्यसभा का सदस्य होता है।

Remark :– जब सभापति तथा उपसभापति दोनों अनुपस्थित रहे तो राज्यसभा में 5 वरिष्ठ सदस्य में से राष्ट्रपति द्वारा चुना गया व्यक्ति अस्थाई सभापति रहेगा।

➢ **अनुच्छेद 93** – इसमें लोकसभा के अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष की चर्चा है। लोकसभा अपने सदस्यों में से ही एक को अध्यक्ष तथा एक को उपाध्यक्ष चुन लेती है।

☞ अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष दोनों ही लोकसभा के सदस्य होते है, इन्हें हटाने के लिए लोकसभा से प्रस्ताव पारित करना होगा।

सामयिक अध्यक्ष Protem Speaker

☞ यह अस्थाई Speaker (अध्यक्ष) होता है।

☞ यह नवनिर्वाचन सदस्यों को शपथ दिलाता है।

☞ यह अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष का निर्वाचन करवाता है।

☞ अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष अलग से शपथ नहीं लेते हैं बल्कि एक समान्य सदस्य के रूप में Protem Speaker द्वारा शपथ ले चुके होते हैं।

☞ जब अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष चुन लिया जाता है। तो Protem Speaker हट जाता है।

☞ Protem Speaker उसे बनाया जाता है, जो लोकसभा में वरिष्ठ होता है।

लोकसभा अध्यक्ष की शक्तियाँ (Power of Lok Sabha Speaker)

1. लोकसभा की बैठक को नियंत्रित करता है।

2. कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं इसका निर्धारण Speaker करता है।

3. लोकसभा का सचिवालय अध्यक्ष के अधीन होता है।

4. विदेश जाने वाले संसदीय प्रतिनिधि के नाम की नियुक्ति अध्यक्ष करते हैं।

5. गणपूर्ति (1/10 शीट) के अभाव में लोकसभा की कार्यवाई को अध्यक्ष रोक देते हैं।

6. संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष करते हैं।

7. संसद के विभिन्न समितियों के सदस्यों की नियुक्ति अध्यक्ष करते हैं।

8. अध्यक्ष अपनी मत का प्रयोग नहीं करते है, किन्तु पक्ष-विपक्ष में मत बराबर होने पर निर्णायक मत देते है।

➢ **लोकसभा अध्यक्ष की दण्डात्मक शक्तियाँ (Punitive Powers of the Speaker of the Lok Sabha)**–

1. अनुशासनहीनता करने पर सदस्य को निलंबित कर देते हैं। यदि कोई सदस्य बिना अनुमति के लगातार 60 दिनों तक अनुपस्थित है, तो उसकी सदस्यता रद्द कर देते है।

2. दल-बदल के आधार पर सदस्यता रद्द कर देते है।

➢ **अनुच्छेद 98** – संसद का सचिवालय।

➢ **अनुच्छेद 99** – संसदों के शपथ की चर्चा।

➢ **अनुच्छेद 100 – गणपूर्ति (Quorum)** – किसी भी संसद की कार्यवाई चालू रखने के लिए 1/10 सदस्य का होना

आवश्यक है। इसके अभाव में सभापति या अध्यक्ष सदन की कार्यवाही रोक देते है।

Remark :– अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभापति, उपसभापति तथा CAG इन्हें संसद का अधिकारी कहा जाता है।

➢ **संविधान की संसदीय समितियाँ (अनुच्छेद 118) [Parliamentary Committee on the Constitution (Article - 118)]–**

☞ संसद को देश का बहुत सारा काम रहता है और उस काम को एक व्यक्ति कभी नहीं कर सकता है तो हमारे संविधान का अनुच्छेद 118 कहता है कि लोकसभा अध्यक्ष कार्यों को आसान बनाने के लिए अलग-अलग कार्य हेतु अलग-अलग संसदों का एक ग्रुप बना देगा और उन्हें ग्रुप वाइज काम बाँट देगा इन्हीं ग्रुप को हम समिति कहते हैं। ये ग्रुप दो तरह के हो सकते हैं–

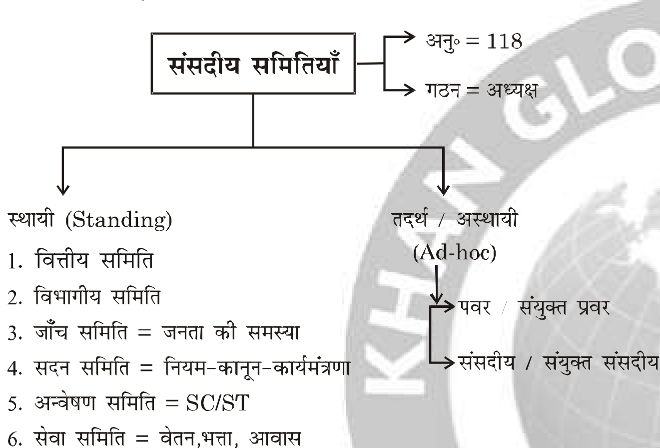

स्थायी (Standing)

☞ यह प्रत्येक वर्ष गठित होती है और इसका कार्यकाल 1 वर्ष का होता है। इसका गठन लोकसभा अध्यक्ष करते हैं।

☞ स्थायी समितियाँ 6 प्रकार की होती है–

1. **वित्तीय समिति (Financial Committee) –**यह समिति पैसे की जाँच करती है ये तीन प्रकार के होते हैं–

   (i) प्राकलन/आकलन/Estimate (1950)– इसका गठन 1950 में हुआ था। इसमें केवल लोकसभा के 30 सदस्य होते हैं। राज्यसभा का कोई सदस्य नहीं होता है। यह सबसे बड़ी स्थायी समिति है। इसमें कोई भी मंत्रीमंडल का सदस्य नहीं हो सकता है। इसको बजट के बाद लाया जाता है।

   (ii) लोक लेखा समिति (Public Account Committee) (1921) – जनता का पैसा गलत जगह उपयोग नही हो इसके लिए लोक लेखा समिति का गठन किया जाता है। इस समिति का गठन 1919 के अधिनियम जिसे मार्ले मिन्टो सुधार के नाम से जाना जाता है, इसके तहत किया गया। यह प्राक्कलन समिति के द्वारा निकाले गए धन की जाँच करती है। इसमें लोकसभा से 15 तथा राज्यसभा से 7 सदस्य, कुल 22 सदस्य होते है। 1967 में एक परंपरा लायी गई जिसमें कहा गया की लोक लेखा समिति जो धन की जाँच करेगी उसका अध्यक्ष विपक्ष का नेता रहेगा। इसे प्राक्कलन समिति की जुड़वा बहन (twins sister) कहते हैं। यह CAG के Report की जाँच करती है। लोक लेखा समिति अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष को देती है।

   (iii) लोक/सरकारी उपक्रम समिति (Committee on Public Undertakings) (1964) – इस समिति का गठन 1964 में की गई। इसका काम सरकारी कम्पनी **जैसे–** NTPC, Group-D, BSNL etc. कम्पनियों की जाँच करती है।

2. **विभागीय समिति (Departmental Committee) –** विभागीय समिति कई प्रकार की होती है। अलग-अलग विभागों के लिए कुछ विभागीय समिति होती है।

3. **जाँच समिति (Investigation Committee) –** जाँच समिति में जनता की समस्याओं की जाँच के लिए एक समिति बनाई जाती है और उसको लोकसभा के अध्यक्षों को बताती है कि जनता की ये सभी समस्या है और इस प्रकार का विधेयक बनाना चाहिए।

4. **सदन समिति (House of Committee) –** सदन समिति की कई समितियाँ होती है। इनका काम सदन के लिए नियम कानून बनाना और किस विधेयक को कितने दिन में पारित करा लेना है इसके लिए समय निर्धारण करना इसी समिति का कार्य है।

5. **अन्वेषण समिति (Investigation Committee) –** इस समिति का मुख्य कार्य SC/ST के बारे में जाँच करना होता है।

6. **सेवा समिति (Service Committee) –** इसका कार्य संसदों का वेतन, भत्ता, आवास का निर्धारण करना है।

अस्थायी समिति/तदर्थ समिति (Ad-hoc Committee)

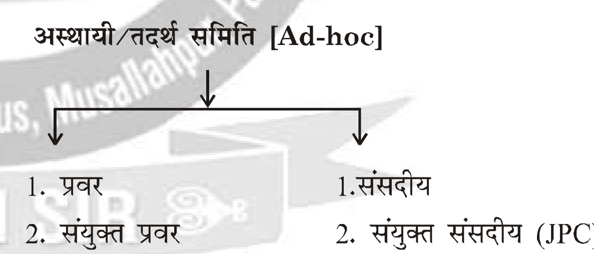

☞ इसका गठन विशेष काम के लिए विशेष परिस्थिति में किया जाता है। जब काम पूरा हो जाता है तो उस काम को पूरा हो जाने के बाद इस समिति को भंग कर दिया जाता है। इसी कारण इसे हम अस्थायी समिति के नाम से जानते हैं।

☞ **यह दो प्रकार की होती है –**

1. प्रवर, 2. संसदीय समिति

1. **प्रवर समिति (Select Committee) –** जब कभी किसी विधेयक में बहुत ही ज्यादा विवाद हो जाए तो इस विधेयक पर विवाद को सुलझाने के लिए अध्यक्ष प्रवर समिति का गठन कर देते हैं। यह समिति किसी भी विधेयक की बहुत ही गहराई से जाँच करती है। ताकि वह विधेयक की गहन जाँच करे। **जैसे–** CAA

☞ यह कमिटी तीन माह के अन्दर उसकी खामिया और सुधार का रिपोर्ट अध्यक्ष को सौप देती है। दो तरह से इसका गठन किया जाता है–

(i) अगर लोकसभा के लिए अलग और राज्यसभा के लिए अलग सीट हो तो इसे प्रवर समिति कहते हैं।
Lok Sabha –30, Rajya Sabha –30

(ii) अगर दोनों को मिला कर हो तो इसे संयुक्त प्रवर कहते हैं।
Lok Sabha –30 + Rajya Sabha –15

2. संसदीय समिति (Parliamentary Committee)–इस समिति का काम किसी घोटाले की जाँच करना है।

Ex.:– वेफोर्स/राफेल घोटाले की जाँच।

(i) यदि दोनों सदनों का गठन अलग-अलग हुआ हो तो उसे संसदीय समिति कहते हैं।
Lok Sabha –30, Rajya Sabha –30

(ii) यदि दोनों को मिलाकर गठन किया गया हो तो इसे संयुक्त संसदीय समिति (JPC) कहते हैं।
Lok Sabha –30, Rajya Sabha –15 = 45

संसद की कार्यवाही (11am – 6pm)

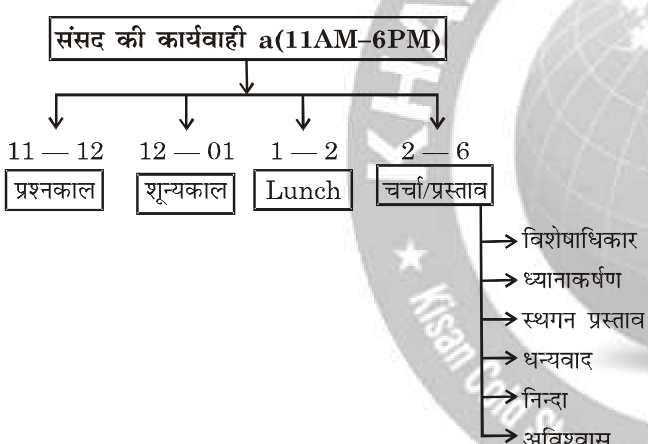

☞ संसद जब से काम करना शुरू किया और जब तक उसका कार्य बंद नहीं हुआ इसी बीच के समय को संसद की कार्यवाही कहते हैं। इस खण्ड को दो भाग में बांटते हैं–(1) प्रश्न काल (11–12 am) और (2) शुन्य काल (12 – 1 pm)।

1. प्रश्नकाल (Question Hour) (11–12 am)– यह नाम से ही स्पष्ट है कि इसमें प्रश्न पुछे जाते हैं। इस प्रश्न काल में जो भी प्रश्न पुछे जाते हैं उन्हें कम-से-कम 10 दिन पहले सुचना संसद के अधिकारी महासचिव को दी जाती है। इसमें 4 तरह के प्रश्न पुछे जाते हैं। इसमें तीन तरह के प्रश्न सदस्य मंत्री से पूछता है।

(A) तारांकित (Starred Questions)– इसमें मौखिक प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें 1 दिन में 20 प्रश्न पुछ सकते हैं और 1 सदस्य अधिकतम 5 प्रश्न पूछ सकता है। इसके स्पष्टीकरण के लिए पूरक प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं।

(B) अतारांकित (Unstarred Questions)– इसमें लिखित प्रश्न पूछे जाते हैं और एक दिन में 230 प्रश्न पुछे जा सकते हैं।

(C) अल्प सूचना प्रश्न (Short Notice Questions)– इसमें 10 दिन से कम दिनों में सुचना दे सकते हैं और इसका जवाब Oral मिलता है।

(D) गैर सरकारी सदस्य से पुछे जाने वाले प्रश्न– जरूरी नहीं है कि मंत्री से ही प्रश्न पुछे जो मंत्री नहीं है अर्थात गैर सरकारी है उनसे भी प्रश्न पुछ सकते हैं कि आप अपने क्षेत्र में कौन-सा कार्य किए हैं।

2. शून्यकाल Zero hour (12 – 1PM) – इसमें बिना सुचना दिए ही प्रश्न पूछे जाते हैं सबसे ज्यादा हंगामा शून्यकाल में होता है। भारतीय मिडिया ने इसका नाम 1962 में शून्यकाल रख दिया। शून्यकाल को सदन के अध्यक्ष का विशेषाधिकार का काल भी कहा जाता है।

3. Lunch (1 PM – 2 PM)– संसद में भोजन IRCTC उपलब्ध कराती है।

Note :– Lunch के बाद संसदों को बोलने का मौका दिया जाता है, जिन्हें मौका नहीं मिला है।

4. चर्चा/संसदीय प्रस्ताव (2 PM – 6 PM)– Lunch के बाद (2PM–6PM) के बीच का समय होता है उसमें विभिन्न चर्चाएँ तथा प्रस्ताव लाये जाते हैं।

(i) विशेषाधिकार प्रस्ताव (Priviledge Motion)– यह प्रस्ताव कोई भी संसद का सदस्य ला सकता है। यह तब लाया जाता है जब कोई मंत्री उसे अधूरी जानकारी या फिर मंत्री जानकारी छुपा लिया तो इसके खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव लाया जाता है। यह अध्यक्ष के सहमती से लायी जाती है। अध्यक्ष को पूरी जानकारी देनी होती है।

(ii) ध्यानाकर्षण प्रस्ताव (Calling Attention Motion)– यह प्रस्ताव कभी भी कोई सदस्य ला सकता है लोकहित/सार्वजनिक विषय पर संबंधि मंत्री को सुचीत करने के लिए लाया जाता है।

(iii) कार्यस्थगन प्रस्ताव (Adjournment Motion)– किसी आपातकालीन या अविलंबनीय मुद्दे पर चर्चा के लिए इसे लाया जाता है। इसे लाने के लिए संसद में चल रही चर्चा को रोक दिया जाता है और आपातकालीन मुद्दे पर चर्चा किया जाता है। e.g. विदेशी आक्रमण स्थगन प्रस्ताव लाने के लिए कम-से-कम 50 सदस्यों की सहमति आवश्यक है। इस पर 2½ घंटे चर्चा चलती है।

(iv) अल्पकालीन चर्चा (Short term discussion)– यह कार्य स्थगन प्रस्ताव के समान ही होता है। इस पर चर्चा 2 घंटे की होती है। इसमें चर्चा सार्वजनिक महत्त्व के विषय पर होता है। अध्यक्ष द्वारा इसके लिए सप्ताह के शुरुआत का तीन दिन का समय दिया जाता है।

(v) आधे घण्टे की चर्चा (Half an hour discussion)– प्रश्न काल के अतारांकित प्रश्न की दी गई उत्तर का स्पष्टीकरण के लिए आधे घण्टे की चार्च की माँग की जा सकती है। अध्यक्ष द्वारा इसके लिए सप्ताह के तीन दिन का समय ½ घंटा के लिए दिया जाता है।

(vi) धन्यवाद प्रस्ताव (Motion of Thanks) – राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद उस पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया जाता है। धन्यवाद प्रस्ताव पारित करने के लिए कम-से-कम 50% सदस्यों की सहमति होनी चाहिए। अगर धन्यवाद प्रस्ताव पारित नहीं हो पाया तो मंत्री परिषद को त्यागपत्र देना पड़ता है।

(vii) निंदा प्रस्ताव (Censure Motion)– यह समस्त मंत्री परिषद या किसी मंत्री के विरुद्ध लाया जाता है। इसे 50% से अधिक मत से पारित होने पर मंत्री परिषद का को त्यागपत्र देना पड़ता है। यह तब लाया जाता है जब कोई मंत्री अपना कार्य ठीक ढंग से नहीं कर पा रहा है।

(viii) अविश्वास प्रस्ताव (No Confidence Motion)– इसे लोकसभा में विपक्ष लाती है। इसे एक सत्र में एक बार लाया जाता है। अध्यक्ष अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा तभी कराते हैं जब तक कम-से-कम लोकसभा के 50 सांसद लिखित सहमती दे देते हैं। अध्यक्ष पर यह दबाव बन जाता है कि 10 दिन के भीतर उस पर चर्चा कराये। यदि अविश्वास प्रस्ताव 50% से पारित हो जाती है तो सरकार गिर जाती है और पुन: चुनाव होता है।

पहली बार अविश्वास प्रस्ताव 1963 में जवाहर लाल नेहरू के विरुद्ध जे.बी. कृपलानी ने लाया था। अब तक 27 बार अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। सर्वाधिक अविश्वास प्रस्ताव इंदिरा गांधी के विरुद्ध 15 बार लाया गया था।

(ix) विश्वास प्रस्ताव (Confidence Motion)– यह लोकसभा में सत्ता पक्ष द्वारा लाया जाता है। इसमें बहुमत सिद्ध करना होता है।

Ex.:– वैसे प्रधानमंत्री जो विश्वास मत हासिल नहीं कर सके।

1. चौधरी चरण सिंह,
2. बी.बी. गिरी
3. चन्द्रशेखर और
4. अटल बिहारी वाजपेयी।

(x) कटौती प्रस्ताव (Cut Motion)– जब बहस बहुत ज्यादा होने लगती है तो कटौती प्रस्ताव लाया जाता है।

☞ **यह चार प्रकार की होती है–**

(A) साधारण कटौती (Simple Cut Motion)– चर्चा को रोककर मतदान कराने के लिए जिस प्रस्ताव को लाते हैं उसे साधारण कटौती प्रस्ताव कहते हैं।

(B) घटकों में कटौती (Components Cut Motion)– जब सारे प्रावधानों में से केवल महत्त्वपूर्ण प्रावधानों पर ही चर्चा करायी जाती है, तो ऐसी प्रावधान को घटकों में कटौती कहा जाता है।

(C) कंगारू कटौती (Kangaroo Cut Motion)– वह प्रावधान जिसमें छोड़-छोड़ के कुछ बिन्दुओं पर ही चर्चा की जाए उसे कंगारू कटौती कहते हैं।

Remark :– सभी समिति तथा प्रस्ताव की चर्चा अनुच्छेद 118 में है।

➤ **अनुच्छेद 107 –** किसी भी विधेयक को पुर: स्थापन (Introduce) तथा पारित करने की विधियाँ।

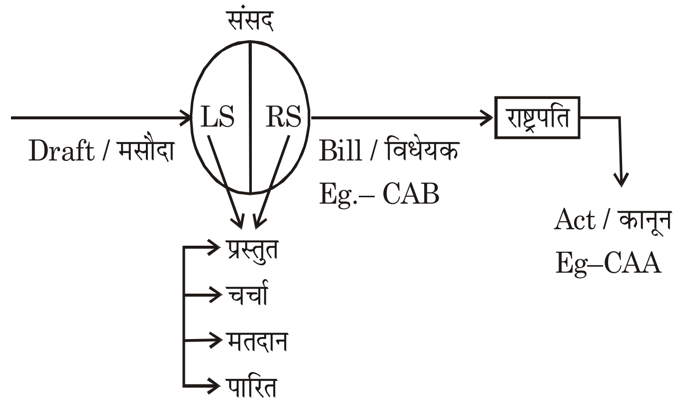

☞ कानून बनने से पहले उसकी रूप रेखा तैयार होती है उसे drafting (मसौदा) कहते हैं। ये अधिकारी मसौदा बनाकर मंत्री को दे देते हैं और मंत्री इस मसौदा को संसद में लाते हैं और मसौदा को संसद में लाने की क्रिया को पुर: स्थापन या Introduce कहते हैं और इसी मसौदे को विधेयक कहते हैं। यह विधेयक जैसे ही संसद में आयेगा तो संसद के दो सदन हैं या तो पहले लोकसभा में जाएगा या राज्यसभा में। जैसे ही यह विधेयक (Bill) सदन में जाता है तो पहले सदन में इसे पुर: स्थापन या प्रस्तुत किया जाता है। उसके इस विधेयक पर चर्चा होती है। इसके बाद उस विधेयक पर मतदान होगी तो जब मतदान हो जाएगा तो एक सदन से विधेयक पारित हो जाएगा। फिर उसे दूसरे सदन में भेजा जाएगा फिर वहाँ प्रस्तुत किया जाएगा। उस पर भी चर्चा होगी, उस पर भी मतदान होगा। मतदान होने के बाद विधेयक पारित हो जाएगा इस प्रकार कच्चा मसौदा जो संसद में आया और पारित होने के बाद उसे बिल या विधेयक कहते हैं।

Ex.:– CAB

☞ उसके बाद बिल राष्ट्रपति के पास जाता है। राष्ट्रपति इस विधेयक पर साइन भी कर सकते हैं या लौटा भी सकते हैं जब राष्ट्रपति इस बिल पर साइन कर देते हैं तो यह ACT / कानून बन जाता है।

Ex.:– CAA

➤ **कौन विधेयक किस सभा से शुरु होता है ?**

लोकसभा	बजट	धन विधेयक	वित्त विधेयक Part -I
राज्यसभा	अखिल भारतीय सेवा 312	राज्यसूची में कानून 249	उपराष्ट्रपति पर महाभियोग

➤ **अनुच्छेद 108 – संयुक्त अधिवेशन (Joint Session)–** इसमें संसद के संयुक्त अधिवेशन की चर्चा है। इसे ऑस्ट्रेलिया से लाया गया है।

☞ यह तब बुलाया जाता है जब लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में विवाद हो जाए तो राष्ट्रपति संयुक्त अधिवेशन (Central Hall) में बुलाते हैं। इसकी अध्यक्षता लोकसभा का अध्यक्ष करते है।

- **तीन परिस्थितियों में संयुक्त अधिवेशन बुलाया जाता है–**
  (i) एक सदन द्वारा पारित विधेयक दूसरा सदन द्वारा अस्वीकार कर देने पर ।
  (ii) एक सदन द्वारा पारित विधेयक को दूसरा सदन 6 माह से अधिक के लिए रोक दे।
  (iii) एक सदन द्वारा दिया गया सुझाव दूसरा सदन मानने से इन्कार कर दे।
  Remark:– संविधान संशोधन, धन विधेयक, महाभियोग पर संयुक्त अधिवेशन नहीं आ सकता है।
- अब तक तीन बार संयुक्त अधिवेशन बुलाया गया है–
  (i) दहेज उन्मूलन (1961)
  (ii) बैंकिंग सुधार (1978)
  (iii) आतंकवाद (POTA) (2002)
- संयुक्त अधिवेशन में लोकसभा का संख्या बल अधिक होती है। जिस कारण विधेयक लोकसभा के इच्छानुसार पारित हो जाता है।

संसद

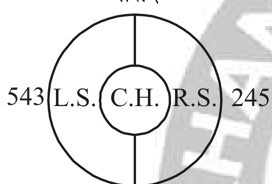

संयुक्त मत = 788
संयुक्त बहुमत = 395
अकेले लोकसभा = 543

➢ **अनुच्छेद 109 – धन विधेयक के बारे में विशेष प्रावधान–** धन विधेयक पहले लोकसभा से ही प्रारंभ होता है। राज्यसभा इसे 14 दिन से अधिक नहीं रोक सकती।
- धन विधेयक पर राज्यसभा द्वारा दिया गया सुझाव लोकसभा मानने के लिए बाध्य नहीं है।
- कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं इसका निर्धारण लोकसभा अध्यक्ष करते हैं।
- धन विधेयक राष्ट्रपति के पूर्व अनुमति से ही लोकसभा में आता है। अत: राष्ट्रपति इसे पुनर्विचार के लिए नहीं लौटा सकते है।

➢ **अनुच्छेद 110 – धन विधेयक (Money Bill) की परिभाषा –** संचित निधि पर पारित होने वाला विधेयक धन विधेयक कहलाता है। इसके द्वारा किसी टैक्स को बढ़ाने या घटाने वाला विधेयक आता है। सरकार का ऋण भी धन विधेयक में आता है।
Note :- जुर्माना, लाइसेंस, स्थानीय टैक्स धन विधेयक नहीं है।

➢ **अनुच्छेद 111** – विधेयकों पर राष्ट्रपति की अनुमति–
- किसी विधेयक पर राष्ट्रपति तीन प्रकार की प्रतिक्रिया करते हैं–

(i) अत्यन्तकारी विटो (Absolute Veto) – इसके द्वारा राष्ट्रपति विधेयक को रद्द कर देते हैं। 1991 में राष्ट्रपति आर. वेंकरमन ने संसद सदस्यों के वेतन भत्ते संशोधन विधेयक पर इस शक्ति का प्रयोग किया था।

(ii) निलम्बकारी विटो (Suspensive Veto)– इसके द्वारा राष्ट्रपति विधेयक को एक बार पुर्नविचार के लिए लौटा सकते हैं। यह विधेयक 44वें संविधान संशोधन द्वारा दिया गया।

(iii) जेवी विटो (Pocket Veto)– इसके द्वारा राष्ट्रपति विधेयक पर हस्ताक्षर नहीं करते है और नहीं लौटाते है।
Ex.:– डाक संशोधन विधेयक पर ज्ञानी जैल सिंह
Remark :– USA में जब राष्ट्रपति निलम्बकारी विटो के तहत विधेयक को पुर्नविचार के लिए लौटाते हैं तो उस विधेयक को अधिक बहुमत से पारित करके भेजा जाता है। जिसे Qualified Veto कहते हैं।

बजट (Budget)

- **अनुच्छेद 112** – वित्त विधेयक (वार्षिक वित्तीय विवरण)
- बजट का अर्थ होता है चमड़े का थैला।
- संविधान में बजट शब्द की चर्चा नहीं है बल्कि इसके स्थान पर वार्षिक वित्तीय विवरण श्ब्द की चर्चा है।
- बजट को लोकसभा में पहले प्रस्तुत करने का अधिकार राष्ट्रपति को है किंतु वे वित्त मंत्री या किसी अन्य मंत्री से इसे प्रस्तुत करवाते हैं।
- बजट में केवल इस बात की चर्चा की जाती है कि कौन-कौन से विकासात्मक कार्यों को करना है।
- बजट में 1 वर्ष के राजस्व (आय / प्रतिक्रिया / Receipt) तथा व्यय (खर्च Expenditure) की चर्चा होती है।
- इसे आम बजट (General Budget) या संघीय बजट (Union Budge) भी कहते हैं।
- यह वित्त मंत्री का केवल भाषण मात्र होता है। इसे धन नहीं निकलता है।

अन्तरिम बजट (Interin)	**लेखानुदान (Vote on Account)**
इसे चुनावी वर्ष में लाया जाता है।	इसे चुनावी वर्ष में लाया जाता है।
Ex. 2014, 2019, 2024...	Ex. 2014, 2019, 2024....
यह कुछ महीनों के लिए होता है न कि पूरे वर्ष के लिए।	यह कुछ महीनों के लिए होता है न कि पूरे वर्ष के लिए।
इसमें आय (राजस्व) तथा व्यय (खर्च) दोनों की चर्चा होती है	इसमें केवल व्यय की चर्चा होती है।
इसे मिनी बजट कहते हैं।	इसे Advance भुगतान कहते हैं।
	इसकी चर्चा अनु. 116 में है।
	इसके लिए विनियोग विधेयक की आवश्यकता नहीं है।

➢ **अनुच्छेद 113 – प्राकलन (Estimates)–** बजट में किये गए घोषणाओं पर कितना खर्च आएगा। इस खर्च की चर्चा प्राकलन में किया गया होता है।

➢ **अनुच्छेद 114 – विनियोग विधेयक (Appropriation Bill)–** प्राकलन में बताये गए धन निकालने के लिए संसद में विनियोग विधेयक पारित करना होता है।

☞ जब तक विनियोग विधेयक पारित न हो जाए, तब तक धन नहीं निकल सकता है। इसी कारण संसद को राष्ट्रीयकोष (धन) का रक्षक कहा जाता है।

✶ **अनुच्छेद 115 – अतिरिक्त/अनुपुरक अनुदान–** विनियोग विधेयक द्वारा दिया गया धन महंगाई के कारण कम पड़ जाता है। जिस कारण काम रूक जाता है। अत: काम पूरा करने के लिए अतिरिक्त धन को अतिरिक्त अनुदान नामक विधेयक से लिया जाता है। **Ex.:–** पाटलिपुत्रा में बनने वाला दीघा पुल

बजट में कटौती प्रस्ताव (Cut Motion in Budget)

☞ बजट के मांग को कम करने के लिए बजट पर कटौती प्रस्ताव लाया जाता है। यह तीन प्रकार का होता है–

1. **नीतिगत कटौती (Policy Cut Motion)–** इसके द्वारा बजट को अस्वीकार कर दिया जाता है। अनुदान के रूप में 1 रुपये दिया जाता है।
2. **अर्थगत कटौती (Economical Cut Motion)–** इसके द्वारा बजट का कुछ भाग कम कर दिया जाता है।
3. **सांकेतिक कटौती (Token Cut Motion)–** इसके द्वारा बजट पर असहमती दिखाया जाता है। बजट में में से 100 रुपये काट दिये जाते हैं।

गिलोटीन– समय के अभाव में बजट की चर्चा को रोक कर उस पर मतदान कराना गिलोटीन कहलाता है। इसका उद्देश्य बजट में होने वाले विलम्ब को रोकना है।

➢ **अनुच्छेद 116 – लेखानुदान–** विनियोग विधेयक को पारित कराने में सरकार को समय लगता है। अत: सरकार काम को जल्दी प्रारंभ करने के लिए लेखानुदान के माध्यम से कुछ एडवांस पैसे निकाल लेती है।

☞ कभी-कभी लेखानुदान तो पारित हो जाता है किंतु विनियोग विधेयक पारित नहीं हो पाता है, जिस कारण काम अधूरा पड़ा रहता है।

➢ **अनुच्छेद 117 – वित्त विधेयक (Finance Bill)–** आगामी वर्ष में किया जाने वाला विकासात्मक कार्य वित्त विधेयक कहलाता है।

☞ वित्त विधेयक लोकसभा या राज्यसभा दोनों में प्रस्तुत हो सकता है।

Cateogory (A)	Category (B)
अनु. 117 (1)	अनु. 117 (11)
राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति	राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति
केवल L.S. से प्रारम्भ	किसी भी सदन से प्रारम्भ
R.S. अस्विकार कर सकती है	R.S. अस्विकार कर सकती है।
संयुक्त अधिवेशन	संयुक्त अधिवेशन

➢ **अनुच्छेद 120 – संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषा–** संसद में केवल हिन्दी या अंग्रेजी प्रयोग हो सकता है। यदि किसी सांसद को ये दोनों ही भाषा न आये, तो वह अध्यक्ष या सभापति से अनुमति लेकर अपनी क्षेत्रीय भाषा में बोल सकता है।

➢ **अनुच्छेद 121 –** संसद जजों के आचरण कार्य प्रणाली etc. पर चर्चा नहीं कर सकता है। किंतु उन पर महाभियोग लगा सकते हैं।

➢ **अनुच्छेद 122 –** न्यायालय द्वारा संसद की कार्यवाही की जाँच नहीं की जाएगी। किंतु विधेयक संवैधानिक है या नहीं इसकी जाँच की जा सकती है।

➢ **अनुच्छेद 123 – राष्ट्रपति का अध्यादेश–** जब संसद का कोई सत्र नहीं चल रहा हो और कोई आपातकालीन कानून की जरूरत हो तो मंत्रीमंडल के सिफारिश पर राष्ट्रपति अस्थायी कानून बना देते हैं, जिसे अध्यादेश कहते हैं। अध्यादेश स्थायी कानून है।

☞ राष्ट्रपति अध्यादेश को कभी भी वापस ले सकते हैं।

☞ एक राष्ट्रपति चाहे जितनी बार अध्यादेश ला सकते हैं।

☞ अध्यादेश का अधिकतम अंतराल 6 माह का होता है। यदि इस 6 माह के बीच कोई सत्र प्रारंभ हो जाए, तो अध्यादेश की शक्ति मात्र 42 दिन रह जाती है।

☞ अध्यादेश को स्थायी कानून बनाने के लिए 42 दिन या 6 महीने के भीतर संसद द्वारा इसे पारित करना होगा। अन्यथा अध्यादेश समाप्त हो जाएगा।

☞ अनु. 213 में राज्यपाल का अध्यादेश है।

☞ दोनों के अध्यादेश को अनु. 123 के द्वारा न्यायिक समीक्षा (Judical Review) किया जा सकता है।

☞ अध्यादेश आंतरिक रूप से लोकतंत्र के प्रतिकूल है।

स्मरणीय तथ्य

❖ संसद राष्ट्रपति, राज्यसभा एवं लोकसभा से मिलकर बनती है। राज्यसभा में अधिकतम 250 सदस्य तथा लोकसभा में अधिकतम 552 सदस्य हो सकते हैं।

❖ राज्यसभा एक निरंतर चलने वाला सदन है, लेकिन इसके 1/3 सदस्य प्रत्येक 2 वर्ष पश्चात् सेवानिवृत्त होते हैं, इसके एक सदस्य का कार्यकाल 6 वर्ष का होता है।

❖ राष्ट्रपति साहित्य, विज्ञान, कला और समाज सेवा के संबंध में विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव रखने वाले 12 सदस्यों को राज्यसभा में मनोनीत कर सकता है।

❖ संसद में सदस्यों की संख्या को 84वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2001 द्वारा वर्ष 2026 तक सीमित कर दिया गया है।

❖ लोकसभा अध्यक्ष अपना त्यागपत्र उपाध्यक्ष को तथा उपाध्यक्ष अपना त्यागपत्र अध्यक्ष को संबोधित कर दे सकता है।

❖ 52वें संविधान संशोधन 1985 द्वारा एक नई अनुसूची (10वीं अनुसूची) जोड़ी गई, जिसका संबंध दल-बदल अधिनियम से है।

❖ ऐसा विधेयक जो धन या वित्त विधेयक न हो और न ही संविधान संशोधन विधेयक हो तो वह साधारण विधेयक की श्रेणी में आता है।

❖ संसद की संयुक्त बैठक केवल साधारण विधेयक एवं वित्त विधेयक पर बुलाई जा सकती है, धन विधेयक तथा संविधान संशोधन विधेयक पर नहीं।

- ❖ यदि संसद की संयुक्त बैठक में किसी विधेयक को पारित कर दिया जाता है तो उसे संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित माना जाता है।
- ❖ 1919 के एक्ट द्वारा केंद्र में द्विसदनीय विधायिका की स्थापना हुई।
- ❖ राज्यसभा के वर्तमान सभापति श्री जगदीप धनखड़ हैं। धन विधेयक केवल लोकसभा में राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से पुर:स्थापित किया जा सकता है।
- ❖ राज्यसभा धन विधेयक को अधिक-से-अधिक 14 दिनों तक रोककर रख सकती है।
- ❖ भारत की संचित निधि पर भारित व्ययों पर संसद में मतदान नहीं होता है।
- ❖ संसद के दो सत्रों के बीच छ: माह से अधिक का अंतर नहीं होना चाहिये। भारत में संसद के तीन सत्र बुलाए जाते हैं- बजट सत्र, मानसून सत्र तथा शीतकालीन सत्र।
- ❖ भारत की संचित निधि से धन की निकासी विनियोग विधेयक के द्वारा ही की जा सकती है और किसी तरीके से नहीं।
- ❖ 12वीं लोकसभा के लिये निर्वाचन फरवरी 1998 ई. में हुआ था।
- ❖ तारांकित प्रश्नों का उत्तर मौखिक दिया जाता है तथा उसके पश्चात् सदस्य द्वारा पूरक प्रश्न भी पूछा जा सकता है।
- ❖ अतारांकित प्रश्नों का उत्तर लिखित में दिया जाता है, इसलिये कोई पूरक प्रश्न नहीं पूछा जाता है।
- ❖ 14वीं लोकसभा में 52 महिलाएँ थीं।
- ❖ लोकसभा के वर्तमान अध्यक्ष ओम बिडला हैं।
- ❖ स्वतंत्र भारत की लोकसभा के प्रथम अध्यक्ष जी. वी. मावलंकर थे।
- ❖ संविधान की चौथी अनुसूची में सभी राज्यों तथा संघ राज्यक्षेत्रों को राज्यसभा में आवंटित किये गए स्थानों की सूची दी गई है।
- ❖ भारत का उपराष्ट्रपति ही राज्यसभा का पदेन सभापति होता है। हालाँकि वह राज्यसभा का सदस्य नहीं होता।
- ❖ संविधान की तीसरी अनुसूची में लोकसभा अध्यक्ष या उपाध्यक्ष से संबंधित किसी भी शपथ या प्रतिज्ञान का उल्लेख नहीं है। वे लोकसभा का सदस्य होने के नाते ही शपथ लेते हैं, अध्यक्ष या उपाध्यक्ष होने के नाते अलग से कोई शपथ नहीं लेते।
- ❖ अनुच्छेद 118 (4) के अनुसार संयुक्त बैठक की कार्यवाहियों का संचालन तथा उसकी अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष करेगा।
- ❖ संविधान के अनुच्छेद 114 में कहा गया है कि संचित निधि में से कोई भी राशि विनियोग विधेयक के माध्यम से ही निकाली जा सकेगी; किसी और तरीके से नहीं।
- ❖ लोकसभा के सदस्य सदन में एक दिन में अधिकतम 20 मामले उठा सकते हैं।
- ❖ रघुवंश प्रसाद सिंह पहली बार वैशाली से 11वीं लोकसभा के सदस्य चुने गए थे।
- ❖ राम विलास पासवान के नाम 6 प्रधानमंत्रियों के साथ काम करने का रिकॉर्ड है।
- ❖ राम विलास पासवान ने अपने पहले ही चुनाव में (1977 में) 4 लाख 24 हजार मतों से चुनाव जीतकर गिनीज बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज कराया था।
- ❖ जब कोई उम्मीदवार (लोकसभा) कुल वैधमतों का 1/6 भाग प्राप्त करने में नाकाम रहता है तो वह अपनी जमानत राशि खो देता है।
- ❖ संसद की नई इमारत के निर्माण की बोली टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने जीती है।
- ❖ वर्तमान में सबसे अधिक लोकसभा सीटों वाले राज्य क्रमश: उ.प्र. (80) महाराष्ट्र (48), पं. बंगाल (42) और बिहार (40) हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. लोक सभा में सामान्यत: कितने सत्र होते हैं?
(A) 3 (B) 4
(C) 5 (D) 6
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre.) Re-Exam, 2022

2. निम्नलिखित में से कौन-सी संसदीय समिति कार्यपालिका को नियम-विनियम बनाने के लिए प्रत्यायोजित शक्ति से संबंधित है?
(A) कार्यकारी विधान पर समिति
(B) अधीनस्थ विधान पर समिति
(C) प्रशासकीय विधान पर समिति
(D) प्रत्यायोजित विधान पर समिति
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre.) 2022

3. बिहार के राजनीतिज्ञ स्वर्गीय रघुवंश प्रसाद सिंह पहली बार किस लोकसभा के लिये निर्वाचित हुए थे?
(A) दसवीं लोकसभा (B) ग्यारहवीं लोकसभा
(C) बारहवीं लोकसभा (D) तेरहवीं लोकसभा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
66th BPSC (Pre.)

4. हाल ही में संसद की नई इमारत के निर्माण की बोली किसने जीत ली है?
(A) एल. एण्ड टी. लिमिटेड
(B) रिलायंस प्रोजेक्ट्स लिमिटेड
(C) टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड
(D) नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
66th BPSC (Pre.)

5. लोकसभा का सदस्य चुने जाने के लिए एक व्यक्ति को किस आयु से कम का नहीं होना चाहिये?
(A) 18 वर्ष (B) 21 वर्ष
(C) 25 वर्ष (D) 30 वर्ष
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
64th BPSC (Pre.)

6. संसद सदस्य बनने हेतु न्यूनतम उम्र क्या है?
(A) 18 वर्ष (B) 21 वर्ष
(C) 25 वर्ष (D) 30 वर्ष
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
63rd BPSC (Pre.)

7. राज्यसभा का पदेन अध्यक्ष कौन होता है?
(A) राष्ट्रपति (B) उपराष्ट्रपति
(C) प्रधानमंत्री (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
63rd BPSC (Pre.)

8. धन विधेयक पेश किया जा सकता है–
(A) केवल लोकसभा में
(B) केवल राज्यसभा में
(C) लोकसभा व राज्यसभा दोनों में
(D) लोकसभा व राज्यसभा दोनों के संयुक्त सत्र में
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
63rd BPSC (Pre.)

9. एक एम.पी. की सीट को रिक्त घोषित किया जा सकता है यदि वह सदन के लगातार .... की अवधि के लिये अनुपस्थित रहता है।
(A) 6 माह (B) 2 माह
(C) 3 माह (D) 1 वर्ष
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
60-62nd BPSC (Pre.)

10. बिहार से लोकसभा के लिये कितने सदस्य चुने जाते हैं?
(A) 20 (B) 30
(C) 35 (D) 40
56-59th BPSC (Pre.)

11. राज्यसभा में हो हैं–
(A) 280 सदस्य, जिनमें से 20 सदस्य भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीति किये जाते हैं।
(B) 275 सदस्य, जिनमें से 20 सदस्य भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीति किये जाते हैं।
(C) 250 सदस्य, जिनमें से 12 सदस्य भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीति किये जाते हैं।
(D) 252 सदस्य, जिनमें से 12 सदस्य भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किये जाते हैं।
53-55th BPSC (Pre.)

12. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक सही नहीं है?
(A) धन-विधेयक संपत्ति के मामले में राज्यसभा शक्तिहीन है।
(B) धन-विधेयक की शुरूआत राज्यसभा में होती है।
(C) लोकसभा द्वारा पारित किये जाने के बाद राज्यसभा को 14 दिनों के भीतर विधेयकों को पारित करना होता है।
(D) राज्यसभा किसी धन विधेयक को पारित कर सकती है अथवा कतिपय सिफारिशों के साथ उसे लोकसभा को लौटा सकती है।
53-55th BPSC (Pre.)

13. हमारे संविधान के अनुसार, राज्यसभा का कार्यकाल–
(A) दो वर्ष में एक बार समाप्त हो जाता है।
(B) प्रत्येक पाँच वर्ष में समाप्त हो जाता है।
(C) प्रत्येक छः वर्ष में समाप्त हो जाता है।
(D) समाप्त होने का विषय नहीं। **48-52nd BPSC (Pre.)**

14. किस सदन में अध्यक्षता करने वाला अधिकारी उस सदन का सदस्य नहीं होता है?
(A) लोकसभा (B) राज्यसभा
(C) विधानसभा (D) विधानपरिषद्
48-52nd BPSC (Pre.)

15. एक विधेयक जो संसद में प्रस्तुत किया जाता है कौन-सी क्रिया के बाद अधिनियम बन जाता है?
(A) जब वह संसद के दोनों सदनों के द्वारा पारित हो जाता है।
(B) जब राष्ट्रपति अपनी सहमति दे देता है।
(C) जब प्रधानमंत्री इस पर हस्ताक्षर कर देता है।
(D) जब सर्वोच्च न्यायालय इसे केंद्रीय संसद के अधिकार क्षेत्र में होना घोषित करता है।
48-52nd BPSC (Pre.)

16. लोकसभा में राज्यवार सीटों का आबंटन 1971 की गनगणना पर आधारित है। यह निर्धारण किस वर्ष तक यथावत् रहेगा?
(A) 2031 ई. (B) 2026 ई.
(C) 2021 ई. (D) 2011 ई.
47th BPSC (Pre.)

17. धन विधेयक के लिये किसकी पूर्व स्वीकृति आवश्यक है?
(A) प्रधानमंत्री (B) वित्त मंत्री
(C) भारत के राष्ट्रपति (D) किसी की भी नहीं
46th BPSC (Pre.)

18. वह कौन-सी सभा है जिसका अध्यक्ष उस सदन का सदस्य नहीं होता है?
(A) लोसभा (B) राज्यसभा
(C) विधानसभा (D) विधानपरिषद
46th BPSC (Pre.)

19. लोकसभा की कार्यवाही में भाग लेने का अधिकारी कौन होता है?
(A) भारत का महालेखा परीक्षक एवं नियंत्रक
(B) भारत का एटार्नी जनरल (महान्यायवादी)
(C) सॉलिसिटर जनरल (महान्यायाधिकर्ता)
(D) भारत के राष्ट्रपति का सचिव
46th BPSC (Pre.)

20. कौन-सी लोकसभा के चुनाव चार चरणों में हुए?
(A) 11वीं (B) 12वीं
(C) 13वीं (D) 14वीं
46th BPSC (Pre.)

21. चौदहवीं लोकसभा में कितनी महिला सांसद हैं?
(A) 44 (B) 62
(C) 52 (D) 56
46th BPSC (Pre.)

22. लोकसभा के चुनाव में निर्वाचित होने के लिये किसी व्यक्ति के लिये न्यूनतम आयु सीमा है–
(A) 18 वर्ष (B) 21 वर्ष
(C) 25 वर्ष (D) इनमें से कोई नहीं
45th BPSC (Pre.)

23. राज्यसभा का सभापति कौन है?
(A) राष्ट्रपति (B) उपराष्ट्रपति
(C) प्रधानमंत्री (D) लोकसभा अध्यक्ष
45th BPSC (Pre.)

24. राजनीतिक शब्दावली में शून्यकाल का अर्थ है–
(A) वह दिन जब संसद में कोई कार्य नहीं होता
(B) निलंबित प्रस्ताव
(C) स्थगन काल
(D) प्रश्नकाल के ठीक बाद के समय
45th BPSC (Pre.)

25. राज्य सरकार का कार्यकारी अध्यक्ष/प्रमुख कौन हैं?
(A) मुख्यमंत्री (B) राज्यपाल
(C) मुख्यमंत्री का सचिव (D) मुख्य सचिव
45th BPSC (Pre.)

26. भारतीय राजनीति व्यवस्था में कार्यपालिका .... के अधीन रहकर कार्य करती है।
(A) न्यायपालका (B) विधानपालिका
(C) चुनाव आयोग (D) संघ लोक सेवा आयोग
45th BPSC (Pre.)

27. लोकसभा के आंग्ल-भारतीय समुदाय को मनोनीत करने की शक्ति किसके पास है?
(A) अल्पसंख्यक आयोग (B) भारत के राष्ट्रपति
(C) प्रधानमंत्री (D) उप-राष्ट्रपति
44th BPSC (Pre.)

28. लोकसभा का पहला आम चुनाव कब हुआ था?
(A) 1949 में (B) 1952 में
(C) 1920 में (D) 1954 में
44th BPSC (Pre.)

29. लोकसभा के कम-से-कम कितने सत्र बुलाए जाते हैं?
(A) वर्ष में एक बार (B) वर्ष में दो बार
(C) वर्ष में तीन बार (D) वर्ष में चार बार
42nd BPSC (Pre.)

30. राज्यसभा के सदस्य चुने जाते हैं–
(A) चार वर्ष के लिये (B) पाँच वर्ष के लिये
(C) छः वर्ष के लिये (D) आजीवन
42nd BPSC (Pre.)

31. कौन राज्य सबसे अधिक प्रतिनिधि लोकसभा में भेजता है?
(A) बिहार (B) मध्य प्रदेश
(C) पं. बंगाल (D) उत्तर प्रदेश
42nd BPSC (Pre.)

32. लोकसभा का कार्यकाल पूरा होने से पहले भंग किया जा सकता है–
(A) राष्ट्रपति द्वारा स्वविवेक से
(B) प्रधानमंत्री द्वारा स्वविवेक से
(C) लोकसभा अध्यक्ष द्वारा स्वविवेक से
(D) प्रधानमंत्री की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा
42nd BPSC (Pre.)

33. भारत में 17वीं लोकसभा के लिये निर्वाचन हुए–
(A) अप्रैल, 1996 ई. में (B) जून, 1996 ई. में
(C) अप्रैल, 1997 ई. में (D) अप्रैल, 2019 ई. में
42nd BPSC (Pre.)

34. राज्यसभा के चेयरमेन हैं–
(A) भारत के उपराष्ट्रपति
(B) उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश
(C) मुख्य चुनाव आयुक्त
(D) भारत के प्रधानमंत्री
42nd BPSC (Pre.)

35. राज्यसभा को स्थायी सदन कहते हैं, क्योंकि–
(A) सभी सदस्य आजीवन सदस्य होते हैं।
(B) इसे विघटित नहीं किया जा सकता है।
(C) कुछ सदस्य प्रति दो वर्ष में अवकाश ग्रहण करते हैं।
(D) (B) एवं (C) दोनों
41st BPSC (Pre.)

36. राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा में कितने व्यक्ति मनोनीत किये जाते हैं?
(A) 10 (B) 15
(C) 12 (D) 20
41st BPSC (Pre.)

37. लोकसभा को उसके कार्यकाल की समाप्ति के पूर्व ही भंग किया जा सकता है–
(A) राष्ट्रपति द्वारा उसकी इच्छानुसार
(B) अध्यक्ष (स्पीकर) द्वारा
(C) राष्ट्रपति द्वारा मंत्रिपरिषद की सलाह पर
(D) राष्ट्रपति द्वारा अध्यक्ष की सलाह पर
40th BPSC (Pre.)

38. लोकसभा चुनाव का कोई प्रत्याशी अपनी जमानत खो देता है यदि उसे प्राप्त न हो सके–
(A) वैध मतों का $\frac{1}{3}$ (B) वैध मतों का $\frac{1}{4}$
(C) वैध मतों का $\frac{1}{5}$ (D) उपर्युक्त में कोई नहीं
40th BPSC (Pre.)

39. वर्तमान में लोकसभा में प्रत्येक राज्य के लिये स्थानों का आबंटन आधारित है–
(A) 1951 की जनगणना पर (B) 1961 की जनगणना पर
(C) 1971 की जनगणना पर (D) 1981 की जनगणना पर
40th BPSC (Pre.)

40. राज्यसभा को भंग करने का अधिकार किसे प्रापत हैं?
(A) राष्ट्रपति (B) उपराष्ट्रपति
(C) सर्वोच्च न्यायालय को (D) उपर्युक्त में कोई नहीं
40th BPSC (Pre.)

41. लोकसभा का नेता कौन होता है?
(A) राष्ट्रपति (B) उपराष्ट्रपति
(C) अध्यक्ष (D) उपर्युक्त में कोई नहीं
40th BPSC (Pre.)

42. संसद के दोनों का संयुक्त अधिवेशन आयोजित होता है–
(A) भारत के राष्ट्रपति के निर्वाचन के लिये।
(B) भारत के उपराष्ट्रपति के निर्वाचन के लिये।
(C) संविधान में संशोधन से संबंधित विधेयक को पारित करने के लिये
(D) एक ऐसे विधेयक पर विचार करने और उसे पारित करने के लिये जिस पर दोनों सदनों में मतभेद हो।
40th BPSC (Pre.)

43. लोकसभा के स्पीकर का निर्वाचन होता है–
(A) संसद के सभी सदस्यों द्वारा
(B) प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा
(C) लोकसभा के सभी सदस्यों द्वारा
(D) लोकसभा में बहुमत दलों के सदस्यों द्वारा
39th BPSC (Pre.)

44. भारत में किसी भी सदन का सदस्य हुए बिना कोई व्यक्ति कब तक मंत्री पद पर आसीन रह सकता है?
(A) तीन महीने तक (B) छः महीने तक
(C) एक वर्ष तक (D) कोई समय नहीं
39th BPSC (Pre.)

45. संसद के दो सत्रों के बीच अधिकाधिक अंतराल होना चाहिए–
(A) चार महीने का
(B) छः महीने को
(C) एक वर्ष का
(D) जो समय राष्ट्रपति निर्धारित करे
39th BPSC (Pre.)

46. जहाँ तक लोकसभा में प्रतिनिधित्व का प्रश्न है, कौन से राज्य दूसरे तथा तीसरे दर्जे पर हैं?
(A) महाराष्ट्र तथा बिहार (B) मध्य प्रदेश तथा तमिलनाडु
(C) मध्य प्रदेश तथा महाराष्ट्र (D) बिहार तथा मध्य प्रदेश
39th BPSC (Pre.)

47. अगर कोई 'धन विधेयक' लोकसभा द्वारा स्वीकृत हो जाए तो राज्यसभा इसे अधिक से अधिक रोक सकती है–
(A) 6 महीने तक (B) 4 महीने तक
(C) 1 महीने तक (D) 14 दिनों तक
38th BPSC (Pre.)

48. भारत की संसद का व्यय किसके द्वारा नियंत्रित किया जाता है?
(A) राष्ट्रपति
(B) वित्त आयोग
(C) नीति (NITI) आयोग
(D) नियंत्रक व महालेखा परीक्षक
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
Bihar CDPO (Pre.) 2017

49. निम्नलिखित में से कौन लोकसभा के अध्यक्ष कभी नहीं बने?
(A) बलिराम भगत (B) बलराम जाखड़
(C) जी.एस. ढिल्लो (D) डॉ. जगन्नाथ मिश्र
Bihar CDPO (Pre.) 2005

50. राज्यसभा के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
(A) राज्यसभा एक स्थायी संस्था है।
(B) इसके एक-तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष पर रिटायर होते हैं।
(C) राज्यसभा का गठन 1958 में हुआ था।
(D) राज्यसभा के 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत होते हैं।
BSSC-CGL (Mains) 2013

51. भारतीय संविधान की धारा 198 में धन-विधेयक पारित करने की विधि प्रावधानित है। यदि विधानपरिषद् धन-विधेयक को रोक लेता है तथा उसे वापस करने से मना कर देती है तो कितने दिनों बाद इस विधेयक को दोनों सदनों से पारित माना जाएगा?
(A) 7 दिन (B) 14 दिन
(C) 21 दिन (D) 28 दिन
BSSC-CGL (Pre.) 2014

52. प्रथम लोकसभा के स्पीकर कौन थे?
(A) जी.वी. मावलंकर (B) गुरदयाल सिंह ढिल्लो
(C) एम.ए. अय्यंगर (D) उपरोक्त में से कोई नहीं
BSSC-CGL (Pre.) 2014

53. बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं। राज्यसभा की कितनी सीटें बिहार में है?
(A) 12 (B) 14
(C) 15 (D) 16
BSSC-CGL (Mains) 2014

54. किस व्यक्ति ने लोकसभा चुनाव में सबसे ज्यादा वोटों से जीतने का विश्व रिर्कार्ड कायम किया है–
(A) रामविलास पासवान (B) शरद पवार
(C) इंदिरा गांधी (D) आचार्य कृपलानी
BSSC-CGL (Mains) 2011

55. लोकसभा के कितने सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत होते हैं?
(A) 2 (B) 3
(C) 10स (D) 0
BSSC [Comb. Inter Leverl (Pre.),] 2014

56. लोकसभा का अध्यक्ष अपना त्याग-पत्र किसे संबोधित करता है?
(A) राष्ट्रपति (B) प्रधानमंत्री
(C) उपराष्ट्रपति (D) उपाध्यक्ष
Bihar SI (Mains) 2018

57. सत्य कथन चुनिये–
(A) राज्यसभा में 11 सदस्यों को राष्ट्रपति मनोनीत करते हैं।
(B) प्रत्याशी को उसी राज्य का होना चाहिये जहाँ से वह राज्यसभा का चुनाव लड़ रहा है।
(C) राज्यसभा को भंग किया जा सकता है।
(D) लोकसभा में राष्ट्रपति दो सदस्य मनोनीत करते हैं।
Bihar SI (Mains) 2018

58. राज्यसभा में गणपूर्ति हेतु कितने सदस्यों की आवश्यकता होती है?
(A) 25 (B) 50
(C) 100 (D) 126
Bihar SI (Mains) 2018

59. राज्यसभा में वर्तमान में कितने सदस्य हैं?
(A) 250 (B) 245
(C) 255 (D) 260
Bihar ESI (Pre.) 2018

60. अनुच्छेद-117 का संबंध किससे है?
(A) धन विधेयक (B) वित्त विधेयक
(C) अनुदान विधेयक (D) विनियोग विधेयक
Bihar ESI (Pre.) 2018

61. कौन-सी संसदीय समिति CAG के ऑडिट रिपोर्ट की जाँच करती है?
(A) प्राक्कलन समिति (B) लोक लेखा समिति
(C) (A) और (B) दोनों (D) कार्य मंत्रणा समिति
Bihar ESI (Pre.) 2018

62. जब राज्यसभा के उपसभापति को उसके पद से हटाने का संकल्प विचाराधीन हो, तब उसके पीठासीन होने के संबंध में निम्न में से कौन-सा अनुच्छेद लागू होगा?
(A) 91 (B) 92
(C) 93 (D) 94
Bhiar ESI (Pre.) 2018

63. निम्न में से किस विधायी सदन को समाप्त किया जा सकता है?
(A) लोकसभा (B) राज्यसभा
(C) विधानपरिषद् (D) सभी को
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64. निम्नलिखित राज्यों/संघशासित क्षेत्र के समूह में से किसकी लोकसभा में केवल एक सीट है?
(A) अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, लक्षद्वीप
(B) गोवा, मेघालय, नगालैंड
(C) चंडीगढ़, सिक्किम, मिजोरम
(D) मणिपुर, दादरा और नगर हवेली, पुदुच्चेरी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

65. राज्यसभा की निश्चित सदस्य संख्या क्या है?
(A) 220 (B) 230
(C) 210 (D) 250
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66. राज्यसभा कैसे भंग होती है?
(A) सभापति का कार्यकाल पूरा होने पर
(B) राष्ट्रपति पाँच वर्ष बाद भंग करते हैं
(C) लोकसभा के साथ स्वत: भंग हो जाती है
(D) यह कभी भंग नहीं होती है।

67. कोई कानूनी विधेयक संसद के किस पटल पर रखा जा सकता है?
(A) लोकसभा में (B) राज्यसभा में
(C) दोनों सदनों में से किसी एक के पटल पर
(D) विधानसभा में
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

68. भारतीय संसद का सचिवालय–
(A) ससंदीय कार्यमंत्री के अधीन है
(B) राष्ट्रपति के अधीन है
(C) सरकार से स्वतंत्र है
(D) सर्वोच्च न्यायालय से अधीन है
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

69. भारत सरकार द्वारा वित्त विधेयक सदन में पेश किया जाता है–
(A) राज्यसभा में (B) विधानसभा में
(C) विधानपरिषद में (D) लोकसभा में
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

ANSWER KEY

01. (A)	02. (B)	03. (B)	04. (C)	05. (C)
06. (C)	07. (B)	08. (A)	09. (E)	10. (D)
11. (C)	12. (B)	13. (D)	14. (B)	15. (B)
16. (B)	17. (C)	18. (B)	19. (B)	20. (D)
21. (C)	22. (C)	23. (B)	24. (D)	25. (B)
26. (B)	27. (B)	28. (B)	29. (B)	30. (C)
31. (D)	32. (D)	33. (D)	34. (A)	35. (D)
36. (C)	37. (C)	38. (D)	39. (C)	40. (D)
41. (D)	42. (D)	43. (C)	44. (B)	45. (B)
46. (A)	47. (D)	48. (D)	49. (D)	50. (C)
51. (B)	52. (A)	53. (D)	54. (A)	55. (A)
56. (D)	57. (D)	58. (A)	59. (B)	60. (B)
61. (B)	62. (B)	63. (A)	64. (C)	65. (D)
66. (D)	67. (C)	68. (A)	69. (D)	

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

1. "भारतीय संसद एक गैर-प्रभुता संपन्न विधि-निर्मात्री संस्था है।" इस कथन की समीक्षा कीजिये।
2. वित्त पर संसद का नियंत्रण कैसे होता है? समझाइये।
3. संसद के बजट पारित होने की प्रक्रिय का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये।
4. लोकसभा व राज्यसभा की शक्तियों की तुलना कीजिये। वर्तमान समय में राज्यसभा की प्रासंगिकता पर उठ रहे सवालों के संदर्भ में इसकी महत्ता को बताइये।
5. धन विधेयक, साधारण विधेयक तथा संविधान विधेयक में अंतर बताने के साथ-साथ इसके पारित होने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिये।

Note:

08. सर्वोच्च/उच्चतम न्यायालय (Suprime Court S.C.)

सर्वोच्च/उच्चतम न्यायालय [Suprime Court (S.C.)]

- **अनुच्छेद 124 : इसमें SC के गठन की चर्चा है–**
- SC में 33 + 1 = 34 जज बैठते हैं।
- सर्वोच्च न्यायालय में जजो के संख्या में वृद्धि का अधिकार संसद को है।
- सर्वोच्च न्यायालय (S.C) में जज बनने के लिए किसी High Court में **5 साल जज** या **10 साल वकील** होना चाहिए साथ ही **राष्ट्रपति** के नजर में कानून का **अच्छा जानकार** होना चाहिए।
- SC में जजों की **नियुक्ति राष्ट्रपति** करते हैं।
- जज की **नियुक्ति** के समय **राष्ट्रपति मुख्य न्यायाधीश** CJI से सलाह लेते हैं।
- मुख्य न्यायाधीश (CJI) के नियुक्ति के समय राष्ट्रपति **कोलोजियम** से सलाह लेते हैं।

  Note:– SC के 5 senior जजों को कोलोजियम कहते हैं।
- जजों को हटाने के लिए महाभियोग जैसी प्रक्रिया लायी जाती है। अब तक किसी भी जज को महाभियोग द्वारा हटाया नहीं गया है।
- SC के जज **रामास्वामी** के विरुद्ध महाभियोग लाया गया था किंतु पारित नहीं हो सका।
- SC के जज 65 वर्ष तक कार्यरत रहते हैं।
- यह अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को देते हैं।
- **अनुच्छेद 125 – जजों का वेतन–** जजों को संचित निधि से वेतन दिया जाता है। इसमें कटौती नहीं की जा सकती है।
- मुख्य न्यायाधीश को 2 लाख 80 हजार तथा अन्य न्यायाधीशों को 2 लाख 50 हजार बेतन दिया जाता है।
- **अनुच्छेद 126** – जब मुख्य न्यायाधीश अनुपस्थित रहता है, तो 33 जजों में से ही एक को अस्थायी मुख्य न्यायाधीश बना देते हैं, जिसे कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश कहते हैं, इसके वेतन, भत्ते तथा शक्तियाँ मुख्य न्यायाधीश के बराबर ही रहती है, क्योंकि यह अस्थायी रहता है।
- **अनुच्छेद 127 – Ad–Hoc या तदर्थ न्यायाधीश–** इसका अर्थ होता है "इस उद्देश्य के लिए" तदर्थ न्यायाधीश को तब बुलाया जाता है, जब SC में जजों की संख्या में कमी हो जाए।
- Ad–Hoc जज को लाने की सिफारिश CJI करते हैं। इस सिफारिश के आधार पर राष्ट्रपति 25 H.C. के जज को मुख्य न्यायधिश से सलाह लेकर Ad-Hoc नियुक्त करते हैं। इसकी शक्ति S.C. के बराबर होती है। किन्तु यह अस्थायी होता होता है।
- **अनुच्छेद 128** – जाब Ad–Hoc जज उपलब्ध नहीं हो पाते हैं, तो सेवा निवृत जज को लाया जाता है।
- **अनुच्छेद 129** – SC अभिलेख न्यायाधीश (नजीर) का कार्य करती है अर्थात SC का निर्णय किसी अन्य मुकदमें में भी उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, ताकि न्याय जल्दी मिल जाए।
- **अनुच्छेद 130 – SC का स्थान**–SC दिल्ली में है किंतु मुख्य न्यायाधीश के कहने पर राष्ट्रपति इसका खण्ड पीठ (Branch) किसी अन्य शहर में खोल सकते हैं।
- **अनुच्छेद 131 – SC की प्रारंभिक या मूल अधिकारिता–**
- इसके अंतर्गत वैसे मामले को रखते हैं, जो केवल SC में ही सुलझाया जा सकता है। इसमें तीन प्रकार के मुकदमें आते हैं–
  1. केन्द्र-राज्य विवाद
  2. राज्य-राज्य विवाद
  3. एक ओर केन्द्र और उसके साथ कुछ राज्य तथा दूसरी ओर कुछ अन्य राज्य

  Note:– राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति का विवाद भी सीधे SC जाता है किंतु इसे मूल अधिकारिता में शामिल नहीं करते हैं। क्योंक इसकी चर्चा अनुच्छेद 71 में है।
- **अनुच्छेद 132** – HC से SC में अपील करने का अधिकार।
- **अनुच्छेद 137** – न्यायिक पुनरावलोकनक अर्थात SC अपने ही फैसले को बदल सकती है। eg. SC ने चम्पाकम दोराई राजन मामला (1960), तथा बेरूबरी मामला (1960) में प्रस्तावना को संविधान का अंग नहीं माना किंतु केशवानन्द भारती मामला (1973) में SC को न्यायिक पुनरावलोकन का प्रयोग करके अपने फैसले को बदल दिया और प्रस्तावना को संविधान का अंग मान लिया और कहा कि संसद इसमें संशोधन कर सकती है। साथ ही SC ने मूल ढ़ाँचा का सिद्धान्त दिया और कहा कि संसद ऐसा कोई परिवर्तन नहीं कर सकती जिससे कि संविधान का मूल ढ़ाँचा प्रभावित हो।
- इसी कारण आज कुल अनुच्छेद केवल 395 ही है उसमें A, B, C, D.... करके जोड़ा गया है।
- **अनुच्छेद 139** – मूल अधिकार के अलावे किसी अन्य मामले में रीट निकालना हो, तो SC अनुच्छेद-32 का प्रयोग न करके अनुच्छेद-139 का प्रयोग करती है।

  Ex.:– सरकारी मास्टर परमादेश रीट जारी करता है, तो अनुच्छेद-32 के तहत होगा। जबकि रेलवे के किसी कर्मचारी पर परमादेश रीट जारी करना हो, तो अनुच्छेद-139 के तहत जारी होगा।

➤ **अनुच्छेद 141** – SC का निर्णय भारत के सभी न्यायालय, सभी अधिकारी तथा सभी नागरिकों के लिए बाध्य है।

☞ यदि कोई व्यक्ति न्यायालय की बात को नहीं मानता है, तो उसे अवमानना समझकर न्यायालय दंडित कर देगा।

➤ **अनुच्छेद 143 –**

☞ राष्ट्रपति किसी मुद्दे पर SC से सलाह मांग सकते हैं लेकिन उस सलाह को मानने के लिए राष्ट्रपति बाध्य नहीं है। इसी कारण SC भी हर मुद्दे पर सलाह देने के लिए बाध्य नहीं है।
e.g. 1993 में राष्ट्रपति डॉ॰ शंकर दयाल शर्मा ने बाबरी मस्जिद राम जन्म भूमि मामले पर सलाह मांगा किंतु न्यायालय ने कोई सलाह नहीं दिया अर्थात सलाह देने से मना कर दिया।

☞ SC संविधान का अंतिम व्याख्या करता है।

☞ Suprime Court (S.C.) एक निष्पक्ष तथा स्वायत संस्था है। यह अपनी निष्पक्षता बनाये रखने के लिए यह अपनी सभी नियुक्तियाँ स्वयं करती है। S.S.C. के द्वारा नहीं कराती है।

☞ S.C. के कर्मचारियों की पद्दोन्नति, निलंबन तथा स्थानांतरण स्वयं Suprime Court करती है।

☞ Suprime Court के कर्मचारी तथा जजें का वेतन संचित निधी से दिया जाता है। जिसमें संसद कटौती नहीं कर सकती है।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक CAG (Comptroller & Auditor General)

☞ CAG की चर्चा अनु॰ (148–151) तक है।

➤ **अनुच्छेद 148 – इसमें CAG के पद की चर्चा है–**

☞ CAG की नियुक्ति प्रधानमंत्री के सलाह पर राष्ट्रपति करते हैं।

☞ CAG 65 वर्ष आयु या 6 वर्ष कार्यकाल तक अपने पद पर रहता है। यह राष्ट्रपति के प्रसाद प्रयंत नहीं होते हैं, बल्कि इन्हें हटाने के लिए महाभियोग जैसे प्रक्रिया लानी होती है।

☞ CAG अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को दे सकते हैं।

☞ मंत्री परिषद का कोई भी सदस्य CAG नहीं हो सकता है।

➤ **अनुच्छेद 149 – इसमें CAG की शक्ति की चर्चा है–**

☞ CAG भारत के लेखा विभाग का प्रधान होता है अर्थात् केन्द्र या राज्य सरकार द्वारा किसी भी खर्च की जाँच CAG कर सकते हैं।

➤ **अनुच्छेद 150** – CAG केन्द्र तथा राज्य दोनों लेखाओं की जाँच कर सकता है।

➤ **अनुच्छेद 151** – CAG केन्द्र की लेखा की रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपते हैं।

☞ CAG राज्य की लेखा की रिपोर्ट राज्यपाल का सौंपते हैं।
Note:– राष्ट्रपति CAG के रिपोर्ट अध्यक्ष तथा सभापति के माध्यम से संसद में प्रस्तुत करते हैं।
Remark:– CAG की Report को लोकलेखा समिति जाँच करती है।

स्मरणीय तथ्य

❖ ए.के. गौपालन बनाम मद्रास राज्य वाद का संबंध स्वतंत्र भाषण पर रोक से है जबकि रोमेश थापर बनाम मद्रास राज्य का संबंध निवारक अवरोध की प्रक्रिया से है। बेला बनर्जी वाद का संबंध पश्चिम बंगाल भूमि विकास एवं नियोजन से है।

❖ वर्तमान में भारत में कुल उच्च न्यायालयों की संख्या- 25 है।

❖ दिल्ली और जम्मू एवं कश्मीर ऐसे संघशासित राज्य है जिसका अपना उच्च न्यायालय है।

❖ उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की संख्या न्युनतम 3 और अधिकतम 160 हो सकती है।

❖ इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या सर्वाधिक है।

❖ उच्च न्यायालय की स्थापना करने का अधिकार संसद को है।

❖ उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के सेवानिवृत्ति संबंधी प्रावधान अनुच्छेद 220 में हैं।

❖ राष्ट्रपति भारत के मुख्य न्यायाधीश तथा संबंधित राज्य के राज्यपाल से परामर्श करके उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करता है।

❖ उच्च न्यायालय में अपर न्यायाधीश एवं कार्यकारी न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है।

❖ उच्च न्यायालय में अपर न्यायाधीशों की नियुक्ति अधिकतम 2 वर्ष के लिये की जाती है।

❖ 15वें संविधान संशोधन 1963 द्वारा उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष की गई है।

❖ उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की आयु से संबंधित प्रश्न का विनिश्चय राष्ट्रपति मुख्य न्यायाधीश के परामर्श के आधार पर करता है।

❖ उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को साबित कदाचार एवं असमर्थता के आधार पर हटाया जा सकता है।

❖ किसी न्यायाधीश का एक उच्च न्यायालय से दूसरे उच्च न्यायालय में स्थानांतरण राष्ट्रपति भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से करता है।

❖ वित्तीय आपातकाल के समय राष्ट्रपति उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन में कमी का निर्देश दे सकता है।

❖ संविधान के प्रारंभ के समय उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 8 थी (जिसमें । मुख्य न्यायाधीश तथा 7 अन्य न्यायाधीश थे)।

❖ उच्च न्यायालय के प्रशासनिक व्यय राज्य की संचित निधि से प्राप्त होते हैं।

❖ मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने आधिकारिक संवाद में 'दलित' शब्द के प्रयोग पर रोक लगाई थी।

❖ वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या 34 है, जिनमें 1 मुख्य न्यायाधीश तथा 33 अन्य न्यायाधीश हैं।

❖ केशवानंद भारती मामले की सुनवाई हेतु उच्चतम न्यायालय की अब तक की सबसे बड़ी पीठ गठित की गई थी जिसमें न्यायाधीशों की संख्या 13 थी।

- ❖ किसी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश उच्चतम न्यायालय में तदर्थ न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जाता है।
- ❖ तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति मुख्य न्यायाधीश करता है।
- ❖ उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष है।
- ❖ उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन का निर्धारण संसद के अनुसार होता है।
- ❖ भारतीय संविधान में उच्चतम न्यायालय का परामर्शी क्षेत्राधिकार कनाडा के संविधान से लिया गया है।
- ❖ संविधान की व्याख्या करने का अंतिम अधिकार सर्वोच्च न्यायालय को है।
- ❖ भारत के राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति के पद के खाली होने की स्थिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश राष्ट्रपति के पद का निर्वहन करेगा।
- ❖ भारत में लोकहित वाद को प्रारंभ करने का श्रेय उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पी.एन. भगवती तथा न्यायमूर्ति कृष्णा अय्यर को जाता है।
- ❖ भारत में चलित न्यायालय का जन्मदाता न्यायमूर्ति भगवती को माना जाता है।
- ❖ उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के वेतन, भत्ते एवं पेंशन भारत की संचित निधि से दिये जाते हैं।
- ❖ उच्चतम न्यायालय की आज तक की सबसे बड़ी पीठ केश्वानंद भारती केस में बनी, जिसमें न्यायाधीशों की संख्या 13 थी।
- ❖ सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के लिये किसी व्यक्ति को कम-से-कम 10 वर्षों तक उच्च न्यायालय का अधिवक्ता होना चाहिये।
- ❖ सर्वोच्च न्यायालय को देश के किसी भी न्यायालय में चल रहे। किसी मामले को अन्यत्र भेजने का अधिकार है।
- ❖ सितंबर 2003 में सर्वोच्च न्यायालय के एक निर्णय से भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति प्रतिष्ठित हुई।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. भारत में न्यायिक प्रणाली किस पर आधारित है?
(A) संविधान
(B) नियमित कानून की उचित प्रक्रिया
(C) परंपरा
(D) कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre.) 2022

2. स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि उद्योग के अध्यक्ष कौन थे?
(A) न्यायाधीश जे.एल. कपूर
(B) न्यायाधीश वी.के. सुंदरम
(C) न्यायाधीश टी.वी. वेंकटरामा अय्यर
(D) श्री एम.सी. सेतलवाद
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre.) Re-Exam, 2022

3. पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश कौन थे, जिन्होंने जुलाई 2019 में बिहार के राज्यपाल के रूप में श्री फागू चौहान को पद की शपथ दिलाई?
(A) माननीय मुकेश शाह
(B) माननीय ए.पी. शाही
(C) माननीया रेखा मनहरलाल दोशित
(D) माननीय दीपक अधिक
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
65th BPSC (Pre.)

4. सर्वोच्च न्यायालय की न्यायाधीश अपने पद से त्यागपत्र किसको लिखकर दे सकता है?
(A) राष्ट्रपति (B) प्रधानमंत्री
(C) विधि मंत्री (D) भारत के महान्यायवादी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
64th BPSC (Pre.); BSSC-CGL (Mains) 2014

5. भारतीय सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति कौन करता है?
(A) प्रधानमंत्री
(B) राष्ट्रपति
(C) भारत का मुख्य न्यायाधीश
(D) लोकपाल
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
63rd BPSC (Pre.)

6. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवा-निवृत्ति की उम्र क्या है?
(A) 60 वर्ष (B) 62 वर्ष
(C) 65 वर्ष (D) 70 वर्ष
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
63rd BPSC (Pre.); Bihar ESI (Pre.) 2012

7. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक सही नहीं है?
(A) सर्वोच्च न्यायालय का गठन 1950 ई. में हुआ था।
(B) सर्वोच्च न्यायालय देश की उच्चतम अदालत है, जिसमें अपील की जाती है।
(C) सर्वोच्च न्यायालय कोर्ट मार्शल को छोड़कर अन्य किसी भी उच्च न्यायालय/अदालतों की सुनवाई कर सकता है।
(D) सर्वोच्च न्यायालय कोर्ट मार्शल के साथ अन्य किसी भी उच्च न्यायालय/अदालतों की सुनवाई कर सकता है।
53-55th BPSC (Pre.)

8. भारत में चलित न्यायालय किनका मानसपुत्र है?
(A) न्यायमूर्ति भगवती
(B) श्री राजीव गांधी
(C) डॉ. ए.पी.जें. अब्दुल कलाम
(D) श्रीमती प्रतिभा पाटिल
48-52nd BPSC (Pre.)

9. उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि करने की शक्ति किसके पास है?
(A) प्रधानमंत्री (B) राष्ट्रपति
(C) संसद (D) विधि मंत्रालय
44th BPSC (Pre.)

10. भारत में सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना हुई थी–
(A) 1950 में संसद के एक अधिनियम द्वारा
(B) भारतीय स्वाधीनता अधिनियम, 1947 के अधीन
(C) भारत सरकार के अधिनियम, 1935 के अधीन
(D) भारतीय संविधान के द्वारा

42nd BPSC (Pre.)

11. न्यायिक पुनर्विलोकन का अर्थ यह है कि सर्वोच्च न्यायालय–
(A) को सभी प्रकरणों पर अंतिम अधिकार प्राप्त है।
(B) राष्ट्रपति के विरुद्ध दोषारोपण कर सकता है।
(C) उच्च न्यायालयों द्वारा निर्मित प्रकरणों की समालोचना कर सकता है।
(D) किसी भी राज्य के कानून को अवैध घोषित कर सकता है।

39th BPSC (Pre.)

12. निम्नलिखित उच्च न्यायालयों में से कौन एक से अधिक राज्य/केंद्रशासित प्रदेश के लिये है?
(A) इलाहाबाद (B) दिल्ली
(C) गुवाहाटी (D) महाराष्ट्र

38th BPSC (Pre.)

13. जनहित याचिका की धारणा किस देश से उत्पन्न हुई?
(A) यूनाइटेड किंगडम (B) सोवियत गणराज्य (USSR)
(C) ऑस्ट्रेलिया (D) अमेरिकी गणराज्य (USA)
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

Bihar CDPO (Pre.) 2017

14. किस उच्च न्यायालय ने आधिकारिक संवाद में 'दलित' शब्द के प्रयोग पर पाबंदी लगाई है?
(A) बंबई उच्च न्यायालय
(B) राजस्थान उच्च न्यायालय
(C) हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय
(D) मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

Bihar CDPO (Pre.) 2017

15. भारत के सुप्रीम-कोर्ट के संदर्भ में कौन-सा कथन सही है?
(A) इसका केवल मूल क्षेत्राधिकार है
(B) इसका केवल अपीलीय क्षेत्राधिकार है
(C) इसका केवल परामर्श संबंधी क्षेत्राधिकार है
(D) इसका मूल, अपीलीय और परामर्श संबंधी क्षेत्राधिकार है

BSSC-CGL (Mains) 2014

16. 'उच्छृंखल कानून कोई कानून नहीं है।' भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने किस मामले में इस सिद्धांत को संपुष्ट किया?
(A) यूनियन कार्बाइड केस (B) मेनका गांधी केस
(C) इंद्रा साहनी केस (D) शाह बानो केस

BSSC-CGL (Mains) 2014

17. पटना उच्च न्यायालय की स्थापना कब हुई थी?
(A) 1905 ई. (B) 1911 ई.
(C) 1914 ई. (D) 1916 ई.

BSSC-CGL (Pre.) 2014

18. भारत के राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति के पद के खाली होने की स्थिति में जो व्यक्ति राष्ट्रपति के पद का निर्वहन करेगा, वह है–
(A) लोकसभा के सभापति (B) राज्यसभा के सभापति
(C) महान्यायवादी (D) भारत के मुख्य न्यायाधीश
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

BSSC-CGL (Pre.) 2014

19. मुख्य न्यायमूर्तियों के सम्मेलन में पारित संकल्प के प्रचलन के अनुसार सामान्यत: कितने वर्षों की आयु के बाद ही सर्वोच्च न्यायालय में किसी न्यायाधीश की नियुक्ति की जाती है?
(A) 55 वर्ष (B) 60 वर्ष
(C) 62 वर्ष (D) 35 वर्ष
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

20. निम्नलिखित में कौन-सा कथन सत्य है?
(A) सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के लिये शपथ या प्रतिज्ञान का प्रारूप वही है जो भारत के राष्ट्रपति के लिये है।
(B) सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की आय आयकर से मुक्त होती है।
(C) यदि कभी सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की गणपूर्ति न हो तो तदर्थ आधार पर न्यायाधीशों की नियुक्ति की जा सकती है।
(D) सर्वोच्च न्यायालय में तदर्थ न्यायाधीश के रूप में सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश को ही बुलाया जा सकता है।
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

21. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये–

सूची-I (संविधान के अनुच्छेद)	**सूची-II (प्रावधान)**
A. 215	1. किसी न्यायाधीश का एक उच्च न्यायालय से दूसरे उच्च न्यायालय
B. 222	2. सभी न्यायालयों के अधीक्षण की शक्ति
C. 226	3. कुछ रिट निकालने की उच्च न्यायालय की शक्ति
D 227	4. उचच न्यायालय का अभिलेख न्यायालय होना

कूट:	**A**	**B**	**C**	**D**
(A)	4	1	3	2
(B)	2	1	3	4
(C)	1	4	3	2
(D)	4	2	3	1

22. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को किन आधारों पर पद से हटाया जा सकता है?
   (i) साबित कदाचार (ii) असमर्थता
   (iii) संविधान का अतिक्रमण
   कूट–
   (A) केवल (i) (B) केवल (iii)
   (C) (i) और (ii) (D) (i), (ii) और (iii)
   (E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

ANSWER KEY

01. (E)	**02. (D)**	**03. (B)**	**04. (A)**	**05. (B)**
06. (C)	**07. (C)**	**08. (C)**	**09. (C)**	**10. (A)**
11. (D)	**12. (C)**	**13. (D)**	**14. (D)**	**15. (D)**
16. (B)	**17. (D)**	**18. (D)**	**19. (A)**	**20. (C)**
21. (A)	**22. (C)**			

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

1. ''भारतीय शासन में न्यायिक सक्रियता एक नवीन धारणा है। विवेचना कीजिये तथा न्यायिक सक्रियता के पक्ष और विपक्ष में दिये गए मुख्य तर्कों को स्पष्ट कीजिये।''
   64th BPSC (Mains)
2. न्यायिक पुनरीपक्ष से आपका क्या अभिप्राय है? भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रतिपादित मूल ढाँचे कि सिद्धांत का आलोचनात्मक वर्णन कीजिये। **56-59th BPSC (Mains)**
3. 'न्यायिक सक्रियता एक संसदीय लोकतंत्र में दुधारी तलवार है' स्पष्ट कीजिये।
4. सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति में प्रमुख मुद्दे क्या हैं? भारत सरकार एवं सर्वोच्च न्यायालय के इस संदर्भ में दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिये।
5. सर्वोच्च न्यायालय के मूल (प्रारंभिक) क्षेत्राधिकार की शक्तियों की उपयोगिता का उल्लेख कीजिये।

Note:

KHAN GLOBAL STUDIES Kisan Cold Storage Campus, Musallahpur, Patna-6 KHAN SIR

09. भाग–6 राज्य (State)

➢ **अनुच्छेद 152** – इसमें राज्य की परिभाषा है। राज्य के पास क्षेत्रफल, जनसंख्या, शासन यह तीनों चीजें होती है, किंतु संप्रभुता नहीं होती है। जिस कारण उसे राज्य कहते हैं।

राज्यपाल (Governor)

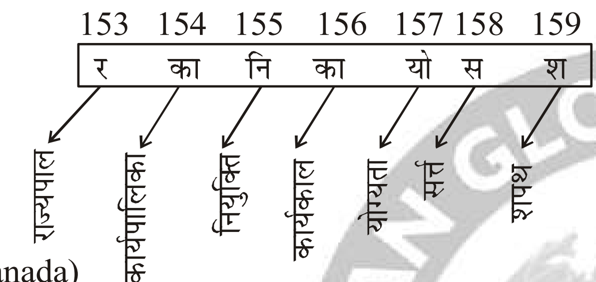

(Canada)

➢ **अनुच्छेद 153 – राज्यपाल का पद–** राज्यपाल का पद कनाडा से लिया गया है।

☞ प्रत्येक राज्य का एक राज्यपाल होगा किंतु दो राज्यों का एक राज्यपाल भी हो सकता है। इस स्थिति में उसका वेतन उतना ही रहेगा किंतु राष्ट्रपति के कहने पर दोनों राज्य मिलकर देंगे।

➢ **अनुच्छेद 154** – राज्यपाल कार्यपालिका का प्रधान होता है किंतु वह केवल औपचारिक प्रधान रहता है। वास्तविक प्रधान मुख्यमंत्री होता है।

☞ कार्यपालिका के अंतर्गत विभिन्न कार्यों को किया जाता है, जिसके लिए राज्यपाल को विभिन्न प्रकार की शक्ति प्राप्त है।

1. **कार्यकारी शक्ति (Executive Power)–** इसके तहत राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्री तथा विभिन्न प्रकार की पदाधिकारी की नियुक्ति करता है।
2. **विधायी शक्ति (Legislative Power)–** यह नियम कानून से संबंधित होता है इसके तहत राज्यपाल विधानमंडल के सत्र को बुलाते हैं तथा स्त्रावसान करते हैं। वे विधेयक पर जब तक हस्ताक्षर नहीं कर दे, तब तक विधेयक कानून नहीं बना सकते।
3. **वित्तीय शक्ति (Financial Power)–** इसके तहत राज्यपाल आकस्मिक निधि से धन निकाल सकते हैं तथा पंचायतों में वित्तीय स्थिति के सुधार के लिए राज्य वित्त आयोग का गठन करते हैं।
4. **क्षमादान शक्ति (Pardon Power)–** अनु॰ 161 के तहत राज्यपाल सजा को माफ कर सकते हैं किंतु सेना के कोर्ट की सजा तथा मृत्युदंड को नहीं माफ कर सकते हैं।
5. **आपातकालीन शक्ति (Emergency Power)–** राज्यपाल को आपातकालीन शक्ति प्राप्त नहीं है, किंतु राष्ट्रपति शासन के दौरान राज्य की सभी शक्तियाँ राज्यपाल के हाथों चली जाती है।
6. **विवेकाधिकार शक्ति Discretionary Power)–** इसके तहत राज्यपाल अपने विवेक का प्रयोग करते हैं यह तब किया जाता है, जब किसी को भी बहुमत नहीं होता है। इस स्थिति में राज्यपाल किसी भी दल के नेता को मुख्यमंत्री बना देता है और उसे 30 दिन के भीतर बहुमत सिद्ध करने को कहते हैं।
7. **विशेषाधिकार शक्ति (Previledge Power)–** इसके तहत राज्यपाल को अनुच्छेद–14 के अपवाद स्वरूप कुछ विशेष अधिकार है। राज्यपाल पर उसके पद के दौरान उस पर अपराधिक मुकदा नहीं चलाया जा सकता किंतु दीवानी मुकदमा चलाया जा सकता है। जब वे पद से हटेंगे तो उन पर अपराधिक मुकदमा चलाया जाएगा।

☞ राज्यपाल राज्य के सभी विश्वविद्यालय के चांसलर (कुलाधिपति) होते हैं।

Remark :– राष्ट्रपति के पास जब कोई विधेयक जाता है, तो उस विधेयक को या तो लौटा सकते हैं या जेबी वीटो कर सकते हैं। जबकि राज्यपाल किसी विधेयक को एक बार लौटा सकते है, जेबी वीटो कर सकते है तथा राष्ट्रपति को भेजने के लिए विधेयक को संरक्षित रख सकते है अर्थात् राज्यपाल को विवेकाधिकार शक्ति राष्ट्रपति से अधिक है।

➢ **अनुच्छेद 155** – इसमें राज्यपाल की नियुक्ति की चर्चा है। इसकी नियुक्ति प्रधानमंत्री के सलाह पर राष्ट्रपति करते हैं।

➢ **अनुच्छेद 156** – राज्यपाल का कोई निश्चित कार्यकाल नहीं होता है। लेकिन वह राष्ट्रपति के प्रसाद प्रयंत (इच्छानुसार) अपने पद पर रहते हैं।

➢ **अनुच्छेद 157** – राज्यपाल की योग्यताएँ–

1. भारत का नागरिक हो।
2. पागल दिवालिया न हो
3. लाभ के पद पर न हो
4. कम से कम 35 साल आयु हो

➢ **अनुच्छेद 158** – राज्यपाल के लिए शर्तें–

(1) वह संसद या विधानमंडल में से किसी का भी सदस्य नहीं होना चाहिए।

(2) वह उस राज्य का निवासी नहीं रहना चाहिए जिस राज्य का वह राज्यपाल बनने जा रहा है।

➢ **अनुच्छेद 159** – राज्यपाल को शपथ High Court का मुख्य न्यायाधीश दिलाते हैं।

➢ **अनुच्छेद 160** – ऐसी आकस्मिक स्थिति जिसकी चर्चा संविधान में नहीं है उसे नियंत्रित करने के लिए राज्यपाल को राष्ट्रपति बोल सकते हैं।

- **अनुच्छेद 161** – राज्यपाल की क्षमादान शक्ति (यह फाँसी तथा Court Marshal की सजा को माफ नहीं कर सकता है।)
- **अनुच्छेद 162** – राज्य की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार राज्यपाल करेंगे।
- **अनुच्छेद 163** – राज्यपाल को सहायता एवं सलाह के लिए एक मंत्री परिषद् होगा जिसके अध्यक्ष मुख्यमंत्री (CM) होंगे।
- **अनुच्छेद 164** – मुख्यमंत्री के सलाह पर राज्यपाल अन्य मंत्रियों की नियुक्ति करेंगे।

मुख्यमंत्री की कर्त्तव्य एवं शक्तियाँ (Duties and Power of the Chief Minister)

(i) मुख्यमंत्री राज्य के कार्यपालिका का वास्तविक प्रधान होता है।

(ii) वह मंत्रिपरिषद के निर्णय की सूचना राज्यपाल को देता है।

(iii) वह किसी मंत्री को नियुक्त करने या हटाने की सिफारिश राज्यपाल को करता है।

(iv) मुख्यमंत्री राष्ट्रीय विकास परिषद् के सदस्य होते है।

(v) मुख्यमंत्री के त्याग पत्र या मृत्यु होने से मंत्री परिषद् भंग हो जाता है और नये मुख्यमंत्री अपने हिसाब से मंत्री परिषद् बनाता है।

(vi) मुख्यमंत्री विभिन्न पदाधिकारियों की नियुक्ति संबंधी सिफारिश राज्यपाल को करते हैं।

- **अनुच्छेद 165 – महाधिवक्ता (Advocate General)**– राज्य सरकार को कानुनी सहायता देने के लिए एक महाधि वक्ता होता है। यह राज्य सरकार का प्रथम विधि अधिकारी होता है।

☞ वह विधानमंडल की कार्यवाई में भाग लेता है किंतु उसका सदस्य नहीं होने के कारण मतदान नहीं कर सकता है। यह राज्यपाल के प्रसाद प्रयंत अपने पद पर रहता है। इसकी योग्यता H.C. के जज के बराबर होता है।

स्मरणीय तथ्य

- राज्य की कार्यपालिका राज्यपाल, राज्य मंत्रिपरिषद (जिसका प्रधान मुख्यमंत्री होता है) तथा महाधिवक्ता से मिलकर बनती है।
- राज्यपाल को संसद विधि द्वारा निर्धारित वेतन, भत्ते एवं विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं। वर्तमान में राज्यपाल को ₹ 3 लाख 50 हजार वेतन के रूप में प्राप्त होते हैं।
- राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल करता है, परंतु उन्हें पद से हटाने का अधिकार राष्ट्रपति के पास है। राज्य की आकस्मिक निधि से अग्रिम लेने का अधिकार राज्यपाल के पास होता है।
- राज्यपाल द्वारा अध्यादेश केवल उन्हीं विषयों पर जारी किया जा सकता है, जिन पर कानून बनाने की शक्ति राज्य विधानमंडल के पास है।
- जब राज्यपाल किसी विधेयक को अपनी सिफारिशों के साथ विधानमंडल को पुनर्विचार के लिये वापस भेजता है तो यह निलंबनकारी वीटो कहलाता है।
- अनुच्छेद 164 (1) के अनुसार, मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल करेगा और अन्य मंत्रियों की नियुक्ति राज्यपाल, मुख्यमंत्री की सलाह पर करेगा।
- भारत के प्रथम महिला मुख्यमंत्री सुचेता कृपलानी थी।
- संविधान में राज्य मंत्रिपरिषद को सामूहिक रूप से विधानसभा के प्रति उत्तरदायी बनाया गया है। जबकि केंद्रीय मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति जवाबदेह होता है।
- मुख्यमंत्री राज्य योजना बोर्ड के अध्यक्ष तथा क्षेत्रीय परिषद के उपाध्यक्ष की भूमिका निर्वहन करते हैं।
- कोई मंत्री जो निरंतर 6 माह की किसी अवधि तक राज्य के विधानमंडल का सदस्य नहीं है, तो उस अवधि की समाप्ति के बाद वह मंत्री नहीं रहेगा।
- कैबिनेट या मंत्रिमंडल मंत्रिपरिषद् का एक छोटा मुख्य समूह होता है, जिसमें केवल कैबिनेट मंत्री सम्मिलित होते हैं।
- महाधिवक्ता राज्य सरकार की तरफ से उच्चतम न्यायालय तथा अन्य न्यायालयों में उपस्थित होता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री कौन थे?
(A) श्रीकृष्ण सिंह (B) सत्यपाल मलिक
(C) नीतिश कुमार (D) राबड़ी देवी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
66th BPSC (Pre)

2. किसी राज्य का राज्यपाल नियुक्ति किया जाता है–
(A) प्रधानमंत्री द्वारा
(B) भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा
(C) राष्ट्रपति द्वारा
(D) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
64th BPSC (Pre)

3. राज्य सरकारों का सवैधानिक प्रमुख कौन होता है?
(A) मुख्यमंत्री
(B) राज्यपाल
(C) अध्यक्ष
(D) उच्च न्यायालय का न्यायाधीश
53–55th BPSC (Pre)

4. जम्मू एवं कश्मीर के राज्यपाल की नियुक्ति कौन करती है?
(A) जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री
(B) जम्मू एवं कश्मीर उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(C) भारत का प्रधानमंत्री
(D) भारत का राष्ट्रपति
47th BPSC (Pre.)

5. कानूनी विषयों पर राज्य सरकार को कौन परामर्श देता है?
(A) महान्यायवादी
(B) एडवोकेट जनरल
(C) महान्यायाभिकर्ता
(D) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
45th BPSC (Pre)

6. राज्य सरकार का कार्यकारी प्रमुख कौन होता है?
(A) मुख्यमंत्री (B) राज्यपाल
(C) मुख्यमंत्री के सचिव (D) मुख्य सचिव
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
Bihar CDPO (Pre.), 2017

7. भारत में प्रथम महिला मुख्यमंत्री थीं-
(A) नंदिनी सत्पती (B) सुचेता कृपलानी
(C) मायावती (D) शीला दीक्षित
BSSC – CGL (Mains), 2011

8. ऐसा प्रथम इंजीनियरी स्नातक जो किसी राज्य का दो बार मुख्यमंत्री रहा हो, संबंधित है-
(A) उत्तर प्रदेश से (B) बिहार से
(C) झारखंड से (D) गुजरात
BSSC-CGL (Pre.), 2011

9. मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से किस के प्रति जवाबदेह है?
(A) लोकसभा (B) संसद
(C) राज्यसभा (D) राष्ट्रपति
Bihar ESI (Pre.), 2018

10. राज्य महाधिवक्ता व राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति कौन करता है?
(A) मुख्यमंत्री (B) राज्यपाल
(C) मुख्य न्यायाधीश (D) विधानसभा अध्यक्ष
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

11. संविधान संशोधन (91वाँ) अधिनियम, 2003 के अनुसार राज्य मंत्रिपरिषद् की अधिकतम संख्या क्या होनी चाहिये?
(A) विधानसभा के कुल सदस्यों का 20%
(B) विधानसभा के कुल सदस्यों का 15%
(C) विधानसभा के कुल सदस्यों का 12%
(D) विधानसभा के कुल सदस्यों का 10%
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

12. राज्य मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से उत्तरदायी है-
(A) विधानसभा के प्रति (B) मुख्यमंत्री के प्रति
(C) राज्यपाल के प्रति (D) लोकसभा के प्रति
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

ANSWER KEY

01. (A)	02. (C)	03. (B)	04. (D)	05. (B)
06. (B)	07. (B)	08. (B)	09. (A)	10. (B)
11. (B)	12. (A)			

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

01. भारत में राज्य की राजनीति में राज्यपाल की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये, विशेष रूप से बिहार के संदर्भ में। क्या वह केवल एक कठपुतली है?
66th BPSC (Mains)

02. बिहार की राजनीति में राज्यपाल की शक्तियों तथा वास्तविक स्थिति का वर्णन कीजिये। **60–62nd BPSC (Mains)**

03. राज्यपाल की शक्ति और कार्यों तथा इनकी बिहार में भूमिका का वर्णन कीजिये। **53–55th BPSC (Mains)**

04. राज्य के मुख्यमंत्री की नियुक्ति का वर्णन करें।

05. राज्यपाल एवं राष्ट्रपति की शक्तियों की तुलना कीजिये।

06. भारत में किसी राज्य के राज्यपाल की शक्तियों तथा उसकी स्थिति का परीक्षण कीजिये।

07. मुख्यमंत्री की नियुक्ति के संबंध में राज्यपाल की शक्तियों का वर्णन कीजिये। किन परिस्थितियों में राज्यपाल अपने विवेक से मुख्यमंत्री को नियुक्ति कर सकता है?

Note:

10. विधानमंडल (Legislature)

- **अनुच्छेद 168** – इसमें विधानमंडल की चर्चा है।
- विधानमंडल राज्य के कानून बनाने की संस्था है।
- **विधान मंडल के तीन अंग होते हैं–**
  (i) विधान सभा (Legislative Assembly)
  (ii) विधान परिषद् (Legislative Council)
  (iii) राज्यपाल (Governor)
- **विधानमंडल के दो सदन होते हैं–**
  (i) विधानसभा (Legislative Assembly)
  (ii) विधान परिषद् (Legislative Council)
- **अनुच्छेद 169** – इसमें विधान परिषद् के सृजन (निर्माण) की चर्चा है। जिन राज्यों को विधान परिषद् का निर्माण करना है। वहाँ की विधान सभा इसका प्रस्ताव 2/3 बहुमत से पारित करके संसद को भेजेगी और संसद के अनुमोदन के बाद उस राज्य में विधान परिषद् बना दिया जाएगा।
- **अनुच्छेद 170** – इसमें विधानसभा की चर्चा है। विधानसभा भंग हो सकता है अर्थात् इसे अस्थायी या निम्न सदन कहते हैं। इसके बहुमत दल के नेता को मुख्यमंत्री बनाया जाता है अत: इसे प्रथम सदन कहते हैं।
- इसका चुनाव जनता प्रत्यक्ष रूप से करती है अत: इसे प्रत्यक्ष सदन कहते हैं। इसका सदस्य बनने के लिए न्यूनतम 25 वर्ष आयु होना चाहिए अत: इसे युवाओं का सदन कहते हैं।

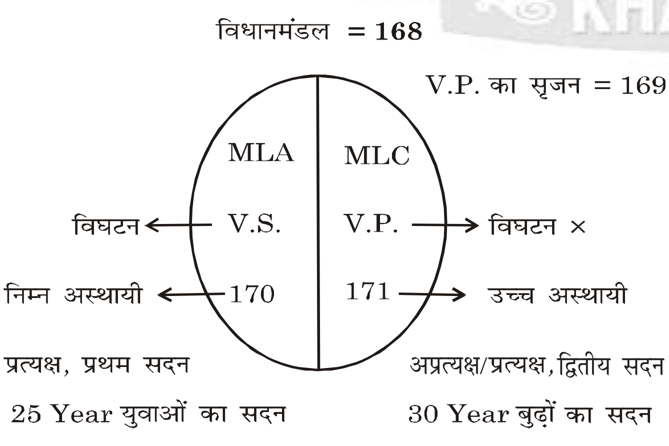

- विधानसभा में अधिकतम सीटों की संख्या 500 तथा न्यूनतम सीटों की संख्या 60 होती है।

राज्य	सदस्य संख्या	राज्य	सदस्य संख्या
आंध्र प्रदेश	175	महाराष्ट्र	288
तेलंगाना	119	मणिपुर	60
अरुणाचल प्रदेश	60	मेघालय	60
असम	126	मिज़ोरम	40
बिहार	243	नागालैंड	60
छत्तीसगढ़	90	ओडिशा	147
गोवा	40	पंजाब	117
गुजरात	182	राजस्थान	200
हरियाणा	90	सिक्किम	32
हिमाचल प्रदेश	68	तमिलनाडु	234
झारखंड	81	त्रिपुरा	60
कर्नाटक	221	उत्तराखंड	70
केरल	140	उत्तर प्रदेश	403
मध्य प्रदेश	230	पश्चिम बंगाल	294

केंद्रशासित प्रदेश	विधानसभा की सदस्य संख्या
दिल्ली	70
पुदुच्चेरी	30
जम्मू-कश्मीर	114 (संभावित)

Note :– अभी तक जम्मू-कश्मीर में कुल 111 विधानसभा सीटें हैं जिनमें से 87 जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की हैं जबकि बाकी 24 सीटें POK के नाम पर हैं। जम्मू-कश्मीर से लद्दाख को अलग केंद्रशासित प्रदेश बनाने के बाद लद्दाख के तहत आने वाली चार विधानसभा सीटें हट जाएंगी जिसके बाद जम्मू-कश्मीर में कुल 107 सीटें बचेंगी। चूँकि जम्मू-कश्मीर (विधानसभा वाला) केंद्रशासित प्रदेश बनचुका है इसलिये इसके विधानसभा और संसदीय सीटों का परिसीमन भी होगा। ऐसे में जम्मू-कश्मीर में 7 विधानसभा सीटों का इजाफा होगा। इस तरह जम्मू-कश्मीर विधानसभा में कुल 114 सीटें होंगी। इनमें से पाक अधिकृत कश्मीर के हिस्से की 24 सीटें रिक्त रहेंगी और 90 सीटों पर चुनाव होंगे।

➢ **अनुच्छेद 171 – विधान परिषद (Legislative Council)–** इसका विघटन (भंग) नहीं हो सकता है अत: इसे उच्च सदन कहते हैं। इसका चुनाव जनता अप्रत्यक्ष रूप से करते हैं अत: इसे अप्रत्यक्ष सदन कहते हैं।

☞ इसके बहुमत दल के नेता को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जा सकता अत: इसे द्वितीय सदन कहते हैं।

☞ इसका सदस्य बनने के लिए कम-से-कम 30 वर्ष आयु होना चाहिए अत: इन्हें बुढ़ों की सदन कहते हैं।

☞ इसकी अधिकतम संख्या विधानसभा के 1/3 होती है। न्युनतम 40 स्थान हो सकता है।

☞ **इनके सदस्यों का चुनाव 5 श्रेणियों द्वारा होता है–**

(i) 1/3 सदस्य को विधानसभा चुनती है।
(ii) 1/3 सदस्य को स्थानीय निकाय (पंचायत) के सदस्य चुनते हैं।
(iii) 1/6 सदस्य को राज्यपाल मनोनीत करते है।
(iv) 1/12 सदस्य को माध्यमिक शिक्षा के परिषद् के सदस्य (शिक्षक) चुनते है।
(v) 1/12 सदस्य को 3 साल पूर्व स्नातक पास हो चुके विद्यार्थी चुनते हैं।

Bihar V.P. = 75 सीट				
1/3	1/3	1/6	1/12	1/12
V.S.	स्थानीय निकाय	राज्यपाल	शिक्षक	स्नातक पास
25	25	13	6	6

Note :–

1. वर्तमान में 6 राज्यों (बिहार, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश तथा तेलंगाना) में विधान परिषद् है।
2. जम्मू कश्मीर राज्य पुर्नगठन अधिनियम 2019 के लागू हो जाने से (31 अक्टूबर, 2019) के बाद जम्मू कश्मीर की विधान परिषद् समाप्त कर दी गई।

Remark :– विधान सभा के सदस्य को Member of Legislative Assembly (MLA) कहते है तथा विधान परिषद् के सदस्य को Member of Legislative Council (MLC) कहते हैं।

विधान मंडल

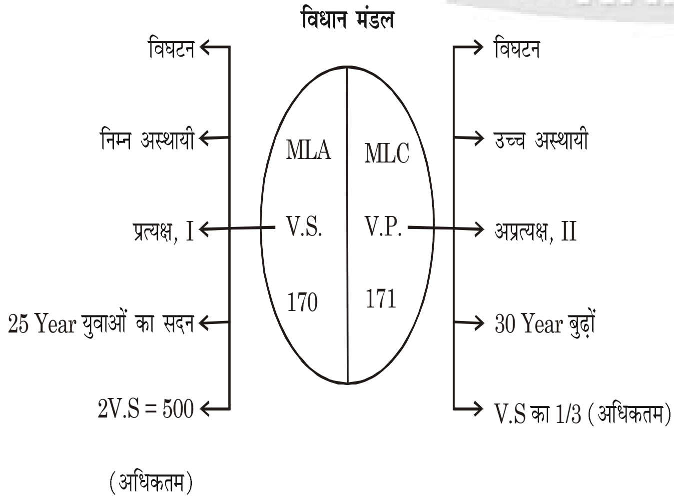

➢ **अनुच्छेद 172 – सदनों की अवधि–** विधान परिषद् एक स्थायी सदन है इसके सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष होता है, जबकि विधानसभा के सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है।

➢ **अनुच्छेद 173 –**

☞ इसमें विधानमंडल के सदस्यों की योग्यता है–

1. वह भारत का नागरिक हो।
2. पागल दिवालिया न हो।
3. किसी लाभ के पद पर न हो।
4. विधानसभा के लिए न्यूनतम 25 वर्ष तथा विधान परिषद् के लिए 30 वर्ष आयु हो।

➢ **अनुच्छेद 178 –** इसमें विधानसभा के अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष की चर्चा है, इन्हें विधानसभा के सदस्य चुनते हैं और विधानसभा के सदस्य ही प्रस्ताव पारित करके हटा सकते हैं।

➢ **अनुच्छेद 182 –** इसमें विधान परिषद् को सभापति तथा उपसभापति की चर्चा है।

☞ विधान परिषद् के सभापति तथा उपसभापति को विधान परिषद् के सदस्य चुनते हैं और वे ही प्रस्ताव पारित करके हटाते है।

☞ विधान परिषद् का सभापति उपराज्यपाल नहीं होता है।

➢ **अनुच्छेद 202 – राज्य का बजट**

➢ **अनुच्छेद 213 – राज्यपाल का अध्यादेश**

☞ राज्यपाल का अध्यादेश राज्य के मंत्रीमंडल के सिफारिश पर आता है। इसकी अधिकतम अवधि 6 महीने होती है। किंतु सत्र प्रारंभ हो जाने पर मात्र 42 दिन के रह जाते हैं।

स्मरणीय तथ्य

❖ अनुच्छेद 168 के अनुसार, प्रत्येक राज्य के लिये एक विधानमंडल होगा, जो राज्यपाल और एक या दो सदनों से मिलकर बनेगा।

❖ वर्तमान में 6 राज्यों में विधानपरिषद है।

❖ विधानपरिषद एक-तिहाई सदस्य प्रत्येक दूसरे वर्ष सेवानिवृत्त होते रहते हैं।

❖ किसी राज्य की विधानसभा में अधिकतम 500 तथा न्यूनतम 60 सदस्य हो सकते हैं।

❖ विधानपरिषद के कुल सदस्यों की संख्या उस राज्य की विधानसभा के सदस्यों की कुल संख्या के एक-तिहाई से अधिक नहीं होनी चाहिये।

❖ 84वें संविधान संशोधन, 2001 के तहत विधानमंडलों के सदस्यों की संख्या में वर्ष 2026 तक कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकता है।

❖ अनुच्छेद-170 में राज्य की विधानसभाओं के निर्वाचन का प्रावधान शामिल है।

❖ कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, इस पर अंतिम निर्णय विधानसभा अध्यक्ष द्वारा लिया जाता है।

❖ विधानसभा सदस्य बनने के लिये कम-से-कम 25 वर्ष की आयु तथा विधानपरिषद के लिये 30 वर्ष की आयु पूर्ण होना चाहिये।

❖ विधानपरिषद किसी धन विधेयक को अधिकतम 14 दिनों तक रोककर रख सकती है।

❖ राज्य विधायिका के संबंध में धन विधेयक संबंधी प्रक्रिया के प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 198 में वर्णित हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. राज्य विधान परिषद के सदस्य निम्नलिखित में से किस श्रेणी से नहीं चुने जाते?
(A) स्थानीय निकायों/पंचायतों के सदस्य
(B) शिक्षक
(C) स्नातक
(D) उद्योगपति
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre.) 2022

2. निम्नलिखित भारतीय राज्यों में से किसकी राज्य विधानसभा में सदस्यों की संख्या अधिक है?
(A) अरुणाचल प्रदेश (B) हिमाचल प्रदेश
(C) मणिपुर (D) मेघालय
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
65th BPSC (Pre.)

3. भारत में राज्य विधानपालिकाओं का उच्च सदन कौन-सास है?
(A) विधानपालिका परिषद (B) विधानपालिका समिति
(C) राज्यपाल का कार्यकाल (D) इनमें से कोई नहीं
44th BPSC (Pre.)

4. यदि किसी राज्य की विधानसभा का अध्यक्ष (स्पीकर) पद त्यागना चाहे तो उसे अपना त्यागपत्र देना चाहिये–
(A) मुख्यमंत्री को (B) राज्यपाल को
(C) उपाध्यक्ष को (D) भारत के राष्ट्रपति को
40th BPSC (Pre.)

5. किसी राज्य में विधानपरिषद की संरचना अथवा विघटन किया जा सकता है–
(A) उस राज्य की विधानसभा द्वारा
(B) केंद्रीय संसद द्वारा
(C) केंद्रीय संसद द्वारा राज्यपाल की अनुशंसा पर
(D) राष्ट्रपति द्वारा राज्यपाल की अनुशंसा पर
40th BPSC (Pre.)

6. निम्नलिखित राज्यों में कहाँ विधानपरिषद है?
1. केरल 2. हिमाचल प्रदेश
3. दिल्ली 4. बिहार
अपने उत्तर का चयन निम्नांकित कूटों से करें–
(A) 1 एवं 4 (B) 1 एवं 2
(C) 2 एवं 3 (D) केवल 4
40th BPSC (Pre.)

7. भारतीय संविधान के निम्नांकित अनुच्छेदों में कौन राज्य की विधानसभाओं के निर्वाचन का प्रावधान प्रस्तुत करता है?
(A) अनुच्छेद 170 (B) अनुच्छेद 176
(C) अनुच्छेद 178 (D) उपर्युक्त में कोई नहीं
40th BPSC (Pre.)

8. बिहार का वर्तमान (2022 ई.) मुख्य सचिव (Chief Secretary) कौन है?
(A) आमिर सुबहानी (B) सुजाता चतुर्वेदी
(C) आर.एस. पासवान (D) इनमें से कोई नहीं
Bihar CDPO (Pre.) 2022

9. बिहार का मुख्यमंत्री निम्नलिखित में से कौन नहीं रहा है?
(A) नीतिश कुमार (B) राबड़ी देवी
(C) रामविलास पासवान (D) कर्पूरी ठाकुर
Bihar CDPO (Pre.) 2005

10. निम्न में से किस राज्य में विधानमंडल का ऊपरी सदन या विधान परिषद नहीं है?
(A) महाराष्ट्र (B) उत्तर प्रदेश
(C) पश्चिम बंगाल (D) बिहार
BSSC-CGL (Pre.) 2014

11. सामान्यतया विधानमंडल के ऊपरी सदन के सदस्यों की कुल संख्या निचले सदन की कुल संख्या की–
(A) एक-चौथाई होनी चाहिये (B) एक-तिहाई होनी चाहिये
(C) $\frac{1}{5}$ होनी चाहिये (D) आधी होनी चाहिये
BSSC-CGL (Pre.) 2014

12. भारत के किस राज्य में द्विसदनीय व्यवस्थापिका नहीं है?
(A) बिहार (B) उत्तर प्रदेश
(C) पंजाब (D) तेलंगाना

13. भारतीय संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेदों में से किस एक के अंतर्गत विधानपरिषद की स्थापना या समाप्ति की व्यवस्था की गई है?
(A) अनुच्छेद 168 (B) अनुच्छेद 169
(C) अनुच्छेद 170 (D) अनुच्छेद 171
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

14. राज्य विधानमंडल में प्रस्तुत किये जाने वाले धन विधेयक का वर्णन संविधान के किस अनुच्छेद में है?
(A) अनुच्छेद 199 (B) अनुच्छेद 202
(C) अनुच्छेद 210 (D) अनुच्छेद 212
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

ANSWER KEY

01. (D)	02. (B)	03. (A)	04. (C)	05. (B)
06. (D)	07. (A)	08. (A)	09. (C)	10. (C)
11. (B)	12. (C)	13. (B)	14. (A)	

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

1. राज्य की विभिन्न प्रकार की निधियों का वर्णन कीजिये, साथ ही इसके उपयोग से संबंधित विधायी प्रावधानों को भी बताइये।

2. विधान परिषद से आप क्या समझते हैं? इसके संगठन और उपयोगिता का स्पष्ट कीजिये।

11. उच्च न्यायालय (High Court)

- ☞ सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था USA से लिया गया है जबकि भारत में पहली बार High Court की स्थापना 1861 के अधिनियम के द्वारा 1862 में कलकत्ता, बंबई तथा मद्रास में खोला गया।
- ☞ H.C. का वर्तमान स्वरूप भारत शासन अधिनियम 1935 से लिया गया है।
- ✶ **अनुच्छेद 214** – इसमें H.C. के गठन की चर्चा है।
  कुल संख्या = 25
- ☞ प्रत्येक राज्य का एक उच्च न्यायालय होगा यदि राज्य बहुत बड़ा है तो राज्य में उस उच्च न्यायालय के खण्डपीठ (Branch) खोले जाएंगे। (UP = लखनऊ + इलाहाबाद)
- ☞ कई छोटे-छोटे राज्यों का एक संयुक्त उच्च न्यायालय भी हो सकता है।
  Ex.:– गुवाहाटी
- ☞ सर्वाधिक जज इलाहाबाद उच्च न्यायालय में है– 160 जज, जबकि सर्वाधिक राज्यों का क्षेत्राधिकारी गुवाहाटी उच्च न्यायालय का है।
- ☞ उच्च न्यायालय में जजों के संख्या वृद्धि का अधिकार राष्ट्रपति को है। जबकि, सर्वोच्च न्यायालय में जजों की संख्या वृद्धि का अधिकार संसद को है।
- ☞ उच्च न्यायालय में जज बनने के लिए DC में 10 साल वकील या 5 साल जज होना चाहिए साथ ही राष्ट्रपति के नजर में कानून का अच्छा जानकार होना चाहिए।
- ☞ उच्च न्यायालय में जजों की नियुक्ति संबंधि सिफारिश SC का मुख्य न्यायाधीश तथा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं राज्यपाल मिलकर "राष्ट्रपति" से करते हैं।
- ☞ HC के जज को शपथ राज्यपाल दिलाते हैं किंतु HC का जज अपना त्याग-पत्र राष्ट्रपति को देते हैं।
- ☞ यह 62 वर्ष की आयु तक अपने पद पर रहते हैं, इससे पहले भी इन्हें संसद के महाभियोग द्वारा हटाया जा सकता है।
  Remark :– SC के जज रामा स्वामी के विरुद्ध संसद में महाभियोग चला जबकि पंजाब, हरियाणा HC के जज रंगा स्वामी के विरुद्ध महाभियोग चला किंतु ये दोनों महाभियोग पारित न हो पाया।
- ☞ SC के जजों को वेतन केन्द्रीय संचित निधि से जबकि HC तथा DC के जजों का वेतन राज्य के संचित निधि से दिया जाता है।
- ✶ **अनुच्छेद 226** – अनुच्छेद 226 के तहत HC भी 5 प्रकार की रीट जारी कर सकती है।
- ☞ DC के मुकदमें की अपील HC में की जा सकती है किंतु Direct मुकदमा HC में नहीं होता है।
- ☞ कुछ मुकदमे जो सीधे HC में जा सकते हैं–
  (i) MP तथा MLA का विवाद
  (ii) कंपनी विवाद
  (iii) विवाह तथा तलाक
  (iv) वसीयत (उत्तराधिकार) का मामला
  (v) मूल अधिकार का मामला
  (vi) कर्मचारियों की संविधानिक स्थिति की जाँच
  (vii) जनहीत याचिका (PIL)
- ☞ भारत में कुल 25 HC है दिल्ली एक मात्र केन्द्रशासित प्रदेश है जिसका अपना HC है।

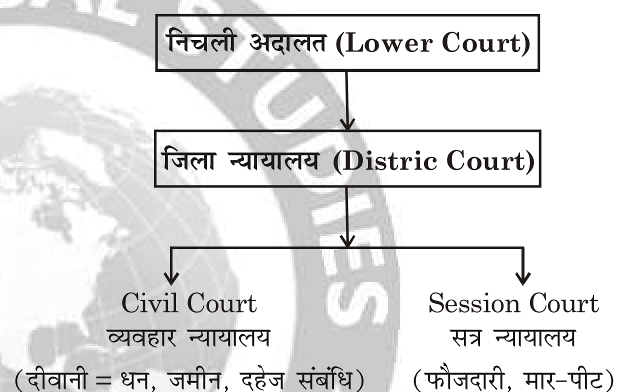

- ☞ District Court की चर्चा अनुच्छेद 233 में है। इसका जज बनने के लिए राज्य न्यायिक सेवा की परीक्षा देनी होती है। या HC के मुख्य न्यायाधीश के सलाह पर राज्यपाल नियुक्त कर देते हैं।
- ☞ दीवानी मुकदा धन या जमीन से संबंधित मुकदमा दीवानी मुकमदा कहलाती है। इसे Civil Court (व्यवहार न्यायालय) में सुलझाया जाता है।
  Ex.:– जमीन विवाद, दहेज, वसीयत etc.
- ☞ जब सरकार का पैसा लूट लिया जाता है, तो उसे राजस्व कहा जाता है। यह भी एक प्रकार का दीवानी मुकदमा ही है।
  Ex.:– बिजली बिल, Tax चोरी, गाड़ियों पर चलान etc.
- ☞ **फौजदारी मुकदमा**– मारपीट से संबंधित मुकदमा को फौजदारी मुकदमा कहते हैं। इसे Sesson Court (सत्र न्यायालय) में सुलझाया जाता है।
  Ex.:– हत्या, डकैती, लूट, धमकी, अपहरण, Rape etc.
- ☞ **लोक अदालत (1986)**– इस अदालत में मुकदमें पर फैसले नहीं सुनाया जाता है, बल्कि आपस में समझौता करा दिया जाता है। लोक अदालत के समझौते के विरुद्ध SC या HC में अपील नहीं हो सकता।
- ☞ **Family Court (परिवार न्यायालय)**– इसकी स्थापना 1984 में हुई। इसमें छोटे-मोटे पारिवारिक मुद्दे आते हैं।
  Ex.:– सास-बहु विवाद इत्यादि।

- **Public Interest Litigation (जनहित याचिका)–** PIL
- इसकी शुरुआत 1980 में अमेरिका से हुई।
- भारत में यह 1986 से प्रारंभ हुआ। उस समय मुख्य न्यायाधीश P.N. भगवती थे।
- PIL केवल SC या HC में ही किया जा सकता है।
  Ex.:– वैज्ञानिकों का वेतन वृद्धि मुकदमा।
- **Fast Track Court–** लम्बित अपराधिक मामलों को शीघ्र निपटाने हेतु 11वें वित्त आयोग के सिफारिश पर Fast Track Court का गठन किया गया।
- **Mobile Court (मोबाइल अदालत)–** मोबाइल अदालत की जनक भूतपूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम है। इनके अनुसार अदालत स्वयं जनता के पास पहुँचे ताकि जनता को न्यायप्राप्ति के लिए धन व समय खर्च न करना पड़े। इस व्यवस्था को 'पहिए पर न्याय' के नाम से जाना जाता है।

Note :– मोबाइल अदालत का प्रयोग 2007 में हरियाणा के मेवात जिले में किया गया।

उच्च न्यायालय (High Court)

क्र.सं.	न्यायालय का नाम	क्षेत्राधिकार	स्थापना
1.	कोलकाता उच्च न्यायालय (कोलकाता)	पश्चिम बंगाल, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह	1862
2.	मुम्बई उच्च न्यायालय (मुम्बई)	महाराष्ट्र, दादरनगर हवेली दमनद्वीप, गोवा (खण्डपीठ नागपुर, पणजी औरंगाबाद)	1862
3.	मद्रास उच्च न्यायालय (चेन्नई)	तमिलनाडु, पांडुचेरी	1862
4.	इलाहाबाद उच्च न्यायालय (इलाहाबाद)	उत्तर प्रदेश (बेंच लखनऊ)	1866
5.	कर्नाटक उच्च न्यायालय (बैंगलोर)	कर्नाटक	1884
6.	पटना उच्च न्यायालय (पटना)	बिहार	1916
7.	जम्मु कश्मीर उच्च न्यायालय (श्रीनगर)	जम्मु कश्मीर, लद्दाख	1928
8.	गुवाहाटी उच्च न्यायालय (असम)	असम, नागालैंड, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश (खण्डपीठ कोहिमा, आइजोल, ईटानगर	1948
9.	ओड़िसा उच्च न्यायालय (कटक)	ओड़िसा	1948
10.	राजस्थान उच्च न्यायालय (जोधपुर)	राजस्थान (वेंप जयपुर)	1949
11	मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय (जबलपुर)	मध्यप्रदेश (बेंच ग्वालियर और इंदौर)	1956
12.	केरल उच्च न्यायालय (ऐरणाकूलम)	केरल और लक्ष्यद्वीप	1958
13.	गुजरात उच्च न्यायालय (अहमदाबाद)	गुजरात	1960
14.	दिल्ली उच्च न्यायालय (दिल्ली)	दिल्ली	1966
15.	हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय (शिमला)	हिमाचलप्रदेश	1971
16.	चंडीगढ़ उच्च न्यायालय (चंडीगढ़)	पंजाब, हरियाणा और चण्डीगढ़	1975
17.	सिक्किम उच्च न्यायालय (गैंगटोक)	सिक्किम	1975
18.	छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय (विलासपुर)	छत्तीसगढ़	2000
19.	उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय (नैनीताल)	उत्तराखण्ड	2000
20.	झारखण्ड उच्च न्यायालय (राँची)	झारखण्ड	2000
21.	त्रिपुरा उच्च न्यायालय (अगरत्तल्ला)	त्रिपुरा	2013
22.	मणिपुर उच्च न्यायालय (इम्फाल)	मणिपुर	2013
23.	मेघालय उच्च न्यायालय (शिलाँग)	मेघालय	2013
24.	आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय (अमरावती)	आंध्रप्रदेश	2019
25.	तेलंगाना उच्च न्यायालय (हैदराबाद)	तेलंगाना	2019

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की वर्तमान स्वीकृत संख्या है–
(A) 20 (B) 25
(C) 30 (D) 34

2. सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश अपना पद त्याग सकता है, पत्र लिखकर–
(A) मुख्य न्यायाधीश को (B) राष्ट्रपति को
(C) प्रधानमंत्री को (D) विधि मंत्री को

3. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति की जाती है, राष्ट्रपति के द्वारा–
(A) राज्य सभा द्वारा अनुमोदित किए जाने पर
(B) लोक सभा की सलाह से
(C) प्रधानमंत्री की सलाह पर
(D) सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के साथ

4. भारत में उच्चतमक न्यायालय का उद्‌घाटन किस तिथि में हुआ था?
(A) 27 जनवरी, 1950 (B) 28 जनवरी, 1950
(C) 29 जनवरी, 1950 (D) 30 जनवरी, 1950

5. सर्वोच्च न्यायालय में सेवानिवृति की आयु है–
(A) 62 वर्ष (B) 63 वर्ष
(C) 64 वर्ष (D) 65 वर्ष

6. संविधान की व्याख्या करने का अंतिम अधिकार किसे है?
(A) राष्ट्रपति
(B) अटर्सनी जनरल ऑफ इंडिया
(C) लोक सभा अध्यक्ष
(D) सर्वोच्च न्यायालय

7. उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों का वेतन निर्धारण किया जाता है–
(A) राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त वेतन आयोग द्वारा
(B) विधि आयोग द्वारा
(C) संसद द्वारा
(D) मंत्रिपरिषद् द्वारा

8. सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए व्यक्ति को कम-से-कम कितने वर्ष उच्च न्यायालय का एडवोकेट होना चाहिए?
(A) 20 (B) 10
(C) 8 (D) 25

9. भारत के सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना हुई थी–
(A) 1950 में ससंद के एक अधिनियम द्वारा
(B) भारतीय स्वाधीनता अधिनियम, 1947 के अधीन
(C) भारत सरकार के अधिनियम, 1953 के अधीन
(D) भारतीय संविधान के द्वारा

10. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश .... के बाद भारत के राष्ट्रपति द्वारा हटाए जा सकते हैं।
(A) सी.बी.आई. की जांच
(B) भारत के मुख्य न्यायाधीश की जांच
(C) भारत की बार काउन्सिल की रिपोर्ट पर
(D) संसद में महाभियोग प्रस्ताव पारित होने

11. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के तहत सर्वोच्च न्यायालय, भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा करता है?
(A) 74 (B) 56
(C) 16 (D) 32

12. उच्चतम न्यायालय से कानूनी मामलों पर किसको परामर्श लेने का अधिकार है?
(A) प्रधानमंत्री को
(B) राष्ट्रपति को
(C) किसी भी उच्च न्यायालय को
(D) (B) और (C) दोनों

13. किस कानून के अंतर्गत यह निहित है कि भारत के उच्चतम न्यायालय की संपूर्ण कार्यवाही अंग्रेजी भाषा में होगी?
(A) उच्चतम न्यायालय कानून, 1966 द्वारा
(B) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 145 द्वारा
(C) संसद द्वारा बनाए गए विधेयक द्वारा
(D) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 348 द्वारा

14. जनहित याचिका की शुरूआत किसके द्वारा की गई?
(A) संसदीय एक्ट के द्वारा
(B) संवैधानिक पहल द्वारा
(C) न्यायिक पहल द्वारा
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

15. लोकहित वाद (मुकदमें) की संकल्पना का उद्‌गम देश है–
(A) ऑस्ट्रेलिया (B) भारत
(C) यू.एस.ए. (D) यू.के.

16. उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति का सेवानिवृत्ति की आयु है–
(A) 65 (B) 60
(C) 62 (D) 58

17. निम्न में से कौन-सी एक याचिका अधीनस्थ न्यायालयों की कार्यपद्धति का परीक्षण करती है?
(A) अधिकार पृच्छा (B) परमादेश
(C) उत्प्रेषण (D) बंदी प्रत्यक्षकीरण

18. उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन और भत्ते दिए जाते हैं–
(A) भारत के समेकित निधि से
(B) राज्य के समेकित निधि से
(C) भारत की आकस्मिकता निधि से
(D) राज्य की आकस्मिकता निधि से

19. निम्न में से कौन एक रिट न्यायालय में कार्यवाही लंबित होने की दशा में लागू की जाती है?
(A) परमादेश (B) उत्प्रेषण
(C) प्रतिषेध (प्रोहिबिशन) (D) अधिकार पृच्छा

20. उच्च न्यायालय की परमादेश जारी करने की शक्ति के अंतर्गत आते हैं–
(A) संवैधानिक अधिकार (B) सांविधिक अधिकार
(C) मौलिक अधिकार (D) उपरोक्त सभी अधिकार

21. एक उच्च न्यायालय का न्यायाधीश अपना त्यागपत्र संबोधित करता है–
(A) राष्ट्रपति
(B) भारत के मुख्य न्यायाधीश
(C) उसके राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(D) राज्य के राज्यपाल

22. भारत में चलित न्यायालय (Mobile Court) इसका मानसपुत्र है–
(A) न्यायमूति भगवती
(B) श्री राजीव गांधी
(C) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
(D) श्रीमती प्रतिभा पाटिल

23. भारत के सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के संबंध में निम्न में से क्या सही है?
(A) सर्वोच्च न्यायालय को अपने निर्णय को परिवर्तित करने का अधिकार है।
(B) सर्वोच्च न्यायालय को अपने निर्णय को परिवर्तित करने का अधिकार नहीं है।
(C) केवल भारत के मुख्य न्यायाधीश को निर्णय परिवर्तित करने का अधिकार है।
(D) केवल विधि मंत्रालय का निर्णय परिवर्तित करने का अधि कार है।

24. भारत में 'न्यायिका सक्रियता' संबंधित है–
(A) प्रतिबद्ध न्यायपालिका से (B) जनहित याचिका से
(C) न्यायिक पुनरावलोकन से (D) न्यायिक स्वतंत्रता से

25. सितंबर, 2003 में न्यायालय के एक निर्णय से भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति प्रतिष्ठित हुई। वह न्यायालय है–
(A) भारत का सर्वोच्च न्यायालय
(B) लोकल कोर्ट
(C) विशेष न्यायालय
(D) यू.पी. का उच्च न्यायालय

26. किस कानून के अंतर्गत यह विहित है कि भारत के उच्चतम न्यायालय की संपूर्ण कार्यवाही अंग्रेजी भाषा में होगी?
(A) उच्चतम न्यायालय कानून, 1966 द्वारा
(B) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 145 द्वारा
(C) संसद द्वारा बनाए गए विधेयक द्वारा
(D) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 348 द्वारा

27. उच्चतम न्यायालय ने निम्नलिखित में से किस मामले में पाया कि केंद्रीय अन्वेषण शाखा एक 'पिंजराबंद तोता' है?
(A) रेलवे बोर्ड रिश्वत मामले में
(B) विनीत नारायणी बनाम भारत संघ
(C) 2G स्पेक्ट्रम घोटाला वाद
(D) कोयला आवंटन घोटाला वाद

28. भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने किस वर्ष में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम व्यवस्था को अपनाया था?
(A) 1993 (B) 1996
(C) 2004 (D) 2004

29. हाल में नियुक्त सुप्रीम कोर्ट के निम्नलिखित न्यायाधीशों में से कौन इससे पहले किसी उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नहीं था?
(A) डी.वाई. चंद्रचूड़ (B) ए.एम. खनदिलकर
(C) एल. नागेश्वर राव (D) अशोक भूषण

30. 'मैं भारत के संविधान के प्रति सच्चा विश्वास और सच्ची निष्ठा रखूंगा........ भारत की संप्रभुता और अखंडता को बनाए रखूंगा............ अपने पद के कर्त्तव्यों का निर्वहन करूंगा....... संविधान और कानून की रक्षा करूंगा' यह शपथ ली जाती है–
(A) भारत के राष्ट्रपति द्वारा
(B) भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा
(C) संसद के सदस्य द्वारा
(D) राज्यपाल द्वारा

31. निम्नलिखित में से कौन-से मामले उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय की अधिकारिता में आते हैं?
(A) केंद्र एवं राज्यों के बीच विवाद
(B) राज्यों के परस्पर विवाद
(C) मूल अधिकारों का प्रवर्तन
(D) संविधान के उल्लंघन से संरक्षण

32. देश की किसी भी न्यायालय में चल रहे वाद को अन्यत्र भेजने का अधिकार किसके पास है?
(A) राष्ट्रपति (B) सर्वोच्च न्यायालय
(C) उच्च न्यायालय (D) इनमें से कोई नहीं

33. हाल ही में उच्चतम ने प्रवासी पंचाट निर्धारण अधिनियम 1983 को संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत केंद्र के पावन कर्त्तव्य के उल्लंघन पर असंवैधानिक घोषित किया है?
(A) अनुच्छेद 355 (B) अनुच्छेद 356
(C) अनुच्छेद 256 (D) अनुच्छेद 257

34. भारत में 'संविधान की मूल संरचना (बुनियादी ढांचा) के सिद्धांत' का स्रोत है–
(A) संविधान (B) न्यायिक व्याख्या
(C) न्यायविदों के मत (D) संसदीय कानून

35. भारत का सर्वोच्च न्यायालय एक 'अभिलेख न्यायालय' है। इसका आशय है कि–
(A) इसे अपने सभी निर्णयों का अभिलेख रखना होता है।
(B) इसके सभी निर्णयों का साक्ष्यात्मक मूल्य होता है और इस पर किसी भी न्यायालय में प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता है।
(C) इसे अपनी अवमानना करने वालों को दंडित करने की शक्ति है।
(D) इसके निर्णयों के विरुद्ध कोई अपील नहीं की जा सकती।

36. भारत के नीचे दिए गए न्यायालयों में से किसे/किन्हें अभिलेख न्यायालय माना जाता है?
(A) केवल उच्च न्यायालयों को
(B) केवल उच्चतम न्यायालय को
(C) उच्च न्यायालयों एवं उच्चतम न्यायालय को
(D) जनपद न्यायालयों को

ANSWER KEY

01. (D)	02. (B)	03. (D)	04. (B)	05. (D)
06. (D)	07. (C)	08. (B)	09. (A)	10. (D)
11. (D)	12. (D)	13. (D)	14. (C)	15. (C)
16. (C)	17. (C)	18. (B)	19. (B)	20. (C)
21. (A)	22. (C)	23. (A)	24. (B)	25. (A)
26. (D)	27. (D)	28. (A)	29. (C)	30. (B)
31. (C)	32. (B)	33. (A)	34. (B)	35. (B)
36. (C)				

Note:

KHAN GLOBAL STUDIES
Kisan Cold Storage Campus, Musallahpur, Patna-6
KHAN SIR

12. भाग–7–10
(Part– 7-10)

भाग 7 (अनुच्छेद 238)

☞ List -A के राज्य, निरस्त या निरसित (समाप्त)।

भाग 8 (अनुच्छेद 239-242)

➢ **केन्द्रशासित (Union Teritory)–**

☞ केन्द्रशासित प्रदेशों में केन्द्र का सीधा नियंत्रण रहता है। यहाँ के सरकार को समिति शक्तियाँ ही प्राप्त रहती है।

☞ **भारत में कुल 8 केन्द्रशासित प्रदेश है–**

1. जम्मू-कश्मीर (Jammu & Kashmir- J&K)
2. लद्दाख (Laddakh)
3. चंडीगढ़ (Chandigarh)
4. दिल्ली (Delhi / New Delhi)
5. दमन-द्वीप और दादर नगर हवेली (Daman-Diw Island and Dadar & Nagar Haweli)
6. पांडिचेरी (Pondicherry)
7. लक्ष्यद्वीप (Lakshdweep)
8. अण्डमान-निकोबार (Andman & Nicobar Island)

☞ दिल्ली तथा जम्मु कश्मीर केन्द्रशासित प्रदेश है, जिसका अपना H.C. है। केन्द्रशासित प्रदेश में दिल्ली की जनसंख्या सर्वाधिक है।

☞ सबसे बड़ा केन्द्रशासित प्रदेश लद्दाख है।

☞ **चार केन्द्रशासित प्रदेश समुद्र के किनारे हैं–**

1. दमन-द्वीप, 2. पांडिचेरी,
3. लक्ष्य द्वीप एवं 4. अण्डमान निकोबार।

☞ तीन ऐसे केन्द्रशासित प्रदेश हैं जहाँ विधानसभा है, जिस कारण मुख्यमंत्री बैठते हैं। उनपर नियंत्रण उपराज्यपाल का होता है।

1. जम्मू कश्मीर, 2. दिल्ली एवं
3. पांडिचेरी।

Remarks :– जिस केन्द्रशासित प्रदेश की जनसंख्या अधिक होती है, वहाँ विधानसभा, मुख्यमंत्री तथा उपराज्यपाल तीनों होते हैं, जबकि कम जनसंख्या वाले केन्द्रशासित प्रदेश में प्रशासक होते हैं।

☞ **केन्द्रशासित प्रदेश बनाये जाने के कारण–**

I. अत्यधिक दूर हो।

Ex.:– (i) अण्डमान निकोबार, (ii) लक्ष्यद्वीप।

II. बहुत छोटा हो।

Ex.:– (i) दादर/नगर हवेली, (ii) दमन और द्वीप।

III. संस्कृति अलग हो।

Ex.:– पांडिचेरी

IV. विवादित हो।

Ex.:–चण्डीगढ़

V. राष्ट्रीय महत्व का हो।

Ex.:– (i) दिल्ली, (ii) जम्मू-कश्मीर एवं (iii) लद्दाख।

भाग 9 (अनुच्छेद 243-243 (क-ण)

➢ **पंचायत–**

☞ 1952 में जवाहरलाल नेहरू ने सामुदायिक विकास कार्यक्रम प्रारंभ किया।

☞ 1953 में राष्ट्रीय विस्तार सेवा प्रारंभ किया गया।

☞ इन दोनों ही कार्यक्रम की जाँच के लिए 1957 बलवंत राय मेहता (BRM) समिति का गठन कियागया।

☞ इसी समिति के शिफारिश के आधार पर 02 अक्टूबर 1959 को राजस्थान के नागौर से पहली बार पंचायती राज्य प्रारंभ हुआ।

☞ बलवंत राय मेहता B.R.M समिति के आधार पर त्रिस्तरीय पंचायत बनाया गया।

(i) गाँव स्तर पर - ग्राम पंचायत
(ii) ब्लॉक स्तर पर - पंचायत समिति
(iii) जिला स्तर पर - जिला परिषद्

Remarks :–

1. जिस राज्यों की जनसंख्या 20 लाख से कम होगी वहाँ पंचायत समिति नहीं बनायी जाएगी।
2. पं. बंगाल में चार स्तरीय पंचायत है।
3. मेघालय, मिजोरम तथा नागालैण्ड में एकस्तरीय पंचायत है।
4. पंचायतों के वित्तीय स्थिति के लिए सुधार के लिए राज्यपाल राज्य वित्त आयोग का गठन करते हैं।

☞ 1977 में जनता पार्टी की सरकार ने अशोक मेहता समिति का गठन किया इसने दो स्तरीय पंचायत की बात कही–

(i) गाँव स्तर पर - मंडल पंचायत
(ii) जिला स्तर पर - जिला परिषद्

☞ अशोक मेहता समिति ने न्याय पंचायत का गठन किए जाने के सिफारिश किया।

☞ पंचायतों को संवैधानिक दर्जा देने के लिए 73वां संविधान संशोधन 1992 में किया गया। इस संशोधन के बाद पंचायतों को अपनाने वाला पहला राज्य मध्यप्रदेश था।

☞ दिल्ली में पंचायत नहीं है।

- पंचायत की सदस्य बनने के लिए उम्मीदवार की आयु 21 वर्ष होनी चाहिए।
- पंचायत के सभी स्तरों पर महिलाओं के लिए 1/3 सीट आरक्षित है। जबकि बिहार में 50% सीट आरक्षित है।
- पंचायतों का कार्यकाल उसकी पहली बैठक से 5 वर्ष होता है।
- पंचायती समितियों में गणपूर्ति 1/20 होती है।
- पंचायती सदस्यों को हटाने के लिए जिला पंचायत अधिकारी को 15 दिन पूर्व सूचना देनी होती है और 2/3 बहुमत से प्रस्ताव पारित करके हटाया जाता है।
- मुखिया अपना त्यागपत्र जिला पंचायत अधिकारी को देता है।
- पंचायत सदस्यों के खाली सीटों को 6 महिने के अंदर चुनाव द्वारा भरा जाता है। यह बचे हुए कार्यकाल के लिए आती है।
- पंचायतों के सभी स्तर का चुनाव राज्य निर्वाचन आयोग करती है।
- पंचायतों के वित्तीय स्थिति के जाँच के लिए राज्यपाल प्रत्येक 5 वर्ष पर राज्य वित्त आयोग का गठन करते हैं।
- 73वां संविधान संशोधन 24 अप्रैल, 1993 के द्वारा 11वीं अनुसूची जोड़ी गई और पंचायतों को 29 विषय दिये गए।
- लक्ष्मी मल सिंधवी आयोग के सिफारिस से पंचायती राज को संवैधानिक दर्जा दिया गया।
- पंचायतों की बैठक तीन महिने में एक बार होना अनिवार्य है।

➢ **पंचायती सदस्य–**
- न्यायपालिका = पंच → सरपंच
- कार्यपालिका = वार्ड सदस्य → मुखिया
- Police = चौकीदार
- राज्य सरकार = ग्राम सेवक, VDO, BDO, जिला पंचायत अधिकारी
- लेखा-जोखा = लेखपाल / पटवारी / कानून गो
- जमीन का नाप = अमीन

➢ **पंचायतों से संबंधित आयोग–**

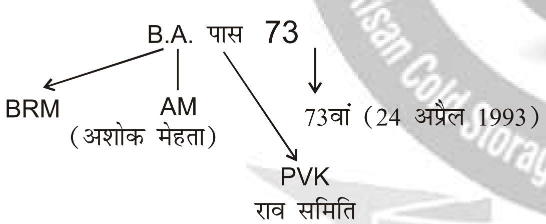

Remark :–
1. पंचायतों के चुनाव कराने के समय का निर्णय राज्य सरकार लेती है। जबकि पंचायतों का चुनाव राज्य निर्वाचन आयोग करती है।
2. पंचायती राज (स्थानीय स्वशासन) का मुख्य उद्देश्य सत्ता का विकेन्द्रीकरण करना है।

Note : हरियाणा के पंचायत को खाप पंयचायत कहते हैं।

भाग 9 (क) अनुच्छेद 243 (त-य, छ)

➢ **नगरपालिका–**
- **नगरपालिका–** यह शहरी क्षेत्र में स्थानीय स्वशासन का दायित्व संभालता है।
- इसे 74वां संशोधन (1 जून 1992) को 12वीं अनुसूची में जोड़ा गया।
- **नगरपालिका भी तीन स्तरीय होती है–**

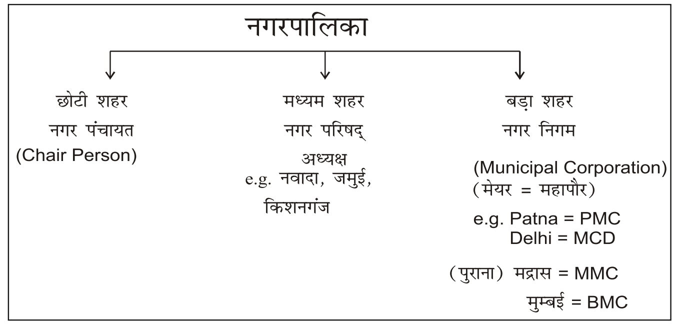

Remark :–
1. नगर पालिका को 18 विषय पर कानून बनाने का अधिकार है।
2. नगर पालिका की अवधि अपनी पहली बैठक से 5 वर्ष होती है।
3. नगर पालिका के तीनों चरणों में SC, ST तथा महिलाओं की आरक्षण की चर्चा है।

Note :– मेयर (महापौर) के कार्यों को आसान करने के लिए प्रत्येक वार्ड में वार्ड काउंसलर (Councilor) वार्ड पार्षद होता है।
Ex.:– Patna = मेयर (महापौर)– सीता साहू।
मुसल्लहपुर हाट = वार्ड Counsellor (वार्ड पार्षद)– इंद्रद्विप कुमार चंद्रवंशी।

➢ **स्थानीय स्वशासन–**
- इसका अर्थ होता है, स्थानीय लोगों द्वारा शासन।
- सबसे पहले स्वशासन चोल राजाओं ने प्रारंभ किया।
- लॉर्ड रिपन ने स्थानीय स्वशासन को व्यवस्थित ढंग से लागू किया। इसलिए इसे स्थानीय स्वशासन का जनक कहा जाता है।
- स्थानीय स्वशासन सत्ता के विकेन्द्रीकरण के लिए होती है।

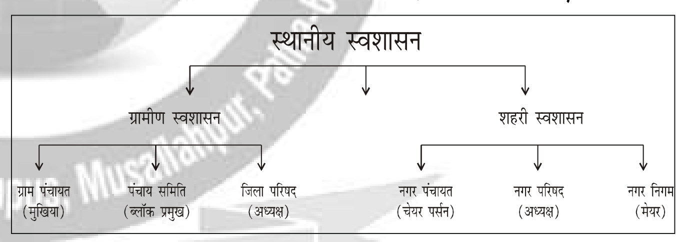

भाग 9 (ख) अनुच्छेद 243 (यज-यन)

➢ **सहकारिता– (87वाँ संविधान संशोधन के द्वारा)**
- बहुत से स्थानीय लोग मिलकर जब किसी संस्था या Company को बनाते हैं, तो उसे सहकारिता कहते हैं।
- यह स्थानीय लोगों द्वारा बना होता है और स्थानीय लोगों की ही सहायता करता है।
- सरकार इन संस्थाओं पर विशेष ध्यान देती है। इन संस्थाओं पर Tax कम लिए जाते हैं।

भाग 10 (अनुच्छेद 244)

➢ **SC/ST प्रशासन (1989)–**
- SC/ST Act 1989 के तहत किसी दलित व्यक्ति के शिकायत पर बिना जाँच के ही पुलिस गिरफ्तार कर सकती है।
- अनुच्छेद 244 (क) में असम राज्य के जनजाति की प्रशासन की चर्चा है।

स्मरणीय तथ्य

- ❖ संविधान की छठी अनुसूची में असम, मेघालय, त्रिपुरा व मिजोरम राज्यों जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में उपबंध हैं।
- ❖ 73वें संविधान संशोधन द्वारा भारत में पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक स्तर प्रदान किया गया है।
- ❖ नीति निदेशक तत्त्व के अनुच्छेद 40 के तहत राज्यों को ग्राम पंचायत गठित करने का निर्देश दिया गया है।
- ❖ भारत में स्थानीय स्वशासन वायसराय लॉर्ड रिपन ने आरंभ किया था।
- ❖ भारत सरकार अधिनियम, 1919 के द्वारा स्थानीय स्वशासन को केंद्रीय विषय से हटाकर राज्य का विषय बनाया गया है।
- ❖ सर्वप्रथम बलवंत राय मेहता समिति ने भारत में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था की सिफारिश की थी।
- ❖ भारतीय संविधान में पंचायतों एवं नगरपालिकाओं के संबंध में 1993 में प्रावधान किया गया।
- ❖ नगरपालिकाओं का कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित है।
- ❖ भारतीय संविधान की 11वीं अनुसूची में पंचायतों के 29 विषय क्षेत्रों का उल्लेख किया गया।
- ❖ भारतीय संविधान की 12वीं अनुसूची में नगरपालिकाओं के 18 विषय क्षेत्रों का उल्लेख किया गया।
- ❖ मुखिया अपने पद का त्याग करने हेतु स्वहस्ताक्षरित आवेदन जिला पंचायत राज अधिकारी को सौंपेगा।
- ❖ ग्राम पंचायत (अध्यक्ष अथवा सदस्यों) का चुनाव लड़ने के लिये न्यूनतम आयु 21 वर्ष निर्धारित की गई है।
- ❖ सर्वप्रथम 2 अक्टूबर 1959 को पंचायती राज की शुरुआत राजस्थान से हुई। इसके पश्चात 1959 ई. में आंध्र प्रदेश ने इस योजना को लागू किया।
- ❖ पंचायती राज प्रणाली राज्य सूची में शामिल है।
- ❖ 73वें संविधान संशोधन की वैधानिक शुरुआत 64वें संविधान संशोधन बिल द्वारा हुई थी।
- ❖ अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा के सम्मेलन की अध्यक्षता उपस्थित अनुसूचित जनजाति के सदस्य द्वारा की जाती है, जिसे ग्राम सभा द्वारा चुना जाता है।
- ❖ बिहार में पंचायतों में महिलाओं को विभिन्न पदों एवं स्थानों में 50% आरक्षण का प्रावधान है।
- ❖ बिहार में पंचायतों के तीन स्तर हैं- ग्राम पंचायत, पंचायत समिति एवं जिला परिषद।
- ❖ ग्राम सभा द्वारा निगरानी समिति का गठन ऐसे व्यक्तियों से किया जाता है जो ग्राम पंचायत के सदस्य ना हों।
- ❖ लॉर्ड रिपन को भारत के स्थानीय स्वशासन का जनक कहा जाता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. किस राज्य में पंचायत व्यवस्था नहीं है?
(A) नगालैंड (B) मिजोरम
(C) मेघालय (D) केरल
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre.) Re-Exam, 2022

2. पंचायतों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा के लिए राज्य सरकार प्रत्येक पांच वर्षों में क्या गठित करती है?
(A) वित्त आयोग (B) वित्त समिति
(C) सलाहकार आयोग (D) सलाहकार समिति
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre.) Re-Exam, 2022

3. पंचायती राज संस्थाओं को 29 कार्यों की सूची किस अनुच्छेद के तहत दी गई है?
(A) अनुच्छेद 243 (H) (B) अनुच्छेद 243 (E)
(C) अनुच्छेछ 243 (F) (D) अनुच्छेद 243 (G)
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
66th BPSC (Pre.)

4. 73वें संविधान संशोधन कानून की वैधानिक शुरुआत किस संविधान संशोधन बिल से हुई?
(A) 61वाँ संविधान संशोधन बिल
(B) 62वाँ संविधान संशोधन बिल
(C) 63वाँ संविधान संशोधन बिल
(D) 64वाँ संविधान संशोधन बिल
(E) उपर्युक्त में से कोई हनीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
66th BPSC (Pre.)

5. निम्न में से कौन-सा विकेंद्रीयकरण का वैशिष्टय नहीं है?
(A) स्वायत्तता
(B) लोक सहभागिता
(C) स्थानीय समुदायों में आत्मविश्वास को नहीं जगाना
(D) स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
66th BPSC (Pre.)

6. समुदाय विकास कार्यक्रम का क्या उद्देश्य है?
(A) शैक्षणिक सुविधाएँ सुलभ कराना
(B) जीवन-स्तर को बेहतर बनाना
(C) राजनीतिक प्रशिक्षण
(D) योजना बनाने में गाँवों की सहायता करना
(E) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक
65th BPSC (Pre.)

7. निम्न में से किसका निर्माण पंचायती राज व्यवस्था के तहत हुआ था?
(A) खाप पंचायत (B) जाति पंचायत
(C) ग्राम पंचायत (D) जन पंचायत
(E) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक
65th BPSC (Pre.)

8. निम्न में से कौन-सा अनुच्छेद पंचायत के गठन के लिये राज्य सरकारों को निर्देश देता है?
(A) अनुच्छेद 33 (B) अनुच्छेद 40
(C) अनुच्छेद 48 (D) अनुच्छेद 50
(E) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक
64th BPSC (Pre.)

9. निम्नलिखित में से किस कमेटी/आयोग ने न्याय पंचायत बनाने की सिफारिश की थी?
(A) बलवन्त राय मेहता कमेटी
(B) अशोक मेहता कमेटी
(C) जी.वी. के राव कमेटी
(D) सरकारिया आयोग
63rd BPSC (Pre.)

10. निम्नलिखित में से कौन-सा कार्य स्थानीय स्वशासन के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता?
(A) सार्वजनिक स्वास्थ्य
(B) स्वच्छता
(C) जनोपयोगी सेवा
(D) सार्वजनिक अनुशासन का रख-रखाव
63rd BPSC (Pre.)

11. पंचायती राज प्रणाली किस सूची में है?
(A) संघ सूची (B) राज्य सूची
(C) समवर्ती सूची (D) उपरोक्त में से कोई नहीं
(E) उपरोक्त में से एक से अधिक
63rd BPSC (Pre.)

12. किस राज्य/किन राज्यों ने पंचायती राज संस्थाओं में स्त्रियों के 50 प्रतिशत आरक्षण को वैद्य किया है?
1. बिहार 2. उत्तराखंड
3. मध्य प्रदेश 4. हिमाचल प्रदेश
(A) केवल 3 (B) केवल 2 और 3
(C) 2, 3 व 4 (D) 1, 2, 3 व 4
(E) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक
63rd BPSC (Pre.)

13. भारत में ब्लॉक स्तर पर बनी पंचायत समिति केवल है
(A) एक सलाहकार निकाय
(B) एक सलाहकार समिति
(C) समन्वय और पर्यवेक्षी प्राधिकारी
(D) प्रशासनिक प्राधिकारी
(E) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक
60-62nd BPSC (Pre.)

14. अशोक मेहता समिति ने निम्नलिखित की सिफारिश की–
(A) पंचायती राज की त्रि-स्तरीय सरकार
(B) पंचायती राज की द्वि-स्तरीय सरकार
(C) पंचायती राज की एकल-स्तरीय सरकार
(D) पंचायती राज की बहु-स्तरीय सरकार
53-55th BPSC (Pre.)

15. 1957 में स्थापित समिति का नाम बताएँ, जिसने ग्रामीण स्थानीय सरकार की त्रि-स्तरीय प्रणाली का सुझाव दिया था।
(A) बलवंत राय मेहता समिति
(B) अशोक मेहता समिति
(C) प्रजातांत्रिक विकेंद्रीकरण पर महाराष्ट्र समिति
(D) ग्राम-नगर संबंध समिति
53-55th BPSC (Pre.)

16. एक विकास खण्ड पर पंचाती-समिति होती है–
(A) एक सलाहकार समिति (B) एक प्रशासकीय अधिकरण
(C) एक परामर्शदात्री (D) एक निरीक्षण प्राधिकरण
48-52nd BPSC (Pre.)

17. जिस समिति की सिफारिश पर भारत में पंचायती राज की स्थापना की गई उसका अध्यक्ष कौन था?
(A) अशोक मेहता (B) डॉ. इकबाल नारायण
(C) बलवंत राय मेहता (D) जीवराज मेहता
47th BPSC (Pre.)

18. भारत में पंचायती राज व्यवस्था सर्वप्रथम राजस्थान और ...... में आरंभ की गई थी।
(A) हरियाणा (B) गुजरात
(C) उत्तर प्रदेश (D) आंध्र प्रदेश
47th BPSC (Pre.)

19. पंचायती राज का चुनाव कराने हेतु निर्णय किसके द्वारा लिया जाता है?
(A) केन्द्र सरकार (B) राज्य सरकार
(C) जिला न्यायाधीश (D) चुनाव आयोग
47th BPSC (Pre.)

20. संविधान के 73वें संशोधन का संबंध किससे है?
(A) नगरपालिका निगम
(B) मकान किराया अधिनियम
(C) पंचायती राज अधिनियम
(D) सांसदों के वेतन एवं महँगाई भत्ते में वृद्धि
46th BPSC (Pre.)

21. भारत में निम्नलिखित में से किसके अंतर्गत पंचायती राज प्रणाली की व्यवस्था की गई है?
(A) मौलिक अधिकार (B) मौलिक कर्त्तव्य
(C) नीति निदेशक सिद्धांत (D) चुनाव आयोग अधिनियम
45th BPSC(Pre.)

22. पंचायती राज की 3-स्तरीय प्रणाली में आते हैं–
(A) ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, ब्लॉक समिति
(B) ग्राम पंचायत, ब्लॉक समिति, जिला परिषद
(C) ब्लॉक समिति, जिला परिषद, पंचायत समिति
(D) ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद
45th BPSC (Pre.)

23. संविधान का 73वाँ संशोधन संबंधित है–
(A) राष्ट्रपति के महाभियोग से
(B) चुनाव आयोग की नियुक्त से
(C) शैक्षणिक संस्थाओं में सीटों के आरक्षण से
(D) पंचायती राज प्रणाली से
45th BPSC (Pre.)

24. किस संवैधानिक संशोधन के द्वारा पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक स्तर प्राप्त हुआ?
(A) 73वाँ संशोधन (B) 71वाँ संशोधन
(C) 74वाँ संशोधन (D) इनमें से कोई नहीं
44th BPSC (Pre.)

25. भारत में इनमें से कौन-सा विषय पंचायती राज संस्थाओं की शक्तियों के अंतर्गत नहीं आता है?

(A) भूमि-सुधारों का क्रियान्वयन
(B) न्यायिक पुनर्वीक्षण
(C) निर्धनता निवारण कार्यक्रमों का क्रियान्वयन
(D) इनमें से कोई नहीं

44th BPSC (Pre.)

26. भारत में पंचायती राज प्रतिनिधित्व करता है–
(A) शक्तियों का विकेंद्रीकरण
(B) लोगों की हिस्सेदारी
(C) सामुदायिक निकाय
(D) उपरोक्त सभी

44h BPSC (Pre.)

27. पंचायती राज प्रथम प्रवर्तित किया गया–
(A) आंध्र प्रदेश में (B) उत्तर प्रदेश में
(C) हिमालच प्रदेश में (D) राजस्थान में

43rd BPSC (Pre.)

28. पंचायती राज का प्रधान लक्ष्य है–
(A) ग्रामवासियों के बीच प्रतिद्वंद्व को बढ़ावा
(B) चुनाव में लड़ने के लिये ग्रामवासियों को प्रशिक्षण देना
(C) ग्रामवासियों में शक्ति का विकेंद्रीकरण
(D) इनमें से कोई नहीं

43rd BPSC (Pre.)

29. पंचायती राज को .... के अंतर्गत स्वशासन की इकाई के रूप में संगठित किया गया–
(A) भारतीय संविधान के मूल अधिकारों
(B) भरतीय संविधान की प्रस्तावना
(C) राज्य के नीति-निदेशक तत्त्वों
(D) भारतीय संविधान का 73वाँ संशोधन

43rd BPSC (Pre.)

30. भारत सरकार द्वारा समुदाय निकाय योजनाओं की शुरूआत की गई 2 अक्टूबर–
(A) 1950 को (B) 1951 को
(C) 1952 को (D) 1953 को

43rd BPSC (Pre.)

31. सफलतापूर्वक कार्य करने हेतु पंचायत राज को पूरे सहयोग की जरुरत पड़ती है–
(A) स्थानीय जनता की (B) केंद्रीय सरकार की
(C) नौकरशाही की (D) राजनेताओं की

42nd BPSC (Pre.)

32. भारतीय संविधान का 73वाँ संशोधन प्रावधान करता है–
(A) पहली बार पंचायत राज का
(B) पंचायतों पर प्रशासकीय नियंत्रण हटाने का
(C) पंचायत चुनावों की विधि में परिवर्तन का
(D) पंचायत चुनावों की विधि आदेशात्मक तथा लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों के समकक्ष बनाने का

41st BPSC (Pre.)

33. पंचायती राज विषय है–
(A) समवर्ती सूची पर (B) केंद्र की सूची पर
(C) राज्य की सूची पर (D) शेषाधिककार सूची पर

39th BPSC (Pre.)

34. भारत में पंचायती राज की अनुशंसा के लिये बनी समिति के अध्यक्ष थे–
(A) बलवंत राय मेहता (B) बी.आर. अम्बेडकर
(C) जस्टिस कृष्ण अय्यर (D) जगजीवन राम

38th BPSC (Pre.)

35. सरकार की पंचायती राज प्रणाली की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं?
(A) इसमें सरकार की तीन श्रेणियाँ होती हैं।
(B) इसका लक्ष्य गाँवों को सामाजिक एवं आर्थिक न्याय प्रदान करना है।
(C) जिला परिषद के इसके सदस्य के रूप में कुछ सांसद होते हैं।
(D) उपरोक्त सभी

38th BPSC (Pre.)

36. भारतीय संविधान के किस संशोधन में पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक आधार पर किया गया है?
(A) 73वें (B) 74वें
(C) 71वें (D) 72वें

Bihar CDPO (Pre.) 2005

37. ग्यारहवीं अनुसूची के द्वारा पंचायती राज संस्थओं को कितने विषयों पर नियंत्रण करने का अधिकार दिया गया है?
(A) 18 (B) 29
(C) 26 (D) 27

Bhiar CDPO (Pre.) 2005

38. अपील की सुनवाई में ग्राम कचहरी में न्यूनतम पंचों की गणपूर्ति नियमत: क्या होनी चाहिये?
(A) पाँच (B) सात
(C) तीन (D) नौ

BSSC-CGL (Pre.) 2014

39. ग्राम सभा एक या अधिक संख्या में निगरानी समिति का गठन कर सकती है। इस समिति का गठन किनसे किया जा सकता है?
(A) वार्ड सदस्यों
(B) मुख्यि, उप-मुख्यि तथा वार्ड सदस्य
(C) कोई व्यक्ति जो ग्राम-पंचायत का पद धारक हो
(D) ऐसे व्यक्तियों से जो ग्राम-पंचायत के सदस्य न हों

BSSC-CGL (Pre.) 2014

40. ग्राम पंचायत के चुने हुए सदस्य उप-मुखिया का चुनाव करते हैं। उप-मुखिया के निर्वाचन के संदर्भ में निम्नलिखित में कौन-सा वक्तव्य सही नहीं है?
(A) उप-मुखिया के चुनाव में मुख्यि मतदाता होगा।
(B) निर्वाचन में मतों की बराबरी की स्थिति में विजेता का निर्णय लॉटरी द्वारा होगा
(C) राज्य निर्वाचन आयोग के पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण में ग्राम पंचायत अपनी पहली बैठक में उप-मुखिया का चुनाव करेगा।
(D) उप-मुखिया के निर्वाचन में मुखिया मतदाता नहीं होगा।

BSSC-CGL (Pre.) 2014

41. मुखिया स्वहस्ताक्षरित आवेदन देकर अपने पद का परित्याग कर सकता है। बिहार पंचायती राज अधिनियम, 2006 के अंतर्गत उसे अपना आवेदन किसे प्रेशित करना होगा?
(A) प्रखंड विकास पदाधिकारी
(B) उप विकास पदाधिकारी
(C) जिलाधिकारी
(D) जिला पंचायती राज पदाधिकारी
BSSC-CGL (Pre.) 2014

42. 74वें संविधान संशोधन का संबंध निम्नलिखित में से किस संस्था से है?
(A) ग्राम-पंचायत (B) नगरपालिकाएँ
(C) जिला परिषद (D) कृषि उत्पाद बाजार समितियाँ
BSSC-CGL (Pre.) 2014

43. पृथक् पंचायती राज मंत्रालय का गठन कब हुआ?
(A) 1956 ई. (B) 1965 ई.
(C) 2010 ई. (D) 2004 ई.
BSSC-CGL (Mains) 2011

44. पंचायती राज लागू करने वाले पहले दो राज्य कौन हैं?
(A) राजस्थान तथा महाराष्ट्र (B) राजस्थान तथा कर्नाटक
(C) कर्नाटक तथा महाराष्ट्र (D) राजस्थान तथा आंध्र प्रदेश
Bihar ESI (Pre.) 2018

45. 73वाँ संविधान संशोधन कहाँ लागू नहीं है?
1. मणिपुर 2. मेघालय
3. जम्मू-कश्मीर 4. नागालैंड
कूट-
(A) केवल 4 (B) केवल 3
(C) केवल 1 तथा 2 (D) केवल 1, 2 तथा 4
Bihar ESI (Pre.) 2018

46. पंचायतों की वित्तीय स्थिति की सिफारिश राज्य वित्त आयोग द्वारा किसे की जाती है?
(A) राज्यपाल (B) राज्य सरकार
(C) राष्ट्रपति (D) केंद्र सरकार
Bihar ESI (Pre.) 2018

47. अनुच्छेद 243 (243 न) का संबंध है-
(A) नगरपालिकाओं में आरक्षण से
(B) नगरपालिका की अवधि से
(C) नगरपालिका सदस्यों की निरर्हता से
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

48. महानगर योजना समिति के कितने स्थान ऐसे व्यक्तियों को देना तय किया गया है जो नगरपालिका या पंचायत के निर्वाचित सदस्य हैं?
(A) दो-तिहाई (B) एक-तिहाई
(C) एक-चौथाई (D) आधे

ANSWER KEY

01. (E)	02. (A)	03. (D)	04. (D)	05. (C)
06. (E)	07. (C)	08. (B)	09. (B)	10. (D)
11. (B)	12. (D)	13. (D)	14. (B)	15. (A)
16. (B)	17. (C)	18. (D)	19. (B)	20. (C)
21. (C)	22. (D)	23. (D)	24. (A)	25. (B)
26. (D)	27. (D)	28. (C)	29. (D)	30. (C)
31. (A)	32. (D)	33. (C)	34. (A)	35. (D)
36. (A)	37. (B)	38. (D)	39. (D)	40. (D)
41. (D)	42. (B)	43. (D)	44. (D)	45. (D)
46. (A)	47. (A)	48. (A)		

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

1. एक सुशिक्षित एवं संगठित स्थानीय स्तर की शासन प्रणाली के अभाव में पंचायतें एंव समितियाँ, मुख्यत: राजनीतिक संस्थाएँ बनी रहती हैं और शासन का प्रभावशाली उपकरण नहीं बन पाती हैं। आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये।
56-59th BPSC (Mains)

2. ग्राम्य स्तर पर राजनीतिक चेतना व नारी सशक्तीकरण पर 73वें संविधान संशोधन के प्रभावों का बिहार के विशेष संदर्भ में परीक्षण कीजिये। **74st BPSC (Mains)**

3. 73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के आधारभूत प्रावधानों का वर्णन कीजिये। **46th BPSC (Mains)**

4. भारत में पंचायती राज्य के उद्देश्यों तथा उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।

Note:

13. भाग–11–12 (Part– 11-12)

भाग 11 (अनुच्छेद 245-263)

- **केन्द्र राज्य संबंध–**
- **अनुच्छेद 249–** राज्य सूची के विषय में एक वर्ष के लिए कानून बनाने का अधिकार राज्यसभा संसद को दे देती है।
- **अनुच्छेद 253–** संसद किसी अंतर्राष्ट्रीय संधि को किसी भी राज्य में लागू कर सकती है। बिना उस राज्य के अनुमति।
- **अनुच्छेद 262–** नदियाँ राज्यसूची का विषय है अत: दो राज्यों के बीच उत्पन्न नदी विवाद को सुलझाने के लिए retired जजों का एक समूह बनाया जाता है, जिसे न्यायधीकरण या (tribunal) कहते हैं।

  Ex.:– कावेरी जल विवाद (कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और पांडीचेरी महानदी जलविवाद (छत्तीसगढ़, ओडिसा)

  Remark : नदियों को संघ सूची में होना चाहिए।
- **अनुच्छेद 263– अंतर्राज्यीय परिषद (अंतर्राज्य परिषद)–** राज्यों के विवाद को सुलझाने के लिए इसका गठन किया जाता है, सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, कुछ Cabinet मंत्री उसके सदस्य होते हैं। PM इसके अध्यक्ष होते हैं, साल में इसकी तीन बैठक हो सकती है।
  - सरकारिया आयोग के सिफारिश से सर्वप्रथम 1990 में केन्द्र राज्य संबंध को मजबूत बनाने के लिए अंतर्राज्यीय परिषद का गठन किया गया।

भाग 12 (अनुच्छेद 264-300)

- **वित्त, सम्पत्ति, संविदा (Tax)–**
- **अनुच्छेद 265–** बिना संसद में पारित विधेयक पर Tax नहीं लिया जा सकता है।
- **अनुच्छेद 266–** भारत की संचित निधि- सरकार का समस्थ धन संचित निधि के रूप में RBI के पास जमा रहता है।
  - संचित निधि से धन निकालने के लिए संसद को विनियोग विधेयक पारित कराना होता है।
  - केन्द्र सरकार के सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों को वेतन संचित निधि से दिए जाते हैं।
  - महान्यायवादी को संचित निधि से वेतन नहीं दिया जाता है।
- **अनुच्छेद 267 (अकास्मिक निधि)–** किसी आकस्मिक स्थिति में तत्काल धन उपलब्ध कराने के लिए आकस्मिक निधि बनाया जाता है।
  - आकस्मिक निधि से धन राष्ट्रपति निकालते हैं। आकस्मिक निधि से हमेशा 500 करोड़ रु. रहना चाहिए।
- **अनुच्छेद 275 विशेष राज्य (विशेष अनुदान)–** जिन राज्यों में प्राकृतिक आपदा तथा भौगोलिक विषमता होती है तथा जो अंतर्राष्ट्रीय सीमा के समीप होते हैं, उन्हें विशेष राज्य का दर्जा दिया जाता है। इन्हें लगभग 80% लौटा दिया जाता है।
- **अनुच्छेद 280 (वित्त आयोग)–** यह केन्द्र तथा राज्य में कर का बंटवारा करता है। इसमें 4 सदस्य तथा एक अध्यक्ष होता है। अध्यक्ष S.C. के जज के बराबर योग्यता रखता है।
  - अध्यक्ष अर्थशास्त्र का अच्छा जानकार होता है, इसका कार्यकाल 5 वर्षों का होता है।
  - अब तक 15 वित्त आयोग का गठन किया जा चुका है।
  - पहले वित्त आयोग का अध्यक्ष K.C. नियोगी हैं।
  - 14वें वित्त आयोग का अध्यक्ष Y.B. रेड्डी हैं।
  - 15वें वित्त आयोग का अध्यक्ष N.K. सिंह हैं।
  - वित्त आयोग अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपते हैं।

  Note :– वर्तमान में राज्यों को उनके कुल Tax का 41% लौटा दिया जाता है।
- **अनुच्छेद 292–** केन्द्र सरकार विदेशी ऋण ले सकती है, जो भारत के संचित निधि पर भारित होता है। सरकार बदलने पर भी यह ऋण चुकाने पड़ते हैं।
- **अनुच्छेद 293–** राज्य सरकार भी विदेशी ऋण ले सकती किन्तु उसे केन्द्र से अनुमति लेनी होगी।
- **अनुच्छेद 297–** भारत के क्षेत्र या जमीन से मिलने वाली मूल्यवान वस्तुएँ (जैसे-सोना, पेट्रोलियम, इत्यादि) पर केन्द्र सरकार का अधिकार होगा। किन्तु भूमि से गैर कानूनी वस्तु या खतरनाक वस्तु व्यक्ति का होगा। जैसै-हथियार, शराब, विदेशी मुद्रा इत्यादि।

  Remark :– वित्त आयोग अध्यक्षों की नियुक्त प्रधानमंत्री के सलाह पर राष्ट्रपति करते हैं।
- **अनुच्छेद 300–** वाद और कार्यवाहियाँ।
- **अनुच्छेद 300 (क) सम्पत्ती का अधिकार–** जो अभी कानूनी या विधिक अधिकार हो गया है। कानूनी अधिकार को जनता नहीं छीन सकती किन्तु सरकार छीन सकती है।

स्मरणीय तथ्य

- अनुच्छेद 360 के तहत वित्तीय आपात की घोषणा की जाती है। दो माह के भीतर वित्तीय आपात की उद्घोषणा का अनुमोदन संसद से किया जाना चाहिये।
- भारत के संघीय शासन प्रणाली को कनाडा के संविधान से लिया गया है।

- ❖ संविधान की 7वीं अनुसूची में संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची के विषयों का उल्लेख है।
- ❖ संघ सूची में 97 विषय, वर्तमान में 100 राज्य सूची में वर्तमान में 61 (मूलत: 66) विषय, और समवर्ती सूची में वर्तमान में 52 (मूलत: 47) विषय शामिल है।
- ❖ संघ सूची के विषयों पर विधि बनाने का अधिकार सिर्फ संसद को है।
- ❖ 42वें संविधान संशोधन द्वारा समवर्ती सूची में नया विषय जनसंख्या नियंत्रण एवं परिवार नियोजन जोड़ा गया था।
- ❖ समवर्ती सूची को ऑस्ट्रेलिया के संविधान से लिया गया है।
- ❖ अनुच्छेद 249 के तहत संसद को राष्ट्रीय हित में राज्य सूची के किसी विषय पर कानून बनाने का अधिकार दिया गया है।
- ❖ भारत की संचित निधि से धन निकालने के लिये संसद द्वारा विनियोग विधेयक पारित किया जाता है।
- ❖ प्रधानमंत्री अंतर्राज्यीय परिषद का पदेन अध्यक्ष होता है।
- ❖ अंतर्राज्यीय परिषद गठित करने का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया है।
- ❖ राज्यसभा अनुच्छेद 312 के तहत नवीन अखिल भारतीय सेवा का सृजन कर सकती है।
- ❖ पुंछी आयोग का गठन केंद्र, राज्य संबंधों पर सिफारिश देने के लिये किया गया था।
- ❖ 2003 में (88वें संविधान संशोधन द्वारा) सेवा कर को संघ सूची में शामिल किया गया था।
- ❖ भारतीय संविधान में अवशिष्ट विषयों पर कर लगाने का अधिकार केंद्र (संसद) को दिया गया है।
- ❖ अनुच्छेद 245 क्षेत्रीय संबद्धता सिद्धांत से संबंधित है।
- ❖ भारत में मूलत: संघीय शासन प्रणाली को अपनाया गया है।
- ❖ अब तक भारत में एक बार भी वित्तीय आपात की घोषणा नहीं हुई है।
- ❖ वित्तीय आपात के दौरान किसी राज्य विधानमंडल द्वारा पारित धन विधेयक या वित्तीय विधेयकों को राष्ट्रपति के विचार के लिये रखा जा सकता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 300 किससे संबंधित है?
(A) मुकदमें तथा कार्यवाही
(B) सरकारी ठेक
(C) महान्यायवादी
(D) व्यापार तथा वाणिज्य पर प्रतिबंध
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre.) 2022

2. निम्न में से किस वर्ष सरकारिया आयोग, जिसे केंद्र-राज्य संबंधों में परिवर्तन की संस्तुति का अधिकार दिया गया था, ने अपना प्रतिवेदन जमा किया था?
(A) 1983 (B) 1984
(C) 1985 (D) 1987
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
64th BPSC (Pre.)

3. नीति आयोग अस्तित्व में कब आया?
(A) 1 जनवरी, 2014 (B) 1 जून, 2014
(C) 1 जनवरी, 2015 (D) 1 जून, 2015
63rd BPSC (Pre.)

4. 14वें वित्त आयोग के अनुसार विभाजनयोग्य शुद्ध केंद्रीय राजस्व कर में राज्यों का प्रतिशत भाग है?
(A) 32 प्रतिशत (B) 35 प्रतिशत
(C) 40 प्रतिशत (D) 42 प्रतिशत
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
63rd BPSC (Pre.)

5. मिलान करें–
A. संघीय सूची — 1. 97 प्रविष्टियाँ
B. राज्य सूची — 2. 47 प्रविष्टियाँ
C. समवर्ती सूची — 3. 66 प्रविष्टियाँ

कूट:	**A**	**B**	**C**
(A)	1	2	3
(B)	1	3	2
(C)	1	2	3
(D)	3	2	1

(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
60-62nd BPSC (Pre.)

6. भारत में संघीय वित्त आयोग संबंध रखता है–
(A) राज्यों के बीच वित्त से
(B) राज्यों एवं केंद्र के बीच वित्त से
(C) केंद्र एवं स्वशासित सरकारों के बीच वित्त से
(D) इनमें से कोई नहीं
43rd BPSC (Pre.)

7. 14वें वित्त आयोग के अध्यक्ष कौन थे?
(A) डॉ. विजय एल. केलकर (B) सी. रंगराजन
(C) वाई.वी. रेड्डी (D) ए.एम. खुसरो
BSSC-CGL (Mains) 2014

8. वर्ष 2015 में गठित नीति आयोग के उपाध्यक्ष कौन हैं?
(A) सिंधु श्री खुल्लर (B) अरविंद पानगरिया
(C) विवेक देबराय (D) वी.एस. सारस्वत
BSSC-CGL (Mains) 2014

9. सत्य कथन चुनिये–
(A) वित्त आयोग संवैधानिक निकाय है।
(B) वित्त आयोग को संसद नियुक्त करती है।
(C) वित्त आयोग में पाँच सदस्य होते हैं।
(D) हर छ: वर्ष बाद वित्त आयोग अपनी रिपोर्ट पेश करता है।
Bihar SI (Mains) 2018

10. वित्त आयोग के संदर्भ में गलत कथन चुनिये–
(A) वित्त आयोग द्वारा की गई सिफारिशें राष्ट्रपति पर बाध्यकारी होती हैं।
(B) वित्त आयोग के अध्यक्ष पद के लिये योग्यता संविधान में निर्धारित की गई है।
(C) अभी तक 15 वित्त आयोगों का गठन किया जा चुका है।
(D) संविधान के अनुच्छेद 280 के अनुसार वित्त आयोग का गठन किया जाता है।
Bihar SI (Mains) 2018

11. निम्नलिखित में से कौन अंतर्राज्यीय परिषद का गठन करता है?
(A) प्रधानमंत्री कार्यालय (B) संसद
(C) राष्ट्रपति (D) नीति आयोग
Bihar SI (Pre.) 2018

12. नीति आयोग के उपाध्यक्ष कौन हैं?
(A) हसमुख अढ़ीया (B) राजीव शुक्ला
(C) अरविंद पनगढ़िया (D) डॉ. सुमन के. वेरी
Bihar SI (Pre.) 2018

13. नीति आयोग का अध्यक्ष कौन होता है?
(A) राष्ट्रपति (B) प्रधानमंत्री
(C) वित्त मंत्री (D) रिजर्व बैंक का गर्वनर

14. निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद के अनुसार भारतीय संविधान अंतर्राज्यीय परिषद के संबंध में प्रावधान करता है?
(A) अनुच्छेद 264 के अनुसार
(B) अनुच्छेद 265 के अनुसार
(C) अनुच्छेद 263 के अनुसार
(D) अनुच्छेद 262 के अनुसार

15. भारतीय संविधान के किस भाग में केंद्र-राज्य विधायी संबंध दिये गए हैं?
(A) भाग X में (B) भाग XI में
(C) भाग XIII में (D) भाग XII में

16. संघ एवं राज्यों के बीच करों के विभाजन संबंधी प्रावधानों को–
(A) राष्ट्रीय आपात के समय निलंबित किया जा सकता है।
(B) वित्तीय आपात के समय निलंबित किया जा सकता है।
(C) मात्र राज्यों की विधायिकों के बहुमत की सहमति से ही निलंबित किया जा सकता है।
(D) किसी भी परिस्थिति में निलंबित नहीं किया जा सकता है।

17. निम्नलिखित मतें से कौन केंद्र और राज्यों में राजस्व बँटवारे के लिये मापदंडों की अनुशंसा करता है?
(A) वित्त आयोग (B) नीति आयोग
(C) अंतर्राज्यीय परिषद (D) केंद्रीय वित्त मंत्रालय

18. केंद्र तथा राज्यों के मध्य शक्तियों के वितरण के लिये भारत का संविधान तीन सूचियों को प्रस्तुत करता है– निम्नलिखित में से कौन-से दो अनुच्छेद शक्तियों के वितरण को विनियमित करते हैं।
(A) अनुच्छेद 4 तथा 5 (B) अनुच्छेद 141 तथा 142
(C) अनुच्छेद 56 तथा 57 (D) अनुच्छेद 245 तथा 246

19. निम्न में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(i) केंद्र-राज्य संबंधों से जुड़े उपबंध संविधान के भाग-XI में संघ व राज्यों के बीच संबंध शीर्षक के अंतर्गत दिये गए हैं।
(ii) भाग-XI में दो अध्याय हैं। पहले में वित्तीय संबंध बताए गए हैं जबकि दूसरे में प्रशासनिक या कार्यकारी संबंध।
कूट–
(A) केवल (i) (B) केवल (ii)
(C) (i) और (ii) दोनों (D) न तो (i) और न ही (ii)

ANSWER KEY

01. (A)	02. (D)	03. (C)	04. (D)	05. (B)
06. (B)	07. (C)	08. (B)	09. (A)	10. (A)
11. (C)	12. (D)	13. (B)	14. (C)	15. (B)
16. (D)	17. (A)	18. (D)	19. (C)	

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

1. केंद्र प्रायोजित योजनाएँ, केंद्र और राज्यों के बीच हमेशा विवाद का मुद्दा रही है। प्रासंगिक उदाहरणों का हवाला देते हुए चर्चा करें। **63rd BPSC (Mains)**
2. भारतीय संघात्मक व्यवस्था में केंद्र तथा राज्यों के मध्य तनाव के क्षेत्रों का विश्लेषण कीजिये। वर्तमान समय में संघीय सरकार तथा बिहार राज्य के मध्य संबंधों का वर्णन कीजिये। **56-59th BPSC (Mains)**
3. भारतीय संघीय व्यवस्था और केंद्र-राज्य के प्रशासनिक संबंध का राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी परिषद (एन.सी.टी.सी) के विशेष संदर्भ में वर्णन कीजिये। **53-55th BPSC (Mains)**
4. भारतीय संघीय व्यवस्था में सामयिक दिगों (Recent Trends) की व्याख्या करें। क्या राज्यों की अधिक स्वायत्तता की आवश्यकता है? **48-52nd BPSC (Mains)**
5. संघ-राज्य वित्तीय संबंधों में संबद्ध विवाास्पद मुद्दे की व्याख्या कीजिये।
6. नीति आयोग के प्रमुख कार्यों की विवेचना कीजिये।

Note:

14. भाग–13–14 (Part– 13-14)

भाग 13 (अनुच्छेद 301-307)

- **भारत में व्यापार वाणिज्य–**
- **अनुच्छेद 301–** भारत में व्यापार और वाणिज्य की स्वतंत्रता है।
- **अनुच्छेद 302–** संसद को यह अधिकार है कि वह राष्ट्रहीत को ध्यान में रखते हुए व्यापार और वाणिज्य पर प्रतिबंध लगा सकती है।
- **अनुच्छेद 303–** सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट ऐसे नियम बनाने पर संसद और उस राज्य के विधान मंडल पर रोक लगा सकती है। जो एक दूसरे को प्रभावित करता हो।
- **अनुच्छेद 304–** एक राज्य में कोई वस्तु वैध है और दूसरे राज्य अवैध है तो वह उस राज्य में भी अवैध हो जाती है।

भाग 14 अनुच्छेद (308-323)

- **संघ एवं राज्य लोक सेवा–**
- ☞ लॉर्ड मैकाले के शिफारिश पर 1855 में डलहौजी के शासन काल में लंदन में Civil सेवा की परीक्षा आयोजित कि गई तब इसे **Indian Civil Service (ICS)** कहा जाता था।
- ☞ 1919 के अधिनियम द्वारा भारत में Civil सेवा आयोग का गठन 1926 में किया गया।
- ☞ भारत में पहली बार Civil सेवा की परीक्षा 1922 में इलाहाबाद में किया गया। (लॉड रीडिंग)
- ☞ Civil सेवकों के पद की रक्षा की चर्चा 311 में है, इसके अनुसार Civil सेवकों को बिना किसी ठोस कारण के नहीं हटाया जा सकता है।
- ☞ अनुच्छेद 317 के आधार पर संघ एवं राज्य लोकसेवा आयोग का अध्यक्ष एवं सदस्य को सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायधीश के सिफारिश से राष्ट्रपति पद से हटाते हैं।
- **अनुच्छेद 312–** अखिल भारतीय सेवा के सृजन करने का अधिकार राज्यसभा संसद को देती है और दोनों मिलकर अखिल भारतीय सेवा का सृजन (निर्माण) करते हैं।

क्र. सं.	सेवा	नियुक्ति	वेतन	क्षेत्राधिकार	उदाहरण
1.	अखिल भारतीय सेवा	केन्द्र	केन्द्र	भारत	IPS, IAS, IFS
2.	केन्द्रीय सेवा	केन्द्र	केन्द्र	भारत	Railway, Bank, PO, SSC, IFC
3.	राज्य सेवा	राज्य	राज्य	राज्य	Police, BSSC, BPSC (PCS)

- **अनुच्छेद 315–** इसमें संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) तथा राज्य सेवा आयोग (BPSC / PCS) की चर्चा है।
- ☞ इनकी अध्यक्ष की नियुक्ति क्रमश: राष्ट्रपति तथा राज्यपाल अनुच्छेद 316 के आधार पर करते हैं।
- ☞ संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष एवं सदस्य नियुक्ति के बाद छ: वर्ष या 65 वर्ष की अवस्था एवं राज्य लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष एवं सदस्य 6 वर्ष या 62 वर्ष की अवस्था तक अपने पद पर कार्य करते है।
- ☞ इनका मुख्य कार्य विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं को आयोजित करना है।

Remark :– संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्य जब पद से त्यागपत्र दे देते हैं या हटाया जाता है, तो वे कोई भी सरकारी पद ग्रहण नहीं कर सकते हैं।

- ☞ संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) राज्य लोक सेवा आयोग (PCS) को दिशा निर्देश देती है। तथा उनके वार्षिक Report की जाँच करती है।
- ☞ राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्य पदोन्नति (Promotion) के बाद संघ लोक सेवा आयोग में जाते हैं अर्थात ये दोनों आपस में संबंधित है।
- ☞ संघ लोक सेवा आयोग अपनी वार्षिक Report राष्ट्रपति को सौपती है, जबकि राज्य लोक सेवा आयोग अपनी वार्षिक Report राज्यपाल को सौपती है ये अपना त्यागपत्र क्रमश: राष्ट्रपति तथा राज्यपाल को देते हैं इन्हें वेतन संचित निधि से दिया जाता है।

Note :-

(i) केंद्रीय सेवा के ग्रुप समूह A और B का चयन UPSC के द्वारा तथा ग्रुप-C का चयन SSC तथा ग्रुप-D का चयन Departmental के द्वारा होता है।

(ii) राजपत्रित सेवा का चयन SPCS (State Public Service Commission) राज्य सेवा आयोग के द्वारा तथा अराजपत्रित सेवा का चयन SSSC (State Staff Selection Commission) राज्य कर्मचारी या आयोग द्वारा होता है।

- ☞ IAS का नियंत्रण कार्मिक मंत्रालय द्वारा होता है।
- ☞ IPS का नियंत्रण गृह मंत्रालय द्वारा होता है।
- ☞ IFS (Indian Forest Service) का नियंत्रण वन एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा होता है।
- ☞ IAS और IPS स्वतंत्रता प्राप्ति के समय से ही है।
- ☞ IFS (भारतीय वन सेवा) 1 जुलाई 1966 ई० से है।
- ☞ भारतीय विदेश सेवा (IFS) केन्द्रीय सेवा है।
- ☞ IAS का Training Centre मसूरी (उत्तराखंड) में है। जिसका नाम ''लाल बहादूर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी'' (LBSNAA) है।

- IPS का Training Centre हैदराबाद में है। जिसका नाम ''सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलीस अकादमी'' है।
- IFS का Training Centre ''इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन प्रशासनिक अकादमी'' देहरादून में है।

भाग14 (क) अनुच्छेद 323 (क)

- **न्यायधिकरण (Tribunal)**
- विवादों के त्वरित निपटरा के लिए Tribunal का गठन किया जाता है।

  Ex. - पर्यावरण संबंधी विवाद सुलझाने के लिए राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (National Green Tribunal) NGT करते हैं। इसके अध्यक्ष आदर्श कुमार गोयल है। (वर्तमान)

स्मरणीय तथ्य

- सत्येंद्रनाथ टैगोर सिविल सेवा के लिये जाने वाले पहले भारतीय थे। वे रवींद्रनाथ टैगोर के बड़े भाई थे।
- लॉर्ड कार्नवालिस को भारत में सिविल सेवा का जनक कहा जाता है।
- सरदार वल्लभाई पटेल को भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) का जनक कहा जाता है।
- संघ लोक सेवा आयोग तथा संयुक्त लोक सेवा के सदस्य एवं अध्यक्ष की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है।
- संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य तथा अध्यक्ष, पद ग्रहण की तारीख से 6 वर्ष या 65 वर्ष (जो भी पहले हो) की आयु तक पद धारण करता है।
- राज्य लोक सेवा आयोग तथा संयुक्त लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्य, पद ग्रहण की तारीख से 6 वर्ष या 62 वर्ष (जो भी पहले हो) की आयु तक पद धारण करता है।
- लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल के द्वारा होती है किंतु साबित कदाचार (Misbehavioru) के आधार पर राष्ट्रपति के आदेश द्वारा उनके पद से हटाया जा सकता है।
- गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1919 के तहत पहली बार भारत में लोक सेवा आयोग की स्थापना हुई।
- संविधान के अनुच्छेद 315 में प्रावधान है कि संधा सरकार के लिये संघ लोक सेवा आयोग और प्रत्येक राज्य के लिये राज्य लोक सेवा आयोग गठित होगा।
- पहली बार सिविल सेवा की परीक्षा एक साथ लंदन और इलाहाबाद में सन् 1922 में आयोजित हुई।
- ली आयोग के सुझाव पर 1926 में लोक सेवा आयोग की स्थापना केंद्रीय लोक सेवा आयोग के रूप में की गई।
- भारत सरकार अधिनियम, 1935 के तहत केंद्रीय लोक सेवा आयोग का नाम बदलकर संघीय लोक सेवा आयोग कर दिया गया।
- 26 जनवरी, 1950 को भारतीय संविधान लागू होने पर आयोग का नाम बदलकर संघ लोक सेवा आयोग कर दिया गया।
- सिविल सेवा में इंपीरियल शब्द के स्थान पर भारतीय शब्द का प्रयोग 1926 में शुरू हुआ।
- संघ लोक सेवा आयोग के प्रथम महिला अध्यक्ष रोज बैथ्यू थी।
- स्वतंत्रता से पूर्व इंडिया पुलिस सर्विस को इंडियन पुलिस के नाम से जाना जाता था।
- 42वें संविधान संशोधन अधिनियम (1976) द्वारा भाग 14(क) में अनुच्छेद 323(क) व 323(ख) को जोड़कर अधिकरण (Tribunals) के बारे में प्रावधान किया गया है।
- अनुच्छेद 323(क) प्रशासनिक अधिकरण के लिये अधिकरण गठित किये जाने का प्रावधान करता है।
- अनुच्छेद 323(ख) अन्य विषयों के लिये अधिकरण गठित किये जाने के बारे में प्रावधान करता है।
- जुलाई 1947 में भारतीय प्रशासनिक सेवा में भत्ती के लिये पहली बार प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की गई थी।
- संविधान के अनुच्छेद 319 के तहत, संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष भारत सरकार या किसी राज्य की सरकार के अधीन किसी भी पद को धारण नहीं करेगा।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. भारतीय प्रशासन में 'विभाजन प्रणाली' किससे संबंधित है?
(A) लेखा-परीक्षण/लेखा
(B) केंद्र/राज्य
(C) नीति/कार्यान्वयन
(D) अखिल भारतीय सेवाएं/केंद्रीय सेवाएं
67th BPSC (Pre.) 2022

2. भारत के वरीयता-क्रम में निम्नलिखित में से कौन पहले आता है?
(A) UPSC का अध्यक्ष
(B) मुख्य चुनाव आयुक्त
(C) नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक
(D) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
65th BPSC (Pre.)

3. लेखानुदान बना है–
(A) कैग की रिपोर्ट पर मतदान के लिये
(B) अप्रत्याशित व्यय को पूरा करने के लिये
(C) बजट पारित लंबित होने के कारण
(D) बजट के लिये
(E) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक
60-62nd BPSC (Pre.)

4. लोक लेखा समिति अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करती है–
(A) नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक को
(B) लोकसभा के स्पीकर को
(C) संसदीय मामलों के मंत्री को
(D) भारत के राष्ट्रपति को **53-55th BPSC (Pre.)**

5. संसद की प्राक्कलन समिति है–
(A) स्थायी (B) अस्थायी

(C) न्यायिक (D) इनमें से कोई नहीं

Bihar SI (Mains) 2018

6. किसे भारत का नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक नियुक्त किया गया है?

(A) राजीव महर्षि (B) गिरिश चन्द्र मुर्म

(C) विवेक शर्मा (D) नरेश अय्यर

7. निम्नांकित कथनों पर विचार कीजिये–

(i) नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग का मुखिया होता है।

(ii) शशिकांत शर्मा भारत के ग्यारहवें नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक हैं।

सही कूटों का चयन करें–

(A) केवल (i) सत्य है।

(B) केवल (ii) सत्य है।

(C) (i) एवं (ii) दोनों सत्य हैं।

(D) (i) एवं (ii) दोनों असत्य हैं।

8. भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की नियुक्ति की जाती है–

(A) राष्ट्रपति द्वारा

(B) लोकसभा अध्यक्ष द्वारा

(C) अध्यक्ष, नीति आयोग द्वारा

(D) वित्त मंत्री द्वारा

9. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की नियुक्ति होती है?

(A) अनुच्छेद 146 (B) अनुच्छेद 148

(C) अनुच्छेद 147 (D) अनुच्छेद 149

10. भारत के कैग के संघ संबंधों, लेखा प्रतिवेदनों को सर्वप्रथम निम्नलिखित में से किसको प्रस्तुत किया जाता है?

(A) लोक लेखा समिति के अध्यक्ष को

(B) लोकसभा के प्रधानमंत्री को

(C) भारत के प्रधानमंत्री को

(D) भारत के राष्ट्रपति को

11. निम्नलिखित में से किसके द्वारा भारत के नियंत्रक एंव महालेखापरीक्षक के पद का सृजन किया गया है?

(A) संसदीय अधिनियम द्वारा

(B) संविधान द्वारा

(C) केंद्र सरकार द्वारा

(D) राष्ट्रीय विकास परिषद द्वारा

12. भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा ही नहीं है?

(A) उसकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

(B) उसका वेतन सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति के समान होता है।

(C) सेनानिवृत्ति के पश्चात् वह अन्य सरकारी सेवा के अयोग्य हो जाते हैं।

(D) राष्ट्रपति उसको पदच्युत कर सकता है।

13. नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टीका टिप्पणी पर उचित कार्यवाही करने की अंतिम जिम्मेदारी है–

(A) भारत के राष्ट्रपति की (B) सर्वोच्च न्यायालय की

(C) संसद की (D) राष्ट्रीय विकास परिषद की

ANSWER KEY

01. (C)	02. (E)	03. (C)	04. (B)	05. (A)
06. (B)	07. (A)	08. (A)	09. (B)	10. (D)
11. (B)	12. (D)	13. (C)		

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

1. सरकारी प्रशासन में लेखा परीक्षण के प्रकारों तथा उद्देश्यों पर प्रकाश डालिये।
2. नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की शक्तियों का वर्णन कीजिये।
3. वित्त पर संसद का नियंत्रण कैसे होता है? समझाइये।
4. ससंद द्वारा वित्त पर नियंत्रण से संबंधित कमियां का उल्लेख कीजिये। इन कमियों को किस प्रकार दूर किया जा सकता है? स्पष्ट करें।

Note:

KHAN SIR

15. भाग–15 (Part– 15)

➢ **निर्वाचन/चुनाव (Election Commission)–**

➢ **अनुच्छेद 324–** इसमें चुनाव आयोग की चर्चा है। यह एक संवैधानिक पद है।

- निर्वाचन आयोग के पास निर्वाचन से सम्बन्धित नियंत्रण निर्देशक एवं अधिक्षण का अधिकार है।
- भारत में निर्वाचन आयोग का गठन 25 जनवरी 1950 को किया गया था।
- प्रारंभ में निर्वाचन आयोग एक सदस्यीय था किन्तु तारकोंडे समिति के सिफारिश पर चुनाव आयोग को 3 सदस्यी बना दिया गया। तीनों सदस्य की शक्तियाँ समान होती है।
- इसी संशोधन द्वारा मताधिकार की आयु को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दिया गया।

  Note :– वोट देने का अधिकार संवैधानिक अधिकार के अंतर्गत एक राजनीतिक अधिकार है।
- निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति प्रधानमंत्री के सलाह पर राष्ट्रपति करते हैं।
- प्रथम निर्वाचन आयुक्त **'सुकुमार सेन'** थे।
- वर्तमान में मुख्य निर्वाचन आयुक्त **(Chief Election Comissioner) 'राजीव कुमार'** हैं।
- निर्वाचन आयुक्त का कोई शपथ ग्रहण नहीं होता है।
- सभी निर्वाचन आयुक्त के सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की अवस्था तक होती है।
- मुख्य निर्वाचन आयुक्त के सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष होती है।
- यह अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को देते हैं, इन्हें हटाने के लिए महाभियोग्य जैसी प्रक्रिया लानी होती है।
- जबकि अन्य चुनाव आयुक्त को राष्ट्रपति मुख्य चुनाव आयुक्त के अनुशंसा पर पद से हटा देते हैं।
- निर्वाचन आयोग राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति, लोकसभा-राज्यसभा विधानसभा तथा विधानपरिषद का निर्वाचन करती है।

  Remark :– PM तथा CM का निर्वाचन नहीं नियुक्ति होती है, जबकि पंचायत तथा नगरपालिका का चुनाव राज्य निर्वाचन आयोग कराती है।

➢ **अनुच्छेद 327–** इसके अनुसार संसद एवं राज्य विधानमंडल के निर्वाचन संबंधित कानून बनाने का अधिकार संसद को प्राप्त है। निर्वाचन आयोग मतदाता सूची को तैयार करवाता है।

➢ **अनुच्छेद 328–** इसके अनुसार संसद द्वारा बनाई गई कानून संविधान के प्रारूप के अनुरूप राज्य विधानमंडल के निर्वाचन के विषय में कानून बनाने का अधिकार राज्य विधानमंडल को प्राप्त है लेकिन परिसिमन के विषय में कानून संसद ही बनाएगी।

➢ **अनुच्छेद 329–** इसके अनुसार निर्वाचन के संबंध में संसद या राज्य विधानमंडल द्वारा बनाए गए कानून को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती है।

- जिला का सबसे बड़ा निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी DM होता है।
- निर्वाचन आयोग समय-समय पर मतदाता सूची, Voter Card बनाती है।
- यह जाति धर्म या लिंग के आधार पर किसी व्यक्ति का नाम न जोड़ सकती है और न हटा सकती है।
- निर्वाचन आयोग आचार संहिता की घोषणा करती है, जो चुनाव से संबंधित नियम कानुन होता है।
- चुनाव समाप्त होने के 48 घंटा पहले या पहले चुनाव प्रचार रोक दिया जाता है।
- कोई सदस्य यदि आयोग्य है और वह निर्वाचित हो चुका है तो उसकी अयोग्यता की जानकारी निर्वाचन आयोग राष्ट्रपति या राज्यपाल को दे देते हैं और वे ऐसे सदस्य को हटा देते हैं।

➢ **निर्वाचन का नियंत्रण–**

1. **District Magistrate (D.M)–** जिला में निर्वाचन का दायित्व D.M. पर होता है अपने जिला को 4 या 5 निर्वाचन खण्ड में बांट कर उसे Returning Office (R.O) को जिम्मेदारी देता है।
2. **Returning Officer (R.O)–** यह एक खण्ड का प्रमुख निर्वाचन अधिकारी होता है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण पद है।
3. **Presiding Officer (P.O)–** यह R.O के अधीन होता है। इसका कार्यक्षेत्र छोटा होता है। यह एक Polling Booth का Incharge होता है।
4. **Polling Officer (P.O)–** यह Presiding Officer के अधीन होता है।

   PO – 1 = ID मिलाता है।

   PO – 2 = ID number नोट करके, स्याही लगाता है।

   PO – 3 = EVM को Power Supply देता है।
5. **Polling Agent (P.A)–** यह चुनाव लड़ रहे नेता का करीबी व्यक्ति होता है इसकी नियुक्ति Presiding Officer करता है। यह मतदान करने जा रहे लोगों की मदद करता है।

- चुनाव समाप्त होने के बाद Polling Officer तथा Presiding Officer सभी EVM मशीन को एक साथ जमा करके Police सुरक्षा के साथ Returning Officer को सौंप देते हैं।
- Returning Officer सभी EVM को D.M की उपस्थिति में Storage Room में रख कर Seal कर देते हैं। जिसे Strong Room कहते हैं।

- मतगणना के दिन इसी Strong Room से EVM के Seal को तोड़कर मतगणना होती है।

6. **Sector Magistrate (S.M)–** यही EVM मशीन की तकनीक समस्या को दूर करता है।

- **आम चुनाव–** जब कोई सरकार अपना 5 वर्ष का कार्यकाल पूरा कर लेती है तो उस समय हुआ चुनाव आम चुनाव कहलाता है। यह पूरे 5 वर्ष के लिए होता है।
  जैसे– 2014, 2019 की लोकसभा
- **मध्यवर्ती चुनाव–** जब कोई सरकार अपनी 5 वर्ष की कार्यकाल पूरा नहीं कर पाती है, तो उसके स्थान पर कराया गया चुनाव मध्यवर्ती चुनाव कहलाता है। यह पुरे पाँच वर्ष के लिए होता है।
- **उप चुनाव–** किसी सदस्य का सीट खाली होने पर उसके स्थान पर कराया गया चुनाव उप-चुनाव कहलाता है, यह बचे हुए कार्यकाल के लिए होता है।
- **प्रॉक्सी मतदान–** सैन्य कर्मचारी या विदेश में कार्यरत अधिकारी जब अपने स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति को मतदान के लिए कहते हैं, तो उसे प्रॉक्सी मतदान कहते हैं।
- **प्रत्यावर्तन का अधिकार–** यह एक विशेष प्रकार का अधिकार है, जिसके तहत जनता चुने गए नेता को कार्यकाल पूरा होने से पहले मतदान के माध्यम से वापस बुला सकती है, यह केवल मध्यप्रदेश में लागू है और वे भी पंचायत स्तर पर।
- **राजनीतिक दल–** मूल संविधान में राजनीतिक दल का उल्लेख नहीं है। 52वां संविधान संशोधन 1985 ई० के द्वारा राजनीतिक दल को संविधान में शामिल किया गया।
- किसी दल के Party को चुनाव चिन्ह देना, क्षेत्रीय दल घोषित करना, राष्ट्रीय दल घोषित करना निर्वाचन आयोग का कार्य होता है।
- **क्षेत्रीय दल के लिए शर्त्तें–** क्षेत्रीय दल के लिए तीन शर्त्तें हैं, किसी एक शर्त्त को पूरा करने पर भी उसे क्षेत्रीय दल का दर्जा दे दिया जाएगा।
  1. उस राज्य के विधानसभा चुनाव में कम से कम दो सीट एवं दिए गए वैध मतो का 6% मत प्राप्त किया हो।
  2. उस राज्य के विधानसभा चुनाव में कम से कम 3% सीट
  3. उस राज्य में डाले गए कुल Vote का 8% या लोकसभा में डाले गये वोट का 6%।
- **राष्ट्रीय पार्टी के लिए शर्त्तें–**
  1. तीन अलग-अलग राज्यों से लोक सभा का 2% सीट अर्थात 11 सीट प्राप्त किया हो।
  2. लोकसभा या विधान सभा के चुनाव में 4 अलग-अलग राज्यों से वैध मतो का 6% मत एवं लोकसभा का 4 सीटो पर जीत दर्ज किया हो।
  3. कम से कम 4 राज्यों में क्षेत्रीय दल का दर्जा प्राप्त हुआ।
  4. लोकसभा अथवा राज्य विधान सभा चुनाव में किसी 4 राज्य अथवा अधिक राज्यों में कुल डाले गये वैध मतों का 6% मत प्राप्त है।
- इनमें से कोई एक शर्त्त पुरा करने पर राष्ट्रीय दल घोषित कर दिया जाएगा।
- राष्ट्रीय दल घोषित हो जाने के बाद उस पार्टी को स्थायी चुनाव चिह्न सरकारी आवास तथा सुरक्षा उपलब्ध कराया जाता है।
- **राष्ट्रीय पार्टी की संख्या 7 है–**

➢ **राष्ट्रीय दल (NATIONAL PARTY)–**

1. **काँग्रेस–** स्थापना- **1885,** संस्थापक- **A.O. ह्युम**, चुनाव चिह्न- **पंजा**
2. **भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा)–** स्थापना - **1925**, संस्थापक- **M.N राय**, चुनाव चिह्न- **हसिया और बाली**
3. **मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)–** स्थापना - **1964**, संस्थापक- **PA डांगे**, चुनाव चिह्न- **हशुआ हथौड़ा और तारा**
4. **भारतीय जनता पार्टी (BJP)–** स्थापना– **1980**, संस्थापक- **अटल बिहारी वाजपेयी**, चुनाव चिह्न- **कमल**
5. **बहुजन समाज पार्टी (बसपा)–** स्थापना- **1984**, संस्थापक- **कासीराम**, चुनाव चिह्न- **हाथी**
6. **राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी (NCP)–** स्थापना– **1999**, संस्थापक- **शरद पवार**, चुनाव चिह्न- **टेबल घड़ी**
7. **तृणमूल काँग्रेस पार्टी (TMC)–** स्थापना– **1998**, संस्थापक- **ममता बनर्जी**, चुनाव चिह्न- **फूल का पौधा**
8. **नेशनल पीपल्स पार्टी –** संस्थापक पी.ए. संगमा चुनाव चिन्ह – किताब – स्थापना – 2013

- वर्तमान समय में 54 पार्टी को क्षेत्रीय दल की मान्यता प्राप्त है।

दल-बदल

- **दल-बदल विरोध कानून–**
- इसे 52वां संविधान संशोधन 1985 द्वारा जोड़ा गया। इस समय प्रधानमंत्री राजीव गांधी थे।
- दल-बदल को 10वीं अनुसूची में जोड़ा गया।
  Note : दल बदल कानून दल के अध्यक्ष के सिफारिश पर अध्यक्ष तथा सभापति लगाते हैं। जिस व्यक्ति पर दल-बदल का कानून लग जाता है। उसकी सदस्यता रद्द कर दी जाती है।
- **निम्न परिस्थितियों में दल-बदल कानून लगता है–**
  (i) यदि कोई अपनी पार्टी को बदल कर दूसरी पार्टी को Join कर ले।
  (ii) यदि निर्दलीय उम्मीदवार किसी पार्टी का सदस्य निर्वाचित होने के छः माह के बाद बन जाए।
  (iii) यदि पार्टी की सदस्यता त्यागकर दूसरी पार्टी Join कर ले।
  (iv) यदि पार्टी के दिशा-निर्देश के विपरीत मतदान करे।
  (v) यदि मतदान के समय वह अनुपस्थिति रहे और 15 दिन के अंदर पार्टी अध्यक्ष उसे माफ न करे।
- **निम्नलिखित परिस्थितियों में दल-बदल कानून नहीं लगता है–**
  (i) यदि पार्टी का गठबंधन हो जाए तो
  Ex.:– NDA और UPA.
  (ii) यदि पार्टी ने ही उस सदस्य को ही निकाल दिया हो, तो
  Ex.:– शत्रुघन सिंहा।
  (iii) यदि 2/3 सदस्य पार्टी को छोड़कर निकल जाए तो

(iv) यदि 2/3 सदस्य किसी पार्टी को छोड़कर किसी दूसरी पार्टी में शामिल हो जाए।

(v) यदि दो या अधिक पार्टियों का आपस में विलय हो जाए तो

Remark :– दल-बदल कानून केवल चुनाव जीते हुए व्यक्ति पर लगता है न कि चुनाव हारे हुए व्यक्ति पर।

बैलेट पेपर

- भारत में मतदान के लिए बैलेट पेपर का प्रयोग किया जाता था जिसे मतदान पेटी में जमा किया जाता था। किंतु इससे गिनती में बहुत अधिक समय लग जाता था। जिस कारण Electronic Votting Machine (EVM) का प्रयोग किया गया।
- नगर-पालिका के चुनाव में EVM का प्रयोग होता है। जबकि पंचायत चुनाव में बैलेट पेपर का प्रयोग होता है।
- EVM का पहला प्रयोगिक परिक्षण 1982 में केरल के उपचुनाव में हुआ था।
- EVM का व्यापक प्रयोग 1998 के विधान सभा के चुनाव में हुआ। (राजस्थान)
- सर्वप्रथम 1999 में पहला राज्य गोवा था जहाँ सभी वुथ पर EVM को प्रयोग में लाया गया।
- 2004 के लोकसभा के चुनाव में EVM का प्रयोग पूरे देश में हुआ।
- 2013 में None of the above (NOTA) का प्रयोग किया गया। (छत्तीसगढ़ में)
- EVM मशीन में एक अलग से VVPAT (Voter Verification paper Audit trial) का प्रयोग किया गया।
- इसका प्रथम प्रयोग 2017 से प्रारंभ हुआ। यह मतदान के बाद मतदाता को इस बात की जानकारी देता है, कि वह किस प्रत्याशी को वोट दिया है।
- वर्तमान VVPAT के M–3 वर्जन (verson) (संस्करण) का प्रयोग हो रहा है।
- मतदान की स्याही Silver Nitrate की होती है।
- 25 Jan को मतदान दिवस मनाया जाता है।

स्मरणीय तथ्य

- श्री.एन.एन. वोहरा ने 2008-18 के दौरान जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के रूप मे कार्य किया।
- परिसीमन संबंधी मामलों में अंतिम निर्णय देने का अधिकार केवल परिसीमन आयोग को है।
- श्रीमती वी.एस. रमादेवी एकमात्र महिला मुख्य निर्वाचन आयुक्त (कार्यवाहक) रही हैं।
- 25 जनवरी को निर्वाचन आयोग के गठन/स्थापना के कारण वर्ष 2011 से 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस (नेशनल वोटर्स डे) मनाया जाता है।
- भारतीय संविधान के भाग15 में अनुच्छेद 324 से 329 तक निर्वाचन से संबंधित उपबंधों का उल्लेख किया गया है।
- भारत में प्रयोग की जाने वाली मशीन VVPAT का संस्करण M3 है।
- संविधान में निर्वाचन आयुक्त के लिये किसी प्रकार की योग्यता, शपथ या प्रतिज्ञान का विवरण नहीं है।
- दिनेश गोस्वामी समिति, के. संथानम समिति, वी. एन. तारकुण्डे समिति व इंद्रजीत गुप्ता समिति का संबंध चुनाव सुधारों से है।
- भारत के प्रथम मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुकुमार सेन थे।
- किसी चुनाव में यदि कोई प्रत्याशी कुल वैध मतों का 1/6 मत प्राप्त नहीं करता तो उसकी जमानत राशि जब्त हो जाती है।
- EVM का प्रयोग करने व फोटोयुक्त परिचय पत्र उपलब्ध कराने की सिफारिश दिनेश गोस्वामी समिति ने की थी।
- 16वीं लोकसभा के चुनाव में डी.एम.के., आर.एल.डी., नेशनल कॉन्फ्रेंस, बी.एस.पी. पार्टी एक भी सीट जीत नहीं पाई थी।
- वर्तमान में लोकसभा चुनाव में खर्च सीमा बड़े राज्यों के लिये रु. 77 लाख व विधानसभा चुनाव में रु. 30.8 लाख है।
- वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रायल (VVPAT) का प्रथम प्रयोग नोकासेन (नागालैंड) विधानसभा चुनाव में हुआ था।
- भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का गठन 1980 में हुआ था तथा इसके प्रथम अध्यक्ष श्री अटल बिहारी वाजपेयी थे।
- रामविलास पासवान ने अपना राजनीतिक सफर संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी से शुरू किया था।
- निर्वाचन आयोग ने बिहार में 17वीं विधानसभा के गठन के लिये 25 सितंबर, 2020 को प्रेस नोट जारी किया था।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. भारत में यदि 'एक राज्य एक चुनाव' लागू किया जाता है, तो भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में संशोधन की आवश्यकता होगी?
(A) अनुच्छेद 83 (B) अनुच्छेद 172
(C) अनुच्छेद 356 (D) अनुच्छेद 246
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre.) Re-Exam, 2022

2. भारत के संविधान का कौन-सा अनुच्छेद भारतीय निर्वाचन आयोग की स्थापना से संबंधित है?
(A) अनुच्छेद 324 (B) अनुच्छेद 148
(C) अनुच्छेद 342 (D) अनुच्छेद 325
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
66th BPSC (Pre.)

3. रामविलास पासवान ने अपना राजनीतिक सफर किस राजनीतिक दल से प्रारंभ किया था?
(A) जनता पार्टी (B) भारतीय लोक दल
(C) संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी (D) प्रजा सोशलिस्ट पार्टी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
66th BPSC (Pre.)

4. भारत के निर्वाचन आयोग ने कब बिहार विधानसभा 2020 के आम चुनाव के लिये प्रेस नोट जारी किया?
(A) 23 सितंबर, 2020 (B) 24 सितंबर, 2020
(C) 25 सितंबर, 2020 (D) 26 सितंबर, 2020
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
66th BPSC(Pre.)

5. आम आदमी पार्टी–
(A) राज्य पार्टी है (B) राष्ट्रीय पार्टी है
(C) क्षेत्रीय पार्टी है (D) पंजीकृत पार्टी है
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
65th BPSC (Pre.)

6. भारत में मतदान के लिये प्रयोग की जाने वाली मशीन VVPAT का संस्करण क्या है?

(A) M1 (B) Z1
(C) M3 (D) Z3
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th BPSC (Pre.)

7. निम्नलिखित में से राजनीतिक दलों का कौन समूह 16वीं लोकसभा के चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत पाया?

(A) एम.एन.एस., बी.एस.पी., एस.पी., आर.जे.डी.
(B) एस.पी., बी.एस.पी., नेशनल कॉन्फ्रेंस, आर.एल.डी.
(C) जे.डी.यू., बी.एस.पी., एन.सी.सी., आर.जे.डी.
(D) डी.एम.के., आर.एल.डी., नेशनल कॉन्फ्रेंस, बी.एस.पी.

56-59th BPSC (Pre.)

8. भारत के विभिन्न राजनीतिक दलों का राष्ट्रीय या क्षेत्रीय दल का दर्जा देने का अधिकार किसको है?

(A) संसद (B) राष्ट्रपति
(C) चुनाव आयोग (D) सर्वोच्च न्यायालय

45th BPSC (Pre.)

9. निर्वाचन आयुक्त को पद से हटाया जा सकता है–

(A) मुख्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा
(B) प्रधानमंत्री द्वारा
(C) भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

BSSC-CGL (Mains) 2014

10. वोहरा कमेटी रिपोर्ट जो राजनीति के अपराधीकरण पर थी। इसके अध्यक्ष री एन.एन. वोहरा जो किस राज्य के राज्यपाल रह चुके हैं।

(A) जम्मू एवं कश्मीर के (B) असम के
(C) तमिलनाडु के (D) केरल के

11. निम्नलिखित में से कौन-सी राज्य पार्टी है?

(A) भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेंस
(B) राष्ट्रीय जनता दल
(C) कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी)
(D) बहुजन समाज पार्टी **BSSC-CGL (Pre.) 2014**

12. निम्नलिखित में से कौन-सा आयोग सर्वप्रथम, भारत के संविधान की किसी धारा के अंतर्गत किसी निश्चित प्रावधान के अनुपालन में स्थापित किया गया?

(A) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
(B) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग
(C) चुनाव आयोग
(D) केंद्रीय सतर्कता आयोग **BSSC-CGL (Pre.) 2014**

13. किसी भी राजनीतिक दल को राष्ट्रीय दल बनने के लिये कितने राज्यों में मान्यता जरूरी है?

(A) 4 राज्य (B) 6 राज्य
(C) 9 राज्य (D) 12 राज्य

Bihar SI (Pre.) 2018

14. निम्नलिखित में से किस एक राज्य में भारतीय जनता पार्टी (BJP) अभी शासन नहीं कर रही है?

(A) राजस्थान (B) मध्य प्रदेश
(C) तेलंगाना (D) कर्नाटक

15. सूची-X को सूची-Y से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए–

सूची-X (चुनाव सुधार समिति)	सूची-Y (संबंधित विषय)
A. तारकुंडे समिति	1. चुनाव सुधार
B. वोहरा समिति	2. अपराध और राजनीति के बीच साँठ-गाँठ
C. इंद्रजीत गुप्ता समिति	3. अपराध द्वारा चुनाव खर्च वहन करना
D जे.एस. वर्मा समिति	4. आपराधिक कानून में संशोधन की स्थापना

कूट:	A	B	C	D
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	1	2	4	3
(D)	3	4	1	2

16. चुनाव आयोग की स्वतंत्रता से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये।

1. निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति 6 वर्ष की अवधि या 65 वर्ष की आयु के लिये होती है।
2. मुख्य निर्वाचन आयुक्त को उन्हीं आधारों और उसी रीति से हटाया जा सकता है जैसे कि उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को।
3. आयुक्त की सेवा शर्तों में नियुक्ति के बाद अलाभकारी परिवर्तन किया जा सकता है।

सही उत्तर का चयन कीजिये–

(A) 1 और 2 (B) 2 और 3
(C) 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

17. निम्नलिखित में कौन राष्ट्रीय दल नहीं है?

(A) भाजपा (B) सीपीआई
(C) बीएसपी (D) आरजेडी

18. दिनेश गोस्वामी समिति (1990), निम्नलिखित में किससे संबंधित है?

(A) कर सुधार (B) चुनाव सुधार
(C) बैंकिंग सुधार (D) इनमें से कोई नहीं

19. भारतीय जनता पार्टी का गठन निम्नलिखित में किस वर्ष हुआ?

(A) 1970 (B) 1977
(C) 1982 (D) 1980

20. निम्नलिखित में कब राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है?

(A) 20 जनवरी (B) 30 जनवरी
(C) 25 जनवरी (D) 31 दिसंबर

ANSWER KEY

01. (E)	02. (A)	03. (C)	04. (C)	05. (C)
06. (C)	07. (D)	08. (C)	09. (D)	10. (A)
11. (B)	12. (C)	13. (A)	14. (C)	15. (A)
16. (A)	17. (D)	18. (B)	19. (D)	20. (C)

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

1. ''भारतीय राजनीति दलीय व्यवस्था राष्ट्रोन्मुखी न होकर व्यक्ति-उन्मुखी है।'' इस तथ्य को बिहार राज्य के परिप्रेक्ष्य में स्पष्ट कीजिये। **65th BPSC (Mains)**

2. ''बहुत अधिक राजनीतिक दल भारतीय राजनीतिक के लिये अभिशाप हैं।'' इस तत्य को बिहार के परिप्रेक्ष्य में स्पष्ट कीजिये। **64th BPSC (Mains)**

3. हाल के दिनों में भारतीय जनता पार्टी की राजनीति पर बढ़ते क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के प्रभाव क्या है?

63th BPSC (Mains)

16. भाग–16 (Part– 16)

- **कुछ वर्गों के लिए विशेष प्रावधान–**
- **अनुच्छेद 330–** L.S. में SC/ST के सीट का आरक्षण ।
  (SC = 84 सीट, ST = 47 सीट)
- **अनुच्छेद 331–** L.S. में दो Anglo Indian को राष्ट्रपति मनोनित करेंगे। (निरस्त)
- **अनुच्छेद 332–** विधानसभा में SC/ST के सीटों का आरक्षण।
- **अनुच्छेद 333–** विधान सभा में एक Anglo Indian को राज्यपाल मनोनित करते हैं। (निरस्त)
- **अनुच्छेद 334–** L.S तथा V.S में SC/ST का आरक्षण 2030 तक बना रहेगा।
- **अनुच्छेद 335–** नौकरी तथा प्रमोशन में SC/ST को आरक्षण
- **अनुच्छेद 336–** नौकरी तथा प्रमोशन में Anglo Indian को आरक्षण (निरस्त)
- **अनुच्छेद 337–** Anglo Indian को शैक्षणिक अनुदान (scholorship)
- **अनुच्छेद 338–** SC आयोग → इसका गठन 65वां संशोधन 1990 द्वारा किया गया यह 7 सदस्यी है।
- **अनुच्छेद 338(क)–** SC आयोग → इसका गठन 89वां संशोधन 2003 द्वारा किया गया यह 5 सदस्यी है।
- **अनुच्छेद 339 –** SC तथा ST दोनों के प्रशासन तथा कल्याण 'केन्द्र' का कर्त्तव्य होगा।

  Remark :– SC तथा ST आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति प्रधानमंत्री के सलाह पर राष्ट्रपति 3 वर्ष के लिए करते हैं। आयोग अपनी वार्षिक रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपती है। आयोग का अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री के बराबर शक्ति रखता है।
- **अनुच्छेद 340–** यह एक वैधानिक निकाय है जिसकी सिफारिश मानने के लिए सरकार बाध्य नहीं है।
  - पहला पिछला वर्ग आयोग के अध्यक्ष काका कालेकर थे।
  - दूसरा पिछड़ा वर्ग आयोग 1879 में जनता पार्टी के मोरारजी देशाई ने गठित किया।
  - दूसरा पिछड़ा वर्ग आयोग अर्थात मंडल आयोग ने OBC को 27% आरक्षण की बात कही।
  - मंडल आयोग के सिफारिश को 1990 में विश्वनाथ प्रताप सिंह ने लागू किया।
  - 1992 में Suprime Court ने कहा कि OBC को आरक्षण आर्थिक दृष्टि से पिछड़ा होने पर दिया जाय अर्थात् Economicat Backward Cast (EBC) के आधार पर।

→ I. काका कालेकर समिति
→ II. मंडल आयोग (मोरारजी देसाई के समय जनतापार्टी)
  → रिपोर्ट–बी.पी. सिंह के समय

OBC → 27%...............

EBC
↓ OBC का दो प्रकार
- कृमिलेयर — 1 year = 8 lakh ↑
- नन–कृमिलेयर — 1 year = 8 lakh ↓

- **अनुच्छेद 341–** SC (कौन Cast को SC तथा ST में शामिल किया जाना है राष्ट्रपति का काम है, संसद के सलाह पर)
- **अनुच्छेद 342–** SC
  - ब्रिटिश काल में भारत के जनजातियों को अपराधी घोषित कर दिया था। अंग्रेजों ने इनकी जमीनें छीन ली थी।
  - स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने 31 Aug 1952 को इन्हें अपराधी के श्रेणी से हटा दिया जिस कारण ये जनजाति 31 Aug. को स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं।
  - **Suprime Court ने इसके लिए OBC में दो श्रेणियाँ बना दी–**

1. **क्रीमीलेयर–** इसमें वैसे OBC आते हैं, जिसके परिवार की सालाना आय 8 लाख रुपये से अधिक है। इन्हें मंडल आयोग का 27% आरक्षण नहीं दिया जाता है।
2. **Non-Crimilare–** इसमें वैसे OBC आते हैं, जिनके परिवार की सालाना आय 8 लाख रुपये से कम है, इन्हें मंडल आयोग के 27% आरक्षण को दिया जाता है।

- OBC को BC–I तथा BC–II में भी बाँट सकते हैं।
- SC ने किन्नर या हिजरा को Third Gender में रख दिया और 2014 में उन्हें OBC जाति में रखा गया।

SC	Scheduled Cast
ST	Scheduled Tribes
OBC	Other Backward Cast
EBC	Economical Backward Cast
BC–I	Backward Cast–I
BC–II	Backward Cast–II

- **अनुच्छेद 341–** किसी जाति को राष्ट्रपति SC जाति घोषित कर सकते हैं।

KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

- **अनुच्छेद 342 –** किसी जाति का राष्ट्रपति ST जाति (अनुसूचित जनजाति) घोषित कर सकते हैं।

  Remark :– राष्ट्रपति द्वारा घोषित किसी जाति को SC/ST (श्रेणी) जाति को बाहर निकालने का अधिकार संसद को है।

  Note :– अनुसूचित जनजाति (ST) का निर्धारण सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर होता है।

  1. सबसे पुरानी जनजाति – यारबा जनजाति
  2. सबसे बड़ी जनजाति – भील
  3. सबसे खतरनाक जनजाति – सेंटलीन
  4. दिवाली को शोक के रूप में – थारू जनजाति
  5. सर्वाधिक SC – U.P.
  6. सर्वाधिक ST – M.P.
  7. अनुसूचित जातियों का सर्वाधिक घनत्व – पंजाब
  8. मातृसंतात्मक – खासी नगर जनजाति

- **सामाजिक सुधार अधिनियम–**

  (i) बंधुआ मजदूर उन्मूलन = 1976
  (ii) बाल श्रम उन्मूलन = 1986
  (iii) अल्पसंख्यक आयोग = 1992
  (iv) पिछड़ा वर्ग आयोग = 1993
  (v) नि: शक्त जन आयोग = 1995

  Remark :– अल्पसंख्यक का निर्धारण धर्म तथा भाषा के आधार पर किया जाता है। जबकि आरक्षण जाति के आधार पर दिया जाता है।

स्मरणीय तथ्य

- 89वें संविधान संशोधन, 2003 द्वारा राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग को दो पृथक् आयोगों- राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग में विभाजित कर दिया गया।
- राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और तीन सदस्य होते हैं। इनकी नियुक्ति, वेतन, भत्ते, सेवा शर्तों का निर्धारण राष्ट्रपति करता है।
- उपरोक्त दोनों आयोग अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को भेजते हैं। राष्ट्रपति इस रिपोर्ट को संबंधित राज्यों के राज्यपालों को भी भेजता है।
- राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का अध्यक्ष उच्चतम न्यायालय का कोई सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश या न्यायाधीश होना चाहिये।
- मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष व सदस्य 3 वर्ष अथवा 70 वर्ष की आयु (जो भी पहले हो) तक अपना पद धारण करते हैं।
- मानव अधिकार आयोग ऐसे किसी भी मामले की जाँच नहीं कर सकता जिसे घटित हुए एक वर्ष से अधिक का समय हो गया है।
- पिछड़ा जाति आयोग के प्रथम अध्यक्ष काका साहेब कालेलकर थे।
- भारत के प्रथम लोकपाल पिनाकी चंद्र घोष हैं।
- मानव अधिकार संशोधन अधिनियम, 2006 द्वारा राज्य मानव अधिकार आयोग के सदस्यों की संख्या 5 से घटाकर 3 की गई।
- इसी संशोधन अधिनियम द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि राष्ट्रीय/ राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों के चयन हेतु गठित चयन समिति में यदि कोई रिक्ति या अनुपस्थिति हो तो उसका चयन समिति के निर्णयों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- लोकपाल और लोकायुक्त की धारणा स्वीडन के ओंबुड्समैन से प्रभावित है। न्यूजीलैंड के पार्लियामेंट्री कमीशन ऑफ इन्वेस्टिगेशन का भी इन पर प्रभाव देखा जाता है।
- लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 पर 01.01.2014 को राष्ट्रपति ने हस्ताक्षर किये और 16.01.2014 से यह लागू हुआ।
- सर्वप्रथम लोकायुक्त की स्थापना 1971 में महाराष्ट्र में हुई यद्यपि इसके लिये अधिनियम सबसे पहले ओडिशा (1970) ने बनाया।
- पदच्युति के संदर्भ में कदाचार या असमर्थता की जाँच उच्चतम न्यायालय द्वारा की जाती है।
- जिला फोरम 20 लाख रुपए तक के मामलों की सुनवाई करता है। जहाँ दावा 20 लाख से अधिक और एक करोड़ रुपए से कम का है वहाँ सुनवाई राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग करता है।
- अपने कर्त्तव्यों के निर्वहन के संदर्भ में मानव अधिकार आयोग, सूचना आयोग, अनुसूचित जाति आयोग, अनुसूचित जनजाति आयोग, पिछड़ा वर्ग आयोग, महिला आयोग को सिविल (दीवानी) न्यायालय की शक्तियाँ प्राप्त होती हैं।
- एक करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के दावे की सुनवाई राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग द्वारा की जाती है।
- राष्ट्रीय अजा/अजजा आयोग के अध्यक्ष को केंद्रीय कैबिनेट मंत्री व उपाध्यक्ष को केंद्रीय राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त होता है।
- सूचना आयोग का मुख्य सूचना आयुक्त व अन्य आयुक्त विधि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, समाजसेवा, प्रबंधन, पत्रकारिता, जनसंपर्क माध्यम या प्रशासन का ज्ञान और अनुभव रखने वाले विख्यात व्यक्ति होते हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. वर्तमान में राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख कौन हैं?
(A) ममता शर्मा (B) ललिता कुमारमंगलम
(C) रेखा शर्मा (D) स्मृति ईरानी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
66th BPSC (Pre.)

2. पिछड़ा जाति आयोग के प्रथम सभापति कौन थे?
(A) जगजीवन राम (B) काका साहेब कालेलकर
(C) बी.डी. शर्मा (D) बी.आर. अंबेडकर
64th BPSC (Pre.)

3. निम्न में से कौन-सा एक राज्य मानव अधिकार का कार्य नहीं है?
(A) मानव अधिकार के उल्लंघन की स्वेच्छा से जाँच।
(B) किसी जेल को देखना।
(C) मानव अधिकारों की सुरक्षा का पुनरावलोकन करना।
(D) मानव अधिकारों का उल्लंघन करने वालों को सजा देना।

4. भारत में मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम कब लागू हुआ?
(A) 1990 में (B) 1991 में
(C) 1992 में (D) 1993 में

5. राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति समिति में निम्नलिखित में से कौन सदस्य नहीं होता है?
(A) लोकसभा का अध्यक्ष
(B) राज्यसभा का सभापति
(C) लोकसभा में विपक्ष का नेता
(D) राज्यसभा में विपक्ष का नेता

6. निम्नलिखित में से कौन संवैधानिक प्राधिकरण नहीं है?
(A) राज्य निर्वाचन आयोग (B) राज्य वित्त आयोग
(C) जिला पंचाचत (D) राज्य निर्वाचन अधिकारी

7. बिहार का प्रथम लोकायुक्त अध्यक्ष है–
(A) श्रीधर वासुदेव सोहोनी (B) सी.एम. प्रसाद
(C) राम नंदन प्रसाद (D) सैयद सरवर अली

ANSWER KEY

01. (C) 02. (B) 03. (D) 04. (D) 05. (B) 06. (D) 07. (A)

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

1. **टिप्पणी लिखिये–** सूचना अधिकार अधिनियम- पारदर्शी एवं जवाबदेह शासन का एक साधन।
47th BPSC (Mains)
2. केंद्रीय सूचना आयोग की उपयोगिता को स्पष्ट करें।
3. राज्य मानव अधिकार आयोग की संरचना, कार्य तथा कार्य प्रणाली का वर्णन कीजिये।
4. प्रशासन में पारदर्शिता से आप क्या समझते हैं?
5. राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग एक शक्तिहीन संस्था है, जो सिर्फ सिफारिश कर सकती है। उपर्युक्त कथन के आलोक में यह स्पष्ट करें कि राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का बने रहना क्यों आवश्यक है?

Note:

KHAN GLOBAL STUDIES Kisan Cold Storage Campus, Musallahpur, Patna-6 KHAN SIR

17. भाग–17 राजभाषा (National Language)

राजभाषा

- **राष्ट्रभाषा (National Language)–** देश की सबसे लोकप्रिय भाषा।
  Ex. :– Hindi → India, Urdu → Pakistan
- **राज्यभाषा (State Language) –** राज्य की सबसे लोकप्रिय भाषा
- हर राज्यों की लोकप्रिय भाषा अलग-अलग हो सकता है।
  Ex.: – महाराष्ट्र = मराठी
  गुजरात = गुजराती
  बिहार = हिन्दी
- **राजभाषा (Official Language)–** दरबारी = Paper Work
  → संघ की राजभाषा- हिन्दी
  (सहायक राजभाषा- अंग्रेजी)
  → राज्य की राजभाषा
  नागालैण्ड - अंग्रेजी
  बिहार- हिन्दी

➢ **राजभाषा (Official Language)–**

- इसे दरबारी भाषा भी कहा जाता था। जिस भाषा में कामकाज या Paper Work की जाती है, उसे राजभाषा कहते हैं।
- संघ की राजभाषा अलग है। राज्य की राज्यभाषा अलग-अलग है।
- 14 सितम्बर, 1949 को आयंगर फार्मूला के आधार पर हिन्दी को देश की राजभाषा घोषित कर दिया गया। इसी कारण 14 सितम्बर को 'हिन्दी दिवस' मनाया जाता है।
- हिंदी को राष्ट्रभाषा सर्वप्रथम नर्मदा जी ने कहा।
- हिन्दी को राजभाषा की माँग सर्वप्रथम बाल गंगाधर तिलक ने किया।
- भारत में 44% लोग हिंदी बोलते हैं।

Remark :– संविधान हिंदी को राष्ट्रभाषा घोषित नहीं करता है किन्तु हिंदी को राजभाषा (Official Language) घोषित करता है।

अनुच्छेद 343– संघ की राजभाषा हिंदी को घोषित किया गया है।

अनुच्छेद 344– इसमें राजभाषा के संबंध में आयोग और संसद के समिति की चर्चा है।

- प्रथम राजभाषा आयोग के अध्यक्ष बाल गंगाधर (BG) खेर थे।

➢ **अनुच्छेद 345–** राज्य की राजभाषा या राजभाषाएँ की चर्चा है।

- प्रत्येक राज्यों की राजभाषा अलग-अलग है।
- 9 राज्यों की राजभाषा हिंदी है।
- मेघालय, मिजोरम तथा नागालैण्ड की राजभाषा English है।

Remark :– English संघ (केन्द्र) तथा सभी राज्यों के लिए सहायक राजभाषा है।

- जम्मू कश्मीर की राजभाषा Urdu तथा Hindi है। (डोगरी, कश्मीरी)
- उत्तराखंड की राजभाषा Hindi तथा Sanskrit है।

➢ **अनुच्छेद 346–** एक राज्य और दूसरे राज्यों के बीच या किसी संघ के बीच पत्रदी या पत्राचार (Communication) की राजभाषा Hindi या English होगी।

➢ **अनुच्छेद 347–** किसी राज्य की जनसंख्या के मांग पर किसी भाषा को राजभाषा का दर्जा राष्ट्रपति दे सकते हैं।

➢ **अनुच्छेद 348–** Suprime Court तथा High Court अधिनिमय विधेयकों आदि के लिए प्रयोग की जाने वाली राजभाषा English है। सरकार के द्वारा जारी अधिसूचना की भाषा एवं राष्ट्रपति राज्यपाल के द्वारा नारी अध्यादेश की भाषा अंग्रेजी होगी।

➢ **अनुच्छेद 349–** राजभाषा संबंधी सुधार के लिए राजभाषा आयोग या संयुक्त संसदीय समिति (JPC) का गठन किया जाता है और इसके सिफारिश को संसद से 2/3 बहुमत से पारित किया जाता है।

- पहला राजभाषा आयोग बाल गंगाधर खेर (B.G. खेर) के नेतृत्व में जबकि पहला JPC गोविंद बल्लभ पंत के नेतृत्व में बनाई गई।

➢ **अनुच्छेद 350–** किसी व्यथा या शिकायत के संबंधित अधिकारी को सूचना किसी भी भाषा में दी जा सकती है। जरूरी नहीं कि वह राजभाषा में हो।

➢ **अनुच्छेद 350 (क)–** प्राथमिक शिक्षा की मातृभाषा (राजभाषा) में दिया जाएगा।

➢ **अनुच्छेद 350 (ख)–** भाषायी अल्पसंख्यकों को विशेष प्रावधान।

Remark :– अल्पसंख्यक का दर्जा भाषा तथा धर्म के आधार पर दिया जाता है, जबकि आरक्षण जाति के आधार पर दिया जाता है।

➤ **अनुच्छेद 351–** हिन्दी भाषा का विकास करना सरकार का कर्त्तव्य होगा।

भाषा संबंधित कुछ अलग से प्रावधान

☞ अनुच्छेद - 29 तथा 30 में भाषायी अल्पसंख्यको के शिक्षा का प्रावधान है।

☞ अनुच्छेद - 120 में कहा गया है कि संसद में केवल हिंदी या अंग्रेजी भाषा का प्रयोग होगा।

☞ अनुच्छेद- 210 के अनुसार विधानमंडल में अंग्रेजी या उस राज्य के राजभाषा का प्रयोग होगा।

8वीं अनुसूची (22 भाषा)

☞ 8वीं अनुसूची में संविधान के द्वारा मान्यता प्राप्त भाषा की चर्चा है। हमारे मूल संविधान में 8वीं अनुसूची में भाषा की संख्या मात्र 14 (हिन्दी, संस्कृत, उर्दू, असमिया, उड़ीया, बांग्ला, मराठी, गुजराती, पंजाबी, काश्मीरी, कन्नड़, मलयालम, तमिल, तेलुगू) किन्तु वर्तमान में यह बढ़कर 22 है।

☞ 21वीं संशोधन 1967 ई. के द्वारा 15वीं भाषा के रूप में सिंधी भाषा को जोड़ा गया है।

☞ 71वाँ संशोधन 1992 ई. के द्वारा 3 और भाषा (नेपाली, मणिपुरी, कोंकणी) को जोड़ा गया।

☞ 92वाँ संशोधन 2003 ई. के द्वारा 4 और भाषा (बोडो, डोंगरी, मैथिली, संथाली) को जोड़ा गया।

Note :– राजस्थानी, भोजपुरी तथा अंग्रेजी को 8वीं अनुसूची में नहीं रखा गया है।

शास्त्रीय भाषा (Classical Language)

☞ 1500 ईसा पूर्व की भाषाओं को शास्त्री भाषा कहा जाता है। 2004 में इन्हें मान्यता दिया गया।
इनकी कुल संख्या 6 है।
कन्नड़, तेलुगू, तमिल, मलयालम, उड़िया, संस्कृत।

Note :– कन्नड़, तेलुगू, मलयालम (south walor charo) को संयुक्त रूप से द्रविड़ भाषा कहा जाता है।

☞ पाकिस्तान के ब्लूचिस्तान की ब्राहुई भाषा भारत के द्रविड़ भाषा से मेल खाती है।

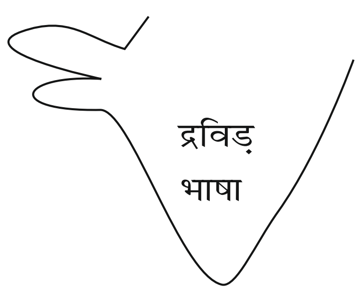

स्मरणीय तथ्य

❖ संविधान की कौन-सी अनुसूची में क्षेत्रीय भाषाओं का उल्लेख है? **–आठवीं अनुसूची में**

❖ संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाओं की संख्या कितनी है? **–22**

❖ भारतीय संविधान में किन अनुच्छेदों में राजभाषा सम्बन्धी प्रावधानों का उल्लेख है? **–343,351 तक**

❖ भारत की राजभाषा है **–हिन्दी**

❖ भारतीय संघ की आधिकारिक भाषा के रूप में संविधान द्वारा किसे मान्यता प्राप्त है? **–अंग्रेजी को**

❖ संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत हिन्दी को राजभाषा के रूप में दर्जा प्रदान किया गया है? **–अनुच्छेद 343 (i) के**

❖ हिन्दी देश की राजभाषा है, लेकिन शासकीय प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी भाषा के प्रयोग को कब तक करने की अनुमति प्रदान की गई है? **–अनिश्चित काल के लिए**

❖ किसी भाषा को किसी राज्य की राजभाषा के रूप में अंगीकार करने का अधिकार किसे है? **–राज्य विधानमंडल को**

❖ किस राज्य ने उर्दू को राजकाज की भाषा के रूप में अंगीकार किया है? **–जम्मू-कश्मीर ने**

❖ डोगरी भाषा किस राज्य में बोली जाती है? **–जम्मू-कश्मीर में**

❖ सिंधी को किस संवैधानिक संशोधन द्वारा संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल किया गया? **–21वाँ**

❖ भारतीय संविधान के अनुच्छेद 344 के तहत प्रथम राजकीय भाषा आयोग का गठन हुआ था **–1955 ई. में बी.जी. खेर की अध्यक्षता में**

❖ 1955 में गठित राजभाषा आयोग के प्रथम अध्यक्ष कौन थे? **–बी. जी. खेर**

❖ संविधान के किस अनुच्छेद में यह व्यवस्था की गयी है कि प्रत्येक राज्य शिक्षा के प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की पर्याप्त सुविधाओं को उपलब्ध कराने का प्रयास करेगा? –अनु. 350A में

❖ किस संवैधानिक संशोधन के द्वारा संविधान भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची में बोडो, डोगरी, संथाली और मैथिली भाषाओं का समावेश किया गया? **–92वाँ**

❖ भारत के किस राज्य में उर्दू को प्रथम राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया है? **–जम्मू एवं कश्मीर**

❖ आठवें परिशिष्ट का सम्बन्ध है **–भाषा से**

❖ भारतीय संविधान में कितनी भाषाएँ क्षेत्रीय भाषाओं के रूप में मान्यता प्राप्त है? **–22**

❖ भारतीय संविधान के आठवीं अनुसूची में कौन-सी भाषा वर्ष 2003 में जोड़ी गई? **–संथाली**

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन सी भाषा संविधान की आठवीं सूची में नहीं है?
(A) उर्दू (B) नेपाली
(C) कोंकणी (D) भोजपुरी
MPPCS (Pre.) 2005

2. संविधान की आठवीं अनुसूची में संवैधानिक संशोधन द्वारा निम्न में से कौन-सी भाषा जोड़ी गई है?
(A) संस्कृत (B) सिंधी
(C) पंजाबी (D) कोंकणी
UPPCS (Pre.) 1990

3. कौन-सी भाषा संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं है?
(A) अंग्रेजी (B) हिंदी
(C) संस्कृत (D) उर्दू

Chhattisgarh PCS (Pre.) 2018

4. भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची में कौन-सी भाषा वर्ष 2003 में जोड़ी गई?
(A) कोंकणी (B) सिंधी
(C) मणिपुरी (D) संथाली

Chhattisgarh PCS (Pre.) 2005

5. 71वें संशोधन से संविधान की आठवीं अनुसूची में कौन-सी तीन भाषाएं जोड़ी गई हैं?
(A) सिंधी, मणिपुरी कोंकणी
(B) कोंकणी, कश्मीरी, नेपाली
(C) नेपाली, कोंकणी, मणिपुरी
(D) नेपाली, कोंकणी, असमिया

MPPCS (Pre.) 1993

6. निम्नलिखित संविधान संशोधन अधिनियमों में से किस एक के अंतर्गत, भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में चार भाषाएं जोड़ी गई, जिससे उनकी संख्या बढ़कर 22 होगई?
(A) संविधान (90वां संशोधन) अधिनियम
(B) संविधान (91वां संशोधन) अधिनियम
(C) संविधान (92वां संशोधन) अधिनियम
(D) संविधान (93वां संशोधन) अधिनियम

IAS (Pre.) 2007

7. संविधान के किस अनुच्छेद में यह व्यवस्था की गई है कि प्रत्येक राज्य शिक्षा के प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की पर्याप्त सुविधाओं की व्यवसथा करने का प्रयास करेगा?
(A) अनुच्छेद 349 (B) अनुच्छेद 350
(C) अनुच्छेद 350(क) (D) अनुच्छेद 351

IAS (Pre.) 2001
UPPCS (Pre.) 2002, 2003
UP Lower Sub. (Pre.) 2002

8. कौन-सी भाषा हमारे संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित नहीं है?
(A) गुजराती (B) कश्मीरी
(C) राजस्थानी (D) डोगरी

UPPCS (Pre.) 1993

9. निम्नलिखित में से किस राज्य ने संस्कृत भाषा को राज्य की द्वितीय राजभाषा का दर्जा प्रदान किया है?
(A) बिहार ने (B) छत्तीसगढ़ ने
(C) उत्तर प्रदेश ने (D) उत्तराखंड ने

UPPCS (Pre.) 2011

10. निम्नलिखित में से भारत के संविधान में उल्लिखित भाषाओं के बारे में क्या सही है?
(A) राज्य भाषायी अल्पसंख्यकों को प्राथमिक विद्यालयों में शिखा के माध्यम के रूप में उनकी मातृभाषा चुनने के लिए बाध्य कर सकता है।
(B) अंगिका अब संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित है।
(C) हिंदी भारत की राष्ट्रीय भाषा है।
(D) बोडो संविधान की आठवीं अनुसूची में स्वीकृत भाषा है।

UPPCS (Mains) 2016

11. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 344 के तहत प्रथम 'राजकीय भाषा अयोग' का गठन हुआ था–
(A) 1950 के के.एम. मुंशी की अध्यक्षता में
(B) 1955 में बी.जी. खेर की अध्यक्षता में
(C) 160 में एम.सी. छागला की अध्यक्षता में
(D) 1965 में हुमायूं कबीर की अध्यक्षता में

UPPCS (Pre.) 1998

12. भारतीय संविधान की आठवीं सूची में मान्य सरकारी भाषाओं की संख्या है–
(A) सोलह (B) बाइस
(C) अट्ठारह (D) बीस

UPPCS Spl. (Mains) 2004
48th to 52th BPSC (Pre.) 2008
Uttarakhand PCS (Mains) 2006

13. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में राज्य की राजभाषा या भाषाएं अपनाने की प्रक्रिया है?
(A) 343 (B) 344
(C) 345 (D) 346

RAS/RTS (Pre.) 2013

14. भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में मान्य राजकीय भाषाओं की संख्या है–
(A) 22 (B) 20
(C) 18 (D) 17

UPPCS (GIC) 2010

15. भारतीय संविधान में भारत की आधिकारिक भाषा के जुड़े प्रावधानों में संसद संशोधन कर सकती है–
(A) अपने सदस्यों के साधारण बहुमत द्वारा
(B) 2/3 बहुमत द्वारा
(C) 3/4 बहुमत द्वारा
(D) अपने 1/3 सदस्यों के समर्थन द्वारा

UPPCS (Pre.) 2018
UPPCS (Mains) 2005

16. निम्नलिखित भारतीय भाषाओं को, मातृभाषा के रूप में प्रयोग करने वालों का, कौन सा सही अवरोही क्रम है?
1. बंगाली 2. मराठी
3. तमिल 4. तेलुगू
नीचे दिए गए कूट का उपयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए–
कूट–
(A) 1, 4, 3, 2 (B) 1, 2, 4, 3
(C) 1, 4, 2, 3 (D) 4, 2, 1, 3

UPPCS (Pre.) 2001

17. हिंदी भाषी भारतीयों का प्रतिशत लगभग कितना है?
(A) 50 (B) 45
(C) 45 (D) 43.63

RAS/RTS (Pre.) 2003

18. निम्नलिखित में कौन-सी भाषा ब्लूचिसतान की है, किंतु भाषाशास्त्रीय दृष्टि से द्रविड़ परिवार की है?

(A) ब्राहुई (B) कुई

(C) परजी मि. (D) पेंगो

IAS (Pre.) 1994

19. निम्नलिखित भाषाओं पर विचार कीजिए–

1. गुजराती 2. कन्नड़

3. तेलुगू

उपर्युक्त में से किसको/किनको सरकार ने 'श्रेण्य (क्लासिकी) भाषा/भाषाएं घोषित किया है?

(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 3

(C) केवल 2 और 3 (D) 1, 2 और 3

IAS (Pre.) 2014

20. संविधान की VIII सूची में सम्मिलित भाषाओं में, निम्नांकित में से कौन सी भाषा बोलने वाले सर्वाधिक हैं?

(A) बंगाली (B) गुजराती

(C) मराठी (D) तेलुगू

UPPCS (Pre.) 1998

ANSWER KEY

01. (D)	02. (B&D)	03. (A)	04. (D)	05. (C)
06. (C)	07. (C)	08. (C)	09. (D)	10. (D)
11. (B)	12. (B)	13. (C)	14. (A)	15. (B)
16. (C)	17. (D)	18. (A)	19. (C)	20. (A)

Note:

KHAN GLOBAL STUDIES
Kisan Cold Storage Campus, Musallahpur, Patna-6
KHAN SIR

18. भाग–18 आपातकालीन उपबंध (Emergency Provisionals)

आपातकाल - Emergency

- हमारे संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक आपातकाल से संबंधित उपबंध की चर्चा है जो संविधान के एकात्मक स्वरूप का व्याख्या करता है।
- हमारे संविधान के द्वारा राष्ट्रपति को 3 प्रकार के आपातकालीन शक्ति दिया गया है-
  (1) राष्ट्रीय आपात (अनुच्छेद - 352)
  (2) राजकीय आपात या राष्ट्रपति शासन या संवैधानिक आपात (अनुच्छेद- 356)
  (3) वित्तीय आपात (अनुच्छेद- 360)
- राष्ट्रपति विभिन्न प्रकार के आपातकालीन शक्ति का उपयोग मंत्रिमंडल के परामर्श पर करते हैं।

राष्ट्रीय आपात (National Emergency)

- हमारे संविधान के अनुच्छेद 352 में कहा गया है जब राष्ट्रपति को यह पता चलता है कि सम्पूर्ण भारत में या भारत के किसी एक भाग में सशस्त्र ने विद्रोह या विदेशी आक्रमण या युद्ध की स्थिति उत्पन्न हो गई है तो राष्ट्रपति आपात की घोषणा कर सकते हैं।
- 42वें संवैधानिक संशोधन 1976 के द्वारा राष्ट्रपति को यह अधिकार दिया गया कि वे देश के किसी विशेष भाग में भी राष्ट्रीय आपातकाल लागू कर सकते हैं।

  Note :– हमारे मूल संविधान में आंतरिक अशांति शब्द था जिसे 44वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा प्रतिस्थापित करके सशस्त्र विद्रोह जोड़ दिया गया।
- राष्ट्रपति के द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा केवल मंत्रिमंडल के लिखित सिफारिश पर किया जाता है जिसे 44वें संवैधानिक संशोधन 1978 के द्वारा जोड़ा गया और इस स्थिति में राष्ट्रपति के राष्ट्रीय आपातकालीन शक्ति या घोषणा का न्यायिक समीक्षा या जांच नहीं किया जा सकता है।
- राष्ट्रपति यदि राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा विदेशी राष्ट्र के प्रभाव में आकर या अपनी हठधर्मिता (मनमानी) के कारण घोषणा किया है तो उस स्थिति में उनकी घोषणा का न्यायिक समीक्षा या जाँच किया जा सकता है।
- राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा का अनुमोदन संसद के दोनों सदन से 30 दिन के अंदर करना जरूरी होता है यदि राज्य सभा इसका अनुमोदन कर देती है किंतु लोकसभा के अनुमोदन करने से पहले ही लोकसभा भंग हो जाता है तो उस स्थिति में नव निर्वाचित लोकसभा की पहली बैठक से 30 दिन के अंदर इसका अनुमोदन जरूरी होता है।
- संसद के दोनों सदन से राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा का अनुमोदन हो जाने के पश्चात् इसे एक बार में 6 महीना के लिए लागू किया जाता है पुन: आगे जारी रखने के लिए इसे संसद के दोनों सदन से प्रत्येक 6 महीना पर अनुमोदन करना जरूरी होता है। ऐसा करके इसे अनन्त काल तक लागू किया जा सकता है।
- राष्ट्रपति के द्वारा इसे कभी भी वापस किया जा सकता है वापस लेने के लिए संसद के दोनों सदन का अनुमोदन की आवश्यकता नहीं पड़ती है।
- राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा जब हो जाती है तब केन्द्र एवं राज्य के बीच में संबंध में कुछ परिवर्तन हो जाती है।

  जैसे–

  (i) **अनुच्छेद 353 (क)–** केन्द्र सरकार अपनी कार्यकारी का विस्तार करके राज्य को इसकी कार्यकारी शक्ति के प्रयोग के लिए निर्देश दे सकते हैं अर्थात् राज्य सरकार पूरी तरह से केन्द्र सरकार के नियंत्रण में आ जाता है हालांकि राज्य सरकार का विघटन नहीं किया जाता है।

  (ii) **अनुच्छेद 250–** राष्ट्रीय आपातकाल के समय राज्य सूचि के विषय पर कानून बनाने का अधिकार केन्द्र सरकार को हो जाता है।

  (iii) राज्य सूचि पर केन्द्र सरकार के द्वारा बनाये गये कानून राष्ट्रीय आपातकाल की समाप्ति के बाद भी 6 महीना तक लागू रहता है।

  (iv) राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के बीच विधायी शक्ति का विभाजन निलंबित हो जाता है (रूक जाता है) अर्थात् इस समय केन्द्र सरकार का स्वरूप एकात्मक हो जाता है।

  (v) **अनुच्छेद 354**— राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान राष्ट्रपति के द्वारा केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार के बीच हुए करो (Tax) के विभाजन में संशोधन किया जा सकता है। आपातकाल की समाप्ति के पश्चात् ही इनके द्वारा किया गया संशोधन तबतक लागू रहेगा जबतक वह वित्तीय वर्ष चलता रहेगा।

  (vi) **अनुच्छेद 83 (2)–** राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान लोकसभा का कार्यकाल 5 वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष कर दिया जाता है अर्थात् एक बार में लोकसभा का कार्यकाल 1 वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकता है और इस तरह लोकसभा का कार्यकाल अनंतकाल के लिए बढ़ाया जा सकता है।

Note : - अबतक एकमात्र लोकसभा 5वीं लोकसभा थी जिसका कार्यकाल 5 वर्ष का न होकर 6 वर्ष का था। लोकसभा का बढ़ा हुआ कार्यकाल राष्ट्रीय आपातकाल की समाप्ति के पश्चात् 6 महीने से अधिक का नहीं होता है।

(vii) अनुच्छेद 359– राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान अनुच्छेद 20 एवं 21 को छोड़कर शेष सभी मूल अधिकार निलंबित कर दिया जाता है।

Note :– हमारे संविधान के अनुच्छेद 358 में कहा गया है कि यदि वाह्य आक्रमण के आधार पर राष्ट्रीय आपात काल की घोषणा की गई है तो अनुच्छेद 19 के तहत दिये जाने वाले 6 प्रकार की स्वतंत्रता का निलंबन कर दिया जाता है।

- भारत में अबतक 3 बार राष्ट्रीय आपातकाल को लागू किया गया है।
- सर्वप्रथम 1962 ई० में भारत चीन युद्ध के दौरान इसे लागू किया गया था जो 1968 ई० तक लागू रहा। इसी राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान 1965 ई० में भारत एवं पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ था। इसके लिए अलग से राष्ट्रीय आपातकाल को लागू नहीं किया गया था।
- पहले आपातकाल के दौरान भारत का राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन थे जबकि प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू थे। समाप्ति के समय राष्ट्रपति जाकिर हुसैन एवं प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थी।
- **दूसरी बार 1971 ई०** में बांग्लादेश संकट के समय राष्ट्रीय आपातकाल को लागू किया गया था यह आपातकाल चल ही रहा था कि तीसरी बार में इंदिरा गांधी की सरकार ने आन्तरिक अशांति का हवाला देते हुए वर्ष 1975 ई० में देश में तीसरी बार राष्ट्रीय आपातकाल लागू करने की सिफारिश कर दिया।
- दूसरा एवं तीसरा राष्ट्रीय आपातकाल मार्च 1977 ई० में समाप्त कर दिया गया।
- दूसरे आपातकाल के दौरान राष्ट्रपति **B.B. गिरी** थे जबकि **प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी** थी।
- **तीसरी राष्ट्रीय आपातकाल** के दौरान राष्ट्रपति के पद पर **फकरूद्दीन अली अहमद** थे जबकि प्रधानमंत्री के पद पर श्रीमती इंदिरा गांधी थी।
- समाप्ति के समय राष्ट्रपति (कार्यवाहक) B. D. जत्ती थे एवं प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई।

राजकीय/संवैधानिक आपात या, राष्ट्रपति शासन (State Emergency/President Role)

- हमारे संविधान के अनुच्छेद 355 में कहा गया है कि प्रत्येक राज्य संविधान के अनुरूप शासन करेंगे।
- यदि राज्य का संवैधानिक तंत्र विफल हो जाता है तो इस स्थिति में संविधान के अनुच्छेद 356 में कहा गया है कि उस राज्य का शासन तंत्र केन्द्र सरकार अपने अधीन कर लेता है जिसे ही राष्ट्रपति शासन या राजकीय आपातकाल कहा जाता है।
- अनुच्छेद 356 के तहत किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन दो आधार पर लगाया जाता है।
- यदि केन्द्र सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि राज्य में संवैधानिक तंत्र विफल हो गया है (अनुच्छेद- 355) तो राज्य के राज्यपाल के लिखित सिफारिश के आधार पर उस राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया जाता है।
- अनुच्छेद 365 में कहा गया है कि यदि कोई राज्य केन्द्र सरकार के द्वारा दिये गये दिशा-निर्देश को लागू नहीं करता है तो उस स्थिति में उस राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया जा सकता है।
- राष्ट्रपति शासन की उद्घोषणा का संसद के दोनों सदन से 60 दिन के अंदर अनुमोदन करना जरूरी होता है यदि राज्यसभा अनुमोदन कर दिया है और लोकसभा के अनुमोदन करने से पहले ही वह भंग हो जाता है तो उस स्थिति में नव-निर्वाचित लोकसभा ही पहली बैठक से 30 दिन के अंदर उसका अनुमोदन करना जरूरी होता है।
- यदि दोनों सदन से अनुमोदन कर दिया जाता है तो यह पहली बार में 6 महीना के लिए लागू हो जाता है पुनः इसे जारी रखने के लिए दोनों सदन से प्रत्येक 6 महीना पर अनुमोदन करके इसे 3 साल तक लगाया जा सकता है।

राष्ट्रपति शासन का प्रभाव (Effect of State Emergency)

1. राष्ट्रपति शासन के दौरान राज्य सरकार का सभी कार्य राज्यपाल या अन्द पदाधिकारी के अधीन आ जाता है।
2. राज्य की विधायिका शक्ति का प्रयोग केन्द्र सरकार के द्वारा किया जाता है।
3. मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद् भंग कर दिया जाता है।
4. राष्ट्रपति के दिशा-निर्देश में राज्यपाल राष्ट्रपति के नाम से राज्यसचिव की सहायता से या राष्ट्रपति के द्वारा नियुक्त किये गये किसी सलाहकारी सदस्य की सहायता से कार्य करने लगते हैं।
5. राष्ट्रपति शासन के दौरान राज्य सरकार का बजट केन्द्रीय वित्त मंत्री के द्वारा संसद में प्रस्तुत किया जाता है।
6. राष्ट्रपति शासन के दौरान यदि लोकसभा का सत्र नहीं चल रहा होता है तो राष्ट्रपति अध्यादेश के द्वारा राज्य के लिए कानून बनाते हैं।
7. जब लोकसभा का सत्र नहीं चल रहा होता है तो राज्य के संचिव निधि से बिना राष्ट्रपति के अनुमति से धन नहीं निकाला जा सकता है।
8. राष्ट्रपति शासन के दौरान उस राज्य के उच्च न्यायालय के कार्यों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

- पूरे भारत में सर्वप्रथम 1951 ई० में पंजाब राज्य में राष्ट्रपति शासन को लगाया गया था और अबतक सबसे अधिक बार UP एंव मणिपुर में 10-10 बार राष्ट्रपति शासन लगाया गया था।
- राष्ट्रपति शासन के दौरान राज्यपाल राज्य का संवैधानिक एवं वास्तविक दोनों प्रधान बन जाता है।
- राष्ट्रपति शासन लागू करने की घोषणा या न्यायिक जाँच किया जा सकता है।

- राष्ट्रपति शासन की उद्घोषणा का जबतक संसद के दोनों सदन से अनुमोदन नहीं कर दिया जाता है। तबतक मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद् भंग नहीं होता है। केवल उसका निलंबन हो जाता है। यदि दोनों सदन से इसका अनुमोदन नहीं होता है तो उस स्थिति में मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद् पुन: प्रभाव में आ जाता है।
- डॉ. भीमराव अम्बेदकर ने अनुच्छेद 356 के तहत दिए गए राष्ट्रपति शासन को मृत-पत्र की संज्ञा दिया है।

वित्तीय आपात (Financial Emergency)

- यह अमेंरिका के संविधान से लिया गया है।
- इसकी चर्चा संविधान के अनुच्छेद 360 में किया गया है।
- इस अनुच्छेद में कहा गया है पूरे देश में देश के किसी एक भाग में वित्तीय स्थायित्व/साख संकट में है- तो उस स्थिति में राष्ट्रपति के द्वारा सम्पूर्ण देश के लिए वित्तीय आपात को लागू किया जाता है।
- 44वें संवैधानिक संशोधन 1978 के द्वारा वित्तीय आपात की उद्घोषणा का न्यायिक समीक्षा किया जा सकता है।
- वित्तीय आपातकाल का संसद के दोनों सदन से 60 दिन के अंदर अनुमोदन करना जरूरी होता है।
- यदि वित्तीय आपातकाल की उद्घोषणा का राज्यसभा के द्वारा अनुमोदन कर दिया जाता है और लोकसभा के अनुमोदन करने से पहले ही यदि लोकसभा भंग हो जाता है तो उस स्थिति में नव-निर्वाचित लोकसभा की पहली बैठक से 30 दिन के अंदर उसका अनुमोदन करना जरूरी होता है और दोनों सदन से अनुमोदन के पश्चात् यह तबतक लागू रहता है जबतक इसे वापस नहीं ले लिया जाता है अर्थात् इसकी अधिकतम सीमा चर्चा नहीं किया गया है।
- वित्तीय आपातकाल की उद्घोषणा का अनुमोदन संसद के प्रत्येक सदन में सामान्य बहुमत के द्वारा किया जाता है।

वित्तीय आपातकाल का प्रभाव (Effect of Financial Emergency)

1. इस आपातकाल के दौरान राज्य सरकार की सभी वित्तीय शक्ति का नियंत्रण केन्द्र सरकार के अधीन हो जाता है।
2. केन्द्र सरकार राज्य में कार्यरत किसी भी पदाधिकारी के वेतन भत्ता में कमी कर सकता है।
3. इस आपातकाल के दौरान केन्द्र सरकार के किसी भी पदाधिकारी के वेतन एवं भत्ता में राष्ट्रपति के द्वारा कमी किया जा सकता है।

- भारत में अबतक एकबार भी वित्तीय आपातकाल लागू नहीं किया गया है।
- वित्तीय आपात के समय राष्ट्रपति को छोड़कर शेष सभी कर्मचारियों के वेतन काट लिए जाते हैं। यह अब तक लागू नहीं हुआ है।

Remark :–

(i) राष्ट्रीय आपात को 6-6 महीने के अनुमोदन के बाद अनंतकाल तक बढ़ाया जा सकता है।
(ii) राष्ट्रपति शासन को 6-6 महीने अनुमोदन करके 3 साल तक बढ़ाया जा सकता है।
(iii) वित्तीय आपात एक बार अनुमोदन के बाद तक तक लागू रहता है, जबतक इसे वापस नहीं लिया जाता।
(iv) राष्ट्रीय आपात तथा राष्ट्रपति शासन जर्मनी से जबकि वित्तीय आपात USA से लिया गया है।
(v) 42वां संशोधन 1976 द्वारा इंदिरा गांधी ने राष्ट्रीय आपात का दुरूपयोग किया। जबकि 44वां संशोधन 1978 द्वारा मोरारजी देसाई ने इस दुरूपयोग को समाप्त किया।

आपात	अनुच्छेद	सलाह	लागू	अनुमोदन	समय	नई लोकसभा	अवधि
राष्ट्रीय	352	मंत्रिमंडल (लिखित)	राष्ट्रपति	2/3	30 दिन	30 दिन	6-6 = ∞
राजकीय	356	मंत्रिमंडल (मौखिक)	राष्ट्रपति	1/2	60 दिन	30 दिन	6-6 = 3 yr
वित्तीय	360	मंत्रिमंडल (मौखिक)	राष्ट्रपति	1/2	60 दिन	30 दिन	वापस लेना पड़ता है।

स्मरणीय तथ्य

- भारतीय संविधान में अनुच्छेद 352 का राष्ट्रीय आपात की उद्घोषणा है। भारतीय संविधान में अनुच्छेद 356 में आपात या आपातकाल शब्द का कहीं भी प्रयोग नहीं हुआ है।
- 44वें संविधान संशोधन द्वारा अनुच्छेद 352 में आंतरिक अशांति के स्थान पर सशस्त्र विद्रोह शब्द रखा गया है।
- अनुच्छेद 352 के तहत राष्ट्रीय आपात की उद्घोषणा और अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन का सीमित आधारों पर न्यायिक पुनर्विलोकन संभव है।
- संविधान के भाग18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख है।
- आपात उपबंध जर्मनी के वाइमर संविधान से लिये गए हैं।
- चीनी आक्रमण के समय अनुच्छेद 352 के तहत की गई आपात की पहली उद्घोषणा (1962) के समय प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू व राष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन थे।
- दूसरी आपात उद्घोषणा (1971) पाकिस्तान द्वारा आक्रमण के समय पर की गई। इस समय प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी व राष्ट्रपति वी.वी. गिरि थे।
- तृतीय आपात उद्घोषणा 1975 में प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने बिना मंत्रिमंडल के परामर्श के आंतरिक अशांति के आधार पर राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद से करवाई थी। इस समय दूसरी उद्घोषणा प्रवर्तन में थी।
- अनुच्छेद 352 के तहत आपात की उद्घोषणा करने के लिये राष्ट्रपति को मंत्रिमंडल की लिखित सूचना आवश्यक है परंतु वापस लेने के लिये लिखित सूचना की आवश्यकता नहीं है।

- संविधान के अनुच्छेद 19 का निलंबन केवल युद्ध और बाह्य आक्रमण के समय होता है।
- आपात के दौरान संसद लोकसभा या किसी भी राज्य विधानसभा का कार्यकाल एक बार में एक वर्ष के लिये बढ़ा सकती है।
- राज्यों में राष्ट्रपति शासन की उद्घोषणा अनुच्छेद 356 (1) के तहत होती है।
- अनुच्छेद 356 के तहत उद्घोषणा का अनुमोदन संसद साधारण बहुमत से करती है जबकि अनुच्छेद 352 का अनुमोदन विशेष बहुमत से होता है।
- किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन अधिकतम 3 वर्ष तक लागू रह सकता है।
- एक वर्ष से अधिक राष्ट्रपति शासन लागू करने के लिये संसद अनुमोदन तभी दे सकती है जब अनुच्छेद 352 के तहत राष्ट्रीय आपात लागू हो और निर्वाचन आयोग उस राज्य के लिये निर्वाचन कराने में असमर्थ हो।
- अनुच्छेद 356 का संबंधित राज्य के उच्च न्यायालय पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
- अनुच्छेद 352 के तहत की गई उद्घोषणा 1 माह तक और अनुच्छेद 356 और 360 के तहत की गई उद्घोषणा 2 माह तक बिना संसदीय अनुमोदन के प्रवृत्त रहती है। अब तक सर्वाधिक दुरुपयोग अनुच्छेद 356 का हुआ है।
- अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन एक बार में सर्वाधिक समय पंजाब में रहा है। राष्ट्रपति शासन सर्वप्रथम पेप्सू (वर्तमान पंजाब) में लागू किया गया।
- भारत में अभी तक वित्तीय आपात नहीं लगा है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. किस अनुच्छेद के अनुसार भारत के राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की जा सकती है?
(A) अनुच्छेद 352 (B) अनुच्छेद 370
(C) अनुच्छेद 371 (D) अनुच्छेद 395
53-55th BPSC (Pre.)

2. प्राय: किसकी सलाह पर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाता है?
(A) मुख्यमंत्री (B) लेजिस्लेटिव असेम्बली
(C) गवर्नर
(D) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
42nd BPSC (Pre.)

3. राष्ट्रपति राष्ट्रीय आपात की घोषणा कर सकता है–
(A) हथियार बन्द विद्रोह के आधार पर
(B) बाहरी आक्रमण के आधार पर
(C) युद्ध के आधार पर
(D) ऊपर वर्णित सभी कारणों के आधार पर
39th BPSC (Pre.)

4. प्रथमत: आपात स्थिति की घोषणा कितने समयकाल के लिये सीमित की जा सकती है?
(A) 3 महीना (B) 15 दिन
(C) 6 महीना (D) 1 साल
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
UPPCS (Pre.) 2013

5. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्यों में संवैधानिक तंत्र के असफल होने की स्थिति में राष्ट्रपति शासन का प्रावधान करता है?
(A) अनुच्छेद-356 (B) अनुच्छेद-365
(C) अनुच्छेद-359 (D) अनुच्छेद-360
BSSC-CGL (Mains) 2017

6. राज्य में राष्ट्रपति शासन किस अनुच्छेद के तहत लगाया जाता है?
1. 352 2. 356
3. 360 4. 365
कूट–
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1, 2, 3 (D) 2 तथा 4
Bihar ESI (Pre.) 2018

7. आपातकाल की घोषणा होने से एक महीने के अंदर इसे किस संस्था से पारित होना जरूरी है?
(A) राज्यसभा (B) लोकसभा
(C) दोनों सदन (D) सर्वोच्च न्यायालय
Bihar ESI (Pre.) 2018

8. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत भारत सरकार का दायित्व है कि वह बाह्य आक्रमण एवं आंतरिक अशांति से राज्यों की रक्षा करें?
(A) 355 (B) 356
(C) 352 (D) 360
UPPCS (Pre.) 2013

9. भारत की राष्ट्रपति आपात की घोषणा कर सकता है यदि खतरा है–
(i) बाह्य आक्रमण का (ii) आंतरिक अशांति का
(iii) सांप्रदायिक संघर्ष का (iv) युद्ध का
(A) (i) और (ii) (B) (i), (ii) और (iv)
(C) (i) और (iv) (D) (ii) और (iii)

10. निम्न में से किस अनुच्छेद के अंतर्गत राष्ट्रपति मूल अधिकारों (अनुच्छेद 20 और 21 को छोड़कर) को स्थगित कर सकता है?
(A) अनुच्छेद 358 (B) अनुच्छेद 357
(C) अनुच्छेद 359 (D) अनुच्छेद 352

11. निम्नलिखित में कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(i) भारत के मूल संविधान में आपात की उद्घोषणा के लिये वर्णित आधारों में 'सशस्त्र विद्रोह' की जगह 'आंतरिक अशांति' का उल्लेख था।
(ii) आपात उद्घोषणा के संदर्भ में राष्ट्रपति की संतुष्टि का वास्तविक अर्थ उसकी विवेकाधीन शक्तियों से है न कि मंत्रिपरिषद की संतुष्टि से।
(iii) वर्तमान में भारतीय संविधान में यह प्रावधान है कि राष्ट्रपति की जिस संतुष्टि के आधार पर आपात की उद्घोषणा की जाती है, वह न्यायिक पुनर्विलोकन (Judicial Review) के अधीन है।

कूट–

(A) केवल (i) (B) केवल (i) और (ii)
(C) केवल (i) और (iii) (D) केवल (i), (ii) और (iii)

12. अनुच्छेद 352 के तहत घोषित आपात के संबंध में निम्न में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है?

(A) अनुच्छेद 352 के तहत राष्ट्रपति कोई उद्घोषणा तब तक नहीं करेगा जब तक संघ के मंत्रिमंडल (Cabinet) द्वारा यह विनिश्चय उसे लिखित रूप में न भेजा गया हो।
(B) राष्ट्रपति को अधिकार है कि वह आपात की उद्घोषणा संपूर्ण भारत या उसके किसी विशेष भाग के संबंध में कर सकता है। संकट कितने क्षेत्र तक फैला हुआ है, इसका निर्णय सर्वोच्च न्यायालय करता है।
(C) अनुच्छेद 352 के तहत घोषित आपात संसद के दोनों सदनों द्वारा अनुमोदित होने पर 6 माह तक लागू रहती है, अन्यथा एक महीने बाद प्रवर्तन में नहीं रहेगी।
(D) 6 महीनों के बाद आपातकाल को तभी आगे बढ़ाया जा सकता है यदि दोनों सदन उस तारीख से पहले उसे बढ़ाने के लिये पुन: संकल्प पारित कर दें।

13. यदि अनुच्छेद 352 के तहत की गई आपात उद्घोषणा प्रवर्तन में है तो निम्नलिखित में कौन-सा प्रभाव लोकसभा व विधानसभाओं पर पड़ सकता है?

(i) संसद विधि द्वारा लोकसभा के कार्यकाल को एक बार में एक वर्ष तक बढ़ा सकती है।
(ii) एक वर्ष के बाद भी संसद जितनी बार चाहे, विधि द्वारा, एक-एक वर्ष के लिए लोकसभा का कार्यकाल बढ़ा सकती है।
(iii) संसद राज्यों की विधानसभाओं की अवधि भी बढ़ा सकती है।

कूट–

(A) केवल (i) (B) केवल (i) और (ii)
(C) केवल (i) और (iii) (D) (i), (ii) और (iii)

ANSWER KEY

01. (a)	**02. (c)**	**03. (d)**	**04. (c)**	**05. (a)**
06. (d)	**07. (c)**	**08. (a)**	**09. (c)**	**10. (c)**
11. (c)	**12. (b)**	**13. (d)**		

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

1. ''अनुच्छेद 356 की भावना को समझने के लिये उसे अनुच्छेद से मिलाकर पढ़ा जाना चाहिये।'' टिप्पणी लिखिये।

2. राष्ट्रीय आपात की उद्घोषणा का नागरिकों को संविधान द्वारा प्रदत्त 'मौलिक अधिकारों' पर क्या प्रभाव पड़ता है? स्पष्ट कीजिये।

3. विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों पर राष्ट्रीय आपात की उद्घोषणा का क्या प्रभाव पड़ता है, स्पष्ट कीजिये।

4. अनुच्छे 352 और अनुच्छेद 356 के तहत आपात का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत कीजिये।

Note:

19. भाग–19 प्रमुख उपबंध (Key Provisions)

भाग- 19 प्रमुख उपबंध (अनु. 361-367)

- **अनुच्छेद 361–** राष्ट्रपति, राज्यपाल या किसी देश के राष्ट्राध्यक्ष की फौजदारी मुकदमा के लिए न्यायालय का सामना नहीं करना पड़गा अर्थात न्यायालय से संरक्षण है।
  अगर इन्हें सजा हो भी जाती है, तो राष्ट्रपति अनु॰–72 के तहत, राज्यपाल अनु॰–161 के तहत तथा विदेशी राष्ट्राध्याक्ष वियना संधि के तहत सजा से मुक्त हो सकता है।
- **अनुच्छेद 362–** भारतीय राजाओं का विशेष संरक्षण (वर्तमान में समाप्त कर दिया गया है)
- **अनुच्छेद 363–** किसी अंतर्राष्ट्रीय संधि या कशर पर न्यायालय हस्तक्षेप नहीं करेगी।
- **अनुच्छेद 364–** कुछ परिभाषाएँ–
  - **(i) Anglo Indian–** जब भारत गुलाम था तो अंग्रेजों के संतान जो भारतीय माँ से पैदा हुए थे किंतु स्वतंत्रता के बाद अंग्रेज अपने परिवार को छोड़कर चल गए। उन्हें Anglo Indian कहते हैं। ये केवल यूरोपियन देशों पर लागू होता है। क्योंकि भारत को गुलाम बनाने वाले सभी देश यूरोप के थे।
  - **(ii) उधार (Debt)–** इसे लौटाने के लिए व्यक्ति बाध्यकारी नहीं होता है।
  - **(iii) ऋण (Loan)–** इसे लौटाने के लिए व्यक्ति बाध्यकारी होता है।
  - **(iv) शुल्क (Fee)–** किसी कार्य या सेवा के बदले लिया गया धन शुल्क कहलाता है। यह देना अनिवार्य है।
  - **(v) कर (Tax)–** बिना कार्य के सरकार द्वारा लिया जाने वाला अनिवार्य धनराशि 'कर' कहलाता है।
  - **(vi) चंदा (Charity and Donation or subscription)–** सामाजिक कार्य के लिए स्वेच्छा से दी गई धनराशि चंदा कहलाता है।
  - **(vii) अनुदान (Subsidy)–** किसी वस्तु को सस्ता करने के लिए सरकार द्वारा दी गई धनराशि अनुदान कहलाता है।
  - **(viii) सहायता राशि (Relief Fund):-** किसी आपदा या विशेष कार्य हेतु मुफ्त में दी गई धनराशि सहायता राशि कहलाता है।

भाग- 20 संशोधन (द॰ अफ्रीका)

- **अनुच्छेद 368–** संशोधन की प्रक्रिया द॰ अफ्रीका से लिया गया है। संशोधन की शक्ति केवल संसद को प्राप्त है। यदि एक सदन ने इसको पारित कर दिया तथा दूसरा सदन संशोधन को पारित नहीं किया तो संशोधन विधेयक रद्ध हो जाएगा।
- संविधन सभा में अम्बेडकर जी ने कहा था हमने भारतीय संविधान को इंग्लैण्ड के समान लचीला नहीं बनाया है और न ही USA के समान कठोर बनाया है। जो भी व्यक्ति इस संविधान से असंतुष्ट है। वह इसमें संशोधन कर सकता है इसके लिए उसे बहुमत की आवश्यकता है।
- **संशोधन तीन प्रकार से हो सकते हैं–**

1. साधारण बहुमत– इस विधि द्वारा संशोधन करने के लिए उपस्थित सदस्यों के आधे से अधिक की आवश्यकता होती है। नए राज्यों का पुनर्गठन या राज्य की नाम सीमा में परिवर्तन को अनुच्छेद 368 के तहत संविधान संशोधन नहीं माना जाएगा। क्योंकि यह मामूली सुधार है। इस पर राष्ट्रपति की हस्ताक्षर नहीं होती है।

- **इस विधि द्वारा निम्नलिखित संशोधन होते हैं–**
  Ex.:– वेतन में वृद्धि, विदेशी राज्य का भारत में विलय (अनु॰–2), वर्तमान राज्य में परिवर्तन (अनु॰ 3), विधान परिषद का सृजन (अनु॰–169) अनुसूची 1, 2, 5, 6, 8 में परिवर्तन साधारण बहुमत से कर सकते है।

2. विशेष महत्व– इस विधि द्वारा संशोधन के लिए उपस्थित सदस्यों का 2/3 बहुमत की आवश्यकता होती है। सर्वाधिक संशोधन इसी विधि द्वारा भारत के संविधान के किसी भी अनुच्छेद में संशोधन किया जा सकता है।
Ex.:– मूल अधिकार भागIII, नीति निदेशक तत्व भाग4 में संशोधन।

3. विशेष बहुमत + आधी से अधिक राज्य की सहमति– यह संशोधन की सबसे कठोर विधि है। इस विधि द्वारा संशोधन करने के लिए केन्द्र को विशेष बहुमत से तथा आधे से अधिक राज्यों को साधारण बहुमत से पारित करना होता है। इस विधि द्वारा वैसे विषयों में संशोधन किया जाता है। जिससे राज्यों का हित जुड़ा हो। अर्थात् यह विधि संघीय ढाँचा बनाये रखने के लिए है। **Ex.:–**
(i) विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका में संशोधन
(ii) समवर्ती सूची, राष्ट्रपति के निर्वाचक प्रणाली, राज्यों पर लगने वाला Tax (GST)
(iii) संशोधन प्रक्रिया में नई विधि को जोड़ना या वर्तमान विधि को हटाना इसी विधि द्वारा होगा।

Remark :– राष्ट्रपति के महाभियोग में कुल सदस्यों का 2/3 बहुमत लिया जाता है जबकि संशोधन में उपस्थित सदस्यों का 2/3 बहुमत लिया जाता है।

अधिकार से संबंधित कुछ निर्णय

1. शंकर प्रसाद विवाद– इसमें Supreme Court ने कहा कि संसद मूल अधिकार (भागIII) के साथ-साथ संविधान में कहीं भी संशोधन कर सकती है।

2. **सज्जन सिंह विवाद–** इसमें भी Supreme Court ने कहा कि संसद मूल अधिकार (भागIII) के साथ-साथ संविधान में कहीं भी संशोधन कर सकती है।
3. **गोलक नाथ विवाद–** इसमें ग्यारह जज थे यह दूसरी सबसे बड़ी संवैधानिक पीठ थी। इसमें Suprime Court ने कहा कि संसद मूल अधिकार में संशोधन नहीं कर सकती है।
4. **केशवानन्द भारती–** इसमें 13 जज थे। यह सबसे बड़ी संवैधानिक पीठ थी। इसमें कहा गया है कि संसद मूल अधिकार में संशोधन कर सकती है किन्तु संविधान का मूल ढांचा प्रभावित नहीं होना चाहिए।

   Ex.:– 39वां संशोधन 1975 में यह व्यवस्था किया गया है कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति तथा P.M. के चुनाव में न्यायालय हस्तक्षेप नहीं करेगी। किन्तु इसे Suprime Court ने मूल ढांचा के विपरित बताकर रद्द कर दिया। (उस समय PM इंदिरा गांधी थी)
5. **मिनरमा मील–** इसमें Suprime Court ने कहा कि संसद को संशोधन करने की शक्ति सीमित है।

- राज्य का नीति निर्देशक तत्व को मौलिक अधिकार पर प्राथमिकता नहीं दी जा सकती है।

  Ex.:– 42वां संशोधन 1976 में यह कहा गया कि संसद को संशोधन की असीमित शक्ति प्राप्त है किन्तु Suprime Court ने मिनरमा मील का हवाला देकर रद्द कर दिया।

  Remark :– किसी संवैधानिक पीठ में कम से कम 5 जज होना चाहिए।
- केशवानंद में 13 जज तथा गोलक नाथ में 11 जज थे।

प्रमुख संशोधन

- **प्रथम संशोधन (1951)–** इसके द्वारा जमींदारी उन्मूलन तथा भूमि सुधार किया गया। जिसे 9वीं अनुसूचि में जोड़ा गया।
- **सातवां संशोधन (1956)–** इसके द्वारा भाषाई आधार पर राज्यों के गठन को संवैधानिक मान्यता दिया गया। साथ ही यह व्यवस्था किया गया कि एक ही व्यक्ति दो राज्यों का राज्यपाल हो सकता है।
- **आठवां संशोधन (1960)–** इसके द्वारा लोक सभा तथा विधानसभा में SC/ST के सीटों को 1960 से बढ़ाकर 1970 तक कर दिया गया।
- **18 वां संशोधन (1966)–** इस संशोधन से यह स्पष्ट किया गया राज्य शब्द में केन्द्रशासित प्रदेश भी शामिल है। केन्द्र दो या दो से अधिक राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेश का मिलाकर पुनर्गठन कर सकता है। शाह आयोग के सिफारिश पर पंजाब का पुनर्गठन।

  (i) पंजाबी भाषा क्षेत्र = पंजाब

  (ii) हिन्दी भाषा क्षेत्र = हिमाचल प्रदेश

  (iii) हिमालय पर्वतीय क्षेत्र = हिमाचल प्रदेश

  (iv) केन्द्रशासित प्रदेश = चंडीगढ़
- **35वां संशोधन (1974)–** इसके द्वारा सिक्किम को भारत का सहराज्य बनाया गया इससे पहले सिक्किम भारत का संरक्षित राज्य था।
- **36वां संशोधन (1975)–** इसके द्वारा सिक्किम भारत का 22वां राज्य बना।
- **42वां संशोधन (1976)–** इसे स्वर्ण सिंह समिति के सिफारिश पर लाया गया। 59 प्रावधान जोड़ने के कारण अत्यधिक विस्तृत हो गया। जिस कारण इसे मिनी संविधान कहते हैं। इसे इंदिरा गांधी ने लाया। यह लोकतंत्र पर प्रतिकूल (उल्टा) प्रभाव डालता था। यह भारत को एकात्माक बना रहा था।
- इसमें राष्ट्रपति को मंत्रिमंडल की सलाह मानने के लिए बाध्य कर दिया गया।
- आपातकाल PM के सलाह पर लागू किया जाएगा।
- आंतरिक अशांति के आधार पर आपातकाल लागू हो जाएगा।
- लोकसभा का कार्यकाल 6 वर्ष कर दिया गया।
- मूल कर्तव्य जोड़े गए।
- **प्रस्तावना में तीन नये शब्द जोड़े गए–**

  (A) समाजवादी,

  (B) पंथ निरपेक्ष एवं

  (C) एकता एवं अखण्डता।
- **44वां संशोधन (1978)–** इसके द्वारा 42वें संशोधन की कमियों को दूर किया गया। मोरारजी देसाई ने इसे लाया।
- संपत्ति के अधिकार को कानूनी अधिकार बना दिया गया।
- राष्ट्रपति को मंत्रिमंडल की सलाह लौटाने के लिए अर्थात् एक-बार पुनर्विचार का मौका दिया गया।
- आपातकाल को PM के स्थान पर मंत्रिमंडल के सलाह पर किया गया।
- आंतरिक अशांति के स्थान पर सशस्त्र विद्रोह शब्द जोड़ा गया।
- लोकसभा के कार्यकाल को 6 वर्ष से पुन: 5 वर्ष किया गया।
- **45वां संशोधन (1980)–** इसके द्वारा आरक्षण को 1980 से 1990 तक कर दिया गया है।

  Remark :– मूल संविधान में सीटों का आरक्षण केवल 10 वर्षों के लिए था जो 1960 में समाप्त हो जाना था किन्तु इसे संशोधन कर करके आरक्षण को 1990 तक लया गया है।
- **52वां संशोधन (1985)–** दल-बदल को जोड़ा गया।
- **61वां संशोधन (1989)–** मताधिकार की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष किया गया।
- **65वां संशोधन (1990)–** SC आयोग का गठन
- **69वां संशोधन (1991)–** दिल्ली एवं पांडिचेरी में विधान सभा का गठन किया गया।
- **70वां संशोधन (1992)–** दिल्ली एवं पांडिचेरी विधान सभा को राष्ट्रपति के निर्वाचक मंडल में शामिल किया गया।
- **73वां संशोधन (1992)–** पंचायती राज्य के 11वीं अनुसूची में जोड़ा गया।
- **74वां संशोधन (1992)–** नगरपालिका 12वीं अनुसूची में जोड़ा गया।
- **86वां संशोधन (2003)–** अनु. 21-A के तहत प्रारंभिक शिक्षा को मौलिक अधिक।
- **89वां संशोधन (2003)–** ST आयोग का गठन

- **100वां संशोधन (2015)–** भारत-बांग्लादेश भूमि हस्तांतरण
- **101वां संशोधन (2017)–** GST
- **102वां संशोधन (2018)–** राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संविधानिक दर्जा
- **103वां संशोधन (2019)–** सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए शैक्षणिक संस्थानों तथा नियुक्तियों में 10% आरक्षण
- **104वां संशोधन (2019)–** लोकसभा व राज्य के विधान सभाओं SC, ST समुदाय के आरक्षण को 2030 तक के लिए बढ़ा दिया गया है–
  लोकसभा और राज्य के विधानसभाओं एंग्लो इंडियन के आरक्षित सीटों के प्रावधान को हटा दिया गया है।
- **105वां संशोधन (2021)–** राज्यों OBC सूचि बनाने का अधिकार दे दिया गया।

स्मरणीय तथ्य

- भारत के संविधान में संशोधन की शुरुआत लोकसभा या राज्यसभा द्वारा की जाती है।
- भारतीय संविधान में पहला संशोधन 1951 ई. में हुआ था। यह संशोधन भूमि सुधार विधियों से संबंधित था। इस संशोधन द्वारा संविधान में नौवीं अनुसूची जोड़ी गई।
- 24वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1971 के पश्चात् राष्ट्रपति संविधान संशोधन विधेयक को अनुमति देने के लिये बाध्य है।
- 36वें संविधान संशोधन द्वारा सिक्किम को भारतीय संघ का पूर्ण राज्य बनाया गया।
- सर्वप्रथम गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य वाद में उच्चतम न्यायालय ने संसद की संविधान संशोधन करने की शक्ति को सीमित किया।
- गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य में उच्चतम न्यायालय ने सर्वप्रथम 'भविष्यलक्षी विनिर्णय' के सिद्धांत को लागू किया।
- केशवानंद भारती वाद (मामले) की सुनवाई करने वाली पीठ की अध्यक्षता मुख्य न्यायमूर्ति श्री सीकरी ने की थी।
- 97वाँ संविधान संशोधन 2011, सहकारी समितियों से संबंधित है।
- 86वाँ संविधान संशोधन 2002, प्राथमिक शिक्षा से संबंधित है।
- सर्वोच्च न्यायालय ने केशवानंद भारती के मामले में आधारभूत ढाँचे के सिद्धांत का प्रतिपादन किया।
- संविधान का संशोधन करने की संसद की सीमित शक्ति संविधान का आधारभूत लक्षण है।
- अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और स्विट्जरलैंड के संविधान कठोर स्वरूप के हैं।
- उपराष्ट्रपति के निर्वाचन प्रक्रिया में साधारण बहुमत से संशोधन संभव नहीं है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. एक नया राज्य बनाने में संवैधानिक संशोधन के लिये कैसा बहुमत चाहिये?
(A) साधारण
(B) दो–तिहाई
(C) तीन–चौथाई
(D) दो–तिहाई एवं आधे राज्यों का अनुसमर्थन
60-62nd BPSC (Pre.)

2. किस संविधान संशोधन बिल के द्वारा वोट देने की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दी गई?
(A) 48वाँ (B) 57वाँ
(C) 61वाँ (D) 63वाँ
48-52nd BPSC (Pre.)

3. निम्नलिखित में से किस संविधान संशोधन अधिनियम को लघु संविधान (Mini Constitution) कहा गया है?
(A) 42वाँ (B) 44वाँ
(C) 46वाँ (D) 50वाँ
47th BPSC (Pre.)

4. आम चुनावों में मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दी गई–
(A) 73वें संशोधन द्वारा (B) 62वें संशोधन द्वारा
(C) 61वें संशोधन द्वारा (D) 71वें संशोधन द्वारा
41st BPSC (Pre.)

5. भारतीय संविधान में संशोधन के लिये विधेयक लाया जा सकता है–
(A) केवल लोकसभा में (B) केवल राज्यसभा में
(C) या तो लोकसभा में या राज्यसभा में
(D) भारत के सर्वोच्च न्यायालय में
38th BPSC (Pre.)

6. भारतीय संविधान के लिये प्रथम संशोधन विधेयक कब लाया गया है?
(A) 1950 में (B) 1951 में
(C) 1955 में (D) 1958 में
38th BPSC (Pre.)

7. सिक्किम भारत का एक राज्य बनाया गया था–
(A) 30वें संशोधन के अंतर्गत (B) 32वें संशोधन के अंतर्गत
(C) 36वें संशोधन के अंतर्गत (D) 42वें संशोधन के अंतर्गत
38th BPSC (Pre.)

8. संवैधानिक प्रावधान के संशोधन का प्रावधान किसमें दिया गया है?
(A) भाग XIX अनुच्छेद 356 (B) भाग XX, अनुच्छेद 356
(C) भाग XX अनुच्छेद 368 (D) भाग XXI, अनुच्छेद 368
Bihar CDPO (Pre.) 2017

9. भारतीय संविधान का कौन–सा संविधान दल–बदल विरोध से संबंध रखता है?
(A) अनुच्छेद 105 (B) दसवीं अनुसूची
(C) आठवीं अनुसूची (D) इनमें से कोई नहीं
BSSC-CGL (Pre.) 2014

10. निम्नलिखित में से कौन–सा संविधान संशोधन राष्ट्रपति को किसी भी मसले को पुन: विचार के लिये मंत्रिमंडल को भेजने की शक्ति प्रदान करता है?

(A) 39वाँ (B) 40वाँ
(C) 42वाँ (D) 44वाँ

Bihar SI (Pre.) 2018

11. 'संविधान संशोधन' करने के विधेयक को वीटो करने की राष्ट्रपति की शक्ति 'सहमति देनी होगी' शब्द से स्थानापन्न करके किस संशोधन द्वारा छीन ली गई है?

(A) तेइसवें संशोधन (B) चौबीसवें संशोधन
(C) बयालिसवें संशोधन (D) चवालिसवें संशोधन

12. निम्नलिखित में से किस एक संवैधानिक संशोधन द्वारा मिजोरम को राज्य का दर्जा दिया गया?

(A) 54वाँ (B) 55वाँ
(C) 52वाँ (D) 53वाँ

13. एक संविधान संशोधन विधेयक को संसद के दोनों सदनों से विशेश बहुमत (Special Majority) द्वारा पारित किया गया। यहाँ विशेष बहुमत से आशय है–

(A) सदन की कुल संख्या के दो-तिहाई बहुमत के साथ-साथ उपस्थित व मतदान करने वाले सदस्यों का बहुमत।
(B) सदन की कुल संख्या के बहुमत के साथ-साथ उपस्थित व मतदान करने वाले सदस्यों का बहुमत।
(C) दोनों सदनों में उपस्थित तथा मतदान करने वाले सदस्यों का दो-तिहाई बहुमत।
(D) सदन की कुल संख्या के बहुमत के साथ-साथ उपस्थित व मतदान करने वाले सदस्यों का दो-तिहाई बहुमत।

14. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये–

सूची-I (तथ्य)	**सूची-II (संबद्ध वाद)**
A. यदि अनुच्छेद 368 का प्रयोग करते हुए संविधान अधिनियम पारित संशोधन तो वह अनुच्छेद 13 (2) के अधीन विधि नहीं माना जाएगा।	(i) गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य किया जाता है
B. अनुच्छेद 368 के तहत संसदको यह शक्ति नहीं है मूल अधिकारों को छीन सके या न्यून कर सके।	(ii) शंकरी प्रसाद बनाम भारत संघ
C. संसद संविधान का संशोधन करके संविधान के आधारभूत ढाँचे (Basic Structure) का उल्लंघन या अतिक्रमण नहीं कर सकती।	(iii) मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ
D. 'संविधान संशोधन की सीमित शक्ति' संविधान के आधारभूत ढाँचे का हिस्सा है।	(iv) केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य

कूटः	**A**	**B**	**C**	**D**
(A)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

15. भारतीय संविधान में संशोधन की प्रक्रिया के संबंध में सही तथ्य कौन-कौन से हैं?

(i) संविधान संशोधन विधेयक को प्रस्तुत करने के लिये राष्ट्रपति की पूर्व-अनुमति आवश्यक है।
(ii) यदि राष्ट्रपति चाहे तो संविधान संशोधन विधेयक पर संयुक्त बैठक बुलाई जा सकती है।
(iii) संशोधन का प्रस्ताव संसद के दोनों सदनों में से किसी भी में प्रारंभ किया जा सकता है।
(iv) चूँकि राष्ट्रपति की पूर्व-अनुमति से ही संशोधन विधेयक को सदन में प्रस्तुत किया जाता है, अतः राष्ट्रपति संविधान संशोधन विधेयक को अनुमति देने के लिये बाध्य है।

कूट–

(A) (i), (ii) और (iv) (B) (ii), (iii) और (iv)
(C) केवल (iii) (D) (i) और (iv)

16. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये।

सूची-I (प्रमुख संविधान अधिनियम)	**सूची-II (संबंधित तथ्य)**
A. 24वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1971	1. संसद द्वारा अनुच्छेद 368 के अंतर्गत पारित कोई भी विधि अनुच्छेद 13(2) में प्रयुक्त 'विधि' शब्द में सम्मिलित नहीं मानी जाएगी।
B. 25वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1971	2. 'लघु संविधान' की संज्ञा।
C. 42वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1976	3. यदि राज्य 39 (ख) और 39 (ग) में वर्णित-निदेशक तत्त्वों को साकार करने के लिये कोई कानून बनाता है तो ऐसे कानून बनाता है तो ऐसे कानून को इस आधार पर अवैध नहीं ठहराया जा सकेगा कि वह मूल अधिकारों से संबंधित अनुच्छेद 14, 19 या 31 का उल्लंघन करता है।
D 44वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1978	4. मूल अधिकार के रूप में वर्णित 'संपत्ति के अधिकार' को मूल अधिकारों की श्रेणी से निकाल दिया गया।

कूट:	A	B	C	D
(A)	1	3	4	2
(B)	1	2	3	4
(C)	1	3	2	4
(D)	3	1	4	2

ANSWER KEY

01. (A)	**02. (C)**	**03. (A)**	**04. (C)**	**05. (C)**
06. (B)	**07. (C)**	**08. (C)**	**09. (B)**	**10. (D)**
11. (B)	**12. (D)**	**13. (D)**	**14. (C)**	**15. (C)**
16. (B)	**17. (C)**	**18. (C)**		

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

1. संविधान और संवैधानिक (संविधानवाद) के बीच अंतर है? भारत के सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुमोदित 'मूल संरचना' के सिद्धांत के बारे में गंभीरता से जांच करें। **63rd BPSC (Mains)**
2. भारत में संविधान के संशोधन की प्रक्रिया क्या है? 73वें संशोधन की मुख्य धाराओं का वर्णन करें। अब तक भारतीय संविधान में कितने संशोधन हो चुके हैं?
3. भारतीय संविधान के 42वें संविधान संशोधन अधिनियम को स्पष्ट कीजिये।
4. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 368 का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।
5. आपकी राय में संविधान का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण संशोधन कौन-सा है और क्यों?

Note:

KHAN GLOBAL STUDIES
Kisan Cold Storage Campus, Musallahpur, Patna-6
KHAN SIR

20. भाग–21–22 (Part– 21-22)

भाग 21 (अनु. 369-392)

➢ **अस्थायी, संक्रमणकालीन विशेष प्रावधान**

- **अनुच्छेद 369–** राज्य सूची के विषय में संसद 1 वर्ष के लिए आपातकाल के दौरान कानून बना सकती है।
- **अनुच्छेद 370–** जम्मू और कश्मीर।
- 26 अक्टूबर, 1947 को J & K भारत का अंग बना।
- 26 जनवरी, 1957 को जम्मू कश्मीर का संविधान पारित हुआ।
- J & K के राज्यपाल को सद्र-ए-रियासत कहा जाता था। 1965 के बाद उसे राज्यपाल कहा जाने लगा।
- जम्मू-कश्मीर विधानसभा का कार्यकाल 6 वर्ष होता था अब 5 वर्ष का होगा।
- J & K विधानसभा दो महिला सदस्यों को मनोनित कर सकता था।
- J & K में RTI, RBI तथा नीति निर्देशक तत्व लागू नहीं होते थे।
- J & K में सम्पत्ति का अधिकार मूल अधिकार था और यहाँ दोहरी नागरिकता थी।
- J & K के स्थायी नागरिकों को विशेष छुट दी जाती थी।
- कौन व्यक्ति स्थायी नागरिक है या नहीं इसका निर्धारण J & K विधानसभा अनु. 35 (A) के तहत करती थी।
- भारतीय संसद के द्वारा बनाया गया विधि जो रक्षा, दुरसंचार एवं विदेशी मामलो को छोड़कर जम्मू-कश्मीर में तब तक लागू नहीं होता था जब तक की वहाँ की विधान मण्डल से स्वीकार नहीं करता है।
- J & K की सीमाएं तब तक भारत की सीमाएं समझी जाएगी जब तक भारतीय संविधान में 370 (A) है, इसी कारण संसद ने भी 370 (A) नहीं हटाई गई।
- **अनुच्छेद 371–** महाराष्ट्र - गुजरात

  371 (A) नागालैंड
  (B) असम
  (C) मणिपुर
  (D) आंध्रप्रदेश
  (E) A.P. University
  (F) सिक्किम
  (G) मिजोरम
  (H) अरुणाचल प्रदेश
  (I) गोवा
  (J) कर्नाटक

- अनुच्छेद 379 से लेकर अनुच्छेद 391 तक निरसित या रद्द कर दिया गया है।
- **अनुच्छेद 392–** कठिनाईयों को दूर करना राष्ट्रपति का कर्त्तव्य होगा।

Trick : 371 (A से J)

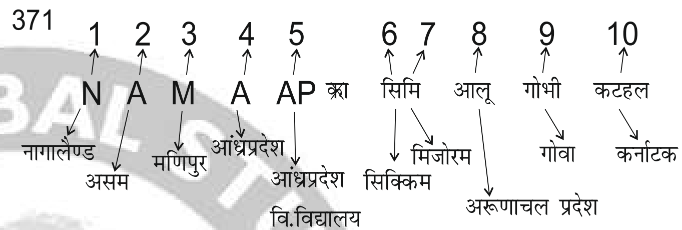

भाग 22 (अनुच्छेद 393-395)

➢ **संक्षिप्त नाम–**

- **अनुच्छेद 393–** इस विधि पुस्तक का संक्षिप्त नाम ''भारत का संविधान'' है।
- **अनुच्छेद 394–** इसमें संविधान के लागू होने की तिथि की चर्चा है।
- संविधान 26 नवम्बर 1949 को बन गया किन्तु इसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया।
- 26 नवम्बर, 1949 को ही संविधान के 16 अनुच्छेदों को लागू कर दिया गया, जो निम्नलिखित है।
  अनु. 5, 6, 7, 8, 9, 60, 324, 366, 367, 379, 380, 388, 391, 392, 393, 394
- **अनुच्छेद 394(A)–** इसे 58वां संविधान संशोधन 1987 द्वारा जोड़ा गया। इसके तहत राष्ट्रपति के अनुमति से मूल संविधान जो अंग्रेजी में था इसे हिन्दी में अनुवाद किया गया।
- **अनुच्छेद 395–** इस संविधान के लागू होते ही (26 जनवरी 1950) इससे पहले के सभी अधिनियम (1909, 1919, 1935) रद्द हो गए।

स्मरणीय तथ्य

❖ भारतीय राजनीति में जाति की भूमिका राष्ट्रीय स्तर पर उतनी नहीं है, जितनी स्थानीय और राज्य स्तरीय राजनीति में है।
❖ जाति और राजनीति का संबंध स्थैतिक न होकर गतिशील होता है।
❖ मुसलमानों के आर्थिक एवं सामाजिक पिछड़ापन के आकलन के लिये भारत सरकार ने सच्चर समिति का गठन किया था।
❖ केंद्र सरकार ने पृथक् तेलंगाना राज्य की मांग की समीक्षा के लिये वर्ष 2010 में उच्चतम न्यायालय के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश बी. एन. कृष्णा की अध्यक्षता में एक 5 सदस्यीय समिति गठित की।

❖ प्रो. रजनी कोठारी की प्रसिद्ध पुस्तक 'पॉलिटिक्स इन इंडिया' भारत की राजनीति एवं क्षेत्रवाद को जानने का महत्त्वपूर्ण स्रोत है।
❖ 1 मार्च, 2014 को राष्ट्रपति से स्वीकृति मिलने के बाद 2 जून, 2014 को एक पृथक् राज्य के रूप में तेलंगाना अस्तित्व में आया।
❖ वर्तमान में उत्तर प्रदेश में पूर्वांचल, हरित प्रदेश एवं बुंदेलखंड, महाराष्ट्र में विदर्भ, गुजरात में सौराष्ट्र, असम में बोडोलैंड तथा पश्चिम बंगाल में गोरखालैंड के गठन की मांग हो रही है।
❖ वर्तमान में भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. भारतीय संविधान में कितनी भाषाएँ क्षेत्रीय भाषाओं के रूप में मान्यता प्राप्त है?
(A) 12 (B) 13
(C) 14 (D) 22
48-52nd, BPSC (Pre.)

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये एवं दिये गए कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन करें–
(i) भारतीय राजनीति में जाति की भूमिका राष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक है।
(ii) धर्म एवं संप्रदाय भारतीय राजनीति को प्रभावित करते हैं।
(ii) जाति और राजनीति का संबंध स्थैतिक न होकर गतिशील होता है।
कूट–
(A) केवल (i) (B) (i) और (ii)
(C) (ii) और (iii) (D) केवल (ii)

3. प्रसिद्ध पुस्तकम 'पॉलिटिक्स इन इंडिया' के लेखक निम्नलिखित में कौन हैं?
(A) के. संथानम् (B) प्रो. रजनी कोठारी
(C) प्रो. कुलदीप कोठारी (D) आमंड कोलमैन

4. दिये गए कथनों पर विचार करें एवं सही उत्तर का चयन करें–
(i) धार्मिक संगठन भारतीय राजनीति में एक सशक्त दबाव समूह की भूमिका निभाते हैं।
(ii) राजनीतिक दल धर्म की राजनीति का लोगों को एकीकरण करते हैं।
(iii) धर्म भी पृथक् राज्य की मांग में भूमिका निभाता है।
कूट :
(A) केवल (i) (B) केवल (ii)
(C) (i) और (ii) (D) (i) और (iii)

5. **सही सुमेलित कीजिये–**

आंदोलन	**नेतृत्वकर्त्ता**
A. जे.पी. आंदोलन	(i) सुंदरलाल बहुगुणा
B. नर्मदा बचाओं आंदोलन	(ii) जयप्रकाश नारायण
C. चिपको आंदोलन	(iii) मेधा पाटकर
D. जनलोकपाल आंदोलन	(iv) अन्ना हजारे

कूट: **A B C D**
(A) (i) (ii) (iii) (iv)
(B) (ii) (i) (iv) (iii)
(C) (ii) (iii) (i) (iv)
(D) (iii) (iv) (i) (ii)

6. जयप्रकाश नारायण के द्वारा शुरू की गई संपूर्ण क्रांति कब आयोजित हुई?
(A) जून 1974 (B) जून 1982
(C) अगस्त 1984 (D) अगस्त 1972

7. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये एवं सी कूट का चयन करें–
(i) आतंकवाद और नक्सवाद भारतीय राजनीतिक की चुनौतियाँ हैं।
(ii) वर्तमान सरकार की उदासीनता ने इसे बढ़ाया है।
कूट–
(A) केवल (i) (B) केवल (ii)
(C) (i) और (ii) (D) न तो (i) और न ही (ii)

ANSWER KEY

01. (D) 02. (C) 03. (B) 04. (D) 05. (C) 06. (A) 07. (C)

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

1. 'हिन्दुत्व' अवधारणा का परीक्षण कीजिये। क्या वह धर्मनिरपेक्षवाद का विरोधी है?
60-62nd BPSC Mains

2. क्या आप सहमत हैं कि भारतीय राजनीति आज मुख्य रूप से वर्णनात्मक राजनीति की बजाय विकास राजनीति के आस-पास घूमती है? बिहार के संदर्भ में चर्चा करें।
63rd BPSC (Mains)

Note:

21. भारतीय संविधान एक परिचय तथा संविधान की प्रस्तावना (Indian Constitution: An introducton and preamble of the Constitution)

वरीयता क्रम या पद

(A) राष्ट्रपति
(B) उपराष्ट्रपति
(C) प्रधानमंत्री
(D) राज्यपाल
(E) भूतपूर्व राष्ट्रपति
(F) स्पीकर – CJI
(G) मंत्री विपक्ष
(H) भारत रत्न विजेता
(I) जज, UPSC, निर्वाचन, CAG

- **ED (प्रवर्त्तन निदेशालय)–** इसकी स्थापना 1956 में हुई। यह गैर कानूनी वित्तीय लेनदेन की जाँच करता है। विदेशों से आने वाले धन की भी जाँच करता है। इसका मुख्यालय दिल्ली है।
- **CBI–** इसकी स्थापना 1963 में के-संथानम के सिफारिश में हुई। प्रारंभ में यह दिल्ली पुलिस की ही शाखा थी। यह भारत की सबसे बड़ी जाँच Agency है।
- **CVC (Central Visilence Commission) केन्द्रीय सतर्कता आयोग–** इसकी स्थापना 1964 में के. संथानम के सिफारिश पर हुई। यह सभी केन्द्रीय कर्मचारियों पर नजर रखता है ताकि भ्रष्टाचार में कमी आए। यदि किसी अधिकारियों के विरूद्ध शिकायत करनी हो, तो CVC के पास किया जाता है। इसके आयुक्त के कार्यकाल 4 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक रहता है।

राष्ट्रीय ध्वज (National Flag)

- इसे 22 जुलाई 1947 को अपनाया गया। इसकी लं०, चौ० में 3-2 का अनुपात होता है, जिसे पिंगली वैंकेया ने तैयार किया। इसका निचला भाग हरा होता है, जो हरियाली का प्रतीक है। केसरिया ऊपर रहता है, जो बलिदान का प्रतीक है। बीच में सफेद पट्टी हे, जो शांति का प्रतीक है। बीच में 24 तीलियों का चक्र है, जो प्रगति का संकेत है।
- सर्वप्रथम भारत का झण्डा भीखा जी काम के द्वारा 1907 में जर्मनी के स्टुआर्ट में अंतर्राष्ट्रीय समाजवाद की बैठक में हरा, लाल और केसरिया के रूप में तैयार किया गया था।
- ध्वज नियम के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज दाहिनी तरफ होता है, और अन्य ध्वज से ऊपर रहता है।
- जुलूस लेकर चलने वाला व्यक्ति राष्ट्रीय ध्वज लेकर चलेगा और ध्वज दाहिना कंधें में लेकर चलेगा।
- सूर्यास्त के बाद और सूर्योदय के पहले ध्वज नहीं फहराया जा सकता।
- निजी संस्थानों पर भी राष्ट्रीय ध्वज फहराया जा सकता है, ध्वज का झुका देना राष्ट्रीय शोक का प्रतीक है।

झुका हुआ (शोक)

उल्टा (संकट)

- राष्ट्रीय ध्वज का प्रयोग पताका के रूप में नहीं हो सकता है।

राष्ट्रीय गान (National Anthem)

- इसकी रचना रबीन्द्रनाथ टैगोर ने किया। यह तत्व बोधनी कविता का 13 पंक्तियों वाला भाग है। इसे जन-गण-मन कहते हैं।
- इसे 52 सेकेण्ड में गाना होता है किन्तु विशेष परिस्थिति में 20 सेकेण्ड में गाया जाता है।
- इसे पहली बार 1911 के कलकत्ता अधिवेशन में गाया गया।
- 1921 में रबीन्द्रनाथ टैगोर ने इसका अंग्रेजी अनुवाद किया। जिसे "The Morning song of India" कहते हैं।
- 24 जनवरी 1950 को इसे अपनाया गया।

राष्ट्रीय गीत (National Song)

- इसकी रचना बंकिम चन्द्र चट्र्जी ने किया। इसे आनन्द मठ पुस्तक से लिया गया। जिसे वन्दे मातरम् कहते हैं।
- इसे पहली बार 1896 के कलकत्ता अधिवेशन में गाया गया। इसे 65 सेकेण्ड में गाना होता है। 24 जनवरी 1950 को इसे अपनाया गया।
- राष्ट्रीय गीत की पाँच पंक्ति में केवल दो पक्ति को ही राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया।

राष्ट्रीय चिह्न (अशोक चिन्ह) (National Symbol)

- भारत का राष्ट्रीय चिन्ह सारनाथ का अशोक स्तंभ है, जिसमें चार शेर हे, किन्तु 3 ही दिखाई देते हैं। इसके नीचे एक चक्र बना है, जिसके एक ओर सांड तथा दूसरी ओर घोड़ा है। जिसके नीचे देवनागरी लिपि में सत्यमेव जयते लिखा है, जिसे मुण्डकोपनिषद् से लिया गया है।
- इसे 26 जनवरी, 1950 को अपनाया गया।
- **राष्ट्रीय पांचांग (कैलेण्डर)–** प्रारंभ में भारत का पांचांग विक्रम संवत् था। किन्तु 22 मार्च 1957 को शक संवत् को अपना लिया गया। यह चन्द्रमा पर आधारित होता है।
- **महीना का नाम–**
  - चैत्र (मार्च-अप्रैल)
  - वैशाख (अप्रैल-मई)
  - ज्येष्ठ (मई-जून)
  - आषाढ़ (जून-जुलाई)
  - श्रावण (जुलाई-अगस्त)
  - भाद्रपद (अगस्त-सितम्बर)
  - आश्विन (सितम्बर-अक्टूबर)
  - कार्तिक (अक्टूबर-नवंबर)
  - मार्गशिर्ष (नवंबर-दिसंबर)
  - पौष (दिसंबर-जनवरी)
  - माघ (जनवरी-फरवरी)
  - फाल्गुन (फरवरी-मार्च)

प्रस्तावना

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की **स्वतंत्रता,**
प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन **सब में** व्यक्ति की गरिमा और
राष्ट्र की एकता और अखंडता
सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मर्पित करते हैं।**

सत्यमेव जयते

CONSTITUTION OF INDIA

Preamble

WE THE PEOPLE OF INDIA, having
solemny resolved to constitute India into a
Sovereign Socialist Secular Democratic Republic
and to secure to all its citizens
JUSTICE
Social, economics and political;
LIBERTY
of thought, expression, brief, faith and worship
EQUALITY
of status and of oppertunity; and to
promote among them all
FATERNITY
assuring the diginity of the individual and
the unit and integrity of the Nation
IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY
this twenty-sixth day of November, 1949, do
HEREBY ADOBT, ENACT AND GIVE TO
OURSELVES THUS CONSTITUTION

- प्रस्तावना को अमेरिका से लिया गया है, जबकि उसकी भाषा ऑस्ट्रेलिया से ली गई।
- संविधान निर्माताओं की मनोभावना आदर्श नीति निर्देशक तत्व में दिखते हैं।
- प्रस्तावना को संविधान की कुंजी कहते हैं।
- प्रस्तावना में संघ या व्यस्क मताधिकार की चर्चा नहीं है।
- प्रस्तावना के आधार पर भारतीय नागरिक को सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक तीन प्रकार का न्याय, प्रतिष्ठा और अवसर दो प्रकार की समानता एवं विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना 5 प्रकार की स्वतंत्रता भारतीय नागरिक को प्राप्त होता है।
- SC प्रस्तावना को संविधान की भाग मानता है, और इसे संविधान की आत्मा कहते हैं।

Q. किस भाग को संविधान की आत्मा कहते हैं?
(A) भाग 3 (B) भाग 4
(C) प्रस्तावना (D) अनुसूची

Q. किस अनुच्छेद को संविधान की आत्मा कहते हैं?
(A) प्रस्तावना (B) अनु. 32
(C) 124 (D) अनु. 214

- प्रस्तावना में समानता, स्वतंत्रता तथा बंधुता फ्रांस की क्रांति से लिया गया।
- बेरूबरी तथा चम्पकम दोराई राजन विवाद 1960 में SC ने कहा कि प्रस्तावना संविधान का भाग नहीं है।
- केशवानन्द भारतीय विवाद 1973 में SC ने कहा कि प्रस्तावना संविधान का भाग है।
- प्रस्तावना में अबतक मात्र एक बार संशोधन हुआ है।

☞ 42वां संशोधन 1976 द्वारा प्रस्तावना में तीन शब्द जोड़े गये।
(i) समाजवादी (ii) पंथ निरपेक्ष
(iii) एकता एवं अखण्डता

Note :–

1. धर्म निरपेक्ष का अर्थ होता है, सरकार धर्म से दूरी बनाकर रखेगी। जबकि पंथ निरपेक्ष का अर्थ होता है, सरकार किसी भी धर्म से भेदभाव नहीं करेगी।
2. भारत एक पंथनिरपेक्ष देश है, क्योंकि राज्य (देश) का अपना कोई धर्म नहीं है।

☞ **राज्य (देश) के लिए आवश्यक तत्व–**
(i) क्षेत्रफल (ii) जनसंख्या
(iii) सरकार (iv) सम्प्रभुता

☞ **सम्प्रभुता–** जब कोई सरकार अपने आंतरिक तथा बाह्य मामले स्वयं ले ले तो सम्प्रभुत्व सरकार कहते हैं, सम्प्रभुत्व सरकार पर किसी का नियंत्रण नहीं रहता है।

☞ भारत की संप्रभुता जनता के पास है।

☞ **स्वायत राज्य या Autonomous या Dominian–** वैसा क्षेत्र जो किसी देश के अधीन हो, किन्तु उसे आंशिक सम्प्रभुता प्राप्त हो, स्वायत कहलाता है।
Ex. :–चीन का तिब्बत तथा हाँग-काँग
डेनमार्क का ग्रीन लैंड
Note :– प्रांत का राज्य होता है।

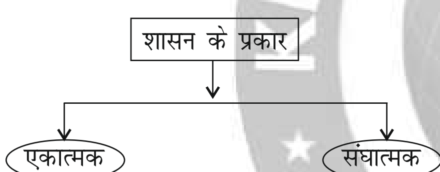

☞ एकात्मक सरकार में राज्यों को शक्ति नहीं होती है।
Ex. :– ब्रिटेन

☞ संघात्मक में केन्द्र और राज्य दोनों शक्तियाँ होती है।
Ex. :– USA, कनाडा, भारत, PAK

☞ भारत पूरी तरह एकात्मक न संघात्मक है, भारत एक अर्द्धसंघात्मक है।

☞ भारत में अधिकांश गुण संघात्मक के हैं किन्तु निम्नलिखित गुण है, जो एकात्मक में होते हैं।
(i) राज्य का प्रमुख राज्यपाल होता है किन्तु इसकी नियुक्ति केन्द्र करता है।
(ii) भारत में नागरिकता केन्द्र सरकार देता है, जबकि राज्य सरकार केवल आवासीय देती है।
(iii) संसद द्वारा बनाया गया कानून सभी राज्यों को मानना अनिवार्य है।
(iv) केन्द्र का CAG सभी राज्यों के लेखाओं की जाँच कर देता है।
(v) पूरे भारत में एकहरी न्यायपालिका है।
(vi) आपातकालीन शक्ति केवल केन्द्र की है, और आपातकाल के दौरान संविधान एकात्मक हो जाता है।
(vii) अखिल भारतीय सेवा (अनु. 311)
(viii) नीति आयोग तथा योजना आयोग।

सरकार के प्रकार

1. **राजतंत्र (Monarchy)–** इसमें एक राजा वंशानुगत शासन करता है, जो किसी के प्रति उत्तरदायी नहीं होता है। अत: वह निरंकुश होता है।
Ex. :– प्राचीन भारत, अरब, जापान, ब्रिटेन, भूटान etc.
2. **तानाशाही (Dictator)–** इसमें सैनिक का शासन रहता है। जो general सत्ता हथिया लेता है। जनता का सर्वाधिक अत्याचार तानाशाही में होता है।
Ex. :–

देश	तानाशाही
पाकिस्तान	परवेज मुशर्रफ
ईराक	सद्दाम हुसैन
सीरिया	बसर-अल-अमद
यमन	शेख अब्दुल्ला सालेह
मिस्र	हैसनी मुबारक
कोरिया	किंग जोम
जर्मनी	हिटलर

3. **साम्यवादी (Communist)–** इसमें एक ही पार्टी का शासन होता है, इसमें कठोर नियम बनाये जाते हैं।
Ex. :– चीन, भूतपूर्व सोवियत संघ इत्यादि।
4. **गणराज्य (Republic)–** इसमें राष्ट्र के प्रमुख का निर्वाचित होता है।
Ex. :– भारत के राष्ट्रपति।
5. **लोकतंत्र/जनता/गणतंत्र (Democracy)–** जहां शासन के प्रमुख का चुनाव जनता प्रत्यक्ष करें।

☞ अब्राहम लिंकन ने लोकतंत्र के विषय में कहा है, कि यह जनता की सरकार होती है, जो जनता द्वारा चुनी गई होती है और जनता के लिए शासन करती है। "Government of the people, for the people by the people."

➢ **लोकतंत्र दो प्रकार के होते हैं–**
1. प्रत्यक्ष (Direct)
2. अप्रत्यक्ष (Indirect)

1. **प्रत्यक्ष लोकतंत्र (Direct Democracy)–** यह कम जनसंख्या वाले क्षेत्रों में हो सकता है। इसमें जनता ही नियम बनाती है। स्वीट्जरलैण्ड तथा भारत के ग्राम पंचायत में प्रत्यक्ष लोकतंत्र देखा जाता है। स्वीट्जरलैण्ड के राष्ट्रपति का कार्यकाल एक वर्ष का होता है। प्रत्यक्ष लोकतंत्र में निर्वाचित प्रतिनिधि को समय से पहले वापस बुलाया जा सकता है।
2. **अप्रत्यक्ष लोकतंत्र (Indirect Democracy)–** यह अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्रों में होता है। इसमें जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि नियम बनाते हैं। इस लोकतंत्र को दो भागों में बांटते हैं–

A. अध्यक्षात्मक (Presidential)– इसमें कार्यपालिका का विभाजन नहीं होता है। इसमें औपचारिक तथा वास्तविक

दोनों शक्तियाँ एक ही व्यक्ति के पास होती है। इसमें कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के मध्य शक्ति का स्पष्ट विभाजन होता है।

Ex. :– USA के राष्ट्रपति

B. संसदीय प्रणाली (Parliamentary system)– इसमें कार्यपालिका की शक्ति का विभाजन हो जाता है। वास्तविक शक्ति PM को तथा औपचरिक शक्ति राष्ट्रपति को दी जाती है। इसमें कार्यपालिका पर विधायिका को प्राथमिकता दी जाती है। **Ex. :–** भारत, PAK, UK

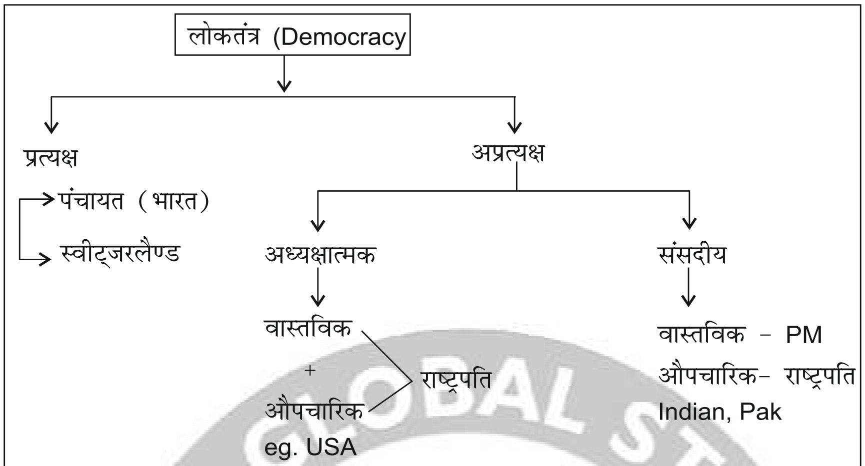

☞ **नौकरशाही (Beaurecracy)–** जिस व्यवस्था में नौकरशाह (अधिकारियों) का बोलबाला होता है, उसे नौकरशाही कहते हैं। इसे लाल फीता शाही भी कहते हैं।
इसमें बहुत अधिक विभागीय प्रक्रिया होती है।
Ex. :– भारत

1. विधायिका नियम बनाती है, कार्यपालिका उस नियम को लागू करवाती है, न्यायपालिका नियम न मानने वाले को दंडित करती है।
2. Media किसी मुद्दे को राष्ट्रीय पटल पर उजागर करती है।
3. Media को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है, जिसका मुख्य कार्य शासन में आ रही कमी को उजागर करना तथा सरकार की आलोचना करना। भारतीय संविधान में चौथा स्तंम्भ प्रेस के लिए एक भी अनुच्छेद नहीं है।

Note :– सरकार की सफलताओं को गिनवाने के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय होता है।

☞ भारत में अनु. 50 के तहत कार्यपालिका और न्यायपालिका अलग-अलग है। न्यायपालिका सर्वोच्च तथा स्वतंत्र निकाय है। भारत में एकहरी न्यायपालिका है।

☞ विधायिका और कार्यपालिका आपस में जुड़े होते हैं। कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी होता है। जब कोई मंत्री संसद में बैठता है, तो विधायिका का अंग है किन्तु जब वह अपने मंत्रालय में बैठता है, तो वह कार्यपालिका का अंग है।

☞ विधायिका कार्यपालिका पर अपना नियंत्रण रखती है, यदि कार्यपालिका संविधान के अनुरूप कार्य नहीं करेगी तो विधायिका उसे हटा सकती है। एवं न्यायपालिका दण्ड दे सकती है।

➢ **कार्यपालिका दो प्रकार की होती है–**

1. **स्थायी कार्यपालिका (Permanent Executive)–** यह सेवानिवृत्त या Retirement तक अपने पद पर रहते हैं, जैसे अधिकारी तथा सचिव। ये लोग चयनित (Selected) होते हैं।

☞ सचिव जिस भवन में बैठते हैं, उसे सचिवालय कहते हैं और यह सचिवालय अध्यक्ष के अधीन रहता है।

2. **अस्थायी कार्यपालिका (Temporary Executive)–** इन लोगों का कार्यकाल 5 वर्षों का होता है।
Ex. :– राष्ट्रपति, राज्यपाल, मंत्री etc. ये लोग निर्वाचित (elected) होते हैं।

- **FIR (First Information Report)–** किसी भी घटना की लिखित सूचना जो पुलिस को दी जाती है, उसे प्राथमिकी कहते हैं।
- **Case Diary–** FIR के आधार पर पुलिस जब घटना की जाँच करती है, और सही तथ्यों को एक जगह इकट्ठा करती है, उसे Case Diary कहते हैं। यह बड़ा सबूत होता है। पुलिस रिश्वत लेकर इसी Case Diary में कम तथ्यों को लिख देती है, जिस कारण Case कमजोर हो जाता है।
- **Charge Sheet/आरोप पत्र–** इसमें IPC की धारायें लिखी गई रहती है, जिस आधार पर मुकदमा चलाया जाता है। Charge Sheet File होने के बाद मुकदमा Court में चला जाता है।
- **IPC (Indian Penal Code)–** इसे 1861 के अधिनियम के तहत लॉर्ड कैनिंग के समय लाया गया। इसमें अपराध की परिभाषा दी गई रहती है।
- **CRPC (Code of Criminal Procedure)–** इसमें अपराध के बदले कितना दंड दिया जाएगा, इसकी चर्चा रहती है। यह न्यायालय की प्रक्रिया को बताता है।

प्रमुख धाराएँ	
धारा 34	सामूहिक अपराध
धारा 201	सबूत मिटाना
धारा 302	हत्या
धारा 304	लापरवाही से हत्या (Bone damage, Blood)
धारा 307	हत्या की कोशिश
धारा 309	आत्म हत्या की कोशिश
धारा 312	गर्भपात
धारा 315	आत्महत्या के लिए प्रेरित करना
धारा 365	अपहरण
धारा 376	Rape
धारा 376(B)	Gange Rape
धारा 379	चोरी (चार से कम व्यक्ति)
धारा 395	डकैती (4 से ज्यादा व्यक्ति)
धारा 396	डकैती के दौरान हत्या
धारा 415	छल
धारा 420	धोखा
धारा 444	दूसरी विवाह
धारा 497	व्यविचार (इसे समाप्त कर दिया गया है) यह शादी-शुदा महिला के साथ संबंध रखने पर लगाया जाता है।

- धारा 166 (A) = FIR न लिखने पर इसका प्रयोग पुलिस के विरूद्ध किया जाता है। जब पुलिस FIR नहीं लिखती हे, तो दूसरे पुलिस स्टेशन से FIR लिखवाया जाता है जिसे Zero FIR कहते हैं।
- सीधे (Direct) कोर्ट में भी जाकर FIR लिखवाया जाता है।
- **जमानत (Bail)–** गिरफ्तारी के बाद व्यक्ति Court में रिहाई के लिए अपील करता है। ताकि वह वकील के माध्यम से Case लड़ सके। जमानत लेने के लिए दो गवाह गारण्टर के रूप में तथा कुछ धन राशि Security के रूप में जमा करना होता है।
- जघन्य अपराध में जमानत Court द्वारा स्वीकार नहीं किया जाता है।
- **अग्रीम जमानत (Anticipatory Bail)–** गिरफ्तारी से पहले ही लिया गया जमानत अग्रीम जमानत कहलाता है।
- **न्यायिक हिरासत (Judicial Remand)–** जमानत खारिज होने पर जज व्यक्ति को जेल भेज देते हैं किंतु न्यायिक हिरासत में Police पूछ-ताछ नहीं कर सकती है।
- **Police Remand–** जेल में बंद व्यक्ति से पूछ-ताछ के लिए, Court की अनुमति से व्यक्ति को 14 दिन के लिए Police को सौंप देते हैं जिसे Police Remand कहते हैं।
- **Cyber Crime की धारा–** 66, 67, 67 (A), 67(B) के तहत जब कोई व्यक्ति किसी Photo या Video का दुरुपयोग करता है, तो इन धाराओं के विरुद्ध उसपर कार्रवाई की जाती है।
- **धारा 144–** धारा- 144 के तहत व्यक्ति को समूह में इकट्ठा नहीं हेने दिया जाता है।
- **पेरोल (Perol)–** जब कोई अपराधी अपराधिक घटनाओं को छोड़कर सुधरना चाहता है, तो जेल में उसके Record के आधार पर उसे छोड़ दिया जाता है।
  Ex. :– संजय दत्त।

संवैधानिक विकास

- संविधान कई वर्षों के सतत् विकास का परिणाम होता है।
- संविधान का अर्थ होता है सभी के लिए बराबर कानून।
- भारतीय संविधान का विकास सन् 1612 से प्रारम्भ हो गया।
- इंग्लैण्ड भारत में कार्य कर रही ईस्ट इंडिया कम्पनी को नियंत्रित करने के लिए जो कानून बनाती थी, उसी का संग्रह भारतीय संविधान में दिखता है।
- **चार्टर एक्ट/राज्य एक्ट–** वह कानून जो ईस्ट इण्डिया कम्पनी को नियंत्रित एवं विनियमित करने के लिए बनाया गया हो उसे चार्टर एक्ट कहते हैं।
  Ex. :– 1773, 1784, 1786, 1813, 1833, 1853
- **भारतीय शासन अधिनियम (Government of India Act)–** भारत का वह कानून जो भारत में ही बनाया जाता था। भारतीय शासन अधिनियम कहलाता था।
  Ex.: – 1858, 1861, 1892, 1909, 1919, 1935

- **1773 का रेगुलेटिंग एक्ट–** इसके द्वारा कलकत्ता में Suprime Court की स्थापना की गई। जिसके पहले मुख्य न्यायाधीश एंजिला एर्म्पा थे। अन्य तीन जज, चेस्टर, लिनेस्ट तथा हाइडे हैं।
- बंबई तथा मद्रास को कलकत्ता के अधीन कर दिया गया।
- बंगाल के गवर्नर को बंगाल का गवर्नर जनरल बना दिया गया।
- **पिट्स इंडिया एक्ट (1784)–** इसके द्वारा कंपनी के भ्रष्टाचार को कम करने का प्रयास किया गया।
- भारत में द्वैध शासन ला दिया गया जिसके तहत कम्पनियों के कार्यों को दो भागों में बांट दिया गया–
  1. **निदेशक मंडल (Director)–** यह भारत में रहते थे और व्यापारिक कार्यों को देखते थे।
  2. **नियंत्रक मंडल (Controller)–** यह इंग्लैण्ड में रहते थे राजनीतिक तथा सैन्य कार्यों को देखते थे।
- **1786 का चार्टर एक्ट–** इसके द्वारा पिट्स इंडिया एक्ट की कमियों को दूर किया गया। भारत के गवर्नर को Veto Power तथा सैन्य शक्तियाँ दी गई।
- **1813 चार्टर अधिनियम–** इसके द्वारा भारतीय शिक्षा पर प्रतिवर्ष एक लाख खर्च करने का प्रावधान किया गया। ईसाई धर्म के प्रचार को अनुमति कर दिया गया।
- कंपनी के एकाधिकार को आंशिक रूप से समाप्त किया गया किन्तु भारतीय चाय तथा चीन देश से व्यापार एकाधिकार बना रहा।
- **1833 का चार्टर अधिनियम–** कंपनी के एकाधिकार को पूर्णत: समाप्त कर दिया गया। इसमें विधि सदस्य को जोड़ा गया।
- भारत को प्रशासनिक रूप से एकीकृत किया गया और बंगाल का गवर्नर जनरल को भारत का गवर्नर जनरल कहा जाने लगा।
- भारत में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी को बनाने की घोषणा की गयी।
- **1853 का चार्टर अधिनियम–** यह अंतिम चार्टर था। इसमें एक अलग से विधि परिषद् गठन किया गया। कंपनी के कर्मचारियों के खुली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- **1858 का भारतीय शासन अधिनियम–** इसके द्वारा ईस्ट इंडिया कंपनी, द्वैध शासन, निदेशक तथा नियंत्रण मंडल को समाप्त किया गया।
- भारत का शासन ब्रिटेन के राजा को सौंप दिया गया। राजा के प्रतिनिधि के रूप में वायसराय की नियुक्ति की गई।
- वायसराय पर नियंत्रण रखने के लिए राज्य सचिव की नियुक्ति की गई जो ब्रिटेन का मंत्री होता था।
- राज्य परिषद् की सहायता के लिए 15 सदस्यीय भारतीय परिषद का गठन किया गया।

  Note :– इंग्लैण्ड की महारानी को 28 अप्रैल, 1876 को भारत की शासिका घोषित कर दिया गया।
- **1861 का अधिनियम–** इसके द्वारा विभागीय प्रणाली अर्थात् मंत्रीमंडल का गठन किया गया तथा वायसराय को अध्यादेश जारी करने की शक्ति दी गई।
- इस अधिनियम द्वारा IPC (Indian Penel Court) की धाराओं को बनाया गया।
- सत्ता का विकेंन्द्रीकरण शुरू हुआ और विधायी शक्ति मद्रास और बॉम्बे प्रेसीडेंसी को वापस दे दी गयी।
- **1892 का भारतीय शासन अधिनियम–** इसके द्वारा बजट पर बहस करने का अधिकार दिया गया तथा निर्वाचन प्रणाली प्रारंभ की गई।
- केन्द्रीय व्यवस्थापिका सभा के सदस्यों की संख्या 10 से 16 निश्चित की गयी।
- अप्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली की शुरूआत इस अधिनियम से हुआ।
- **1909 का अधिनियम–** इसे मार्ले-मिण्टो सुधार अधिनियम भी कहते हैं, इसने 'फूट डालो और शासन करो' के लिए मुसलमानों को पृथक निर्वाचन क्षेत्र दिया गया।
- पहली बार वायसराय की कार्यकारणी में परीषद् में भारतीयों को शामिल किया गया।
- **1919 का भारतीय शासन अधिनियम–** इसे मॉण्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार अधिनियम भी कहते हैं। इसके द्वारा ईसाई तथा बौद्ध को पृथक क्षेत्र दिया गया।
- महिलाओं को वोट डालने का अधिकार दिया गया।
- राज्यों में द्वैध शासन लागू किया गया और दो विषय बना दिया गया।
  1. **आरक्षित विषय–** आरक्षित विषय वायसराय के पास थे।
  2. **हस्तांतरित विषय–**हस्तांतरित विषय भारतीयों को सौंप दिया गया।
- केन्द्र में दो सदन की विधायिका केन्द्रीय विधानसभा एवं राज्य परिषद् का गठन किया गया।
- **भारतीय शासन अधिनियम (1935)–** इसके द्वारा राज्यों को स्वायतता दिया गया। राज्य का द्वैध शासन समाप्त करके केन्द्र में द्वैध शासन लाया गया। एक मजबूत संघ का निर्माण किया गया।
- राज्यों में भी दो सदन की विधायिका का गठन का प्रावधान किया गया।
- दिल्ली में संघीय न्यायालय (1937) की स्थापना की गयी।
- बर्मा (म्यांमार) को भारत से अलग कर दिया गया।
- प्रांतीय चुनाव (1935) कराया गया।
- संविधान का 80% से अधिक भाग इसी से लिया गया है, अत: इसे संविधान का Blue print तथा Carbon Copy कहते है।
- **कैबिनेट मिशन (March 1946)–** इसे ब्रिटेन के PM किलीमेंट एटली ने भेजा था। इसमें 3 सदस्य थे।–

  (i) क्रिप्स
  (ii) एलेक्जेण्डर
  (iii) लारेंस (Trick : KAL)
- कैबिनेट मिशन की अध्यक्षता लॉरेंस के हाथ में थी। इस मिशन के आधार पर अंतिरिम सरकार (Provisional Government) का गठन किया गया। यह सरकार (1946-51) तक शासन की। इसमें उपाध्यक्ष या प्रधानमंत्री के पद पर जवाहर लाल नेहरू थे।

गृह मंत्री – सरदार पटेल
खाद्य आपूर्ति – राजेन्द्र प्रसाद
रेल मंत्री – अरूणा आसफ अली
रक्षा मंत्री – बलदेव सिंह
उद्योग मंत्री – जान मथाई

- कैबिनेट मिशन के आधार पर ही संविधान सभा का गठन किया गया। इसके सदस्यों के चुनाव के लिए 10 लाख जनसंख्या पर एक सदस्य (प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष) का निर्वाचन किया गया।
- अखण्ड भारत से 389 सदस्यों का निर्वाचन हुआ, जिसमें 15 महिलाएँ थीं।
- स्वतंत्रता के बाद पाकिस्तान अलग हो गया जिस कारण वहाँ के प्रतिनिधि अलग हो गए और पुनर्गठित संविधान सभा में संविधान में केवल 299 सदस्य ही निर्धारित किया गया।
- संविधान पारित होते समय 284 सदस्यों ने हस्ताक्षर किया जिसमें 8 महिला सदस्य थीं।
- अम्बेडकर जी का चुनाव बंगाल से हुआ किन्तु बंगाल अलग होने के कारण पुन: उनका निर्वाचन महाराष्ट्र से हुआ।
- संविधान सभा में निर्णय सहमति के आधार पर ली जाती थी।
- संविधान सभा के विभिन्न कार्यों को करने के लिए अलग-अलग समितियाँ बनाई गई।

1. संघ समिति : जवाहर लाल नेहरू
2. प्रांतीय समिति : सरदार पटेल
3. मूल अधिकार : सरदार पटेल
4. कार्य संचालन : के.एम. मुंशी
5. झंडा समिति : J.B. कृप्लानी + राजेन्द्र प्रसाद
6. प्रारूप समिति : भीमराव अम्बेडकर

- **प्रारूप समिति में सात सदस्य थे–**

1. भीमराव अम्बेडकर
2. N.G.आयंगर
3. कृष्ण स्वामी अय्यर
4. K.M. मुंशी
5. B.L.मित्रा
6. सय्यद मोहम्मद सादुल्लाह
7. D.P. खेतान

- संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसम्बर 1946 को हुई इस दिन अस्थायी अध्यक्ष सच्चिदानन्द सिंह को चुना गया।
- 11 दिसम्बर, 1946 को स्थायी अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद को चुना गया। B.N. राव को सलाहकार चुना गया।
- 13 दिसम्बर, 1946 को जवाहरलाल नेहरू ने उद्देश्य प्रस्ताव समिति का गठन किया गया।
- 26 नवम्बर, 1949 को संविधान बनकर तैयार हो गया। इसी दिन संविधान को अलंकृत, आत्मर्पित, अधिनियम कर लिया गया। इस दिन संविधान दिवस मनाया जाता है किन्तु संविधान को 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। क्योंकि 26 जनवरी को स्वाधीनता दिवस 1930 से मनाते आ रहे थे।
- 24 जनवरी, 1950 को संविधान की अंतिम बैठक हुई थी।
- संविधान निर्माण में 2 वर्ष 11 महीने, 18 दिन का समय लगा।
- संविधान में 22 भाग, 395 अनुच्छेद तथा 8 अनुसूचियाँ थी। वर्तमान में 22 भाग, 395 अनुच्छेद तथा 12 अनुसूचियाँ है।
- संविधान लागू किए जाने के बाद संविधान सभा को अंतरिम संसद के रूप में बदल किया गया।
- **संविधान के विदेशी स्रोत–**

(i) **कनाडा–** संघीय व्यवस्था, अवशिष्ट सूची, राज्यपाल, GST
(ii) **USA–** मूल अधिकार, उपराष्ट्रपति, सर्वोच्च न्यायालय, न्यायिक पुनरावलोकन, महाभियोग, वित्तीय आपात प्रस्तावना।
(iii) **आयरलैंड–** नीति निदेशक तत्व, राष्ट्रपति का निर्वाचक मंडल, मनोनित सदस्य।
Note :- नीति निदेशक तत्व को आयरलैंड के स्पेन से लाया था और स्पेन ने इसे स्वयं बनाया था।
(iv) **जर्मनी–** आपात (विमर संविधान)
(v) **फ्रांस–** गणराज्य, समानता, स्वतंत्रता और बंधुता का सिद्धांत।
(vi) **ब्रिटेन–** एकल नागरिकता, औपचारिक प्रमुख के रूप में राष्ट्रपति, संसद की सर्वोच्चता, संसदीय प्रणाली, मंत्रीमंडल, सामूहिक उत्तरदायित्व, PM
(vii) **दक्षिण अफ्रीका–** संविधान संशोधन, राज्य सभा के सदस्यों की निर्वाचन पद्धति।
(viii) **रूस (सोवियत संघ)–** मौलिक कर्त्तव्य, पंचवर्षीय योजना, प्रस्तावना में सामाजिक-आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय का आदर्श।
(ix) **जापान–** कानून की निर्धारित प्रक्रिया।
(x) **ऑस्ट्रेलिया–** समवर्ती सूची, केन्द्रराज्य संबंध, संयुक्त, अधिवेशन, प्रस्तावना की भाषा।

स्मरणीय तथ्य

- राज्यव्यवस्था से जुड़ी प्राथमिक एवं अमूर्त अवधारणा 'राज्य' का संबंध किसी समाज की राजनीतिक संरचना से है।
- भू-भाग, जनसंख्या, सरकार और संप्रभुता राज्य के चार अनिवार्य तत्त्व हैं।
- सरकार 'राज्य' की मूर्त एवं व्यावहारिक अभिव्यक्ति है। ध संप्रभुता राज्य का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण तत्त्व है।
- राष्ट्र विरोधी ताकतों से निपटने, आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियों से निपटने, समाज के वंचित वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने, विभिन्न हित समूहों के मध्य आपसी सामंजस्य स्थापित करने आदि के कारण भारत को राजनीतिक व्यवस्था की आवश्यकता है।
- भारतीय शासन प्रणाली सामान्यत: संघात्मक है जो संकट के समय एकात्मक रूप धारण कर लेती है।
- भारत ने संसदीय शासन प्रणाली को अपनाया है जिसमें राज्याध्यक्ष
- 'राष्ट्रपति' ब्रिटेन के सम्राट की तरह नाममात्र का प्रधान है।

❖ भारत का प्रजातंत्र इस तथ्य पर आधारित है कि यहाँ जनता को सरकारों को चुनने तथा बदलने का अधिकार प्राप्त है।
❖ निजीकरण और उदारीकरण की नीतियाँ भारतीय लोकतंत्र को समाजवादी लोकतंत्र के मुकाबले उदारवादी लोकतंत्र के ज़्यादा नजदीक बनाती हैं।
❖ क्षेत्रीय, भाषायी, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि विविधताओं को देखते हुए भारतीय संविधान निर्माताओं ने बहुदलीय प्रणाली को अपनाया।
❖ भारतीय बहुदलीय प्रणाली वर्तमान समय में 'द्वि-गठबंधनात्मक व्यवस्था' की ओर बढ़ रही है न कि 'द्विदलीय व्यवस्था' की ओर।
❖ स्विट्जरलैंड की राजनीतिक प्रणाली में पहल (Initiative), जनमत संग्रह या परिपृच्छा (Referendum) की विशेषता प्रत्यक्ष लोकतंत्र के तत्त्व हैं।
❖ परिसंघात्मक प्रणाली को 'अविनाशी राज्यों का विनाशी संगठन' कहा जाता है।
❖ संघात्मक व्यवस्था को 'अविनाशी राज्यों का अविनाशी संगठन' कहा जाता है।
❖ हीगेल ने राज्य को पृथ्वी पर ईश्वर का अवतार माना । एकात्मक व्यवस्था को 'विनाशी राज्यों का अविनाशी संगठन' कहा जाता है।
❖ अध्यक्षीय या शासन की राष्ट्रपति प्रणाली में स्थायित्व, त्वरित निर्णय की क्षमता, विशेषज्ञों की भूमिका जैसे गुण होते हैं।
❖ संसदीय या प्रधानमंत्रीय प्रणाली में उत्तरदायित्व का निर्धारण सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण तत्त्व होता है। क्योंकि सरकार को संसद में अपने कार्यों का औचित्य बताना पड़ता है और सदस्यों के प्रश्नों के उत्तर देने पड़ते हैं।
❖ संविधानवादी शासन को 'विधि का शासन' कहा जाता है।
❖ विधायिका में से कार्यपालिका नियुक्त होने के कारण संसदीय प्रणाली में शक्तियों का पृथक्करण एवं नियंत्रण और संतुलन उतना सुदृढ़ नहीं होता जितना कि अध्यक्षीय प्रणाली में।
❖ मंत्रिपरिषद के सदस्य विधायिका व कार्यपालिका दोनों के सदस्य होते हैं।
❖ संसदीय प्रणाली में, एक ही व्यक्ति के पास सभी शक्तियों के बजाय शक्ति मंत्रिपरिषद के पास होती है जिससे अधिनायकवाद की प्रवृत्ति कम हो जाती है।
❖ पाकिस्तान में द्विदलीय पद्धति प्रचलित है।
❖ संसदीय शासन में प्रधानमंत्री संसद को संविधानिक मुखिया के साथ विचार-विमर्श करके विश्वास मत रहते भी भंग करवाने का अधिकार रखता है।
❖ लिखित संविधान का प्रारंभ सर्वप्रथम अमेरिका में हुआ था।
❖ महात्मा गाँधी और मुहम्मद अली जिन्ना संविधान सभा में शामिल नहीं हुए थे।
❖ मूल अधिकार एवं अल्पसंख्यक समिति के अध्यक्ष सरदार वल्लभभाई पटेल थे।
❖ संविधान सभा स्पष्ट तौर पर भारतीय जनता का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था थी।
❖ कार्य संचालन समिति के अध्यक्ष डॉ. के. एम. मुंशी थे।
❖ विभाजन के पश्चात् संविधान सभा के सदस्यों की संख्या 389 के बजाय 299 ही रह गई।
❖ साम्यवादी दल का कोई भी सदस्य संविधान सभा के लिये निर्वाचित नहीं हुआ था।
❖ समाजवादी दल ने प्रतिनिधित्व अस्वीकार कर दिया था और फॉरवर्ड ब्लॉक के सदस्य संविधान सभा के लिये निर्वाचित हुए थे।
❖ संविधान का प्रारूप सर बी.एन. राव ने तैयार किया था।
❖ वर्तमान में इसमें 395 मुख्य अनुच्छेद (उप-अनुच्छेदों सहित कुल संख्या 465), 22 मुख्य भाग (उप-भाग सहित कुल संख्या 25) और 12 अनुसूचियाँ हैं।
❖ मूल संविधान में 395 अनुच्छेद, 22 भाग और 8 अनुसूचियाँ थीं।
❖ शिक्षा समवर्ती सूची का विषय है तथा भूमि सुधार राज्य सूची का विषय है।
❖ 1919 के तहत गठित 'राज्य परिषद्' के पहले अध्यक्ष अलेक्जेंडर मूडीमेन थे।'
❖ राष्ट्रीय प्रतीक अशोक चक्र में 24 आरे होते हैं।
❖ संविधान के भाग-IX में पंचायतों व IXA या IX (क) में नगरपालिकाओं के बारे में बताया गया है।
❖ संविधान का भाग XVII राजभाषा से संबंधित है।
❖ भारतीय राष्ट्रगान को पहली बार 1911 ई. में गाया गया था।
❖ संविधान की आठवीं अनुसूची में वर्तमान समय में 22 भाषाएँ हैं।
❖ तीसरी अनुसूची में शपथों और प्रतिज्ञानों के प्रारूप दिये गए हैं।
❖ मूल भारतीय संविधान प्रेम बिहारी नारायण रायजादा द्वारा हस्तलिखित है।
❖ भारतीय संविधान में संसदीय प्रभुता और न्यायिक सर्वोच्चता में समन्वय किया गया है।
❖ 92वें संशोधन अधिनियम, 2003 द्वारा आठवीं अनुसूची में बोडो, डोगरी, मैथिली और संथाली को जोड़ा गया।
❖ भारतीय संविधान का अनुच्छेद-245 संवैधानिक प्रावधानों की संघिय संसद/राज्य विधान पालिकाओं द्वारा बानाए गये नियमों/कानूनों पर प्राथमिकता प्रदान करता है।
❖ प्रथम संविधान संशोधन अधिनियम, 1951 के द्वारा जोड़ी गई नौवीं अनुसूची का न्यायिक पुनर्विलोकन हो सकता है।
❖ भारतीय संविधान पर सर्वाधिक प्रभाव भारत शासन अधिनियम, 1935 का है।
❖ प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स एक्ट, 1955 अस्पृश्यता उन्मूलन से संबंधित है।
❖ राष्ट्रीय गीत आनंद मठ से लिया गया है, इसके रचयिता बंकिमचंद्र चटर्जी है।
❖ संविधान सभा ने 22 जुलाई, 1947 को 'तिरंगे झंडे' को राष्ट्र-ध्वज के रूप में मान्यता प्रदान की।
❖ प्रस्तावना भारतीय संविधान के दर्शन को मूर्त रूप प्रदान करती है।
❖ 'केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य' मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने प्रस्तावना को संविधान का अंग और संशोधनीय माना ।

- ❖ प्रस्तावना संविधान निर्माताओं के विचारों को जानने की कुंज (Key) है।
- ❖ प्रस्तावना में उन उद्देश्यों का कथन है जिन्हें हमारा संविधान स्थापित करना चाहता है और आगे बढ़ाना चाहता है।
- ❖ प्रस्तावना के निम्नलिखित शब्द संविधान के आधारभूत ढाँचे का हिस्सा हैं- संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य, राष्ट्र की एकता और अखंडता ।
- ❖ 42वें संशोधन, 1976 द्वारा प्रस्तावना में तीन शब्द- **समाजवादी, पंथनिरपेक्ष** और **अखंडता** जोड़े गए।
- ❖ भारतीय संविधान को 26 नवंबर, 1949 को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया।
- ❖ प्रस्तावना स्पष्ट करती है कि भारत के शासन की सर्वोच्च सत्ता भारत की जनता में निहित है।
- ❖ बेरूबारी संघ मामले (1960) में उच्चतम न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा कि प्रस्तावना संविधान का भाग नहीं है, जबकि इसके विपरीत केशवानंद भारती मामले (1973) में इसे संविधान का भाग मान लिया गया।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित में से क्या संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में शामिल नहीं है?
(A) पुस्तकालय (B) ईंधन और चारा
(C) ग्रामीण खेल (D) तकनीकी प्रशिक्षण
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre.) 2022

2. सरकार की संसदीय व्यवस्था के विषय में निम्नलिखित में से कौन-सा वक्तव्य सही है?
(A) विधायिका, न्यायपालिका के प्रति जवाबदेह है।
(B) विधायिका, कार्यपालिका के प्रति जवाबदेह है।
(C) विधायिका एवं कार्यपालिका दोनों स्वतंत्र हैं।
(D) राष्ट्रपति, न्यायपालिका के प्रति जवाबदेह है।
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
65th BPSC (Pre.)

3. भारत का प्रजातंत्र इस तथ्य पर आधारित है कि-
(A) संविधान लिखित है।
(B) यहाँ मौलिक अधिकार प्रदान किये गए हैं।
(C) जनता को सरकारों को चुनने तथा बदलने का अधिकार है।
(D) यहाँ राज्य के नीति निर्देशक तत्त्व हैं।
39th BPSC (Pre.)

4. कौन-से देश में लगभग द्विदलीय (Two-Party) पद्धति है?
(A) पाकिस्तान (B) बांग्लादेश
(C) रूस (D) श्रीलंका
65th BPSC (Pre.)

5. 'राज्य पृथ्वी पर ईश्वर का अवतार है।' उक्त कथन किस विचारक का है?
(A) हीगेल (B) प्लेटों
(C) अरस्तू (D) ग्रीन **65th BPSC (Pre.)**

6. लोकतंत्र के बारे में निम्न कथनों पर विचार करें-
(I) इसमें लोगों द्वारा निर्वाचित सरकार का गठन होता है।
(II) लोकतंत्र वर्तमान में सत्तासीन लोगों के हारने की संभावना काफी होती है।
(III) प्रत्येक मत का मूल्य एक ही होता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(A) केवल (I) एवं (II) (B) (I),(II),(III)
(C) केवल (II) (D) केवल (II) एवं (III)
65th BPSC (Pre.)

7. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-
(i) सरकार राज्य की व्यावहारिक अभिव्यक्ति है।
(ii) राज्य से अभिप्राय किसी समाज की राजनीतिक संरचना से है।
(iii) राज्य एक मूर्त धारणा है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?
(A) (I) और (II) (B) (II) और (III)
(C) (I) और (III) (B) (I), (II) और (III)
65th BPSC (Pre.)

8. कौन-सी व्यवस्था 'अविनाशी राज्यों का अविनाशी संगठनश कही जाती है?
(A) परिसंघात्मक व्यवस्था (B) संघात्मक व्यवस्था
(C) एकात्मक व्यवस्था (D) न्यायपालिका व्यवस्था
65th BPSC (Pre.)

9. 'अविनाशी राज्यों का विनाशी संगठन' कही जाने वाली व्यवस्था है-
(A) परिसंघात्मक व्यवस्था (B) एकात्मक व्यवस्था
(C) संघात्मक व्यवस्था (D) न्यापालिका व्यवस्था
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

10. वह राजनीतिक प्रणाली, जिसमें प्रांतों या कार्यकारी इकाइयों का निर्माण संघ की इच्छा पर निर्भर है-
(A) संघात्मक व्यवस्था (B) परिसंघात्मक व्यवस्था
(C) एकात्मक व्यवस्था (D) उपर्युक्त सभी

11. निम्नलिखित में से कौन-सा अध्यक्षीय प्रणाली का गुण नहीं है?
(A) विशेषज्ञों की भूमिका
(B) शक्ति पृथक्करण तथा नियंत्रण व संतुलन का प्रभावी ढंग से पाया जाना
(C) त्वरित निर्णय की क्षमता
(D) दैनिक उत्तरदायित्व
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

12. निम्नलिखित में से कौन-सा संसदीय प्रणाली का गुण नहीं है?
(A) कार्यपालिका का निर्माण विधायिका में से होता है।
(B) कार्यकाल की निश्चितता नहीं है अर्थात् स्थायित्व नहीं होता।
(C) विपक्ष के दबाव के कारण सरकार सतर्क रहती है।
(D) राष्ट्रपति वास्तविक राज्याध्यक्ष होता है।
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

13. राज्य के लिये अनिवार्य तत्त्व हैं-
(I) जनसंख्या (II) सरकार
(II) संप्रभुता (IV) भू-भाग

कूटः
(A) (I), (II), और (III)
(B) (II), (III) और (IV)
(C) (I), (II) और (IV)
(D) (I), (II), (III) और (IV)

14. भारत में लोकतंत्र है-
(A) एक दलीय (B) द्विदलीय
(C) (A) और (B) दोनों (D) बहुदलीय
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

15. लोकतंत्र जनता का, जनता के द्वारा तथा जनता के लिए शासन है।' यह कथन किसका है?
(A) अब्राहम लिंकन (B) बी.एल. ग्रोवर
(C) महात्मा गांधी (D) जॉर्ज वाशिंगटन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

16. ब्रिटिश शासन काल में संविधान के विकास में कौन-सा कानून ऐतिहासिक नहीं था?
(A) रेग्युलेटिंग एक्ट, 1773 (B) चार्टर एक्ट, 1833
(C) गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1919
(D) प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स एक्ट 1955
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक
66th BPSC (Pre.)

17. निम्नलिखित विशेषताओं में से केंद्रीय शासन व्यवस्था के लिये कौन-सी सही नहीं है?
(A) त्वरित निर्णय (B) लचीलापन
(C) बड़े देशों के लिये आदर्श
(D) कानून की एकरूपता
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
65th BPSC (Pre.)

18. निम्न में से किस अनुच्छेद के अंतर्गत वित्त आयोग के गठन का प्रावधान किया गया है?
(A) अनुच्छेद 280 (B) अनुच्छेद 269
(C) अनुच्छेद 26 (D) अनुच्छेद 265
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
64th BPSC (Pre.)

19. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत लोकसभा में अनुसूचित जातियों के आरक्षण का प्रावधान किया गया था?
(A) अनुच्छेद 330 (B) अनुच्छेद 331
(C) अनुच्छेद 332 (D) अनुच्छेद 333
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक
64th BPSC (Pre.)

20. भारतीय संविधानको प्रकृति क्या है?
(A) संघीय (B) एकात्मक
(C) संसदीय
(D) प्रकृति में संघीय किंतु भावना में एकात्मक
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं उपर्युक्त में से एक से अधिक
63rd BPSC (Pre.)

21. बिहार से भारतीय संविधान सभा के सदस्य कौन थे?
(A) ए.एन. सिन्हा (B) राजेंद्र प्रसाद
(C) जगजीवन राम (D) श्यामनंदन प्रसाद मिश्रा
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं उपर्युक्त में से एक से अधिक
63rd BPSC (Pre.)

22. इनमें से कौन कैबिनेट मिशन के सदस्य नहीं थे?
(A) पेथिक-लॉरेन्स (B) वेवेल
(C) स्टैफोर्ड क्रिम्स (D) ए.वी. एलेक्जेंडर
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक
63rd BPSC (Pre.)

23. भारतीय संविधान दिवस मनाया जाता है-
(A) 26 अक्टूबर (B) 26 नवंबर
(C) 15 अगस्त (D) 26 जनवरी
60-62nd BPSC (Pre.)

24. संविधान को 26 जनवरी के दिन लागू करने का निर्णय इसलिये किया गया क्योंकि-
(A) कॉन्ग्रेस ने इस तिथि को 1930 में स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया था।
(B) इस तिथि को 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन प्रारंभ किया गया था।
(C) यह एक शुभ दिन था।
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं **53-55th BPSC (Pre.)**

25. भारतीय संविधान में शामिल हैं-
(A) 395 अनुच्छेद 22 भाग एवं 12 अनुसूचियाँ
(B) 371 अनुच्छेद 21 भाग एवं 11 अनुसूचियाँ
(C) 372 अनुच्छेद 20 भाग एवं 7 अनुसूचियाँ
(D) 381 अनुच्छेद 23 भाग एवं 8 अनुसूचियाँ
53-55th BPSC (Pre.)

26. निम्नलिखित में से कौन-सा विषय समवर्ती सूची (Concurrent List) में है?
(A) कृषि (B) शिक्षा
(C) पुलिस (D) रक्षा
47th BPSC (Pre.)

27. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 का संबंध किससे है?
(A) जम्मू एवं कश्मीर से
(B) अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण से
(C) पंजाब एवं हरियाण राज्य से
(D) कर्नाटक एवं तमिलनाडु राज्य से
46th BPSC (Pre.)

28. भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में इनमें से कौन सर्वोच्च है?
(A) सर्वोच्च न्यायालय (B) संविधान
(C) संसद (D) धर्म
45th BPSC (Pre.)

29. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद संवैधानिक प्रावधानों की संघीय संसद/राज्य विधान पालिकाओं द्वारा बनाए गए नियमों/कानूनों पर प्राथमिकता प्रदान करता है?

(A) 13 (B) 32
(C) 245 (D) 326

45th BPSC (Pre.)

30. भूमि सुधार के विषयों के अंतर्गत आता है-
(A) संघ सूची (B) समवर्ती सूची
(C) राज्य सूची (D) इनमें से कोई नहीं

43rd BPSC (Pre.)

31. भारतीय संविधान में है-
(A) 300 अनुच्छेद (B) 350 अनुच्छेद
(C) 400 से अधिक अनुच्छेद (D) 500 अनुच्छेद

42nd BPSC (Pre.)

32. भारतीय संविधान की संविधान सभा द्वारा अंगीकृत किया है-
(A) 26 नवंबर, 1949 को (B) 15 अगस्त, 1949 को
(C) 2 अक्टूबर 1949 की (D) 15 नवंबर 1949 को

41st BPSC (Pre.)

33. भारतीय संविधान को अपनाया गया था--
(A) संवैधानिक सभा द्वारा (B) ब्रिटिश संसद द्वारा
(C) गवर्नर जनरल द्वारा (D) भारतीय संसद द्वारा

39th BPSC (Pre.)

34. भारत का संविधान किसके द्वारा ग्रहण किया गया?
(A) गवर्नर-जनरल (B) ब्रिटिश संसद
(C) संविधान सभा (D) भारत की संसद
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक:

Bihar CDPO (Pre.),2017

35. 'स्वतंत्रता, समानता और भ्रातृत्व' की प्रेरणा कहाँ से आई?
(A) अमरीकी क्रांति (B) फ्रेंच क्रांति
(C) रूसी क्रांति (D) चीनी क्रांति
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

Bihar CDPO (Pre.),2017

36. भारत के संविधान का कौन-सा अनुच्छेद देवनागरी लिपि में हिंदी को संघ की सरकारी भाषा के रूप में मान्यता देता है?
(A) 341 (B) 342
(C) 343 (D) 346
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं / उपर्युक्त में से एक से अधिक

Bihar CDPO (Pre.),2017

37. भारत के संविधान में वर्तमान में शामिल हैं-
(A) 295 धाराएँ (B) 444 धाराएँ
(C) 259 धाराएँ (D) 301 धाराएँ

Bihar CDPO (Pre.),2005

38. भारत ने सुदृढ़ केंद्र के साथ 'संघीय ढाँचा' (Federal System) का विचार कहाँ से लिया है?
(A) यू.एस.ए. (B) कनाडा
(C) ऑस्ट्रेलिया (D) न्यूजीलैंड

Bihar CDPO (Pre.),2005

39. सूची-I को सूची-II से मिलाइये और नीचे दिये गए कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिये-

सूची-I (संविधान के मद)	सूची II (देश, जिनसे लिया गया)
(A) राज्य के नीति-निदेशक सिद्धांत	1 ऑस्ट्रेलिया
(B) मौलिक अधिकार	2 कनाडा
(C) संघ एवं राज्यों के बीच शक्ति का विभाजन	3 आयरलैंड
(D) भारत राज्यों का संघ जिसमें अधिक शक्ति प्रदान की गई है।	4. संयुक्त राज्य केंद्र को अमेरिका

कूट:	A	B	C	D
(A)	4	3	1	2
(B)	3	4	2	1
(C)	4	3	2	1
(D)	3	4	1	2

Bihar CDPO (Pre.),2005

40. संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार थे-
(A) शरत चंद्र बोस (B) के. एम. मुंशी
(C) रफी अहमद किदवई (D) बेनेगल नर्सिंग राव

BSSC-CGL(Mains.),2014

41. राष्ट्रीय गीत किस उपन्यास से लिया गया है-
(A) आनंद मठ (B) गोदान
(C) देवास (D) गोरा

BSSC-CGL(Mains.),2011

42. 1946 ई. में गठित अंतरिम सरकार में डॉ. राजेंद्र प्रसाद किस विभाग के मंत्री थे?
(A) रक्षा
(B) विदेशी मामले तथा राष्ट्रमंडल संबंध
(C) खाद्य एवं कृषि
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

BSSC - CGL (Pre), 2011

43. भारतीय संविधान सभा ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज की रूपरेखा को अंगीकार किया-
(A) 23 अगस्त, 1947 को (B) 13 सितंबर 1947 को
(C) 15 अगस्त 1947 को (D) 22 जुलाई, 1947 को

BSSC - CGL (Pre), 2011

44. भारतीय राष्ट्रगान पहली बार गाया गया-
(A) 1910 ई. में (B) 1911 ई. में
(C) 1947 ई. में (D) 1945 ई. में

BSSC - CGL (Pre), 2011

45. भारतीय संविधान की कौन-सी अनुसूची भाषाओं का उल्लेख करती है?
(A) 4 (B) 8
(C) 10 (D) 12

BSSC - [Comb. inter Level (Pre)], 2011

46. भारतीय संविधान में राष्ट्रपति चुनाव पद्धति का स्रोत किस देश के संविधान से लिया गया है?

(A) जर्मनी (B) इंग्लैंड
(C) आयरलैंड (D) जापान

47. संविधान सभा में 'उद्देश्य प्रस्ताव' प्रस्तुत किया गया-
(A) 9 दिसंबर, 1946 (B) 26 जनवरी, 1947
(C) 13 दिसंबर, 1946 (D) 15 अगस्त, 1946

48. संविधान सभा के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
(A) राजेंद्र प्रसाद (B) सच्चिदानंद सिन्हा
(C) भीमराव अंबेडकर (D) पं. जवाहरलाल नेहरू

49. सूची-I को सूची-II से सुमेलित किजिये और नीचे दिये गए कूटों में सही उत्तर को चुनिये-

सूची-I (संवैधानिक प्रावधान)	**सूची II (स्रोत)**
(A) मौलिक अधिकार	1. ऑस्ट्रेलिया
(B) राज्य के नीति निदेशक तत्त्व	2. कनाडा का संविधान
(C) संसदीय सरकार	3. आइरिश संविधान
(D) केंद्र-राज्य संबंध	4. अमेरिका का अधिकार पत्र

कूट:	A	B	C	D
(A)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(B)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(C)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

Bihar SI (Pre.), 2018

50. संविधान निर्माण हेतु संविधान सभा के सदस्यों द्वारा हस्ताक्षर कब किया गया था?
(A) 1950 ई. (B) 1949 ई.
(C) 1952 ई. (D) 1997 ई.

Bihar ESI (Pre.), 2018

51. निम्न में से कौन सुमेलित नहीं है?
(A) संघीय समिति – जवाहरलाल नेहरू
(B) प्रारूप समिति – डॉ. अंबेडकर
(C) संचालन समिति – के. एम. मुंशी
(D) राज्य समिति – जवाहरलाल नेहरू

Bihar ESI (Pre.), 2018

52. राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' किसने लिखा ?
(A) अरबिंदो घोष (B) रवींद्रनाथ टैगोर
(C) बंकिमचंद्र चटर्जी (D) शरतचंद्र चटर्जी

53. स्वतंत्र भारत के प्रथम गृहमंत्री कौन थे?
(A) जवाहरलाल नेहरू (B) बी.आर. अंबेडकर
(C) वल्लभभाई पटेल (D) सरोजिनी नायडू

54. हमारे राष्ट्रीय प्रतीक 'अशोक चक्र' में कितने आरे होते हैं?
(A) 12 (B) 20
(C) 15 (D) 24

55. संविधान सभा की प्रांतीय संविधान समिति का अध्यक्ष कौन था?
(A) जवाहरलाल नेहरू (B) वल्लभभाई पटेल
(C) के. एम. मुंशी (D) डॉ. भीमराव अंबेडकर
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

56. किस तिथि को संविधान पर अध्यक्ष तथा सदस्यों ने हस्ताक्षर किये?
(A) 26 नवंबर, 1949 (B) 24 जनवरी, 1950
(C) 26 जनवरी, 1950 (D) 24 नवंबर 1947
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

57. सही युग्म सुमेलित करें-

(A) अखिल भारतीय सेवाएँ	1. अनुच्छेद 312
(B) वित्त आयोग	2. अनुच्छेद 280
(C) अंतर्राज्यी परिषद	3. अनुच्छेद 263
(D) निर्वाचन आयोग अधिकार पत्र	4. अनुच्छेद 324

कूट:	A	B	C	D
(A)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(v)

58. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' शब्द किस संशोधन के तहत जोड़ा गया ?
(A) 42वाँ संशोधन (B) 44वाँ संशोधन
(C) 46वाँ संशोधन (D) 74वाँ संशोधन
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

60-62nd BPSC (Pre.)

59. निम्न शब्दों पर विचार कीजिये-
(i) समाजवादी (ii) प्रजातांत्रिक
(iii) सार्वभौमिक (iv) धर्मनिरपेक्ष
सही शब्दों को विचारानुसार क्रम दीजिये-
(A) (iii), (i), (iv) और (iv)
(B) (iii), (iv), (i) और (ii)
(C) (iii), (iv), (ii) और (i)
(D) (iv), (i), (iii) और (ii) **48-52nd BPSC (Pre.)**

60. किस संशोधन में 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्षता' और 'राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता' शब्द भारतीय संविधान में जोड़े गए थे?
(A) 42वाँ संशोधन (B) 52वाँ संशोधन
(C) 44वाँ संशोधन (D) इनमें से कोई नहीं

46th BPSC (Pre.)

61. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में भारत को किस रूप में किया गया है?
(A) एक सार्वभौमिक प्रजातांत्रिक गणतंत्र
(B) एक सामाजिक प्रजातांत्रिक गणतंत्र
(C) एक सार्वभौमिक समाजवादी धर्मनिरपेक्ष प्रजातान्त्रिक गणतंत्र
(D) इनमें से कोई नहीं **42nd BPSC (Pre.)**

62. भारतीय संविधान की प्रस्तावना के सिलसिले में निम्नलिखित में कौन क्रम सही है?
(A) गणतंत्र, जनवादी, धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी, सार्वभौम सत्ता-संपन्न
(B) सार्वभौम सत्ता-संपन्न, समाजवादी, जनवादी, धर्मनिरपेक्ष गणतंत्र
(C) सार्वभौम सत्ता-संपन्न, जनवादी, धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी, गणतंत्र
(D) सार्वभौम सत्ता-संपन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, जनवादी गणतंत्र
(E) इनमें से कोई नहीं **40th BPSC (Pre.)**

63. भारत में लौकिक सार्वभौमिकता है, क्योंकि संविधान की प्रस्तावना आरंभ होती है–
(A) प्रजावत्रीय भारत शब्दों से
(B) जनता के जनतंत्र शब्दों से
(C) जनता के लोकतंत्र शब्दों से
(D) हम भारत के लोग शब्दों से **39th BPSC (Pre.)**

64. निम्नलिखित में से कौन सा भारतवर्ष को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य के रूप में वर्णित करता है?
(A) मौलिक अधिकार (B) नौवीं सूची
(C) मौलिक कर्त्तव्य (D) संविधान की प्रस्तावना
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
Bihar CDPO (Pre.), 2017

65. भारतीय संविधान की प्रस्तावना (Preamble) में किस संशोधन द्वारा 'समाजवादी एवं धर्मनिरपेक्ष' (Socialist and Secular) शब्द जोड़े गए हैं?
(A) 39 वें (B) 40 वें
(C) 42 वें (D) 44 वें
Bihar CDPO (Pre.), 2005

66. भारत के संविधान की प्रस्तावना में निम्नलिखित में से किस एक को पहले मुख्य रूप से सम्मिलित नहीं किया गया था?
(A) स्वतंत्रता और समानता
(B) धर्मनिरपेक्ष और प्रजातंत्र
(C) समाजवादी और समानता
(D) समाजवादी और धर्म-निरपेक्षता
Bihar CDPO (Pre.), 2005

67. भारत के संविधान की उद्देशिका (प्रस्तावना) के बारे में निम्नलिखित में कौन-सा/से कथन सही है/है?
1. उद्देशिका स्वयं न्यायालय में प्रवर्तनीय नहीं है।
2. उद्देशिका उन उद्देश्यों को बताती है, जिन्हें संविधान स्थापित करना और आगे बढ़ाना चाहता है।
3. उद्देशिका उस स्रोत को इंगित करती है, जहाँ से संविधान अपना प्राधिकार प्राप्त करता है।
नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये-
(A) 1, 2 और 3 (B) केवल 1 और 3
(C) केवल 1 और 2 (D) केवल 2

68. भारत के राष्ट्रीय झण्डा में चक्र लिया गया है-
(A) केसरिया स्तूप से (B) सारनाथ के अशोक
(C) दोनों से (D) उपर्युक्त में कोई नहीं

69. राष्ट्रीय ध्वज को स्वीकृति कब दी गई-
(A) 22 नवम्बर 1949 (B) 26 जनवरी 1950
(C) 22 जुलाई 1947 (D) 26 नवम्बर 1949

70. राष्ट्रीय गान को गाने में 52 सेकेण्ड लगता है। इसके प्रथम और अंतिम पंक्ति को गाने में कितना समय लगता है-
(A) 52 सेकण्ड (B) 20 सेकेण्ड
(C) 34 सेकण्ड (D) 1 मिनट, 20 सेकण्ड

71. राष्ट्रगान को कब अपनाया गया-
(A) 24 जनवरी, 1949 (B) 26 जनवरी, 1950
(C) 26 जनवरी, 1949 (D) 24 जनवरी, 1950

72. राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् के रचयिता बंकिम चन्द्र चटर्जी हैं। इसको गाने में कितना समय लगता है-
(A) 20 सेकेण्ड (B) 50 सेकेण्ड
(C) 24 सेकेण्ड (D) 1 मिनट, 5 सेकेण्ड

73. राष्ट्रीय गीत को कब अपनाया गया-
(A) 24 जनवरी 1950 (B) 26 जनवरी 1950
(C) 26 जनवरी 1949 (D) सभी गलत है

74. राष्ट्रीय चिन्ह को अपनाया गया-
(A) 24 जनवरी 1950 (B) 26 जनवरी 1950
(C) 26 नवम्बर 1949 (D) 26 जनवरी 1956

75. भारत का राष्ट्रीय कैलेण्डर शकसंवत् (78 ई.) पर आधारित है। इसके अनुसार साल का प्रथम माह चैत्र होता। इसको अपनाया गया-
(A) 24 जनवरी 1950 (B) 22 मार्च 1957
(C) 26 जनवरी 1950 (D) इनमें से कोई नहीं

ANSWER KEY

01. (C)	02. (E)	03. (C)	04. (A)	05. (A)
06. (B)	07. (A)	08. (C)	09. (A)	10. (C)
11. (D)	12. (D)	13. (D)	14. (D)	15. (A)
16. (D)	17. (C)	18. (A)	19. (A)	20. (D)
21. (E)	22. (B)	23. (B)	24. (A)	25. (A)
26. (B)	27. (A)	28. (B)	29. (C)	30. (C)
31. (B)	32. (A)	33. (A)	34. (C)	35. (B)
36. (C)	37. (B)	38. (B)	39. (B)	40. (D)
41. (A)	42. (C)	43. (D)	44. (B)	45. (B)
46. (C)	47. (C)	48. (B)	49. (C)	50. (B)
51. (C)	52. (B)	53. (B)	54. (D)	55. (B)
56. (A)	57. (D)	58. (A)	59. (A)	60. (A)
61. (C)	62. (D)	63. (D)	64. (D)	65. (C)
66. (D)	67. (C)	68. (B)	69. (C)	70. (B)
71. (D)	72. (D)	73. (A)	74. (B)	75. (B)

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

1. भारतीय लोकतंत्र में उभरती प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिये ।
2. वर्तमान में भारतीय बहुदलीय प्रणाली शद्वि-गठबंधनात्मक व्यवस्थाश की ओर बढ़ रही है न कि द्विदलीय व्यवस्था की ओर, इस कथन को स्पष्ट कीजिये ।
3. संसदीय और अध्यक्षीय शासन प्रणाली में कौन बेहतरीन है? अपने उत्तर के पक्ष में प्रमाण दें।
4. लोकतंत्र से आप क्या समझते हैं? जनता और शासन संपर्क के आधार पर लोकतंत्र के प्रकारों की विवेचना करें।
5. भारतीय संविधान निर्माताओं ने शासन की बहुदलीय प्रणाली को अपनाया, इसके पीछे के कारणों को स्पष्ट करें।
6. भारतीय संविधान को अर्द्ध-संघीय क्यों कहा जाता है।
7. भारतीय संविधान की संघात्मक व एकात्मक विशेषताओं का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिये।
8. भारत और ब्रिटेन के संविधान में कौन-कौन सी समानताएँ दिखाई देती हैं? स्पष्ट किजिये।
9. भारतीय संविधान अपनी प्रस्तावना में भारत को एक समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करता है। इस घोषणा को क्रियान्वित करने के लिये कौन-से संवैधानिक उपबंध दिये गए हैं?
10. भारतीय संविधान की प्रस्तावना की प्रकृति एवं महत्त्व का मूल्यांकन करें।
11. भारत के संविधान की उद्देशिका में प्रतिष्ठित दर्शन के औचित्य एवं महत्त्व का परीक्षण कीजिये।
12. प्रस्तावना में निहित संविधान के दर्शन को स्पष्ट करें।
13. प्रस्तावना संविधान के विधिक निर्वाचन में किस प्रकार अपनी भूमिका का निर्वहन कर सकती है?

22. भारतीय संविधान के भाग और अनुसूची (Parts of Indian Constitution and Its Schedules)

संविधान के भाग

- **भाग 1–** अनुच्छेद (1-4) → संघ और उसका राज्य क्षेत्र (The Union and its Territory)
- **भाग 2–** अनुच्छेद (5-11) → नागरिकता (Citizenship)
- **भाग 3–** अनुच्छेद (12-35)→ मौलिक अधिकार (Fundamental Rights)
- **भाग 4 –** अनुच्छेद (36-51)→ राज्य की नीति के निदेशक तत्व (Directive Principles of State Policy)
- **भाग 4(क)–** अनुच्छेद (51 क)→ मौलिक कर्तव्य Fundamental Duties
- **भाग 5–** अनुच्छेद (52-151)→ संघ (The Union)
- **भाग 6–** अनुच्छेद (152-237)→ राज्य (The States)
- **भाग 7–** संविधान (सातवाँ) संशोधन अधिनियम 1956 द्वारा निरसित → प्रथम अनुसूची के भाग ख के राज्य (The states inpart 'B' of the first schedule) (repealed)
- **भाग 8–** अनुच्छेद (239-242)→ संघ राज्य क्षेत्र (The Union Territories)
- **भाग 9–** अनुच्छेद [243 (1 - 15)] → पंचायतें (The Panchayats) → संविधान के 73वाँ संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा अंत: स्थापित।
- **भाग 9(क)–** अनुच्छेद [243 (16-33)] → नगरपालिकायें (The Municipalities) → संविधान के 74वाँ संशोधन अधि नियम, 1992 द्वारा अंत:स्थापित।
- **भाग 9(ख)–** अनुच्छेद [243 (33-46)] → सहकारी समितियाँ (Co-operative Society) → संविधान के 97वाँ संशोधन अधिनियम, 2011 द्वारा अंत:स्थापित।
- **भाग 10–** अनुच्छेद (244, 244क)→ अनुसूचित जाति तथा जनजातीय क्षेत्र (The Scheduled and Tribal Areas)
- **भाग 11–** अनुच्छेद (245-263)→ संघ तथा राज्यों के मध्य संबंध(The Relations between The Union and the States)
- **भाग 12–** अनुच्छेद (264-300 क) → वित्त, सम्पत्ति संविदाएँ व वाद (Finance, Property, contracts and suits)
- **भाग 13–** अनुच्छेद (301-307)→ भारत के राज्य क्षेत्र की भीतर व्यापार, वाणिज्य तथा समागमन (Trade, Commerce and Inter Course within the Territory of India)
- **भाग 14–** अनुच्छेद (308-323)→ संघ तथा राज्यों के अधीन सेवाएँ (Service under the union and the states)
- **भाग 14(क)–** अनुच्छेद (323क-323ख) → अधिकरण (Tribunals) → 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा अन्त:स्थापित।
- **भाग 15–** अनुच्छेद (324-329 क) → निर्वाचन (Elections)
- **भाग 16–** अनुच्छेद (330-342)→ कुछ वर्गों के संबंध में विशेष उपबन्ध (Special Provisions Relating to Certain Classes)
- **भाग 17–** अनुच्छेद (343-351)→ राजभाषा (Official Language)
- **भाग 18–** अनुच्छेद (352-360)→ आपात उपबन्ध (Emergency Provisions)
- **भाग 19–** अनुच्छेद (361-367)→ प्रकीर्ण (Miscellaneous)
- **भाग 20–** अनुच्छेद (368)→ संविधान संशोधन (Amendment of the Constitution)
- **भाग 21–** अनुच्छेद (369-392)→ अस्थायी, संक्रमण कालीन तथा विशेष उपबन्ध (Temporary Transitional and Special Provisions)
- **भाग 22–** अनुच्छेद (393-395)→ संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ, हिन्दी में प्राधिकृत पाठ और निरसन (Short Title, Commencement Authoritative Text in Hindi)

संविधान के अनुसूची

☞ हमारे मूल संविधान में 8 अनुसूची थी किन्तु वर्तमान में इसकी संख्या बढ़कर 12 हो गई है।

- **प्रथम अनुसूची–** इसमें राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्र की चर्चा है।
- **दूसरी अनुसूची–** इसमें विभिन्न पदाधिकारियों जैसे राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल, लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, राज्यसभा के सभापति और उपसभापति, मुख्य न्यायाधीश, राज्यपाल के वेतनभत्ता की चर्चा है।

☞ **राष्ट्रपति–** 5 लाख रुपये / माह

☞ **उपराष्ट्रपति–** 4 लाख रुपये / माह

☞ **लोकसभा अध्यक्ष–** 4 लाख रुपये / माह

☞ **राज्यपाल/लोकसभा उपाध्यक्ष/उपसभापति–** 3.5 लाख / माह

☞ **सर्वोच्च न्यायालय मुख्य न्यायाधीश–** 2.8 लाख

☞ **सर्वोच्च न्यायालय अन्य न्यायाधीश/उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशध/CAG/ UPSC अध्यक्ष/RBI गवर्नर–** 2.5 लाख

- **उच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीश/UPSC के सदस्य/कैबिनेट के मुख्य सचिव/मंत्रालय का सचिव/चुनाव आयोग/RBI डिप्टी गवर्नर–** 2.25 लाख
- **तीसरी अनुसूची–** इसमें विभिन्न प्रकार के पदाधिकारियों की शपथ की चर्चा है।
  (नोट– इसमें राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति के शपथ की चर्चा नहीं है।)
- **चौथी अनुसूची–** इसमें राज्यसभा के सीटों की चर्चा है।
- **पांचवी अनूसूची–** इसमें अनूसुचित जाति एवं जनजाति के प्रशासन के संबंध में चर्चा है।
- **छठी अनुसूची–** इस अनुसूची में पूर्वोत्तर भारत के चार राज्य-असम, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम के अनुसूचित क्षेत्र और प्रशासन की चर्चा है।
- **सातवीं अनुसूची–** इस अनुसूची में शक्ति की विभाजन की चर्चा है तथा इसी अनुसूची में संघ सूची (Union list), राज्य सूची (State list), समवर्ती सूची (Concurrent List) की भी चर्चा है।
- संघ सूची के ऊपर केन्द्र सरकार कानून बना सकती है। राज्य सूची के ऊपर राज्य सरकार कानून बना सकती है तथा समवर्ती सूची में केन्द्र तथा राज्य सरकार दोनों कानून बना सकती है।

शक्ति का विभाजन	विषय	मूल विषय	वर्तमान
संघ सूची (1935) (Union List)	सेना, पोस्ट ऑफिस, बैंक कम्यूनिकेशन, रेल, सेना वायुयान, जनगणना	97	100
राज्य सूची (State List)	पुलिस, पंचायत, जेल, स्थानीय स्वशासन, शराब, पशुपालन, सिंचाई, कृषि, तिर्थयात्रा, हॉस्पीटल	66	61
समवर्ती सूची (Concurrent List)	शिक्षा, आर्थिक नियोजन, मजदूर संघ, जनसंख्या नियंत्रण, वन, विद्युत योजना	47	52

Note:- 42वें संशोधन 1976 द्वारा राज्य सूची के पाँच विषय को समवर्ती सूची में डाल दिया गया है।
1. शिक्षा, 2. जनसंख्या नियंत्रण, 3. माप-तौल, 4. वन एवं वन्य जीव अभ्यारण्य, 5. न्याय प्रशासन।

- **अवशिष्ट सूची–** इस विषय पर कानून बनाने का अधिकार केन्द्र सरकार को है।
- **आठवीं अनुसूची–** इसमें राजभाषा का उल्लेख हैं प्रारंभ में इसमें 14 भाषा थी। किन्तु वर्तमान में 22 भाषा को मान्यता प्राप्त है।
- **21वां संशोधन 1967–** सिंधी
- **71वां संशोधन 1992–** नेपाली, मणिपुरी, कोंकण
- **92वां संशोधन 2003–** बोडो, डोगरी, मैथिली, संथाली
- **9वीं अनुसूची–** इसे प्रथम संशोधन द्वारा 1951 में जोड़ा गया। इसमें भूमि, जमींदार, उन्नमूलन एवं न्यायिक सक्रियता की चर्चा है।
- **10वीं अनुसूची–** इसे 52वां संशोधन द्वारा 1985 में जोड़ा गया। इसमें दल-बदल की चर्चा है।
- **11वीं अनुसूची–** इसे 73वां संविधान संशोधन 1992 द्वारा जोड़ा गया। इसमें पंचायत की चर्चा है।
- **12वीं अनुसूची–** इसे 74वां संविधान संशोधन द्वारा 1993 में जोड़ा गया। इसमें नगरपालिका की चर्चा है। राष्ट्रीय प्रतीक
- **भारत का राष्ट्रीय ध्वज–** तिरंगा
- **भारत का राष्ट्रीय चिन्ह–** अशोक स्तंभ
- **भारत का राष्ट्रीय गान–** जन-गण-मन
- **भारत का राष्ट्रीय गीत–** वंदे मातरम्
- **भारत का राष्ट्रीय मुद्रा–** रुपया
- **भारत का सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार–** भारत रत्न
- **भारत का राष्ट्रपिता–** महात्मा गांधी
- **भारत का राष्ट्रीय वाक्य–** सत्यमेव जयते
- **भारत का राष्ट्रीय दिवस–** स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस एवं गांधी जयंती
- **भारत का राष्ट्रीय लिपि–** देवनागरी
- **भारत का राजभाषा–** हिन्दी
- **भारत का राष्ट्रीय खेल–** हॉकी
- **भारत का राष्ट्रीय फूल–** कमल
- **भारत का राष्ट्रीय मिठाई–** जलेबी
- **भारत का राष्ट्रीय पेय–** चाय
- **भारत का राष्ट्रीय पशु–** बाघ
- **भारत का राष्ट्रीय पक्षी–** मोर
- **भारत का राष्ट्रीय विरासत पशु–** हाथी
- **भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव–** गंगा डॉल्फिन
- **भारत का राष्ट्रीय नदी–** गंगा
- **भारत का राष्ट्रीय वृक्ष–** वट वृक्ष या बरगद का पेड़
- **भारत का राष्ट्रीय कैलेण्डर–** सिविल कैलेण्डर (शक-संवत्)
- **भारत का राष्ट्रीय शपथ–** भारत मेरा देश है समस्त भारतीय मेरे भाई-बहन है।

Note:

23. भारतीय संविधान के भाग और अनुच्छेद (Parts of Indian Constitution and Articles)

भाग 1 (अनुच्छेद 1 से 4)
संघ और उसके राज्य (Union and its territory)

- **अनुच्छेद 1–** संघ का नाम और राज्य क्षेत्र। यह उपबन्धित करता है कि भारत अर्थात् इण्डिया राज्यों का संघ (Union of States) होगा।
- **अनुच्छेद 2–** नए राज्यों का प्रवेश या स्थापना।
- **अनुच्छेद 3–** नए राज्यों का निर्माण और वर्तमान राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में परिवर्तन (इसके अंतर्गत संसद को साधारण बहुमत से विधेयक पास कर किसी नये राज्य का निर्माण और किसी वर्तमान राज्य के क्षेत्र, सीमा या नाम में परिवर्तन का अधिकार है।)
- **अनुच्छेद 4–** पहली अनुसूची और चौथी अनुसूची के संशोधन तथा अनुपूरक, आनुषंगिक और पारिणामिक विषयों का उपबंध करने के लिए अनुच्छेद 2 और अनुच्छेद 3 के अधीन बनाई गई विधियाँ।

भाग 2 (अनुच्छेद 5 से 11) नागरिकता (Citizenship)

- **अनुच्छेद 5–** संविधान के प्रारम्भ पर नागरिकता।
- **अनुच्छेद 6–** पाकिस्तान से भारत को प्रवजन करने वाले कुछ व्यक्तियों के नागरिकता के अधिकार।
- **अनुच्छेद 7–** पाकिस्तान को प्रवजन करने वाले कुछ व्यक्तियों के नागरिकता के अधिकार।
- **अनुच्छेद 8–** भारत के बाहर रहने वाले भारतीय उद्‌भव के कुछ व्याक्तियों के नागरिकता के अधिकार।
- **अनुच्छेद 9–** विदेशी राज्य की नागरिकता स्वेच्छा से अर्जित करने वाले व्यक्तियों का नागरिक न होना।
- **अनुच्छेद 10–** नागरिकता के अधिकारों का बना रहना।
- **अनुच्छेद 11–** संसद द्वारा नागरिकता के अधिकार का विधि द्वारा विनियमन किया जाया। संसद ने इस अनु. द्वारा प्रदत्त शक्ति के प्रयोग में भारतीय नागरिकता अधिनियम 1955 बनाया है।

भाग 3 (अनुच्छेद 12 से 35)
मूल अधिकार (Fundamental Rights)

- **अनुच्छेद 12–** भाग तीन के प्रयोजनों के लिए 'राज्य' शब्द को परिभाषित किया गया है।
- **अनुच्छेद 13–** मूल अधिकारों से असंगत या उनका अल्पीकरण करने वाली विधियों का शून्य होना।

I. समता का अधिकार (Right to Equality)–

- **अनुच्छेद 14–** विधि के समक्ष समता तथा विधियों का समान संरक्षण।
- **अनुच्छेद 15–** धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर विभेद का प्रतिषेध।
- ☞ **अनुच्छेद 15(3)–** राज्य स्त्रियों के लिए विशेष उपबंध कर सकता है।
- **अनुच्छेद 16–** लोक नियोजन के विषय में अवसर की समता।
- ☞ **अनुच्छेद 16(4)–** के आधार पर पिछड़ा वर्ग को आरक्षण प्राप्त होता है।
- **अनुच्छेद 17–** अस्पृश्यता का अन्त।
- **अनुच्छेद 18–** उपाधियों का अन्त।

II. स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom)–

- **अनुच्छेद 19–** वाक-स्वातंत्र्य आदि विषयक कुछ अधिकारों का संरक्षण।
- **अनुच्छेद 20–** अपराधों के लिए दोषसिद्धि के संबंध में संरक्षण।
- **अनुच्छेद 21–** प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण।
- **अनुच्छेद 21(क)–** बालकों (6 से 14 वर्ष) को शिक्षा का अधिकार। संविधान (86वें संविधान) अधिनियम, 2002 द्वारा अन्त:स्थापित।
- **अनुच्छेद 22–** कुछ दशाओं में गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण।

III. शोषण के विरूद्ध अधिकार (Right against Exploitation)–

- **अनुच्छेद 23–** मानव के दुर्व्यापार और बलात्श्रम का प्रतिषेध।
- **अनुच्छेद 24–** कारखानों आदि में बालकों के नियोजन का प्रतिषेध। (14 वर्ष के बालकों पर लागू)

IV. धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom Religion)–

- **अनुच्छेद 25–** अन्त:करण की और धर्म के अबोध रूप में मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता।
- **अनुच्छेद 26–** धार्मिक कार्यों के प्रबन्ध की स्वतंत्रता।
- **अनुच्छेद 27–** किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए करों के संदाय के बारे में स्वतंत्रता।
- **अनुच्छेद 28–** कुछ शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के बारे में स्वतंत्रता।

V. संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Rights)–

- **अनुच्छेद 29–** अल्पसंख्यक-वर्गों के हितों का सरंक्षण।
- **अनुच्छेद 30–** शिक्षा संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन करने का अल्पसंख्यक-वर्गों का अधिकार।
- **अनुच्छेद 31–** सम्पत्ति का अनिवार्य अर्जन (44वें संविधान संशोधन अधिनियम 1978 द्वारा निरसित)।
- **अनुच्छेद 31(क)–** संपदाओं आदि के अर्जन के लिए उपबंध करने वाली विधियों की व्यावृत्ति।
- **अनुच्छेद 31(ख)–** कुछ अधिनियमों और विनियमों का विधिमान्यकरण।
- **अनुच्छेद 31(ग)–** कुछ निदेशक तत्वों को प्रभावी करने वाली विधियों की व्यावृत्ति।
- **अनुच्छेद 31(घ)–** राष्ट्र विरोधी क्रियाकलाप के संबंध में विधियों की व्यावृत्ति।

VI. सांविधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies)–

- **अनुच्छेद 32–** भाग तीन द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रवर्तित कराने के लिए उपचार। इन अनु. द्वारा प्रदत्त मूल अधिकार को डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने संविधान की आत्मा कहा है।
- **अनुच्छेद 32(क)–** राज्य विधियों की सांविधानिक वैधता पर अनुच्छेद 32 के अधीन कार्यवाहियों में विचार न किया जाना
- **अनुच्छेद 33–** भाग तीन द्वारा प्रदत्त अधिकारों का बलों आदि को लागू होने में उपान्तरण करने की संसद की शक्ति।
- **अनुच्छेद 34–** जब किसी क्षेत्र में सेना विधि प्रवृत्त है तब भाग तीन द्वारा प्रदत्त अधिकारों पर निर्बन्धन।
- **अनुच्छेद 35–** भाग तीन के उपबन्धों को प्रभावी करने के लिए विधान। (अस्पृश्यता तथा बलातश्रम के लिए संसद ने इस अनुच्छेद के तहत दण्ड का प्रावधान किया है।)

भाग 4 (अनुच्छेद 36 से 51) राज्य की नीति निर्देशक तत्व (Directive Principles of State Policy)

- **अनुच्छेद 36–** इसमें यह कहा गया है कि अनुच्छेद 12 में दी गई 'राज्य' शब्द की परिभाषा भार चार अर्थात् नीति निर्देशक तत्वों के लिए भी लागू होगी।
- **अनुच्छेद 37–** भाग 4 में अन्तर्विष्ट तत्वों का लागू होना अर्थात राज्य का यह कर्तव्य है कि वह इस भाग में अंतर्विष्ट तत्वों को, विधि बनाते समय लागू करे, किन्तु यह किसी न्यायलय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं है।
- **अनुच्छेद 38–** राज्य लोक कल्याण की अभिवृद्धि के लिए सामाजिक व्यवस्था बनाएगा।
- **अनुच्छेद 39–** राज्य द्वारा अनुसरणीय कुछ नीति तत्व।
- ☞ राज्य स्त्री एवं पुरुष को समान कार्य के लिए समान वेतन उपलब्ध कराए।
- **अनुच्छेद 39(क)–** समान न्याय और नि:शुल्क विधि सहायता। (42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा अन्त:स्थापित)।
- **अनुच्छेद 40–** ग्राम पंचायतों का संगठन।
- **अनुच्छेद 41–** कुछ दशाओं में काम, शिक्षा और लोक सहायता पाने का अधिकार।
- **अनुच्छेद 42–** काम की न्यायसंगत और मानवोचित दशाओं का तथा प्रसूति सहायता का उपबन्ध।
- **अनुच्छेद 43–** कर्मकारों के लिए निर्वाह योग्य मजदूरी आदि।
- **अनुच्छेद 43(क)–** उद्योगों के प्रबन्ध में कामगारों की भागीदारी। (42वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा अन्त:स्थापित)।
- **अनुच्छेद 43(ख)–** संविधान 97वाँ संशोधन (2011) द्वारा अन्त:स्थापित।
- **अनुच्छेद 44–** नागरिकों के लिए एक समान सिविल संहिता।
- **अनुच्छेद 45–** आरम्भिक शिशुत्व देख-रेख तथा 6 वर्ष से कम आयु के बालकों के लिए नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा का उपबन्ध (86वें संविधान संशोधन अधिनियम-2002 द्वारा प्रतिस्थापित)।
- **अनुच्छेद 46–** अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य दुर्बल वर्गों के शिक्षा और अर्थ सम्बन्धी हितों की अभिवृद्धि।
- **अनुच्छेद 47–** पोषाहार स्तर और जीवन स्तर का ऊँचा करने तथा लोक स्वास्थ्य का सुधार करने का राज्य का कर्तव्य।
- **अनुच्छेद 48–** कृषि और पशु पालन का संगठन।
- **अनुच्छेद 48(क)–** पर्यावरण का संरक्षण तथा संवर्धन और वन तथा वन्य जीवों की रखा। (42वें संविधान संशोधन अधि नियम द्वारा अन्त:स्थापित)।
- **अनुच्छेद 49–** राष्ट्रीय महत्व के संस्मारकों, स्थानों और वस्तुओं का संरक्षण।
- **अनुच्छेद 50–** कार्यपालिका से न्यायपालिका का पृथक्करण।
- **अनुच्छेद 51–** अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि।

भाग 4 क (अनुच्छेद 51क) मौलिक कर्तव्य (Fundamental duties)

- **अनुच्छेद 51(क)–** मूल कर्त्तव्य (स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर, 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा अन्त:स्थापित)।

भाग 5 (अनुच्छेद 52 से 151) संघ (UNION), कार्यपालिका (Executive), राष्ट्रपति (President)

- **अनुच्छेद 52–** भारत का राष्ट्रपति।
- **अनुच्छेद 53–** संघ की कार्यपालिका शक्ति।
- **अनुच्छेद 54–** राष्ट्रपति का निर्वाचन।
- **अनुच्छेद 55–** राष्ट्रपति के निर्वाचन की रीति।
- **अनुच्छेद 56–** राष्ट्रपति की पदावधि।
- **अनुच्छेद 57–** पुनर्निवाचन के लिए पात्रता।
- **अनुच्छेद 58–** राष्ट्रपति निर्वाचित होने के लिए अर्हताएँ।

- **अनुच्छेद 59–** राष्ट्रपति के पद के लिए शर्तें, यथा-संसद या किसी राज्य के विधानमण्डल का सदस्य न होना तथा कोई लाभ का पद धारण न करना।
- **अनुच्छेद 60–** राष्ट्रपति द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान।
- **अनुच्छेद 61–** राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने की प्रक्रिया।
- **अनुच्छेद 62–** राष्ट्रपति के पद के रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचन करने का समय और आकस्मिक रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचित व्यक्ति की पदावधि।

उपराष्ट्रपति (Vice-President)

- **अनुच्छेद 63–** भारत का उपराष्ट्रपति।
- **अनुच्छेद 64–** उपराष्ट्रपति का राज्य सभा का पदेन सभापति होना।
- **अनुच्छेद 65–** राष्ट्रपति के पद में आकस्मिक रिक्ति के दौरान उनकी अनुपस्थिति में उपराष्ट्रपति का राष्ट्रपति के रूप में कार्य करना या उसके कृत्यों का निर्वहन करना।
- **अनुच्छेद 66–** उपराष्ट्रपति का निर्वाचन।
- **अनुच्छेद 67–** उपराष्ट्रपति की पदावधि।
- **अनुच्छेद 68–** उपराष्ट्रपति के पद में रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचन करने का समय और आकस्मिक रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचित व्यक्ति की पदावधि।
- **अनुच्छेद 69–** उपराष्ट्रपति द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान और शपथ का प्रारूप।
- **अनुच्छेद 70–** अन्य आकस्मिकताओं में राष्ट्रपति के कृत्यों का निर्वहन।
- **अनुच्छेद 71–** राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति के निर्वाचन से संबंधित या संसक्त विषय।
- **अनुच्छेद 72–** क्षमा आदि की और कुछ मामलों में दण्डादेश के निलम्बन, परिहार, लघुकरण की राष्ट्रपति की शक्ति।
- **अनुच्छेद 73–** संघ की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार।

मंत्रि-परिषद् (Council of Ministers)

- **अनुच्छेद 74–** राष्ट्रपति की सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रि-परिषद।
- **अनुच्छेद 75–** मंत्रियों के बारे में अन्य उपबन्ध। प्रधानमंत्री की नियक्ति।

भारत का महान्यायवादी (The Attorney General of India)

- **अनुच्छेद 76–** भारत का महान्यायवादी।
- **अनुच्छेद 77–** भारत सरकार के कार्य का संचालन। इसके अनुसार भारत सरकार की समस्त कार्यपालिका कार्यवाहियाँ राष्ट्रपति के नाम से की जायेंगी।
- **अनुच्छेद 78–** राष्ट्रपति को जानकारी देने आदि के संबंध में प्रधानमंत्री के कर्तव्य।

संसद (Parliament)

- **अनुच्छेद 79–** संसद का गठन।
- **अनुच्छेद 80–** राज्यसभा की सरंचना।
- **अनुच्छेद 81–** लोकसभा की संरचना।
- **अनुच्छेद 82–** प्रत्येक जनगणना के पश्चात राज्यों को लोकसभा में स्थानों का आवंटन व राज्यों का प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजन का पुन: समायोजन।
- **अनुच्छेद 83–** संसद के सदनों की अवधि।
- **अनुच्छेद 84–** संसद की सदस्य के लिए अर्हता।
- **अनुच्छेद 85–** संसद के सत्र, सत्रावसान और विघटन।
- **अनुच्छेद 86–** सदनों के अभिभाषण का और उनको संदेश भेजने का राष्ट्रपति का अधिकार।
- **अनुच्छेद 87–** राष्ट्रपति का विशेष अभिभाषण।
- **अनुच्छेद 88–** सदनों के बारे में मंत्रियों और महान्यायवादी के बोलने व भाग लेने (किन्तु मत न देने) का अधिकार।

संसद के अधिकारी (Officers of Parliament)

- **अनुच्छेद 89–** राज्य सभा का सभापति और उपसभापति।
- **अनुच्छेद 90–** उपसभापति का पद रिक्त होना, पद त्याग और पद से हटाया जाना।
- **अनुच्छेद 91–** सभापति के पद के कर्तव्यों का पालन करना। यह सभापति के रूप में कार्य करने की उपसभापति या अन्य व्यक्ति की शक्ति।
- **अनुच्छेद 92–** जब सभापति या उपसभापति के पद से हटाने या कोई संकल्प विचाराधीन है तब उसका पीठासीन न होना।
- **अनुच्छेद 93–** लोकसभा का अध्यक्ष और उपाध्यक्ष।
- **अनुच्छेद 94–** अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का पद रिक्त होना, पद त्याग और पद से हटाया जाना।
- **अनुच्छेद 95–** अध्यक्ष के पद के कर्तव्यों को पालन करने या अध्यक्ष के रूप में कार्य करने की उपाध्यक्ष या अन्य व्यक्ति की शक्ति।
- **अनुच्छेद 96–** जब अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को पद से हटाने का कोई संकल्प विचाराधीन है तब उसका पीठासीन न होना।
- **अनुच्छेद 97–** सभापति और उपसभापति तथा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के वेतन भत्ते।
- **अनुच्छेद 98–** संसद का सचिवालय कार्य संचालन।
- **अनुच्छेद 99–** सदस्यों द्वारा शपथ एवं प्रतिज्ञान।
- **अनुच्छेद 100–** सदनों में मतदान रिक्तियों के होते हुए भी सदनों की कार्य करने की शक्ति और गणपूर्ति। लोक सभाध्यक्ष के द्वारा मत विभाजन एवं निर्णायक मत देना।

सदस्यों की निरर्हताएँ (Disqualification of Members)

- **अनुच्छेद 101–** स्थानों का रिक्त होना।
- **अनुच्छेद 102–** सदस्यों के लिए निरर्हताएँ।

- **अनुच्छेद 103**– सदस्यों की निरर्हताओं से संबंधित प्रश्नों पर विनिश्चय। यह विनिश्चय राष्ट्रवपति, निर्वाचन उद्योग की राय से करता है।
- **अनुच्छेद 104**– अनुच्छेद 99 के अधीन शपथ लेने पर प्रतिज्ञान करने से पहले या निरहीत किए जाने पर बैठने और मत देने के लिए शास्ति।

संसद और उसके सदस्यों की शक्तियां, विशेषाधिकार और उन्मुक्तियां

- **अनुच्छेद 105**– संसद के सदनों की तथा उनके सदस्यों और समितियों की शक्तियाँ, विशेषाधिकार आदि।
- **अनुच्छेद 106**– सदस्यों के वेतन और भत्ते।

विधायी प्रक्रिया (Legislative Procedure)

- **अनुच्छेद 107**– विधेयकों के पुन:स्थापन और पारित किए जाने के संबंध में उपबन्ध।
- **अनुच्छेद 108**– कुछ दशाओं में दोनों की संयुक्त बैठक।
- **अनुच्छेद 109**– धन विधेयकों के संबंध में विशेष प्रक्रिया।
- **अनुच्छेद 110**– धन विधेयक की परिभाषा।
- **अनुच्छेद 111**– विधेयकों पर राष्ट्रपति की अनुमति।

वित्तीय विषयों के संबंध में प्रक्रिया (Procedure in Financial Matters)

- **अनुच्छेद 112**– वार्षिक वित्तीय विवरण (बजट)।
- **अनुच्छेद 113**– संसद में प्राक्कलनों (Estimates) के संबंध में प्रक्रिया।
- **अनुच्छेद 114**– विनियोग विधेयक (APPropriation Bills)
- **अनुच्छेद 115**– अनुपूरक, अतिरिक्त या अधिक अनुदान।
- **अनुच्छेद 116**– लेखानुदान, प्रत्यानुदान और अपवादानुदान।
- **अनुच्छेद 117**– वित्त विधेयकों के बारे में विशेष उपबन्ध।
- **अनुच्छेद 118**– प्रक्रिया के नियम।
- **अनुच्छेद 119**– संसद में वित्तीय कार्य संबंधी प्रक्रिया या विधि द्वारा विनियमन।
- **अनुच्छेद 120**– संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषा। इसके अनुसार संसद में कार्य हिन्दी या अंग्रेजी में किया जायेगा।
- **अनुच्छेद 121**– संसद में चर्चा पर निबंधन (उच्चतम न्यायालय या किसी उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश के आचरण के बारे में)।
- **अनुच्छेद 122**– न्यायालयों द्वारा संसद की कार्यवाहियों की जाँच न किया जाना।

राष्ट्रपति की विधायी शक्तियाँ

- **अनुच्छेद 123**– संसद के विश्रांतिकाल में अध्यादेश प्रख्यापित करने की राष्ट्रपति की शक्ति।

संघ की न्यायपालिका (The union Judiciary)

- **अनुच्छेद 124**– उच्चतम न्यायालय की स्थापना और गठन।
- **अनुच्छेद 125**– न्यायाधीशों के वेतन आदि।
- **अनुच्छेद 126**– कार्यकारी मुख्य न्यायमूत्ति की नियुक्ति।
- **अनुच्छेद 127**– तदर्थ न्यायमूर्तियों की नियुक्ति।
- **अनुच्छेद 128**– उच्चतम न्यायालय की बैठकों में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की उपस्थिति।
- **अनुच्छेद 129**– उच्चतम न्यायालय का अभिलेख न्यायालय होना।
- **अनुच्छेद 130**– उच्चतम न्यायालय का स्थान।
- **अनुच्छेद 131**– उच्चतम न्यायालय की आरम्भिक अधिकारिता।
- **अनुच्छेद 131(क)**– केन्द्रीय विधियों की सांविधानिक वैधता से संबंधित प्रश्नों के बारे में उच्चतम न्यायाल की अनन्य अधिकारिता।
- **अनुच्छेद 132**– कुछ मामलों में उच्च न्यायालयों से अपीलों में उच्चतम न्यायालय की अपीली अधिकारिता।
- **अनुच्छेद 133**– उच्च न्यायालयों में सिविल विषयों से संबंधित अपीलों में उच्चतम न्यायालय की अपीली अधिकारिता।
- **अनुच्छेद 134**– दांडिक विषयों में उच्चतम न्यायालय की अपीली अधिकारिता।
- **अनुच्छेद 134(क)**– उच्चतम न्यायालय में अपील के लिए प्रमाण-पत्र।
- **अनुच्छेद 135**– विद्यमान विधि के अधीन फेडरल न्यायालय की अधिकारिता और शक्तियों का उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रयोक्तव्य होना
- **अनुच्छेद 136**– अपील के लिए उच्चतम न्यायालय की विशेष इजाजत।
- **अनुच्छेद 137**– निर्णयों या आदेशों का उच्चतम न्यायालय द्वारा पुनर्विलोकन (Review)।
- **अनुच्छेद 138**– उच्चतम न्यायालय की अधिकारिता की वृद्धि।
- **अनुच्छेद 139**– कुछ रिट निकालने की शक्तियों का उच्चतम न्यायालय को प्रदत्त किया जाना।
- **अनुच्छेद 140**– उच्चतम न्यायालय की आनुषंगिक शक्तियां।
- **अनुच्छेद 141**– उच्चतम न्यायालय द्वारा घोषित विधि का सभी न्यायालयों पर आबद्धकर होना।
- **अनुच्छेद 142**– उच्चतम न्यायालय की डिक्रियों और आदेशों का प्रवर्तन और प्रकटीकरण आदि के बारे में आदेश।
- **अनुच्छेद 143**– उच्चतम न्यायालय से परामर्श करने की राष्ट्रपति की शक्ति।
- **अनुच्छेद 144**– सिविल और न्यायिक प्राधिकारियों द्वारा उच्चतम न्यायालय।
- **अनुच्छेद 144(क)**– विधियों की सांविधानिक वैधता से संबंधित प्रश्नों के निपटारे के बारे में विशेष उपबंध

- **अनुच्छेद 145–** न्यायालय के नियम आदि।
- **अनुच्छेद 146–** उच्चतम न्यायालय के अधिकारी और सेवक तथा व्यय।
- **अनुच्छेद 147–** निर्वचन।

भारत का नियंत्रक महालेखापरीक्षक (Controller and Auditor General of India)

- **अनुच्छेद 148–** भारत का नियंत्रक महालेखापरीक्षक।
- **अनुच्छेद 149–** नियंत्रक महालेखापरीक्षक के कर्तव्य और शक्तियाँ।
- **अनुच्छेद 150–** संघ के और राज्यों के लेखाओं का प्रारूप।
- **अनुच्छेद 151–** संपरीक्षा प्रतिवेदन ऊपर।

भाग 6 (अनुच्छेद 152 से 237) राज्य (The States), राज्यपाल (Governer)

- **अनुच्छेद 152–** परिभाषा।
- **अनुच्छेद 153–** राज्यों के राज्यपाल।
- **अनुच्छेद 154–** राज्य की कार्यपालिका शक्ति।
- **अनुच्छेद 155–** राज्यपाल की नियुक्ति।
- **अनुच्छेद 156–** राज्यपाल की पदावधि।
- **अनुच्छेद 157–** राज्यपाल नियुक्त होने के लिए अर्हताएँ।
- **अनुच्छेद 158–** राज्यपाल के पद के लिए शर्तें।
- **अनुच्छेद 159–** राज्यपाल द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान।
- **अनुच्छेद 160–** कुछ आकस्मिकताओं में राज्यपाल के कृत्यों का निर्वहन।
- **अनुच्छेद 161–** क्षमा आदि की और कुछ मामलों में दण्डादेश के निलंबन, परिहार या लघुकरण की राज्यपाल की शक्ति।
- **अनुच्छेद 162–** राज्य की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार।

मंत्रि-परिषद् (The Council of Ministers)

- **अनुच्छेद 163–** राज्यपाल को सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद।
- **अनुच्छेद 164–** मंत्रियों के बारे में अन्य उपबंध राज्य का

राज्य का महाधिवक्ता

- **अनुच्छेद 165–** राज्य का महाधिवक्ता

सरकारी कार्य का संचालन

- **अनुच्छेद 166–** राज्य की सरकार के कार्य का संचालन
- **अनुच्छेद 167–** राज्यपाल को जानकारी देने आदि संबंध में मुख्यमंत्री के कर्तव्य।

राज्य का विधानमंडल

- **अनुच्छेद 168–** राज्यों के विधानमंडलों का गठन।
- **अनुच्छेद 169–** राज्यों में विधान परिषदों का उत्सादन या सृजन।
- **अनुच्छेद 170–** विधान सभाओं की संरचना।
- **अनुच्छेद 171–** विधान परिषदों की संरचना।
- **अनुच्छेद 172–** राज्यों के विधानमंडलों की अवधि।
- **अनुच्छेद 173–** राज्य के विधानमंडल की सदस्यता के लिए अर्हता।
- **अनुच्छेद 174–** राज्य के विधानमंडल के सत्र, सत्रावहसान और विघटन।
- **अनुच्छेद 175–** सदन और सदनों में अभिभाषण का और उनको संदेश भेजने का राज्यपाल का अधिकार
- **अनुच्छेद 176–** राज्यपाल का विशेष अभिभाषण
- **अनुच्छेद 177–** सदनों के बारे में मंत्रियों के महाधिवक्ता के अधिकार

राज्य के विधान-मंडल के अधिकारी

- **अनुच्छेद 178–** विधानसभा का अध्यक्ष और उपाध्यक्ष
- **अनुच्छेद 179–** अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का पद रिक्त होना, पदत्याग और पद से हटाया जाना।
- **अनुच्छेद 180–** अध्यक्ष के पद के कर्तव्यों का पालन करने या अध्यक्ष के रूप में कार्य करने की उपाध्यक्ष या अन्य व्यक्ति की शक्ति।
- **अनुच्छेद 181–** जब अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को पद से हटाने का कोई संकल्प विचाराधीन है तब उसका पीठासीन न होना।
- **अनुच्छेद 182–** विधान परिषद् का सभापति और उप सभापति।
- **अनुच्छेद 183–** सभापति और उप सभापति का पद रिक्त होना, पदत्याग और पद से हटाया जाना।
- **अनुच्छेद 184–** सभापति के पद के कर्त्तव्यों का पालन करने या सभापति के रूप में कार्य करने की उप सीाापति या अन्य व्यक्ति की शक्ति।
- **अनुच्छेद 185–** जब सभापति या उपसभापति के पद से हटाने का कोई संकल्प विचाराधीन है तब उसका पीठासीन न होना।
- **अनुच्छेद 186–** अध्यक्ष और उपाध्यक्ष तथा सभापति और उप सभापति के वेतन और भत्ते।
- **अनुच्छेद 187–** राज्य के विधान मंडल का सचिवालय कार्य संचालन।

कार्य का संचालन

- **अनुच्छेद 188–** सदस्यों द्वारा शपथ का प्रतिज्ञान।
- **अनुच्छेद 189–** सदनों में मतदान, रिक्तियों के होते हुए भी सदस्यों की कार्य करने की शक्ति और गणपूर्ति सदस्यों की निरर्हताएं

सदस्यों की निरर्हताएं

- **अनुच्छेद 190–** स्थानों का रिक्त होना
- **अनुच्छेद 191–** सदस्यता के लिए निर्हताएं

- **अनुच्छेद 192–** सदस्यों की निरर्हताओं से संबंधित प्रश्नों पर विनिश्चय
- **अनुच्छेद 193–** अनुच्छेद 188 के अधीन शपथ लेने या प्रतिज्ञा करने से पहले या अर्हित न होते हुए निरर्हित किए जाने पर बैठने और मत देने के लिए शास्ति राज्यों के विधानमंडलों और उनके सदस्यों की शक्तियां, विशेषाधिकार और उन्मुक्तियां।

राज्यों के विधानमंडलों और उनके सदस्यों की शक्तियां, विशेषाधिकार

- **अनुच्छेद 194–** विधानमंडलों के सदनों की तथा सदस्यों और समितियों की शक्तियां, विशेषाधिकार आदि
- **अनुच्छेद 195–** सदस्यों के वेतन और भत्ते।

विधायी प्रक्रिया

- **अनुच्छेद 196–** विधेयकों के पुन: स्थापन और पारित किए जाने के संबध में।
- **अनुच्छेद 197–** धन विधेयकों से भिन्न विधेयकों के बारे में विधान परिषद की शक्तियों पर निबंधन।
- **अनुच्छेद 198–** धन विधेयकों के संबंध में विशेष प्रक्रिया।
- **अनुच्छेद 199–** ''धन विधेयक'' की परिभाषा।
- **अनुच्छेद 200–** विधेयकों पर अनुमति।
- **अनुच्छेद 201–** विचार के लिए आरक्षित विधि।

वित्तीय विषयों के संबंध में प्रक्रिया

- **अनुच्छेद 202–** वार्षिक वित्तीय विवरण।
- **अनुच्छेद 203–** विधान-मंडल में प्राक्कलनों के संबंध में प्रक्रिया।
- **अनुच्छेद 204–** विनियोग विधेयक।
- **अनुच्छेद 205–** अनुपूरक, अतिरिक्त या अधिक अनुदान।
- **अनुच्छेद 206–** लेखानुदान, प्रत्ययानुदान और अपवादानुदान।
- **अनुच्छेद 207–** वित्त विधेयकों के बारे में विशेष उपबंध।
- **अनुच्छेद 208–** प्रक्रिया के नियम।
- **अनुच्छेद 209–** राज्य के विधानमंडल में वित्तीय कार्य संबंधी प्रक्रिया का विधि द्वारा विनियमन।
- **अनुच्छेद 210–** विधान मण्डलों में प्रयोग की जाने वाली भाषा।
- **अनुच्छेद 211–** विधानमंण्डल में चर्चा पर निर्बन्धन।
- **अनुच्छेद 212–** न्यायालयों द्वारा विधान मंडल की कार्यवाहियों की जांच न किया जाना।

राज्यपाल की विधायी शक्ति

- **अनुच्छेद 213–** विधानमंडल के विश्रांतिकाल में अध्यादेश प्रख्यापित करने की राज्यपाल की शक्ति।

राज्यों के उच्च न्यायालय (The High Courts of the States)

- **अनुच्छेद 214–** राज्यों के लिए उच्च न्यायालय।
- **अनुच्छेद 215–** उच्च न्यायालयों का अभिलेख न्यायालय होना।
- **अनुच्छेद 216–** उच्च न्यायालयों का गठन।
- **अनुच्छेद 217–** उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश की नियुक्ति और उसके पद की शर्तें।
- **अनुच्छेद 218–** उच्चतम न्यायालय से संबंधित कुछ उपबन्धों का उच्च न्यायालयों को लागू होना।
- **अनुच्छेद 219–** उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान।
- **अनुच्छेद 220–** स्थायी न्यायाधीश रहने के पश्चात् व्यवसाय पर निर्बंधन।
- **अनुच्छेद 221–** न्यायाधीशों के वेतन आदि।
- **अनुच्छेद 222–** किसी न्यायाधीश का एक उच्च न्यायालय से दूसरे उच्च न्यायालय को अन्तरण।
- **अनुच्छेद 223–** कार्यकारी मुख्य न्यायमूर्ति की नियुक्ति।
- **अनुच्छेद 224–** अपर और कार्यकारी न्यायाधीशों की नियुक्ति।
- **अनुच्छेद 224(क)–** उच्च न्यायालयों की बैठकों में सेवा-निवृत्त न्यायाधीशों की नियुक्ति।
- **अनुच्छेद 225–** विद्यमान उच्च न्यायालयों की अधिकारिता।
- **अनुच्छेद 226–** कुछ रिट निकालने की उच्च न्यायालय की शक्ति।
- **अनुच्छेद 226(क)–** अनुच्छेद 226 के अधीन काय्रवाहियों में केन्द्रीय विधियों की सांविधानिक वैधता पर विचार न किया जाना।
- **अनुच्छेद 227–** सभी न्यायालयों के अधीक्षण की उच्च न्यायालय की शक्ति।
- **अनुच्छेद 228–** कुछ मामलों का उच्च न्यायालय को अंतरण।
- **अनुच्छेद 228(क)–** राज्य विधियों की सांविधानिक वैधता से संबंधित प्रश्नों के निपटारे के बारे में विशेष उपबंध।
- **अनुच्छेद 229–** उच्च न्यायालयों के अधिकारी और सेवक तथा व्यय।
- **अनुच्छेद 230–** उच्च न्यायालयों की अधिकारिता का संघ राज्य क्षेत्रों पर विस्तार।
- **अनुच्छेद 231–** दो या अधिक राज्यों के लिए एक ही उच्च न्यायालय की स्थापना।
- **अनुच्छेद 232–** (निरसित)

अधीनस्थ न्यायालय

- **अनुच्छेद 233–** जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति।
- **अनुच्छेद 233(क)–** कुछ जिला न्यायाधीशों की नियुक्तियों का और उनके द्वारा किए गए निर्णयों आदि का विधिमान्यकरण।
- **अनुच्छेद 234–** नयायिक सेवा में जिला न्यायाधीशों से भिन्न व्यक्तियों की भर्ती।

- **अनुच्छेद 235–** अधीनस्थ न्यायालयों पर नियंत्रण
- **अनुच्छेद 236–** निर्वाचन
- **अनुच्छेद 237–** कुछ वर्ग या वर्गों के मजिस्ट्रेटों पर इस अध्याय के उपबंधों का लागू होना।

भाग 7 (अनुच्छेद 238) पहली अनुसूची के भाग ख के राज्य [The State in part 'B' of the First Schedule (repealed)]

- **अनुच्छेद 238–** 7वां संशोधन अधिनियम 1956 द्वारा निरसित।

भाग 8 (अनुच्छेद 239-242) संघ राज्यक्षेत्र (The Union Territories)

- **अनुच्छेद 239–** संघ राज्यक्षेत्रों का प्रशासन।
- **अनुच्छेद 239(क)–** कुछ संघ राज्य क्षेत्रों के लिए स्थानीय विधानमंडलों या मंत्री परिषदों का या दोनों का सृजन।
- **अनुच्छेद 239(क, क)–** दिल्ली के संबंध में विशेष उपबंध।
- **अनुच्छेद 239(क, ख)–** सांविधानिक तंत्र के विफल हो जाने की दशा में उपबंध।
- **अनुच्छेद 239(ख)–** विधान मंडल के विश्रांतिकाल में अध्यादेश प्रख्यापित करने की प्रशासक की शक्ति।
- **अनुच्छेद 240–** कुछ संघ राज्य क्षेत्रों के लिए स्थानीय विधानमंडलों या मंत्री-परिषदों का या दोनों का सृजन।
- **अनुच्छेद 241–** संघ राज्य क्षेत्रों के लिए उच्च न्यायालय।
- **अनुच्छेद 242–** कोड्गू

भाग 9 अनुच्छेद 243-243 (1 से 15 तक) पंचायतें (The Panchayats)

- **अनुच्छेद 243–** परिभाषाएं
- **अनुच्छेद 243(क)–** ग्राम सभा
- **अनुच्छेद 243(ख)–** पंचायतों का गठन
- **अनुच्छेद 243(ग)–** पंचायतों की संरचना
- **अनुच्छेद 243(घ)–** स्थानों का आरक्षण
- **अनुच्छेद 243(ङ)–** पंचायतों की अवधि, आदि
- **अनुच्छेद 243(च)–** सदस्यता के लिए निरर्हताएं
- **अनुच्छेद 243(छ)–** पंचायतों की शक्तियां, प्राधिकार और उत्तरदायित्व।
- **अनुच्छेद 243(ज)–** पंचायतों द्वारा कर अधिरोपित करने की शक्तियां और उनकी निधियां।
- **अनुच्छेद 243(झ)–** वित्तीय स्थिति के पुनर्विलोकन के लिए वित्त आयोग की गठन।
- **अनुच्छेद 243(ञ)–** पंचायतों के लेखाओं की संपरीक्षा।
- **अनुच्छेद 243(ट)–** पंचायतों के लिए निर्वाचन।
- **अनुच्छेद 243(ठ)–** संघ राज्यक्षेत्रों को लागू होना।
- **अनुच्छेद 243(ड)–** इस भाग का कतिपय क्षेत्रों को लागू न होना।
- **अनुच्छेद 243(ढ)–** विद्यमान विधियों और पंचायतों का बना रहना।
- **अनुच्छेद 243(ण)–** निर्वाचन संबंधी मामलों में न्यायालयों के हस्तक्षेप का वर्णन

भाग 9(क) अनुच्छेद 243(16) - 243(23) तक नगरपालिकायें (The Municipalities)

- **अनुच्छेद 243(त)–** परिभाषाएं
- **अनुच्छेद 243(थ)–** नगरपालिकाओं का गठन
- **अनुच्छेद 243(द)–** नगरपालिकाओं की संरचना
- **अनुच्छेद 243(ध)–** वार्ड समितियों, आदि का गठन और संरचना
- **अनुच्छेद 243(न)–** स्थानों का आरक्षण
- **अनुच्छेद 243(प)–** नगरपालिकाओं की अवधि, आदि
- **अनुच्छेद 243(फ)–** सदस्यता के लिए निरर्हताएं
- **अनुच्छेद 243(ब)–** नगरपालिकाओं, आदि की शक्तियां, प्राधिकार और उत्तरदायित्व
- **अनुच्छेद 243(भ)–** नगरपालिकाओं द्वारा कर अधिरोपित करने की शक्ति और उनकी निधियां
- **अनुच्छेद 243(म)–** वित्त आयोग
- **अनुच्छेद 243(य)–** नगरपालिकाओं के लेखाओं की संपरीक्षा
- **अनुच्छेद 243(य, क)–** नगरपालिकाओं के लिए निर्वाचन
- **अनुच्छेद 243(य, ख)–** संघ राज्यक्षेत्रों को लागू होना
- **अनुच्छेद 243(य, ग)–** इस भाग का कतिपय क्षेत्रों को लागू न होना
- **अनुच्छेद 243(य, घ)–** जिला योजना के लिए समिति
- **अनुच्छेद 243(य, ङ)–** महानगर योजना के लिए समिति
- **अनुच्छेद 243(य, च)–** विद्यमान विधियों और नगरपालिकाओं का बना रहना
- **अनुच्छेद 243(य, छ)–** निर्वाचन संबंधी मामलों में न्यायलयों के हस्तक्षेप का वर्जन

भाग 9(ख) अनु. 243(37)-अनु. 243(46) तक सहकारी समितियाँ (Co-operative Society)

- **अनुच्छेद 243(य, ज)–** परिभाषाएँ
- **अनुच्छेद 243(य, झ)–** सहकारी सोसाइटियों का निगमन
- **अनुच्छेद 243(य, ञ)–** मण्डल तथा इसके पदधारकों की संख्या तथा पदावधि
- **अनुच्छेद 243(य, ट)–** मण्डल के सदस्यों का निर्वाचन
- **अनुच्छेद 243(य, ठ)–** मण्डल का अधिक्रमण एवं निलम्बन तथा अन्तरिम प्रबन्ध
- **अनुच्छेद 243(य, ड)–** सहकारी सोसाइटियों के लेखाओं का अंकेक्षण
- **अनुच्छेद 243(य, ढ़)–** शासी निकाय की बैठकों का आयोजन करना
- **अनुच्छेद 243(य, ण)–** सूचना प्राप्त करने का सदस्य का अधिकार
- **अनुच्छेद 243(य, त)–** विवरणियाँ
- **अनुच्छेद 243(य, थ)–** अपराध एवं दण्ड

- **अनुच्छेद 243(य, द)**– बहुराज्यीय सहकारी सोसाइटियों के लिए अनुप्रयोग
- **अनुच्छेद 243(य, ध)**– संघ शासित क्षेत्रों के लिए अनुप्रयोग
- **अनुच्छेद 243(य, न)**– विद्यमान विधियों की सततता

भाग 10 (अनुच्छेद 244-244क) अनुसूचित और जनजाति क्षेत्र (The Scheduled and Tribal Areas)

- **अनुच्छेद 244**– अनुसूचित क्षेत्रों और जनजाति क्षेत्रों का प्रशासन
- **अनुच्छेद 244(क)**– असम के कुछ जनजाति क्षेत्रों को समाविष्ट करने वाला एक स्वशासी राज्य बनाना और उसके लिए स्थानीय विधानमंडल या मंत्री परिषद् का या दोनों का सृजन।

भाग 11 (अनुच्छेद 245-263) संघ और राज्यों के बीच संबंध (The Relation between Union and States), विधायी संबंध (Legislature Relations)

- **अनुच्छेद 245**– संसद और राज्यों के विधानमंडलों द्वारा बनाई गई विधियों का विस्तार।
- **अनुच्छेद 246**– संसद और राज्यों के विधानमंडलों द्वारा बनाई गई विधियों का विषय-वस्तु।
- **अनुच्छेद 247**– कुछ अतिरिक्त न्यायालयों की स्थापना का उपबन्ध करने की संसद की शक्ति।
- **अनुच्छेद 248**– अवशिष्ट विधायी शक्तियाँ।
- **अनुच्छेद 249**– राज्य सूची में विषय के संबंध में राष्ट्रीय हित में विषय बनाने की संसद शक्ति।
- **अनुच्छेद 250**– यदि आपात की उद्घोषणा प्रवर्तन में हो तो राज्य सूची में के लिए संबंध में विधि बनाने की संसद की शक्ति।
- **अनुच्छेद 251**– संसद द्वारा अनुच्छेद 249 और अनुच्छेद 250 के अधीन बनाई गई विधियों और राज्यों के विधान मंडलों द्वारा बनाई गई विधियों की असंगति।
- **अनुच्छेद 252**– दो या अधिक राज्यों के लिए उनकी सहमति से विधि बनाने की संसद की शक्ति और ऐसी विधि का किसी अन्य राज्य द्वारा अंगीकार किया जाना।
- **अनुच्छेद 253**– अंतर्राष्ट्रीय करारों को प्रभावी करने के लिए विधान।
- **अनुच्छेद 254**– संसद द्वारा बनाई गई विधियों और राज्यों के विधानमंडलों द्वारा बनाई गई विधियों में असंगति का प्रभाव।
- **अनुच्छेद 255**– सिफारिशों और पूर्व मंजूरी के बारे में अपेक्षाओं को केवल प्रक्रिया के विषय मानना।

प्रशासनिक संबंध

- **अनुच्छेद 256**– राज्यों की और संघ की बाध्यता
- **अनुच्छेद 257**– कुछ दशाओं में राज्यों पर संघ का नियंत्रण
- **अनुच्छेद 257(क)**– संघ के सशस्त्र बलों या अन्य बलों के अभिनियोजन द्वारा राज्यों की सहायता
- **अनुच्छेद 258**– कुछ दशाओं में राज्यों को शक्ति प्रदान करने आदि की संघ
- **अनुच्छेद 258(क)**– संघ को कृत्य सौंपने की राज्यों की शक्ति
- **अनुच्छेद 259**– पहली अनुसूची के भाग ख के राज्यों के सशस्त्र बल
- **अनुच्छेद 260**– भारत के बाहर के राज्यक्षेत्रों के संबंध में संघ की अधिकारिता
- **अनुच्छेद 261**– सार्वजनिक कार्य, अभिलेख और न्यायिक कार्यवाहियां

जल संबंधी विवाद

- **अनुच्छेद 262**– अंतर्राज्यिक नदियों या नदी-दूनो के जल संबंधी विवादों का न्यायनिण्रयन।

राज्यों के बीच समन्वय

- **अनुच्छेद 263**– अंतरराज्य परिषद् के संबंध में उपबंध

भाग 12 (अनुच्छेद 264 से 300क) वित्त, संपत्ति, संविदाएं और वाद (Finance Property, Contracts and Suits)

- **अनुच्छेद 264**– निर्वचन
- **अनुच्छेद 265**– विधि के प्राधिकार के बिना करों का अधिरोपण न किया जाना
- **अनुच्छेद 266**– भारत और राज्यों की संचित निधियां और लोक लेखे
- **अनुच्छेद 267**– आकस्मिकता निधि

संघ और राज्यों के बीच राजस्वों का वितरण

- **अनुच्छेद 268**– संघ द्वारा उद्गृहीत किए जाने वाले किन्तु राज्यों द्वारा संगहीत और विनियोजित किए जाने वाले शुल्क।
- **अनुच्छेद 268(क)**– संघ द्वारा उद्गृहीत किये जाने वाले और संघ तथा राज्यों द्वारा संग्रहीत और विनियोजित किये जाने वाले सेवा कर।
- **अनुच्छेद 269**– संघ द्वारा उद्गृहीत और संग्रहीत किन्तु राज्यों को सौंपे जाने वाले कर।
- **अनुच्छेद 270**– संघ द्वारा उद्गृहीत और संग्रहीत तथा संघा और राज्यों के बीच वितरित किए जाने वाले कर।
- **अनुच्छेद 271**– कुछ शुल्कों और करों पर संघ के प्रयोजनों के लिए अधिभार।
- **अनुच्छेद 272**– [* * *]
- **अनुच्छेद 273**– जूट पर और जूट उत्पादों पर निर्यात शुल्क के स्थान पर अनुदान
- **अनुच्छेद 274**– ऐसे कराधान पर, जिसमें राज्य हितबद्ध है, प्रभाव डालने वाले विधेयकों के लिए राष्ट्रपति की पूर्व सिफारिश की अपेक्षा।

- **अनुच्छेद 275**– कुछ राज्यों को संघ से अनुदान।
- **अनुच्छेद 276**– वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर।
- **अनुच्छेद 278**– कुछ वित्तीय विषयों के संबंध में पहली अनुसूची के भाग ख के राज्यों से करार
- **अनुच्छेद 279**– ''शुद्ध आगम'' आदि की गणना।
- **अनुच्छेद 280**– वित्त आयोग।
- **अनुच्छेद 281**– वित्त आयोग की सिफारिशें।

प्रकीर्ण वित्तीय उपबंध

- **अनुच्छेद 282**– संघ या राज्य द्वारा अपने राजस्व से किए जाने वाले तथ्य
- **अनुच्छेद 283**– संचित निधियों, आकस्मिकता निधियों और लोक लेखाओं में जमा धनराशियों की अभिरक्षा आदि।
- **अनुच्छेद 284**– लोक सेवकों और न्यायलयों द्वारा प्राप्त वादकर्त्ताओं की जमा राशियों और अन्य धनराशियों की अभिरक्षा
- **अनुच्छेद 285**– संघ की संपत्ति को राज्य के कराधान से छूट
- **अनुच्छेद 286**– माल के क्रय या विक्रय पर कर के अधिरोपण के बारे में निबंधन
- **अनुच्छेद 287**– विद्युत पर करों से छूट
- **अनुच्छेद 288**– जल या विद्युत के संबंध में राज्यों द्वारा कराधान से छूट
- **अनुच्छेद 289**– राज्यों की संपत्ति और आय को संघ के कराधान से छूट
- **अनुच्छेद 290**– कुछ व्ययों और पेंशनों के संबंध में समायोजन
- **अनुच्छेद 290(क)**– कुछ देवस्वम् निधियों को वार्षिक संदाय
- **अनुच्छेद 291**– शासकों की निजी थैली की राशि

उधार लेना

- **अनुच्छेद 292**– भारत सरकार द्वारा उधार लेना
- **अनुच्छेद 293**– राज्यों द्वारा उधार लेना

संपत्ति, संविदाएं, अधिकार, दायित्व, बाध्यताएं और वाद

- **अनुच्छेद 294**– कुछ दशाओं में संपत्ति, आस्तियों, अधिकारों, दायित्वों और बाध्यताओं का उत्तराधिकार
- **अनुच्छेद 295**– अन्य दशाओं में संपत्ति, आस्तियों, अधिकारों, दायित्वों और बाध्यताओं का उत्तराधिकार
- **अनुच्छेद 296**– राजगामी या व्यपगत या स्वामीविहीन होने से प्रोद्भूत संपत्ति
- **अनुच्छेद 297**– राज्यक्षेत्रीय सागर-खंड या महाद्वीपीय मरनतट भूमि में स्थित मूल्यवान चीजों और अनन्य आर्थिक क्षेत्र के संपत्ति स्रोतों का संघ में निहित होना
- **अनुच्छेद 298**– व्यापार करने आदि की शक्ति
- **अनुच्छेद 299**– संविदाएं
- **अनुच्छेद 300**– वाद और कार्यवाहियां

सम्पत्ति का अधिकार (Right to Property)

- **अनुच्छेद 300(क)**– विधि के प्राधिकार के बिना व्यक्तियों को सम्पत्ति से वंचित किया जाना।

भाग 13 (अनुच्छेद 301 से 307)
भारत के राज्यक्षेत्र के भीतर व्यापार, वाणिज्य और समागम
(Trade, Commerce and Inter Course Within the Territory of India)

- **अनुच्छेद 301**– व्यापार, वाणिज्य और समागम की स्वतंत्रता
- **अनुच्छेद 302**– व्यापार, वाणिज्य और समागम पर निबंधन अधिरोपित करने की संसद की शक्ति।
- **अनुच्छेद 303**– व्यापार और वाणिज्य के संबंध में संघ और राज्यों की विधायी शक्तियों पर निबंधन
- **अनुच्छेद 304**– राज्यों के बीच व्यापार, वाणिज्य और समागम पर निबंधन
- **अनुच्छेद 305**– विद्यमान विधियों और राज्य के एकाधिकार का उपबंध करने वाली विधियों की व्यावृत्ति
- **अनुच्छेद 306**– पहली अनुसूची के भाग ख के कुछ राज्यों की व्यापार और वाणिज्य पर निबंधनों के अधिरोपण की शक्ति
- **अनुच्छेद 307**– अनुच्छेद 301 से अनुच्छेद 304 के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए प्राधिकारी की नियुक्ति

भाग 14 (अनुच्छेद 308 से 323)
संघ और राज्यों के अधीन सेवाएँ
(Services under the Union and the States)

- **अनुच्छेद 308**– निर्वचन
- **अनुच्छेद 309**– संघ या राज्य की सेवा करने वाले व्यक्तियों की भत्ती और सेवा की शर्तें।
- **अनुच्छेद 310**– संघ या राज्य की सेवा करने वाले व्यक्तियों की पदावधि।
- **अनुच्छेद 311**– संघ या राज्य के अधीन सिविल हैसियत में नियोजित व्यक्तियों का पदच्युत किया जाना, पद से हटाया जाना या पंक्ति में अवनत किया जाना।
- **अनुच्छेद 312**– अखिल भारतीय सेवाएँ।
- **अनुच्छेद 312क**– कुछ सेवाओं के अधिकारियों की सेवा कीशर्तों में परिवर्तन करने या उन्हें प्रतिसंहृत करने की संसद की शक्ति
- **अनुच्छेद 313**– संक्रमणकालीन उपबंध
- **अनुच्छेद 314**– कुछ सेवाओं के विद्यमान अधिकारियों के संरक्षण के लिए उपबंध

लोक सेवा आयोग (Public Service Commissions)

- **अनुच्छेद 315**– संघ और राज्यों के लिए लोक सेवा आयोग।
- **अनुच्छेद 316**– सदस्यों की नियुक्ति और पदावधि।
- **अनुच्छेद 317**– लोक सेवा आयोग के किसी सदस्य का हटाया जाना और निलंबित किया जाना।

- **अनुच्छेद 318**– आयोग के सदस्यों और कर्मचारीवृंद की सेवा की शर्तों के बारे में विनियम बनाने की शक्ति।
- **अनुच्छेद 319**– आयोग के सदस्यों द्वारा ऐसे सदस्य न रहने पर पद धारण करने में विनिमय बनाने की शक्ति।
- **अनुच्छेद 320**– लोक सेवा आयोगों के कृत्य।
- **अनुच्छेद 321**– लोक सेवा आयोगों पर कृत्यों का विस्तार करने की शक्ति।
- **अनुच्छेद 322**– लोक सेवा आयोगों के व्यय।
- **अनुच्छेद 323**– लोक सेवा आयोगों के प्रतिवेदन।

भाग 14(क) (अनुच्छेद 323(क)-323(ख) अधिकरण (Tribunals)

- **अनुच्छेद 323(क)**– प्रशासनिक अधिकरण
- **अनुच्छेद 323(ख)**– अन्य विषयों के लिए अधिकरण

भाग 15 (अनुच्छेद 324-329) निर्वाचन (Elections)

- **अनुच्छेद 324**– निर्वाचनों के अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण का निर्वाचन आयोग में निहित होना।
- **अनुच्छेद 325**– धर्म, मूलवंश, जाति या लिंग के आधार पर किसी व्यक्ति का निर्वाचक-नामावली में सम्मिलित किए जाने के लिए अपात्र न होना और उसके द्वारा किसी विशेष निर्वाचक- नामावली में सम्मिलित किए जाने का दावा न किया जाना।
- **अनुच्छेद 326**– लोक सभा और राज्यों की विधान सभाओं के लिए निर्वाचनों का वयस्क मताधिकार के आधार पर होना।
- **अनुच्छेद 327**– विधानमंडलों के लिए निर्वाचनों के संबंध में उपबंध करने की संसद की शक्ति।
- **अनुच्छेद 328**– किसी राज्य के विधानमंडल के लिए निर्वाचनों के संबंध में उपबंध करने की इस विधानमंडल की शक्ति।
- **अनुच्छेद 329**– निर्वाचन संबंधी मामलों में न्यायालयों के हस्तक्षेप का वर्जन।
- **अनुच्छेद 329(क)**– प्रधानमंत्री और अध्यक्ष के मामले में संसद के लिए निर्वाचनों के बारे में विशेष उपबंध।

भाग 16 (अनुच्छेद 330-342) कुछ वर्गों के संबंध में विशेष उपबन्ध (Special Provisions relating to certain Classes)

- **अनुच्छेद 330**– लोक सभा में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए स्थानों का आरक्षण।
- **अनुच्छेद 331**– लोकसभा में आंग्ल भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व।
- **अनुच्छेद 332**– राज्यों की विधानसभाओं में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए स्थानों का आरक्षण।
- **अनुच्छेद 333**– राज्यों की विधानसभाओं में आंग्ल-भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व।
- **अनुच्छेद 334**– स्थानों के आरक्षण और विशेष प्रतिनिधित्व का 70 वर्ष पश्चात् न रहना (95वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2009 द्वारा यथा- संशोधित)।
- **अनुच्छेद 335**– सेवाओं और पदों के लिए अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के दावे।
- **अनुच्छेद 336**– कुछ सेवाओं में आंग्ल-भारतीय समुदाय के लिए विशेष उपबंध।
- **अनुच्छेद 337**– आंग्ल भारतीय समुदाय के फायदे के लिए शैक्षिक अनुदान के लिए विशेष उपबन्ध।
- **अनुच्छेद 338**– राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग
- **अनुच्छेद 338(क)**– राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
- **अनुच्छेद 339**– अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के बारे में संघ का नियंत्रण।
- **अनुच्छेद 340**– पिछड़े वर्गों की दशाओं के अन्वेषण के लिए आयोग की नियुक्ति।
- **अनुच्छेद 341**– अनुसूचित जातियाँ।
- **अनुच्छेद 342**– अनुसूचित जनजातियाँ।

भाग 17 (अनुच्छेद 343-351) राजभाषा (Official Language), संघ की भाषा

- **अनुच्छेद 343**– संघ की राजभाषा।
- **अनुच्छेद 344**– राजभाषा के संबंध में आयोग और संसद की समिति।

प्रादेशिक भाषाएं

- **अनुच्छेद 345**– राज्य की राजभाषा या राजभाषाएँ।
- **अनुच्छेद 346**– एक राज्य और दूसरे राज्य के बीच किसी राज्य और संघ के बीच पत्रादि की राजभाषा।
- **अनु.-347**– किसी राज्य की जनसंख्या कि किसी अनुभाग द्वारा बोली जाने वाली भाषा के संबंध में विशेष उपबंध।

उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालयों आदि की भाषा

- **अनुच्छेद 348**– उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में और अधिनियमों, विधेयकों आदि के लिए प्रयोग की जाने वाली भाषा।
- **अनुच्छेद 349**– भाषा से संबंधत कुछ विधियाँ अधिनियमित करने के लिए विशेष प्रक्रिया।

विशेष निदेश

- **अनुच्छेद 350**– व्यथा के निवारण के लिए अभ्यावेदन में प्रयोग की जाने वाली भाषा।
- **अनुच्छेद 350(क)**– प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की सुविधाएँ।

- **अनुच्छेद 350(ख)–** भाषाई अल्पसंख्यक वर्गों के लिए विशेष अधिकारी।
- **अनुच्छेद 351–** हिन्दी भाषा के विकास के लिए निदेश।

भाग 18 (अनुच्छेद 352-360)
आपात उपबन्ध (Emergency Provisions)

- **अनुच्छेद 352–** आपात की उद्घोषणा।
- **अनुच्छेद 353–** आपात की उद्घोषणा का प्रभाव।
- **अनुच्छेद 354–** जब आपात की उद्घोषणा प्रवर्तन में है तब राजस्वों के वितरण संबंधी उपबन्ध का लागू होना।
- **अनुच्छेद 355–** बाह्य आक्रमण और आंतरिक अशांति से राज्यों की संरक्षा करने का संघ का कर्तव्य।
- **अनुच्छेद 356–** राज्यों में सांविधानिक तंत्र के विफल हो जाने की दशा में उपबन्ध।
- **अनुच्छेद 357–** अनुच्छेद 356 के अधीन की गई उद्घोषणा के अधीन विधायी शक्तियों का प्रयोग।
- **अनुच्छेद 358–** आपात के दौरान अनुच्छेद 19 के उपबन्धों का निलंबन।
- **अनुच्छेद 359–** आपात के दौरान भाग3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों के प्रवर्तन का निलंबन।
- **अनुच्छेद 359(क)–** इस भाग का पंजाब राज्य को लागू होना
- **अनुच्छेद 360–** वित्तीय आयात के बारे में उपबन्ध।

भाग 19 (अनुच्छेद 361-367)
प्रकीर्ण (Mescellaneous)

- **अनुच्छेद 361–** राष्ट्रपति, राज्यपालों और राजप्रमुखों का संरक्षण।
- **अनुच्छेद 361क–** संसद और राज्यों के विधानमंडलों की कार्यवाहियों के प्रकाशन का संरक्षण।
- **अनुच्छेद 362–** देशी राज्यों के शासकों के अधिकार और विशेषाधिकार
- **अनुच्छेद 363–** कुछ संधियों, करारों आदि से उत्पन्न विवादों में न्यायालयों के हस्तक्षेप का वर्जन
- **अनुच्छेद 363(क)–** देशी राज्यों के शासकों को दी गई मान्यता की समाप्ति और निजी थैलियों का अंत
- **अनुच्छेद 364–** महापतनों और विमानक्षेत्रों के बारे में विशेष उपबंध।
- **अनुच्छेद 365–** संघ द्वारा किए गए निर्देशों का अनुपालन करने में या अनको प्रभावी करने में असफलता का प्रभाव।
- **अनुच्छेद 366–** परिभाषाएँ।
- **अनुच्छेद 367–** निर्वचन

भाग 20 (अनुच्छेद 368) संविधान का संशोधन (Amendment of the Constitution)

- **अनुच्छेद 368–** संविधान का संशोधन करने की संसद की शक्ति और उसके लिए प्रक्रिया।

भाग 21 (अनुच्छेद 369-392)
अस्थायी, संक्रमणकालीन और विशेष उपबन्ध (Temporary, Transitional and Special Provisions)

- **अनुच्छेद 369–** राज्य सूची के कुछ विषयों के संबंध में विधि बनाने की संसद की इस प्रकार अस्थायी शक्ति मानों वे समवर्ती सूची के विषय हों।
- **अनुच्छेद 370–** जम्मू कश्मीर राज्य के संबंध में अस्थायी उपबन्ध।
- **अनुच्छेद 371–** महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों के संबंध में विशेष उपबन्ध।
- **अनुच्छेद 371(क)–** नागालैण्ड राज्य के संबंध में विशेष उपबन्ध।
- **अनुच्छेद 371(ख)–** असोम राज्य के संबंध में विशेष उपबन्ध।
- **अनुच्छेद 371(ग)–** मणिपुर राज्य के संबंध में विशेष उपबन्ध।
- **अनुच्छेद 371(घ)–** आन्ध्र प्रदेश राज्य के संबंध में विशेष उपबन्ध।
- **अनुच्छेद 371(ङ)–** आन्ध्र प्रदेश के केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना।
- **अनुच्छेद 371(च)–** सिक्किम राज्य के संबंध में विशेष उपबन्ध।
- **अनुच्छेद 371(छ)–** मिजोरम राज्य के संबंध में विशेष उपबध।
- **अनुच्छेद 371(ज)–** अरूणाचल प्रदेश राज्य के सबंध में विशेष उपबन्ध।
- **अनुच्छेद 371(झ)–** गोवा राज्य के संबंध में विशेष उपबन।
- **अनुच्छेद 372–** विद्यमान विधियों का प्रवृत्त बने रहना और उनका अनुकूलन।
- **अनुच्छेद 372(क)–** विधियों का अनुकूलन करने की राष्ट्रपित की शक्ति।
- **अनुच्छेद 373–** निवारक निरोध में रखे गए व्यक्तियों के संबंध में कुछ दशाओं में आदेश करने की राष्ट्रपति की शक्ति।
- **अनुच्छेद 374–** फेडरल न्यायालय के न्यायाधीशों और फेडरल न्यायालय में या सपरिषद् हिज मजेटी के समक्ष कार्यवाहियों के बारे में उपबंध
- **अनुच्छेद 375–** संविधान के उपबंधों के अधीन रहते हुए न्यायालयों, प्राधिकारियों और अधिकारियों का कृत्य करते रहना
- **अनुच्छेद 376–** उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के बारे में उपबंध
- **अनुच्छेद 377–** भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के बारे में उपबंध
- **अनुच्छेद 378–** लोक सेवा आयोगों के बारे में उपबंध
- **अनुच्छेद 378(क)–** आंध्र प्रदेश विधान सभा की अवधि का बारे में विशेष उपबंध
- **अनुच्छेद 379-91–** (निरसित)
- **अनुच्छेद 392–** कठिनाइयों को दूर करने की राष्ट्रपति की शक्ति

भाग 22 (अनुच्छेद 393-395) संक्षिप्त नाम, प्रारंभ, हिन्दी में प्राधिकृत पाठ और निरसन (Commencement, Authoritative Text in Hindi and Repeals)

- **अनुच्छेद 393–** संक्षिप्त नाम-इस संविधान का संक्षिप्त नाम भारत का संविधान है।
- **अनुच्छेद 394–** यह अनु. संविधान के लागू (Inforce) होने के बारे में उपबन्ध करता है। इसके अनुसार अनुच्छेद 5, 6, 7, 8, 9, 60, 324, 366, 367, 379, 380, 388, 391, 392, 393 तथा स्वयं 394 (कुल 16) तुरंत तथा शेष अनुच्छेद 26 जनवरी, 1950 को प्रवृत्त होंगे।
- **अनुच्छेद 394(क)–** हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ
- **अनुच्छेद 395–** संविधान के लागू होते ही पहले के सभी अधिनियम (1909, 1919, 1935) रद्द हो गए।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. संविधान के किस भाग और अनुच्छेद में संविधान संशोधन का प्रावधान है-
(A) भाग- 20, अनु० 368 (B) भाग- 22, अनु० 370
(C) भाग- 20, अनु० 355 (D) सभी गलत है।

2. संविधान के किस भाग में निर्वाचन आयोग का प्रावधान है-
(A) 10 (B) 12
(C) 13 (D) 15

3. नागरिकता भाग-2 में तो मौलिक अधिकार है-
(A) भाग- 1 (B) भाग- 2
(C) भाग- 3 (D) भाग- 4

4. पंचायती राज व्यवस्था संविधान के किस भाग में है-
(A) 8 (B) 9
(C) 10 (D) 11

5. आपातकालीन प्रावधान किस भाग में है-
(A) 16 (B) 17
(C) 18 (D) 19

6. राज्य का नीति निर्देशक सिद्धांत किस भाग में है-
(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 5

7. SC और ST क्षेत्र का उल्लेख है-
(A) भाग- 2 (B) भाग- 3
(C) भाग- 8 (D) भाग- 10

8. भारतीय संविधान में:
(A) 9 अनुसूचियां है (B) 12 अनुसूचियां है
(C) 10 अनुसूचियां है (D) 11 अनुसूचियां है

9. भारत के संविधान की निम्नलिखित में से कौन-सी एक अनुसूची में दल-बदल विरोधी कानून विषयक प्रावधन हैं?
(A) दूसरी अनुसूची (B) पाँचवीं अनुसूची
(C) आठवीं अनुसूची (D) दसवीं अनुसूची

10. निम्नलिखित में से कौन-सा विषय भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची-III समवर्ती सूची में शामिल है?
(A) दंड प्रक्रिया (B) पुलिस
(C) कारागार (D) लोक व्यवस्था

11. भारतीय संविधान का कौन-सा भाग और अध्याय संघ और राज्यों के बीच विधायी संबंध के बारे में है?
(A) भाग 11 और अध्याय 1
(B) भाग 11 और अध्याय 2
(C) भाग 12 और अध्याय 1
(D) भाग 12 और अध्याय 2

12. भारत के संविधान के अंतर्गत विषय तथा संबंधित सूची के बारे में निम्न युग्मों में से कौन एक सुमेलित नहीं है?

	विषय		सूची
(A)	वन	-	समवर्ती सूची
(B)	शेयर बाजार	-	समवर्ती सूची
(C)	डाकघर बचत बैंक	-	संघीय सूची
(D)	जन स्वास्थ्य	-	राज्य सूची

13. भारतीय संविधान की छठी अनुसूची निम्नलिखित में से किन राज्यों के जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित है?
(A) बिहार, छत्तीसगढ़, गोवा
(B) मेघालय, त्रिपुरा तथा मिजोरम
(C) उत्तराखंड, मणिपुर, झारखंड
(D) नागालैंड, अरुणाचल, त्रिपुरा

14. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए :

सूची - I	सूची- II
A. भारतीय संविधान का भाग IX	1. संघ क्षेत्र
B. भारतीय संविधान का भाग VIII	2. नगरपालिका
C. भारतीय संविधान का भाग IV A	3. पंचायत
D. भारतीय संविधान का भाग IXA	4. मूल कर्त्तव्य

कूट:	A	B	C	D
(A)	3	1	4	2
(B)	1	2	3	4
(C)	2	4	1	3
(D)	4	3	2	1

15. शिक्षा जो प्रारंभ में राज्यसूची का विषय था, उसे समवर्ती सूची में स्थानांतरित किया गया-
(A) 24 वें संशोधन द्वारा (B) 25 वें संशोधन द्वारा
(C) 42 वें संशोधन द्वारा (D) 44 वें संशोधन द्वारा

16. 'पंचायती राज' विषय निम्नलिखित में से किस सूची में सम्मिलित है?
(A) संघीय सूची (B) राज्य सूची
(C) समवर्ती सूची (D) अवशिष्ट सूची

17. निम्नलिखित में से कौन-सा विषय समवर्ती सूची में है?
(A) कृषि (B) शिक्षा
(C) पुलिस (D) रक्षा

18. भारतीय संविधान में आरंभ में कितने अनुच्छेद थे?
(A) 420 (B) 380
(C) 395 (D) 270

19. वित्त विधेयकों के बारे में विशेष उपबंध किस अनुच्छेद के अंतर्गत किया गया है?
(A) अनुच्छेद 117 (B) अनुच्छेद 119
(C) अनुच्छेद 121 (D) अनुच्छेद 123

20. निम्नलिखित में से कौन-सी मद भारत के संविधान की समवर्ती सूची में है?
(A) जनसंख्या नियंत्रण और परिवार नियोजन
(B) लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता
(C) प्रति व्यक्ति कर (D) निखात निधि

21. पंचायतों को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया है-
(A) अनुच्छेद 226 के अंतर्गत (B) अनुच्छेद 243 के अंतर्गत
(C) अनुच्छेद 239 के अंतर्गत (D) अनुच्छेद 219 के अंतर्गत

22. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

सूची - I	**सूची- II**
A. अनुच्छेद 323-A	1. निर्वाचन
B. अनुच्छेद 324	2. प्रशासनिक अधिकरण
C. अनुच्छेद 330	3. लोक सेवा आयोगों के कार्य
D. अनुच्छेद 320	4. लोक सभा के लिए अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति सदसों के आरक्षण

कूट:	A	B	C	D
(A)	1	2	3	4
(B)	4	3	2	1
(C)	2	1	4	3
(D)	3	4	1	2

23. वर्तमान में भारतीय संविधान में गणना की दृष्टि से कुल कितने अनुच्छेद और अनुसूचियां है?
(A) 390 अनुच्छेद और 5 अनुसूचियां
(B) 390 अनुच्छेद और 12 अनुसूचियां
(C) 395 अनुच्छेद और 10 अनुसूचियां
(D) 444 अनुच्छेद और 12 अनुसूचियां

24. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

सूची - I	**सूची- II**
A. अनुच्छेद 14	1. संशोधन प्रक्रिया
B. अनुच्छेद 36	2. मंत्रिपरिषद्
C. अनुच्छेद 74	3. समानता का अधिकार
D. अनुच्छेद 368	4. नीति निर्देशक तत्व

कूट:	A	B	C	D
(A)	2	1	4	3
(B)	4	1	3	2
(C)	1	2	3	4
(D)	3	4	2	1

25. भारतीय संविधान में शामिल है
(A) 395 अनुच्छेद, 22 भाग एवं 12 सूचियां
(B) 371 अनुच्छेद, 21 भाग एवं 11 सूचियां
(C) 372 अनुच्छेद, 20 भाग एवं 7 सूचियां
(D) 381 अनुच्छेद, 23 भाग एवं 8 सूचियां

26. निम्नलिखित में से कौन-सा विषय समवर्ती सूची का है?
(A) पुलिस (B) आपराधिक मामले
(C) रेडियो और टेलीविजन (D) विदेशी मामले

27. भारत के संविधान के अंतर्गत आर्थिक योजना का विषय है-
(A) राज्य सूची में (B) संघ सूची में
(C) समवर्ती सूची में (D) किसी सूची में निर्दिष्ट नहीं

28. भूमि सुधार .... के विषयों के अंतर्गत है।
(A) संघ सूची (B) समवर्ती सूची
(C) राज्य सूची (D) इनमें से कोई नहीं

29. संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?
(A) नगर पालिका से (B) पंचायती राज से
(C) केंद्र-राज्य संबंध से (D) भ्रष्टाचार निवारण से

30. निम्नलिखित में से कौन एक सही सुमेलित नहीं है?
(A) नागरिकता - संविधान का भाग II
(B) मौलिक अधिकार - संविधान का भाग III
(C) मौलिक कर्त्तव्य - संविधान का भाग VIA
(D) राज्य - संविधान का भाग VI

31. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

सूची - I	**सूची- II**
A. सातवीं अनुसूची	1. भाषाएं
B. आठवीं अनुसूची	2. दल परिवर्तन के आधार पर निरर्हता
C. नवीं अनुसूची	3. विधायी शक्तियों का वितरण
D. दसवीं अनुसूची	4. कुछ अधिनियमों का विधि

कूट:	A	B	C	D
(A)	3	1	2	4
(B)	2	3	4	1
(C)	3	1	4	2
(D)	4	2	1	3

32. निम्न में से कौन राज्य सूची में है?
(A) रेलवे पुलिस (B) निगम कर
(C) जनगणना
(D) आर्थिक एवं सामाजिक नियोजन

33. भारतीय संविधान की निम्न दी गई अनुसूचियों में से कौन-सी एक राज्य के नामों की सूची तथा उनके राज्य क्षेत्रों का ब्योरा देती है?
(A) पहली (B) दूसरी (C) तीसरी (D) चौथी

34. सूची-I को सूची-II से सुमेलित करिए और नीचे दिए कूट से सही उत्तर चुनिए ।

सूची-I	**सूची-II**
A. सांविधानिक संशोधन	1. अनुच्छेद 360
B. वित्त आयोग	2. अनुच्छेद 312
C. वित्तीय आपात	3. अनुच्छेद 280
D. अखिल भारतीय सेवाएं	4. अनुच्छेद 368

कूट:	A	B	C	D
(A)	2	3	4	1
(B)	4	3	1	2
(C)	3	4	1	2
(D)	1	2	3	4

35. भारत के संविधान के अनुच्छेद 371-ख में निम्न राज्य/राज्यों में से किसके लिए विशेष उपबंध प्रावधानित हैं?
(A) महाराष्ट्र और गुजरात (B) असम
(C) नागालैंड (D) मणिपुर

36. निम्नलिखित राज्यों में से किसके लिए संविधान के अनुच्छेद 371 के अंतर्गत विशेष प्रावधान किया गया है?
(A) जम्मू-कश्मीर (B) महाराष्ट्र तथा गुजरात
(C) नागालैण्ड (D) आंध्र प्रदेश

ANSWER KEY

1.	(B)	2.	(D)	3.	(A)	4.	(A)	5.	(B)
6.	(B)	7.	(A)	8.	(C)	9.	(B)	10.	(B)
11.	(C)	12.	(A)	13.	(A)	14.	(B)	15.	(C)
16.	(D)	17.	(D)	18.	(A)	19.	(B)	20.	(C)
21.	(C)	22.	(B)	23.	(C)	24.	(C)	25.	(A)
26.	(A)	27.	(B)	28.	(B)	29.	(B)	30.	(A)
31.	(D)	32.	(C)	33.	(B)	34.	(C)	35.	(C)
36.	(D)								

24. अंतर्राष्ट्रीय संबंध (International Relation)

- **पहली दुनिया–** अमेरिका तथा उसके सहयोगी देशों को पहली दुनिया कहते हैं।
- **दूसरी दुनिया–** रूस तथा उसके सहयोगी देशों को दूसरी दुनिया कहते हैं।
- **तीसरी दुनिया–** वैसे विकासशील देश जो किसी भी गुट में नहीं गये, उसे तीसरी दुनिया या दक्षिणी दुनिया कहते है। जैसे- भारत।

राष्ट्र संघ (League of Nation)

- प्रथम विश्वयुद्ध पूर्णत: 1919 के वरसाय के संधि के द्वारा समाप्त हुआ। इसके समाप्ति के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने जेनेवा में League of Nation की स्थापना 10 जनवरी 1920 को किया। यह League of Nation उस समय विश्व से मलेरिया उन्मूलन में सबसे बड़ी भूमिका निभाई।
- League of Nation के पास अपनी कोई सेना नहीं थी इसका मुख्यालय जेनेवा तथा सभी कार्यालय भी जेनेवा में था।
- जिस देश को उसका सदस्य बनना था उसे अपनी संसद से पहले अनुमति लेनी होती थी।
- इसका संस्थापक अमेरिका खुद अपनी संसद से इसकी अनुमति नहीं ले सका।
- इस संगठन ने जापान द्वारा चीन पर आक्रमण नहीं रोक सका।
- League ने उस समय कुछ नहीं किया जब जर्मनी ने पोलैण्ड पर आक्रमण किया। इसी घटना के कारण द्वितीय विश्वयुद्ध प्रारंभ हो गया और League of Nation अस्तित्व समाप्त हो गया।

संयुक्त राष्ट्रसंघ
United Nation of Organisation (UNO)

- League of Nation की असफलता के बाद UNO की स्थापना की गई। इसका मुख्य उद्देश्य तृतीय विश्वयुद्ध को रोकना तथा सभी देशों में आपसी समन्वय स्थापित करना था।
- UNO के पास अपने सदस्य देशों के सहयोग से अपनी सेना उपस्थित है, जो उसे शक्ति प्रदान करती है।
- 24 अक्टूबर, 1945 को इसकी स्थापना न्यूयार्क में की गई।
- इसका स्थापना का मुख्य श्रेय- रूसबेल्ट (USA), चर्चिल (ब्रिटेन), स्टालिन(रूस), जार्ज क्लेमेशो (फ्रांस) को जाता है।
- **UNO के छ: अंग है–**

1. **न्यास (Trust)** – यह UNO के लिए सदस्य देशों के सहयोग से धन उपलब्ध कराता है।
2. **अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय [Internation court of Justice (ICJ)]** – यह निदरलैण्ड के शहर हेग में है। इसमें 15 जज होते है। इसके एक जज का कार्यकाल 9 वर्ष का होता है। भारतीय जज दलबीर भंडारी इसमें कार्यरत है।
   - नरेन्द्र सिंह दत्त पहले ऐसे भारतीय जज थे जो इस न्यायालय में पहुँचे थे।
3. **सचिवालय (Secretariat)**– UNO के सभी कार्य सचिवालय के अधीन आते है। महासचिव इस सचिवालय पर निगरानी रखता है।
   - पुर्तगाल के एन्टोनियो गुटेरस वर्तमान महासचिव है।
   - नार्वे के त्रिम्बेली इसके पहले महासचिव थे।
   - घाना के कोफी अन्नान तथा दक्षिणी कोरिया के वान-की-मुन दो बार महासचिव रहे।
   - महासचिव का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है।
4. **महासभा (General Assembly)**– यह UNO का सबसे बड़ा भाग है। UNO के सभी सदस्य देश महासभा का सदस्य है। इसे विश्व का लघु संसद कहा जाता है।
   - इसका अधिवेशन वर्ष में कम से-कम एक बार अवश्य बुलाया जाता है। जो सामान्यत: प्रत्येक वर्ष सितम्बर माह में न्यूयार्क में होता है।
   - वर्तमान में इसमें 193 देश है। दक्षिणी सुडान इसका नवीनतम सदस्य है, जो 2011 में जुड़ा।
   - महासभा अध्यक्ष के अधीन रहता है। अध्यक्ष का कार्यकाल 1 वर्ष का होता है।
   - विजयालक्ष्मी पंडित अध्यक्ष बनने वाली पहली महिला थी।
   - किसी नये देश को UNO के अंग बनाने के लिए महासभा तथा सुरक्षा परिषद् से अनुमति लेनी होती है।
5. **सामाजिक एवं आर्थिक परिषद् (Social and Economic Council)**– यह पूरे विश्व में कल्याणकारी कार्य को करता है, इसके कई अंग है-

क्र. सं.	संगठन का नाम	स्थापना	मुख्यालय
1.	अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)	1919	जेनेवा
2.	अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्यन संगठन (ICAO)	1944	मांट्रियल
3.	संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO)	1945	रोम
4.	अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)	1945	वाशिंगटन DC
5.	विश्व बैंक (World Bank)	1945	वाशिंगटन DC
6.	यूनाइटेड नेशन चिल्ड्रेन फंड (UNICEF)	1946	न्यूयार्क
7.	विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)	1948	जेनेवा
8.	विश्व मौसम विभाग (WMO)	1951	जेनेवा
9.	अंतर्राष्ट्रीय परमाणु उर्जा अभिकरण (WMO)	1957	वियना (आस्ट्रिया)
10.	अंतर्राष्ट्रीय समुद्री व्यापार संगठन (IMO)	1958	लंदन
11.	संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)	1965	न्यूयार्क
12.	संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (UNIDO)	1966	वियना (आस्ट्रिया)
13.	संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCC)	1992	बॉन जर्मनी
14.	विश्व व्यापार संगठन (WTO)	1995	जेनेवा
15.	संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद् (UNHRC)	2006	जेनेवा

☞ यह विज्ञान के क्षेत्र में कलिंग पुरस्कार देता है।

5. **सुरक्षा परिषद् (Security Council)–** इसका दायित्व पूरे विश्व में शांति स्थापित करना है, इसे दुनिया का Police Man कहते है।

☞ इसमें 10 अस्थायी तथा 5 स्थायी सदस्य है अर्थात् इसमें कुल 15 सदस्य है।

☞ अस्थायी सदस्यों का कार्यकाल दो वर्षों का होता है।

☞ स्थायी सदस्य आजीवन रहते हैं, इन्हें एक विशेष शक्ति प्राप्त है। जिसे Veto कहते है। इस Veto के माध्यम से वे किसी भी प्रस्ताव को रोक सकते है। अर्थात् किसी भी प्रसताव का पारित कराने के लिए पाँचों सदस्यों का सहमत होना आवश्यक है।

☞ **ये पाँच देश निम्नलिखित है–**

(i) अमेरिका (ii) ब्रिटेन
(iii) फ्रांस (iv) रूस
(v) चीन

☞ **भारत को Veto न मिलने के कारण–**

(1) भारत का UNO में दिया जाने वाला बजट बहुत ही कम है।
(2) कश्मीर मुद्दा अभी भी भारत-पाकिस्तान के बीच विवादित है।
(3) भारत CTBT पर हस्ताक्षर नहीं किया है और परमाणु बम रखे है।
(4) सभी वीटों सदस्य भारत के पक्ष में नहीं है।

☞ **भारत को Veto मिलने के कारण–**

(1) भारत का बजट भले ही कम है, किंतु भारत UNO को बड़ी संख्या में दवाईयाँ तथा सेना उपलब्ध कराता है।
(2) UNO के डिक्सन आयोग का कहना है कि कश्मीर एक क्षेत्रीय मुद्दा है न कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा। अत: UNO को क्षेत्रीय मुद्दे में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।
(3) भारत भले CTBT पर हस्ताक्षर नहीं किया है, और परमाणु बम रखे हुए है, किन्तु भारत की नीति है कि वह पहले परमाणु बम का प्रयोग नहीं करेगा अत: भारत अपना परमाणु बम सुरक्षा के उद्देश्य से रखा है।
(4) भारत UNO का संस्थापक सदस्य है, क्योंकि भारत 1945 में ही UNO का सदस्य बन गया।
(5) भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है।
(6) भारत किसी भी गुट का सदस्य नहीं है।

Note :– भारत के स्थायी सदस्यता में सबसे बड़ी बाधा China है।

संयुक्त राष्ट्रसंघ की भाषा (Language of UNO)

☞ **UNO में मान्यता प्राप्त 6 भाषाएँ हैं–**

(1) English (अंग्रेजी)
(2) French (फ्रेंच)
(3) Arabic (अरबी)
(4) Spanish (स्पेनिश)
(5) Russian (रशीयन)
(6) Chineese (चायनिज) (मंडारिन)

☞ अंग्रेजी तथा फ्रेंच UNO की कर्मचारी भाषा है।

☞ सबसे नवीन भाषा अरबी है।

➢ **G– 4–**

☞ यह चार देशों का एक संगठन है, जो संयुक्त रूप से स्थायी सदस्यता (Veto) की मांग करते है।

☞ इसकी स्थापना 2005 में हुई।

(1) ब्राजील (2) जर्मनी
(3) भारत (4) जापान

☞ जर्मनी का विरोधी रूस है। जापान का कट्टर विरोधीन चीन है। चीन भारत का भी विरोधी है।

☞ ब्राजील का विरोध करने वाला इस Group में कोई नहीं है।

☞ दक्षिणी अमेरिका से ब्राजील आता है, और उस महाद्वीप में किसी के पास Veto नहीं है।

➢ **G – 7–**

☞ इसकी स्थापना 1975 में हुई यह 7 विकसित देशों का एक संघठन है।

(1) कनाडा (2) USA
(3) UK (4) फ्रांस
(5) जर्मनी (6) ईटली
(7) जापान

☞ पहले इसमें रूस भी आता था, तब इसका नाम G- 8 था।

➢ **G – 20–**

☞ इसकी स्थापना 1999 में हुई। यहाँ 20 देशों के केन्द्रीय बैंक के गवर्नर का बैठक होता है।

- **NPT (Nuclear-Non Proliferation Treaty)–**
  - इसकी स्थापना 1968 में हुई।
  - इस संधि पर हस्ताक्षर करने वाले देश इस बात को स्वीकार करते है कि 1974 से पहले परमाणु बम जिन देशों के पास था वे ही परमाणु बम रख सकते हे, बाकि के देश नहीं रख सकते।
  - NPT के अनुसार अमेरिका, UK, France, Russia, China यही परमाणु संपन्न देश है। भारत ने इस संधि पर हस्ताक्षर नहीं किये है।
- **NSG (Nuclear Supplier Group)–**
  - इसकी स्थापना 1974 में हुई
  - यह 48 देशों का एक संगठन है, जिसके पास Uranium का प्रचूर भंडार है। यह शांतिपूर्ण कार्य (बिजली उत्पादन)के लिए Uranium उपलब्ध कराता है।
  - यह उन्हें ही यूरेनियम देता है, जो NPT पर हस्ताक्षर किये है।
  - भारत इसका सदस्य बनना चाहता है, ताकि ये Urenium ले सके किंतु चीन भारत का विरोध करता है।
  - जब तक NSG के 48 सदस्य सर्व सहमति से किसी सदस्य को मान्यता नहीं देते है, तबतक उसे NSG का सदस्य नहीं बनाया जाता है।
- **CTBT (Comprehensive Test Ban Treaty)–**
  - इसकी स्थापना 1996 में हुई।
  - यह संधि जल, थल तथा वायु में नाभिकीय परिक्षण पर रोक लगाता है। भारत इस पर हस्ताक्षर नहीं किया है।
  - भारत भूमिगत (Underground) परमाणु परीक्षण किया है।

    Note :– 18 मई, 1974 को भारत ने अपना पहला परमाणु परीक्षण किया जिसका कोड नाम स्माइलिंग बुद्धा (Smiling Buddha) था। यह परीक्षण पूर्णत: सफल नहीं था।
  - 11 तथा 13 मई, 1998 को भारत ने अपना दूसरा परमाणु परीक्षण किया। इसका कोड नाम शक्ति 98 था। यह पूर्णत: सफल था।
  - भारत ने अपना परमाणु बम का परीक्षण राजस्थान के पोखरण में किया।

वासेनार (Arrangement)

- इसकी स्थापना 1996 में हुई यह परमाणु हथियारों के उत्पादन, प्रसारण तथा रासायनिक हथियारों को पर नियंत्रण रखता है।
- **MTCR (Missile Technology Control Regine)–**
  - इसकी स्थापना 1987 में हुई।
  - यह मिसाईलों के व्यापार पर नियंत्रण रखता हैं भारत इसका नवीनतम (35वाँ) सदस्य बन गया है। इसके सदस्य देश ही 300 किमी. मारक क्षमता वाली मिसाईल की खरीद बिक्री कर सकते है।
  - China इसका सदस्य देश नहीं है, जिस कारण वह लंबी दूरी की मिसाइलों की खरीद-बिक्री नहीं कर सकते है।
  - China यदि MTCR का सदस्य बनना चाहे तो उसे भी 35 देशों के सर्वसहमति से प्रवेश करना होगा। जिसमें भारत उसका विरोध कर देगा।
- **NATO (North Atlantic Treaty Organisation)–**
  - इसकी स्थापना 1949 में हुई।
  - यह एक सैनिक संगठन है। जिसमें 30 देश आते है। 30वां देश उत्तरी मेसीडोनिया है। इसका मुख्यालय ब्रेसेल्स में है। कोई भी देश यदि इनपर हमला करता है, तो ये सभी उनपर आक्रमण करता है। भारत, रूस, चीन इसके सदस्य नहीं है।
- **EU (Europian Union)–**
  - इसकी स्थापना 1993 में हुई।
  - यह यूरोप के 28 देशों का एक संगठन है। इन 28 देशों की एक Common विदेशी तथा आर्थिक नीति है। इन 28 में से 19 देशों की एक ही मुद्रा है, जिसे 'यूरो' करेन्सी कहते है।
- **ASEAN (Association of Southeast Asian Nation)–**
  - इसकी स्थापना 1967 में हुई।
  - यह 10 देशों का एक संगठन है, जिसका मुख्यालय जकार्ता है।
- **SAARC (South Asian Association for Reginal Corporation)–**
  - यह आठ देशों का एक संगठन है, इसकी स्थापना 1985 में हुआ। इसका मुख्यालय काठमाण्डु है। यह एक आर्थिक संगठन है।
- **IBSA–**
  - इसकी स्थापना 2003 में हुई इसमें तीन देश आते है। India, Brazil और South Africa (आर्थिक संगठन)।
- **BRICS–**
  - इसकी स्थापना 2009 में हुई, यह पाँच देशों का एक आर्थिक सम्मेलन है।
  - BRICS देशों ने अपना बैंक बनाया है, जिसे New Development Bank (NDB) कहते है।
  - NDB की स्थापना 2014 में संघाई में की गई।
- **AIIB (Asian Infrastructure Investment Bank)–**
  - इसकी स्थापना 2016 में बीजींग में की गई।
- **ADB (Asian Development Bank)–**
  - इसकी स्थापना 1966 में मणिला में की गई।
- **WB (World Bank)–**
  - इसकी स्थापना 1944 में Washigton DC में की गई। यह विकास के लिए ऋण देता है।
- **IMF (International Monetary Fund)–**
  - इसकी स्थापना 1945 को में Washigton DC में की गई। यह भुगतान संतुलन के लिए ऋण देता है।
- **QUARD (Quadrilateral Security Dialogue)–**
  - इसकी स्थापना 2007 में हुई।
  - क्वाड भारत, अमेरिका जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच अनौपचारिक रणनीतिक वार्ता मंच है। इसका उद्देश्य इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और समन्वय स्थापित करना है।

- यह संगठन China को ट्रेड में घेराबंदी का कार्य करता है।

➢ **LEMOA (Logistic Exchange Memorandum of Agreement) –**

- यह समझौता भारत और अमेरिका के बीच 2016 में हुआ।
- इस समझौते के तहत भारत और अमेरिका एक दूसरे के Neval और Airbase को उपयोग कर सकते है।
- यह समझौता भारत एवं अमेरिकी सेनाओं की एक-दूसरे की सैन्य सुविधाओं तक पहुंच को आसान बनाता है।
- यह समझौता दोनों देशों की सेनाओं को मुख्य रूप से चार क्षेत्र जैसे पोर्ट ऑफ काल, संयुक्त अभ्यास, प्रशिक्षण और मानवीय सहायता तथा आपदा राहत में सुविधा प्रदान करता है।
- LEMOA की सबसे बड़ी लाभार्थी भारतीय नौ सेना है जो विदेशी नौसेनाओं के साथ सबसे ज्यादा सूचनाओं का आदान-प्रदान और अभ्यास करती है।

➢ **COMCASA (Communication Compatibility and Security Agreement) –**

- यह संधि भारत और अमेरिका के बीच 2018 में हुआ।
- यह भारत और अमेरिका के प्रमुख सूचना संधि है।
- इसमें दो बातें बहुत महत्वपूर्ण है।
  1. Secure Data Link
  2. भारत और अमेरिका Real time में एक दूसरे के Data को Exchange कर सकते है।

जेनेवा संधि (Geneva Convention)

1. Geneva Convention of the Law of Sea (1958) –

- देश की तट से 12 नॉट तक सैन्य कार्यवाही तथा 200 नाट तक आर्थिक क्रिया पर सम्बंधित देश का अधिकार होगा।

2. Geneva Convention on Diplomatic Relation (1961) –

- किसी भी देश के राजदूत को गिरफ्तार करना। यह मुकदमा किसी अन्य देश में नहीं हो सकता है। यह मामला अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय का होता है।

3. Geneva Covention Protocal (1970) –

- परमाणु बल का प्रयोग आम जनता तथा पर्यावरण के विरूद्ध नहीं किया जाएगा।

स्मरणीय तथ्य

❖ तीस्ता नदी 414 किलोमीटर लंबी है तथा भारत में यह पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम से होकर गुजरती है। इसकी कुछ सहायक नदियाँ-रानी खोला, रांग्पो, टिकू टू तथा रंगीत हैं।

❖ संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष के रूप में विजयलक्ष्मी पंडित पहली भारतीय महिला थी।

❖ भारत और बांग्लादेश के मध्य वर्तमान में 4 बाजार हाट संचालित हो रहे हैं जिनमें कालीचर एवं बलाट मेघालय में तथा श्रीनगर एवं कमलासागर त्रिपुरा में अवस्थित हैं।

❖ 2018 (मार्च) में फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रोन के साथ नई-दिल्ली, हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 14 नंबर समझौते पर हस्ताक्षर किये गए।

❖ मालदीव हिंद महासागर में 1192 प्रवाल द्वीपों का समूह है, जो 90,000 वर्ग किलोमीटर में विस्तृत है।

❖ भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल समझौता भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू तथा पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति अयूब खान के द्वारा हस्ताक्षरित है। यह समझौता 19 सितंबर, 1960 को करांची में संपन्न हुआ।

❖ संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना 24 अक्टूबर, 1945 को हुई। इसका मुख्यालय न्यूयॉर्क में है।

❖ वर्तमान में यू.एन.ओ. की सदस्य संख्या 193 है तथा इसके महासचिव एंटोनियो गुटेरेस (पुर्तगाल) हैं।

❖ ब्रेटनवुड्स सम्मेलन (1944) के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक की स्थापना की नींव रखी गई। इन्हें ब्रेटनवुड्स सम्मेलन की संतान कहते हैं।

❖ दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) की स्थापना बैंकॉक घोषणा-पत्र द्वारा 8 अगस्त, 1967 को हुई।

❖ एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) नवंबर 1989 को बना। इसका मुख्यालय सिंगापुर में है तथा 21 राष्ट्र इसके सदस्य हैं। भारत इसका सदस्य नहीं है।

❖ सार्क 8 दिसंबर, 1985 को स्थापित हुआ। इसमें आठ देश सम्मिलित हैं। इसका मुख्यालय काठमांडू (नेपाल) में है।

❖ ब्रिक्स-2008 में औपचारिक रूप ग्रहण कर पाया। वर्ष 2020 में सेंट पिट्सवर्ग (रूस) में ब्रिक्स का 12 वाँ शिखर सम्मेलन संपन्न हुआ।

❖ सार्क की स्थापना का श्रेय बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जिया-उर-रहमान को दिया जाता है।

❖ न्यू डेवलपमेंट बैंक (ब्रिक्स बैंक) की स्थापना जुलाई 2014 में हुई। इसका मुख्यालय शंघाई (चीन) में है तथा इसके पहले अध्यक्ष के.वी. कामथ (भारत) थे।

❖ जून 2017 में मोंटेनेग्रो नाटो (NATO) का 29वाँ सदस्य बना।

❖ नवंबर 2020 में G-20 का शिखर सम्मेलन रियाद (सऊदी अरब) में संपन्न हुआ।

❖ शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की स्थापना वर्ष 2001 में हुई थी। हाल ही में 23-24 जून, 2017 को उज्बेकिस्तान के ताशकंद में भारत एवं पाकिस्तान को एक साथ इसकी सदस्यता प्राप्त हुई।

❖ अक्टूबर 2017 में संयुक्त राज्य अमेरिका एवं इजराइल ने यूनेस्को की सदस्यता त्यागने की घोषणा की।

❖ "टर्निंग प्रॉमिसेस इंटू एक्शन: जेंडर इक्वालिटि इन द 2030 एजेंडा फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट" रिपोर्ट यू.एन. वीमेन द्वारा जारी की गई। विश्व बौद्धिक संपदा संगठन का मुख्यालय जेनेवा (स्विट्जरलैंड) में है। इसकी स्थापना 1967 में की गई थी।

❖ मानव विकास सूचकांक के अंतर्गत जीवन प्रत्याशा, शैक्षणिक उपलब्धि एवं प्रति व्यक्ति आय को सम्मिलित किया जाता है।

❖ संयुक्त राष्ट्र के प्रजातंत्रीकरण की मांग मुख्यतः सुरक्षा परिषद के सुधार से संबंधित है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2019 को देशज भाषाओं के लिये अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की गई थी।

❖ सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्यों का चुनाव दो वर्षों के लिये किया जाता है। 'संयुक्त राष्ट्रसंघ दिवस' 24 अक्टूबर को मनाया जाता है।

❖ यूनेस्को की स्थापना वर्ष 1945 में हुई। इसका मुख्यालय पेरिस (फ्रांस) में है तथा सदस्य संख्या 193 है। यह संयुक्त राष्ट्र का महत्त्वपूर्ण घटक है।

❖ यूनेस्को विश्व विरासत सूची स्थल जारी करता है। भारत के 38 स्थान इस सूची में सम्मिलित हैं।

❖ यू.एन.डी.पी. वर्ष 1965 में स्थापित हुआ। इसका मुख्यालय न्यूयॉर्क में है। यू.एन.डी.पी. प्रतिवर्ष मानव विकास रिपोर्ट (HDR) जारी करता है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. ''टर्निंग प्रॉमिसेस इंटू एक्शन: जेंडर इक्वालिटि इन द 2030 एजेंडा फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट'' रिपोर्ट किसके द्वारा जारी की गई हैं?
(A) यू.एन. वीमेन (B) संयुक्त राष्ट्र महासभा
(C) यूनिसेफ (D) लिंग समानता पर समिति
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
Bihar CDPO (Pre.) 2017

2. संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2019 को किस अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में घोषित किया है?
(A) दलहन
(B) विकास के लिये सतत् पर्यटन
(C) देशीय भाषा
(D) प्रकाश-आधारित तकनीक
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
Bihar CDPO (Pre.) 2017

3. जून 2017 में, कौन-सा देश नाटो (NATO) का 29वाँ सदस्य बना?
(A) साउथ सूडान (B) अल्बानिया
(C) बेल्जियम (D) मोंटेनेग्रो
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
Bihar CDPO (Pre.) 2017

4. मार्च 2018 में, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रोन के साथ हैदाराबाद हाउस, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हस्ताक्षरित समझौते की संख्या क्या है?
(A) 10 (B) 12
(C) 14 (D) 16
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
Bihar CDPO (Pre.) 2017

5. 'संयुक्त राष्ट्रसंघ दिवस' कब मनाया जाता है?
(A) 24 अक्टूबर (B) 22 अक्टूबर
(C) 21 दिसंबर (D) 22 नवंबर
Bihar SI (Pre.) 2018

6. संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष के रूप में चुने जाने वाले पहले भारतीय थे–
(A) एस. राधाकृष्णन (B) आचार्य कृपलानी
(C) वी.के. कृष्ण मेनन (D) विजयलक्ष्मी पंडित

7. क्षेत्रीय संगठन आसियान का क्षेत्र है–
(A) पूर्वी एशिया (B) ऑस्ट्रेलिया
(C) दक्षिण-पूर्व एशिया (D) दक्षिण एशिया

8. सार्क का मुख्यालय कहाँ स्थित है?
(A) काठमांडू (B) नई दिल्ली
(C) इस्लामाबाद (D) ढाका

9. परमाणु अप्रसार संधि को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा स्वीकार किया गया–
(A) सितंबर 1965 (B) जून 1968
(C) अप्रैल 1966 (D) अगस्त 1967

10. 2017 में किस भारतीय को अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का जज चुना गया?
(A) बी.एन. राव (B) नागेंद्र सिंह
(C) दिनकर लाल भंडारी (D) दलवीर भंडारी

11. संयुक्त राष्ट्र महासभा के वर्तमान अध्यक्ष हैं–
(A) जियांग जेमिन (B) कोफी अन्नान
(C) मिरोस्लाव लैजक (D) एंटोनियो गुटेरेस

12. अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय कहाँ स्थित है?
(A) न्यूयॉर्क (B) वाशिंग्टन
(C) हेग (D) जिनेवा

ANSWER KEY

01. (A)	02. (C)	03. (D)	04. (C)	05. (A)
06. (D)	07. (C)	08. (A)	09. (B)	10. (D)
11. (D)	12. (C)			

BPSC (Mains) में पूछे गये एवं संभावित प्रश्न

1. वर्तमान में सार्क के समक्ष क्या चुनौतियाँ हैं?
2. 'भारत एवं आसियान देशों के मध्य सहयोग महत्त्वपूर्ण है।' विश्लेषण कीजिये।